CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY, KANPUR

ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

प्रश्नBANK
Bridge of Academic Novelties in Knowledge

KANPUR UNIVERSITY'S QUESTION BANK

QUALITATIVE RESEARCH METHODS (HINDI)

M.A III SEM

- Brief and Intensive Notes
- Multiple Choice Questions

Based On NEP 2020

DR. SHIKHA VERMA

एन०ई०पी०-2020 पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम कोड: A090801T	पाठ्यक्रम शीर्षक: गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ
इकाइयां	विषय
I	गुणात्मक अनुसंधान: ऐतिहासिक विचार: गुणात्मक जांच के विषय: सैद्धांतिक अभिविन्यास; सामाजिक निर्माण और रचनावाद, हेर्मेनेयुटिक्स।
II	गुणात्मक अनुसंधान डिजाइन: त्रिकोणीकरण और मिश्रित विधियां, सामान्य सिद्धांत: अनुसंधान प्रश्न: सही विधि का चयन करना।
III	गुणात्मक अनुसंधान के तरीके: व्याख्यात्मक घटनात्मक विश्लेषण और आधारभूत सिद्धांत: अवधारणा, मान्यताएं और प्रक्रिया।
IV	गुणात्मक अनुसंधान के तरीके: प्रवचन विश्लेषण, कथात्मक विश्लेषण और फोकस समूह: अवधारणा, मान्यताएं और प्रक्रिया।
V	नैतिकता और गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान; सिद्धांत, मुद्दे, दिशानिर्देश और प्रश्न; गुणात्मक अनुसंधान की रिपोर्टिंग।

डॉ. शिखा वर्मा
सहायक प्रोफेसर
मनोविज्ञान विभाग
आचार्य नरेंद्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय
सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय, कानपुर से संबद्ध

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर
CHHATRAPATI SHAHU JI MAHARAJ UNIVERSITY KANPUR
आदित्य तमसो ज्योतिः

इकाई: I

इकाई: I	गुणात्मक अनुसंधान: ऐतिहासिक विचार: गुणात्मक जांच के विषय: सैद्धांतिक अभिविन्यास; सामाजिक निर्माण और रचनावाद, हेर्मेनेयुटिक्स।

1. गुणात्मक अनुसंधान (Qualitative Research)

गुणात्मक अनुसंधान (Qualitative Research) एक अनुसंधान विधि है जो संदर्भ और मानव-केंद्रित दृष्टिकोण से घटनाओं को समझने पर केंद्रित होती है। यह व्यक्तियों या समूहों के अनुभवों, अर्थों और व्याख्याओं का उनके प्राकृतिक परिवेश में अध्ययन करती है। ऐतिहासिक रूप से, गुणात्मक अनुसंधान के जड़ें कई विषयों में पाई जाती हैं, जैसे कि नृविज्ञान, समाजशास्त्र और मनोविज्ञान, और यह 20वीं सदी की शुरुआत में एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के रूप में उभरा।

1.1. ऐतिहासिक विचार:

1. प्रारंभिक चरण:

- गुणात्मक अनुसंधान की उत्पत्ति प्रारंभिक नृविज्ञान और समाजशास्त्रीय अध्ययनों से की जा सकती है। ब्रोनिस्लाव मालिनोवस्की और फ्रांज बोआस जैसे शोधकर्ताओं ने संस्कृतियों और समाजों का अध्ययन करने के लिए नृवंशविज्ञान (ethnographic methods) का उपयोग किया। उनका काम सामाजिक संदर्भों में मानव व्यवहार को समझने की नींव रखता है, जो गुणात्मक अनुसंधान का एक प्रमुख पहलू है।

2. शिकागो स्कूल ऑफ सोशियोलॉजी (1920-1930):

- शिकागो स्कूल ऑफ सोशियोलॉजी ने गुणात्मक विधियों, विशेष रूप से नृवंशविज्ञान और केस स्टडीज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रॉबर्ट ई. पार्क और अर्नेस्ट बर्गेस जैसे शोधकर्ताओं ने सामाजिक बातचीत और शहरी जीवन का अध्ययन करने पर जोर दिया, जिससे समाजशास्त्र में गुणात्मक अनुसंधान का उदय हुआ।

3. प्रत्ययवाद और हरमेन्युटिक्स (20वीं सदी का मध्य):

- प्रत्ययवाद (Phenomenology), जिसका नेतृत्व एडमंड हसरल ने किया, और हरमेन्युटिक्स (Hermeneutics), हांस-जॉर्ज गैडमर से प्रभावित होकर, गुणात्मक अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन दृष्टिकोणों ने अनुभवित अनुभवों और अर्थ की व्याख्या को समझने पर जोर दिया, जिससे गुणात्मक कार्यप्रणालियाँ और अधिक परिष्कृत हुईं।

4. आधारभूत सिद्धांत का उद्भव (1960):

- बार्नी ग्लेजर और अन्सेल्म स्ट्रॉस द्वारा विकसित आधारभूत सिद्धांत ने डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करने के लिए एक व्यवस्थित कार्यप्रणाली का परिचय दिया। यह दृष्टिकोण गुणात्मक अनुसंधान का एक आधार बन गया, जो सिद्धांतात्मक अंतर्दृष्टि बनाने के लिए पुनरावृत्त डेटा संग्रह और विश्लेषण पर जोर देता है।

5. उत्तर आधुनिक और नारीवादी प्रभाव (20वीं सदी का अंत):

- उत्तर आधुनिकता और नारीवादी सिद्धांत ने गुणात्मक अनुसंधान के दायरे को और बढ़ाया। शोधकर्ताओं ने वस्तुनिष्ठता और सत्य की पारंपरिक धारणाओं को चुनौती देना शुरू किया, और अधिक आत्म-चिंतनशील और समावेशी दृष्टिकोणों की वकालत की। इसने गुणात्मक विधियों, जैसे कथा विश्लेषण, प्रवचन विश्लेषण, और सहभागी अनुसंधान के विविधीकरण को जन्म दिया।

6. समकालीन प्रवृत्तियाँ:

- आज, गुणात्मक अनुसंधान एक विविध और गतिशील क्षेत्र है, जो नृवंशविज्ञान, प्रत्ययवाद, आधारभूत सिद्धांत और केस स्टडीज जैसी विभिन्न विधियों को सम्मिलित करता है। यह डिजिटल अनुसंधान, वैश्विक स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में नई चुनौतियों को संबोधित करते हुए निरंतर विकसित हो रहा है।

1.2. गुणात्मक शोध क्या है?

गुणात्मक शोध एक व्यापक दृष्टिकोण है, जो लोगों के अनुभवों और दृष्टिकोणों का अध्ययन करता है। इसमें गहराई से साक्षात्कार, फोकस ग्रुप चर्चा, अवलोकन, सामग्री विश्लेषण और जीवन कथाओं जैसी विधियों का उपयोग किया जाता है।

★ *सिर्फ विधियों का उपयोग करना पर्याप्त नहीं है*
  - केवल गुणात्मक विधियों का उपयोग करना आपको गुणात्मक शोधकर्ता नहीं बनाता।
  - इसमें प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को समझना और उनके व्यवहार, घटनाओं या वस्तुओं को दिए गए अर्थों की व्याख्या करना शामिल है।

★ *व्याख्यात्मक दृष्टिकोण (Interpretive Approach)*
  - इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों के अनुभवों और उनके अर्थों पर ध्यान केंद्रित करना है (जैसे बीमारी या सांस्कृतिक मानदंडों को समझना)।
  - इसे व्याख्यात्मक दृष्टिकोण कहा जाता है।

★ *एक गुणात्मक शोधकर्ता के गुण*
  - एक शोधकर्ता को खुले विचारों वाला, जिज्ञासु, सहानुभूतिपूर्ण, लचीला और अच्छा श्रोता होना चाहिए।
  - शोधकर्ता को प्रतिभागियों को अपनी कहानियां बताने देना चाहिए और उन्हें उनके प्राकृतिक वातावरण में अध्ययन करना चाहिए।

★ *संदर्भ (Context) का महत्व*
  - गुणात्मक शोध यह देखता है कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और भौतिक संदर्भ लोगों के अनुभवों और व्यवहारों को कैसे आकार देते हैं।

★ *विशेषज्ञों द्वारा परिभाषा*
  - डेंज़िन और लिंकन (2008) ने गुणात्मक शोध को प्राकृतिक वातावरण में घटनाओं को समझने और उनकी व्याख्या करने का दृष्टिकोण बताया है।

★ *प्रशिक्षण की आवश्यकता*
  - गुणात्मक शोध करने के लिए कठोर प्रशिक्षण और अनुभव की आवश्यकता होती है।
  - इसे बिना तैयारी के नहीं किया जा सकता, जैसे पेशेवर कौशल (सर्जरी) के लिए प्रशिक्षण आवश्यक होता है।

★ *शोध प्रतिमान (Paradigms)*
  - सामाजिक विज्ञान शोध में दो प्रमुख प्रतिमान हैं:
    - पॉज़िटिविस्ट प्रतिमान: वस्तुनिष्ठता और मापने योग्य तथ्यों पर केंद्रित।
    - व्याख्यात्मक प्रतिमान: अर्थों और व्याख्याओं को समझने पर केंद्रित।
  - गुणात्मक शोध मुख्य रूप से व्याख्यात्मक प्रतिमान का अनुसरण करता है।

★ *गुणात्मक बनाम मात्रात्मक शोध*

गुणात्मक और मात्रात्मक अनुसंधान के बीच अंतर

पहलू	गुणात्मक अनुसंधान	मात्रात्मक अनुसंधान
प्रकृति	खोजपूर्ण, व्यक्तिपरक	पुष्टिकारक, वस्तुनिष्ठ
उद्देश्य	अर्थों, अनुभवों और अवधारणाओं को तलाशना और समझना	चरों को परिमाणित करना और मापना तथा परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
डेटा प्रकार	गैर-संख्यात्मक (जैसे, पाठ, चित्र, ऑडियो)	संख्यात्मक (जैसे, सांख्यिकी, प्रतिशत)
डेटा संग्रह के तरीके	विस्तृत, वर्णनात्मक डेटा जैसे साक्षात्कार, फोकस समूह, अवलोकन, सामग्री विश्लेषण, सर्वेक्षण, प्रयोग, माध्यमिक डेटा विश्लेषण	संख्यात्मक डेटा जैसे सर्वेक्षण, प्रयोग, द्वितीयक डेटा विश्लेषण
डेटा विश्लेषण	विषयगत विश्लेषण, कथा विश्लेषण, सामग्री विश्लेषण	सांख्यिकीय विश्लेषण, गणितीय मॉडलिंग
दृष्टिकोण	आगमनात्मक (डेटा से सिद्धांतों का निर्माण)	निगमनात्मक (सिद्धांतों या परिकल्पनाओं का परीक्षण)
नतीजा	घटनाओं में अंतर्दृष्टि, घटना की गहन समझ, संदर्भ-विशिष्ट अंतर्दृष्टि	सांख्यिकीय संबंध और भविष्यवाणियाँ, सामान्यीकरण योग्य निष्कर्ष, पैटर्न और रुझान
अनुसंधान डिजाइन	उच्च लचीलापन; अध्ययन के दौरान विधियाँ विकसित हो सकती हैं	संरचित; विधियाँ आम तौर पर शुरुआत में ही तय की जाती हैं
नमूने का आकार	आमतौर पर छोटा, गैर-प्रतिनिधि	आमतौर पर बड़ा, प्रतिनिधि या यादृच्छिक नमूनाकरण
सैम्पलिंग	गैर-यादृच्छिक, उद्देश्यपूर्ण या सुविधापूर्ण	यादृच्छिक या व्यवस्थित, बड़ा नमूना आकार
शोधकर्ता की भूमिका	सक्रिय भूमिका, अक्सर डेटा संग्रह और व्याख्या में शामिल होती है	वस्तुनिष्ठ डेटा संग्रह पर ध्यान केंद्रित करते हुए अधिक अलग
केंद्र	संदर्भ और अर्थ को समझना	घटनाओं को मापना और मात्रा निर्धारित करना
वैधता	विश्वसनीयता, हस्तांतरणीयता	विश्वसनीयता की वैधता
सामान्यीकरण	सीमित, संदर्भ-विशिष्ट	व्यापक, सामान्यीकरण योग्य

समय और संसाधन	समय-उपभोक्ता, संसाधन-गहन	बड़े डेटासेट के साथ इसमें कम समय लग सकता है

1.3. गुणात्मक शोध का उपयोग कब करें

गुणात्मक शोध उन मुद्दों को गहराई से समझने और लोगों के दृष्टिकोण और उनके संदर्भ को जानने के लिए आदर्श है। नीचे बताए गए कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं, जहां गुणात्मक शोध का उपयोग किया जाता है:

- *1. नए या जटिल विषयों का पता लगाने के लिए*
  - कम अध्ययन किए गए या नए मुद्दों को समझने में सहायक।
  - जटिल समस्याओं, विश्वासों या व्यवहारों को स्पष्ट करता है।
- *2. 'क्यों' और 'कैसे' सवालों के जवाब देने के लिए*
  - यह बताता है कि लोग किसी विशेष तरीके से व्यवहार क्यों करते हैं।
  - यह वर्णन करता है कि प्रक्रियाएं या व्यवहार कैसे होते हैं।
- *3. संवेदनशील विषयों के लिए*
  - नाजुक मुद्दों (जैसे, यौनता, हिंसा) पर काम करने के लिए उपयुक्त क्योंकि यह प्रतिभागियों को आरामदायक और खुला वातावरण प्रदान करता है।
- *4. लोगों के दृष्टिकोण को समझने के लिए*
  - प्रतिभागियों के विचारों, भावनाओं, राय और भावनाओं पर ध्यान केंद्रित करता है।
  - इसे Verstehen (प्रतिभागियों के दृष्टिकोण से समझना) कहा जाता है।
- *5. व्यवहार और विचारों को स्पष्ट करने के लिए*
  - यह जानने में मदद करता है कि लोग एक विशेष तरीके से क्यों व्यवहार या सोचते हैं।
- *6. प्रक्रियाओं को समझने के लिए*
  - यह पता लगाता है कि लोग निर्णय कैसे लेते हैं, बातचीत कैसे करते हैं, या गतिविधियों को कैसे प्रबंधित करते हैं।
- *7. मात्रात्मक शोध को सहारा देने के लिए*
  - संख्याओं और डेटा को संदर्भ और अर्थ प्रदान करने में मदद करता है।
- *8. अर्थ को समझने के लिए*
  - यह प्रकट करता है कि लोग अपने अनुभवों को क्या अर्थ देते हैं।
- *9. सामाजिक संपर्क और मानदंडों का अध्ययन करने के लिए*
  - यह देखता है कि लोग एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं और वे कौन से मूल्य या मानदंड साझा करते हैं।
- *10. संदर्भों को समझने के लिए*
  - यह अध्ययन करता है कि सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक या भौतिक परिवेश कैसे व्यवहार और क्रियाओं को आकार देते हैं।
- *11. आवाज उठाने के लिए*
  - उन समूहों या आबादी पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनकी बातें अक्सर अनसुनी रह जाती हैं।
- *12. गहराई और विवरण जोड़ने के लिए*
  - शोध विषय को समृद्ध और सूक्ष्म तरीके से समझने में मदद करता है।
- *13. जटिल या छुपे हुए मुद्दों के लिए*

- ऐसे विषयों (जैसे मानव तस्करी या नशीली दवाओं का उपयोग) का अध्ययन करने के लिए उपयोगी है, जिन्हें मात्रात्मक तरीकों से समझना मुश्किल है।

गुणात्मक शोध का उपयोग तब करें जब आपको मानव व्यवहार, अनुभवों, या सामाजिक घटनाओं को संदर्भ में गहराई से समझने और स्पष्ट करने की आवश्यकता हो।

1.4. प्रतिमान क्या है?

- प्रतिमान एक ऐसा ढांचा है जो यह निर्धारित करता है कि शोधकर्ता दुनिया को कैसे देखते हैं और समझते हैं।
- यह यह तय करता है कि वास्तविकता को हम कैसे समझते हैं और अपने अवलोकनों को व्यवस्थित कैसे करते हैं।

1.4.1.. प्रतिमान के प्रमुख तत्व

1. अंतःसत्ता (Ontology):

- यह निर्धारित करता है कि हम वास्तविकता को कैसे समझते हैं।
- उदाहरण:
  - क्या वास्तविकता तथ्यों पर आधारित है या विश्वासों पर?
  - क्या यह क्रियाओं, व्यवहारों या अर्थों पर आधारित है?
- गुणात्मक शोध में अंतःसत्ता आमतौर पर अर्थों, विश्वासों और दृष्टिकोणों को समझने पर केंद्रित होती है।

2. ज्ञानमीमांसा (Epistemology):

- यह ज्ञान और प्रमाण को परिभाषित करने से संबंधित है।
- इसमें सवाल उठते हैं:
  - शोधकर्ता और अध्ययन किए गए विषय के बीच क्या संबंध है?
  - क्या प्रमाण वैध माना जाएगा?

3. कार्यप्रणाली (Methodology):

- यह उन तरीकों और उपकरणों को संदर्भित करता है जिनका उपयोग डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने में किया जाता है।
- चुनी गई कार्यप्रणाली शोध के अंतःसत्ता और ज्ञानमीमांसा के सिद्धांतों पर निर्भर करती है।

1.4.2. व्याख्यात्मक और पॉज़िटिविस्ट प्रतिमान

➔ ***पॉज़िटिविस्ट प्रतिमान***

पॉज़िटिविस्ट प्रतिमान 1970 से पहले सामाजिक विज्ञान में प्रमुख था। यह तथ्यों, वस्तुनिष्ठ माप और प्रयोगात्मक शोध पर आधारित है।

पॉज़िटिविस्ट प्रतिमान की विशेषताएं:

- तथ्य और वस्तुनिष्ठता पर जोर: यह माने रखता है कि वास्तविकता को मापा और अध्ययन किया जा सकता है बिना किसी व्यक्तिगत पक्षपात के।
- परिकल्पना का परीक्षण: शोधकर्ता परिकल्पना तैयार करते हैं, डेटा इकट्ठा करते हैं, और वैज्ञानिक तरीके से परिकल्पना की जांच करते हैं।
- मूल्य-मुक्त अनुसंधान: यह मानता है कि शोधकर्ता की व्यक्तिगत राय या मान्यताओं का अनुसंधान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

आलोचना:

- यह मानवीय अनुभवों की उपेक्षा करता है।

- यह नहीं देखता कि लोगों के व्यवहार पर उनके सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ का क्या प्रभाव है।
- प्रतिभागियों को इंसान की बजाय केवल डेटा के रूप में देखता है।

➔ **व्याख्यात्मक प्रतिमान**

व्याख्यात्मक प्रतिमान पॉज़िटिविज़्म की प्रतिक्रिया में उभरा। यह लोगों के अनुभवों और उनके सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को समझने पर जोर देता है।

व्याख्यात्मक प्रतिमान की विशेषताएं:

- अनुभवों पर ध्यान: यह समझने की कोशिश करता है कि लोग अपनी दुनिया को कैसे अनुभव और महसूस करते हैं। इसे "एमिक" या "अंदरूनी दृष्टिकोण" कहा जाता है।
- संदर्भ का महत्व: मानता है कि लोगों का व्यवहार उनके सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक या व्यक्तिगत संदर्भ से प्रभावित होता है।
- वास्तविकता का विविध रूप: स्वीकार करता है कि वास्तविकता के कई अर्थ हो सकते हैं, क्योंकि लोगों की धारणा अलग-अलग होती है।
- शोधकर्ता का प्रभाव: मानता है कि शोधकर्ता के अपने अनुभव और पृष्ठभूमि डेटा संग्रह और व्याख्या को प्रभावित कर सकते हैं।
- सामाजिक निर्माण: यह मानता है कि वास्तविकता लोगों के बीच साझा अर्थों और बातचीत के माध्यम से बनती है।

पॉज़िटिविस्ट और व्याख्यात्मक प्रतिमान में अंतर

पॉज़िटिविस्ट प्रतिमान	व्याख्यात्मक प्रतिमान
तथ्य और माप पर केंद्रित ।	अनुभव और अर्थों को समझने पर केंद्रित ।
शोध को मूल्य-मुक्त मानता है।	शोधकर्ता के मूल्यों और प्रभाव को स्वीकार करता है।
डेटा के जरिए परिकल्पना का परीक्षण करता है।	प्रतिभागियों के संदर्भ और दृष्टिकोण को समझता है।
वास्तविकता को एकसमान और स्थिर मानता है।	वास्तविकता को बहुआयामी और व्यक्तिपरक मानता है।

1.4.3. समझना (Understanding), अंतरदृष्टि (Verstehen) और आत्म-चिंतन (Reflexivity)

1. समझना (Understanding) और अंतरदृष्टि (Verstehen)

- **समझना (Understanding):** यह तब होता है जब शोधकर्ता अपने दृष्टिकोण से लोगों के व्यवहार, अनुभव या मान्यताओं का विश्लेषण करता है।
- **अंतरदृष्टि (Verstehen):** यह एक गहरी प्रक्रिया है, जिसमें लोगों के अनुभवों को उनके अपने दृष्टिकोण से, उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में समझा जाता है।

उदाहरण:

- एक डॉक्टर ठंड को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाता है (जैसे कि यह वायरस के कारण हुई)।

- लेकिन मरीज सोचता है कि ठंड उसे इसलिए लगी क्योंकि वह बारिश में भीग गया था।
- अंतरदृष्टि, इस "अंदरूनी" दृष्टिकोण को समझने में मदद करता है, जो प्रभावी समाधान और संवाद के लिए जरूरी है।

2. Emic और Etic दृष्टिकोण

- Emic (अंदरूनी दृष्टिकोण): यह इस पर ध्यान केंद्रित करता है कि एक संस्कृति के लोग अपने अनुभवों को कैसे देखते और समझते हैं।
- Etic (बाहरी दृष्टिकोण): यह शोधकर्ता या बाहरी व्यक्ति का विश्लेषण और व्याख्या है।

उदाहरण:

- एक विकास परियोजना ने स्वास्थ्य सुधार के लिए निजी शौचालय बनाने की योजना बनाई।
  - Etic दृष्टिकोण: शौचालय स्वास्थ्य में सुधार करते हैं क्योंकि वे संक्रमण कम करते हैं।
  - Emic दृष्टिकोण: स्थानीय महिलाएं खुले मैदान में शौच को सामाजिक गतिविधि मानती थीं।
- परिणाम: परियोजना ने गांव के किनारे सार्वजनिक शौचालय बनाए, जिससे स्वास्थ्य और सामाजिक जरूरतों का संतुलन बना।

3. शोध में व्यक्तिपरकता (Subjectivity)

- व्यक्तिपरकता का मतलब है:
  - प्रतिभागियों के दृष्टिकोण उनके व्यक्तिगत अनुभवों और संदर्भों से प्रभावित होते हैं।
  - शोधकर्ता भी अपने नजरिए, पूर्वाग्रहों और धारणाओं को अध्ययन में लाते हैं।
- ये कारक डेटा संग्रह, विश्लेषण और प्रस्तुति को प्रभावित कर सकते हैं।

4. आत्म-चिंतन (Reflexivity): शोध में आत्म-जागरूकता

- रिफ्लेक्सिविटी एक प्रक्रिया है जिसमें शोधकर्ता यह सोचते हैं कि:
  - उनकी व्यक्तिगत पृष्ठभूमि, विश्वास, या कार्य शोध को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।
  - प्रतिभागी शोधकर्ता की पहचान या व्यवहार पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं।

उदाहरण:

- यदि एक शोधकर्ता ऐसे कपड़े पहनता है जो उसकी धार्मिक पहचान को स्पष्ट करते हैं, तो प्रतिभागी भी अनजाने में अपनी धार्मिक प्रतिबद्धता पर जोर दे सकते हैं।
- रिफ्लेक्सिविटी सुनिश्चित करती है कि शोधकर्ता ऐसे संभावित पूर्वाग्रहों को पहचानें और शोध को अधिक वैध बनाएं।

आत्म-चिंतन के प्रकार

1. व्यक्तिगत आत्म-चिंतन (Personal Reflexivity):

- शोधकर्ता यह जांचते हैं कि उनकी पृष्ठभूमि (जैसे सामाजिक पहचान, मूल्य) शोध प्रक्रिया को कैसे प्रभावित कर रही है।
- उदाहरण: एक शहरी क्षेत्र से आने वाला शोधकर्ता ग्रामीण समुदायों के अध्ययन में अपनी शहरी दृष्टि के प्रभाव का आकलन कर सकता है।

2. अंतर-व्यक्तिगत आत्म-चिंतन (Interpersonal Reflexivity):

- यह शोधकर्ता और प्रतिभागियों के बीच परस्पर क्रिया पर ध्यान केंद्रित करती है।
- यह देखती है कि प्रतिभागी शोधकर्ता की उपस्थिति, स्वर, या व्यवहार से कैसे प्रभावित होते हैं।

आत्म-चिंतन क्यों महत्वपूर्ण है?

- आत्म-चिंतन शोधकर्ताओं को:
  - पूर्वाग्रह को पहचानने और कम करने में मदद करती है।
  - शोध प्रक्रिया को वैध और विश्वसनीय बनाती है।
  - सुनिश्चित करती है कि शोध निष्कर्ष सटीक और अर्थपूर्ण हों।
  - यह शोध प्रक्रिया के हर चरण में उपयोगी है—शोध डिज़ाइन से लेकर डेटा व्याख्या और निष्कर्ष प्रस्तुति तक।

अंतरदृष्टि, Emic और Etic दृष्टिकोण, और आत्म-चिंतन का अभ्यास, शोधकर्ताओं को अधिक सटीक, सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और सार्थक गुणात्मक शोध तैयार करने में मदद करता है।

1.5. गुणात्मक जांच के विषय (Qualitative Inquiry)

गुणात्मक जांच के विषय (Qualitative Inquiry) एक विस्तृत अनुसंधान विधि है जो मानव अनुभवों, धारणाओं और सामाजिक संदर्भों की खोज पर केंद्रित होती है। गुणात्मक अनुसंधान की कई आवर्ती थीम्स (Themes) होती हैं जो इसे मात्रात्मक अनुसंधान (Quantitative Research) से अलग करती हैं। यहाँ गुणात्मक अनुसंधान की प्रमुख थीम्स दी गई हैं:

1. ***विषयगतता और आत्म-चिंतनशीलता:***
   - *विषयगतता:* गुणात्मक अनुसंधान में विषयगतता को स्वीकार किया जाता है, जिसमें अनुसंधानकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। अनुसंधान प्रक्रिया में अनुसंधानकर्ता के दृष्टिकोण, मूल्य और अनुभव इस बात को प्रभावित करते हैं कि डेटा कैसे एकत्र किया जाता है, व्याख्या की जाती है और प्रस्तुत की जाती है।
   - *आत्म-चिंतनशीलता:* आत्म-चिंतनशीलता का अर्थ है कि अनुसंधानकर्ता अपने पूर्वाग्रहों, धारणाओं और अनुसंधान पर अपने प्रभाव के बारे में सक्रिय रूप से सोचते हैं। यह आत्मनिरीक्षण सुनिश्चित करता है कि निष्कर्ष केवल वस्तुनिष्ठ नहीं हैं, बल्कि अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागियों के अनुभवों के संदर्भ में प्रस्तुत किए गए हैं।
2. ***समग्र समझ:***
   - गुणात्मक अनुसंधान घटनाओं को एक संपूर्ण के रूप में समझने पर जोर देता है, बजाय इसके कि उन्हें मापने योग्य घटकों में विभाजित किया जाए। इसका उद्देश्य मानवीय अनुभवों और सामाजिक इंटरैक्शन की जटिलता को उनके प्राकृतिक परिवेश में कैद करना है, जिससे विषय वस्तु की एक व्यापक और गहरी समझ उत्पन्न होती है।
3. ***संदर्भीकरण:***
   - संदर्भ गुणात्मक अनुसंधान का एक केंद्रीय तत्व है। अनुसंधानकर्ता इस बात को समझने पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि सामाजिक, सांस्कृतिक, और पर्यावरणीय संदर्भ कैसे व्यक्तियों के अनुभवों और व्यवहार को आकार देते हैं। यह संदर्भीकरण सुनिश्चित करता है कि निष्कर्ष उन विशिष्ट स्थितियों के लिए प्रासंगिक हैं जिनका अध्ययन किया जा रहा है, बजाय इसके कि उन्हें विभिन्न सेटिंग्स में सामान्यीकृत किया जाए।
4. ***अर्थ निर्माण:***
   - गुणात्मक अनुसंधान की एक मुख्य थीम यह है कि यह समझा जाए कि लोग अपने अनुभवों और अपने आस-पास की दुनिया का क्या अर्थ निकालते हैं। इसमें प्रतिभागियों की व्याख्याओं, कथाओं और धारणाओं की खोज शामिल होती है। गुणात्मक अनुसंधान

संख्यात्मक डेटा या सांख्यिकीय विश्लेषण के बजाय अर्थ निर्माण प्रक्रियाओं पर केंद्रित होता है।

5. ***उभरती डिजाइन:***
   - गुणात्मक अनुसंधान अक्सर उभरती डिजाइन का अनुसरण करता है, जिसमें अनुसंधान प्रक्रिया अध्ययन के दौरान विकसित होती है। यह लचीला दृष्टिकोण अनुसंधानकर्ताओं को अपनी विधियों और फोकस को डेटा संग्रह के दौरान उभरने वाले निष्कर्षों के आधार पर अनुकूलित करने की अनुमति देता है। यह मात्रात्मक अनुसंधान में अक्सर पाई जाने वाली कठोर, पूर्वनिर्धारित संरचनाओं के विपरीत है।

6. **गहन और समृद्ध विवरण:**
   - गुणात्मक अनुसंधान का उद्देश्य घटनाओं का विस्तृत और सूक्ष्म वर्णन प्रदान करना है। इसमें गहराई पर जोर दिया जाता है, न कि व्यापकता पर, और मानवीय अनुभवों की समृद्धि और जटिलता को कैद किया जाता है। इसमें अक्सर "घनीवर्णन" (Thick Descriptions) का उपयोग होता है, जो प्रतिभागियों के कार्यों और शब्दों के संदर्भ और अर्थ को दर्शाते हैं।

7. ***अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागी का आपसी संबंध:***
   - गुणात्मक अनुसंधान में अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागी के बीच का संबंध बहुत महत्वपूर्ण होता है। मात्रात्मक अनुसंधान के निष्पक्ष रुख के विपरीत, गुणात्मक अनुसंधान में अक्सर एक सहयोगात्मक और इंटरैक्टिव प्रक्रिया शामिल होती है। अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागी अर्थ का सह-निर्माण करते हैं, और अनुसंधानकर्ता सक्रिय रूप से प्रतिभागियों के दृष्टिकोणों और अनुभवों से जुड़ते हैं।

8. ***आगमनात्मक विश्लेषण:***
   - गुणात्मक अनुसंधान में डेटा विश्लेषण के लिए सामान्यत: आगमनात्मक दृष्टिकोण (Inductive Approach) अपनाया जाता है। पूर्व-निर्धारित सिद्धांतों का परीक्षण करने के बजाय, अनुसंधानकर्ता डेटा से सीधे सिद्धांत और अवधारणाएँ उत्पन्न करते हैं। यह निचले स्तर से ऊपर की ओर का दृष्टिकोण प्रतिभागियों के अनुभवों में निहित नई अंतर्दृष्टियों और पैटर्न के उभरने की अनुमति देता है।

1.6. गुणात्मक अनुसंधान में सैद्धांतिक अभिविन्यास (Theoretical Orientations in Qualitative Research)

गुणात्मक अनुसंधान में सैद्धांतिक अभिविन्यास (Theoretical Orientations) वे बुनियादी ढांचे और दृष्टिकोण हैं जो अध्ययन के डिज़ाइन, डेटा संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या को निर्देशित करते हैं। ये अभिविन्यास इस बात को प्रभावित करते हैं कि शोधकर्ता अपनी जांच कैसे करते हैं, वे कौन से प्रश्न पूछते हैं और वे अपने डेटा को कैसे समझते हैं। नीचे गुणात्मक अनुसंधान में कुछ प्रमुख सैद्धांतिक अभिविन्यास दिए गए हैं:

1. **प्रत्ययवाद (Phenomenology):**
   - *विवरण:* प्रत्ययवाद दर्शन से उत्पन्न हुआ है और इसका उद्देश्य व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों को उनकी दृष्टि से समझना और वर्णित करना है। इसका लक्ष्य घटनाओं का सार (essence) उजागर करना है, जिससे यह जाना जा सके कि लोग अपनी दैनिक जीवन की घटनाओं का अनुभव कैसे करते हैं। यह अभिविन्यास प्रतिभागियों के अनुभवों की व्यक्तिपरक (subjective) व्याख्या पर जोर देता है।

- *मुख्य पहलू:* इसमें गहन साक्षात्कार और चिंतनशील लेखन जैसी विधियाँ शामिल हैं, जहाँ शोधकर्ता अपने पूर्वाग्रहों को अलग रखकर प्रतिभागियों की दुनिया को समझने का प्रयास करते हैं।
- *उदाहरण:* एक शोधकर्ता दुःख के अनुभव का अध्ययन कर सकता है कि अलग-अलग व्यक्ति अपने प्रियजनों की मृत्यु से कैसे निपटते हैं और उस अनुभव को कैसे महसूस करते हैं।

2. नृवंशविज्ञान (Ethnography):

- *विवरण:* नृवंशविज्ञान मानवशास्त्र (Anthropology) से जुड़ा है और इसका उद्देश्य संस्कृतियों और सामाजिक समूहों को उनकी परिस्थितियों में गहराई से समझना है। इसमें शोधकर्ता समाज या सांस्कृतिक संदर्भ में हिस्सा लेकर उनके साझा अर्थों, प्रथाओं और रीतियों का पता लगाते हैं।
- *मुख्य पहलू:* इसमें लंबी अवधि का फील्डवर्क, प्रतिभागी अवलोकन और विस्तृत सांस्कृतिक विवरण शामिल होते हैं।
- *उदाहरण:* एक नृवंशविज्ञानी शोधकर्ता एक दूरदराज के गाँव में रहकर वहाँ के समाज की सामाजिक गतिशीलता, परंपराओं और विश्वास प्रणालियों का अध्ययन कर सकता है।

3. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory):

- *विवरण:* आधारभूत सिद्धांत एक व्यवस्थित पद्धति है, जिसे ग्लेसर और स्ट्रॉस द्वारा विकसित किया गया था, जहाँ लक्ष्य सीधे डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करना होता है। इसमें शोधकर्ता पहले से परिकल्पना के साथ शुरू नहीं करते, बल्कि डेटा से सिद्धांत विकसित करते हैं।
- *मुख्य पहलू:* इसमें डेटा संग्रह और विश्लेषण एक साथ होते हैं, और लगातार तुलना (constant comparison) का एक महत्वपूर्ण तरीका है, जहाँ उभरती श्रेणियों (emerging categories) के साथ डेटा की तुलना की जाती है।
- *उदाहरण:* आधारभूत सिद्धांत का उपयोग करियर संक्रमण के दौरान लोगों के अनुभवों का विश्लेषण करके यह सिद्धांत विकसित किया जा सकता है कि लोग नौकरी परिवर्तन का कैसे सामना करते हैं।

4. आख्यान जांच (Narrative Inquiry):

- *विवरण:* आख्यान जांच उन कहानियों का अध्ययन करने पर केंद्रित होती है जो लोग अपने जीवन और अनुभवों के बारे में बताते हैं। यह अभिविन्यास इस बात को समझने पर जोर देता है कि व्यक्ति अपनी पहचान, संबंधों और सामाजिक दुनिया का अर्थ कैसे बनाते हैं।
- *मुख्य पहलू:* शोधकर्ता आख्यानों को इकट्ठा करते हैं और उनका विश्लेषण करते हैं, चाहे वे लिखित रूप में हों, साक्षात्कार हों या अन्य मीडिया के रूप में हों।
- *उदाहरण:* एक अध्ययन प्रवासी व्यक्तियों की जीवन कहानियों का विश्लेषण कर सकता है ताकि यह समझा जा सके कि वे एक नए देश में अपनी पहचान कैसे बनाते हैं।

5. केस स्टडी (Case Study):

- *विवरण:* केस स्टडी अनुसंधान एक विशेष केस का उसकी वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में गहन अध्ययन है। केस एक व्यक्ति, समूह, संगठन, घटना, या प्रक्रिया हो सकता है। इसका उद्देश्य केस की जटिलताओं और गहराई को समझना होता है और इसके लिए कई डेटा स्रोतों का उपयोग किया जाता है, जैसे साक्षात्कार, दस्तावेज़ और अवलोकन।

- *मुख्य पहलू:* केस स्टडी शोध में अन्वेषणात्मक (exploratory), व्याख्यात्मक (explanatory), या वर्णनात्मक (descriptive) दृष्टिकोण हो सकते हैं।
- *उदाहरण:* एक केस स्टडी अध्ययन एक विशेष सीईओ की नेतृत्व शैली और इसके संगठन की संस्कृति और प्रदर्शन पर प्रभाव का विश्लेषण कर सकती है।

6. नारीवादी सिद्धांत (Feminist Theory):

- *विवरण:* नारीवादी सिद्धांत गुणात्मक अनुसंधान में शक्ति, लिंग, और असमानता के मुद्दों का अध्ययन करता है। इसका उद्देश्य हाशिए के समूहों, विशेष रूप से महिलाओं की आवाज़ को सुनना और समाज में व्याप्त असमानताओं को चुनौती देना होता है। नारीवादी शोधकर्ता अक्सर सामाजिक न्याय से संबंधित होते हैं और अपने शोध के माध्यम से बदलाव की मांग करते हैं।
- *मुख्य पहलू:* इसमें गहन साक्षात्कार, फोकस ग्रुप और सहभागी शोध जैसी विधियाँ शामिल होती हैं जो प्रतिभागियों के सशक्तीकरण पर जोर देती हैं।
- *उदाहरण:* एक नारीवादी अध्ययन यह शोध कर सकता है कि किसी उद्योग में काम करने वाली महिलाएँ कार्यस्थल के भेदभाव का सामना कैसे करती हैं और अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन कैसे बनाती हैं।

7. आलोचनात्मक सिद्धांत (Critical Theory):

- *विवरण:* आलोचनात्मक सिद्धांत (Critical Theory) फ्रैंकफर्ट स्कूल से प्रभावित है और इसका उद्देश्य शक्ति संरचनाओं, विचारधाराओं और सामाजिक असमानताओं की आलोचना करना है। यह अभिविन्यास केवल दुनिया को समझने के लिए नहीं, बल्कि उसे बदलने के लिए भी होता है, खासकर जाति, वर्ग, लिंग, और शक्ति गतिशीलता जैसे मुद्दों पर।
- *मुख्य पहलू:* आलोचनात्मक सिद्धांत के शोधकर्ता मुक्ति (emancipation) और सामाजिक न्याय पर ध्यान केंद्रित करते हैं और उन तरीकों का उपयोग करते हैं जो दबाए गए समूहों की आवाज़ को सुनने का अवसर प्रदान करते हैं।
- *उदाहरण:* एक आलोचनात्मक सिद्धांत अध्ययन यह शोध कर सकता है कि शैक्षिक नीतियाँ अल्पसंख्यक छात्रों को कैसे नुकसान पहुँचाती हैं और शिक्षा प्रणाली में समानता लाने के तरीके सुझा सकता है।

8. उत्तरसंरचनावाद और उत्तरआधुनिकता (Poststructuralism and Postmodernism):

- *विवरण:* उत्तरसंरचनावाद और उत्तरआधुनिकता स्थिर अर्थ, उद्देश्यपूर्ण सत्य, और स्थिर पहचान की धारणा को चुनौती देते हैं। ये अभिविन्यास अर्थ की तरलता, वास्तविकता को आकार देने में भाषा की भूमिका, और प्रभुत्वशाली कथाओं और शक्ति संबंधों की पुनर्व्याख्या पर जोर देते हैं।
- *मुख्य पहलू:* इसमें प्रवचन विश्लेषण (discourse analysis) और पाठों (texts) की विघटनात्मक व्याख्या (deconstructive reading) शामिल हो सकती है, जिसमें छिपे हुए अनुमान और विरोधाभासों को उजागर करने का प्रयास किया जाता है।
- *उदाहरण:* एक उत्तरसंरचनावादी अध्ययन लिंग की मीडिया प्रस्तुतियों का विश्लेषण कर सकता है ताकि यह समझा जा सके कि लिंग पहचान कैसे निर्मित और बनाए रखी जाती है।

1.7. सामाजिक निर्माण और निर्माणवाद का विवरण (Description of social construction and constructionism)

सामाजिक निर्माणवाद और निर्माणवाद वे सैद्धांतिक दृष्टिकोण हैं जो यह समझने का प्रयास करते हैं कि मनुष्य वास्तविकता को कैसे समझते हैं, इंटरप्रेट करते हैं, और उसकी व्याख्या करते हैं। हालांकि ये दृष्टिकोण संबंधित हैं, लेकिन ये विभिन्न अनुशासनों जैसे समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और शिक्षा में अलग-अलग तरीके से लागू होते हैं।

1.7.1. सामाजिक निर्माणवाद

सामाजिक निर्माणवाद एक समाजशास्त्रीय सिद्धांत है जो यह मानता है कि वास्तविकता सामाजिक संपर्क, भाषा, और सांस्कृतिक मानदंडों के माध्यम से निर्मित होती है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, हमारे द्वारा वास्तविकता की समझ स्वाभाविक या स्थिर नहीं होती, बल्कि सामाजिक प्रक्रियाओं और सामूहिक सहमति द्वारा निरंतर आकार लेती है। सामाजिक निर्माणवाद पर जोर दिया जाता है कि ज्ञान मानव संबंधों, संचार, और सामाजिक संदर्भ के माध्यम से बनाया जाता है।

बर्गर और लुकमैन (1966) ने सामाजिक निर्माणवाद के सिद्धांत को प्रस्तुत किया। उनके अनुसार, वास्तविकता समाज में व्यक्तियों की बातचीत के माध्यम से बनाई जाती है। भाषा, मानदंड, और प्रतीकों जैसे प्रक्रियाओं के माध्यम से लोग साझा समझ को समझते और मजबूत करते हैं। यह सिद्धांत यह बताता है कि जो हम "सत्य" या "ज्ञान" मानते हैं, वह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भ पर निर्भर करता है न कि मानव धारणाओं से स्वतंत्र।

सामाजिक निर्माणवाद के प्रमुख पहलू:

1. *वास्तविकता का सामाजिक निर्माण:* सामाजिक निर्माणवादी मानते हैं कि जो हम "वास्तविकता" के रूप में समझते हैं, वह वास्तव में सामाजिक बातचीत और सहमति का उत्पाद होता है। उदाहरण के लिए, जाति, लिंग, और वर्ग जैसे अवधारणाएं स्थिर वस्तुनिष्ठ सत्य के रूप में नहीं देखी जातीं, बल्कि सामाजिक रूप से निर्मित श्रेणियाँ होती हैं।
2. *भाषा और संवाद:* भाषा सामाजिक निर्माणवाद में एक केंद्रीय भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से अर्थ बनाए जाते हैं, साझा किए जाते हैं, और सांस्कृतिक संदर्भ में बनाए रखते हैं।
3. *शक्ति और विचारधारा:* सामाजिक निर्माणवाद अक्सर यह अध्ययन करता है कि शक्ति संरचनाएँ वास्तविकता के निर्माण को कैसे प्रभावित करती हैं। समाज में प्रमुख समूह अपनी विचारधाराओं और मानदंडों को "प्राकृतिक" या "सार्वभौमिक" के रूप में थोप सकते हैं, भले ही वे सामाजिक रूप से निर्मित हों।

सामाजिक निर्माणवाद के अनुप्रयोग:

1. *समाजशास्त्र:* समाजशास्त्र में, सामाजिक निर्माणवाद का उपयोग यह विश्लेषण करने के लिए किया जाता है कि समाजिक मानदंड और संस्थान (जैसे परिवार, शिक्षा, कानून) मानव व्यवहार और संपर्कों को कैसे आकार देते हैं।
2. *मनोविज्ञान:* मनोविज्ञान में, यह अध्ययन करता है कि व्यक्तियों की स्वयं और दुनिया की समझ सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों द्वारा कैसे निर्मित होती है।
3. *शिक्षा:* शिक्षा में, यह जांचता है कि कक्षा सेटिंग में ज्ञान कैसे निर्मित होता है और छात्रों और शिक्षकों के बीच सामाजिक इंटरैक्शन के माध्यम से।

1.7..2. निर्माणवाद

निर्माणवाद एक मनोवैज्ञानिक और शैक्षिक सिद्धांत है जो यह मानता है कि व्यक्ति अपने अनुभवों और उन अनुभवों पर विचार करके दुनिया की समझ और ज्ञान का निर्माण करते हैं। निर्माणवाद यह मानता है कि शिक्षा एक सक्रिय, निर्माणात्मक प्रक्रिया है जहाँ शिक्षार्थी अपने पूर्व ज्ञान और अनुभवों के आधार पर नई समझ बनाते हैं।

जीन पियाजे (1970) और लेव विगोत्स्की (1978) निर्माणवाद के प्रमुख व्यक्ति हैं। पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, बच्चे सक्रिय रूप से दुनिया की समझ का निर्माण करते हैं और विभिन्न विकासात्मक चरणों के माध्यम से इसे विकसित करते हैं। विगोत्स्की ने, सामाजिक निर्माणवाद पर जोर दिया, और कहा कि संज्ञानात्मक विकास एक सहयोगी प्रक्रिया है, जो अधिक जानकार दूसरों (जैसे शिक्षक, सहपाठी) के साथ बातचीत द्वारा प्रभावित होती है।

निर्माणवाद के प्रमुख पहलू:

1. *सक्रिय शिक्षण:* निर्माणवाद यह मानता है कि शिक्षार्थी अपने ज्ञान का सक्रिय रूप से निर्माण करते हैं, बजाय कि जानकारी को निष्क्रिय रूप से आत्मसात करने के। शिक्षार्थी व्यावहारिक गतिविधियों और चिंतन के माध्यम से नई समझ का निर्माण करते हैं।
2. *पूर्वज्ञान:* निर्माणवाद मानता है कि नया ज्ञान पूर्वज्ञान के आधार पर समझा जाता है। शिक्षार्थी नई जानकारी की व्याख्या अपने पहले से मौजूद ज्ञान के आधार पर करते हैं।
3. *सामाजिक इंटरैक्शन:* विशेष रूप से सामाजिक निर्माणवाद में, विगोत्स्की ने सामाजिक इंटरैक्शन और सहयोग की महत्ता को उजागर किया, जो ज्ञान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

निर्माणवाद के अनुप्रयोग:

1. *शिक्षा:* निर्माणवाद शैक्षिक सेटिंग्स में व्यापक रूप से लागू होता है, जहाँ यह सक्रिय शिक्षण, समस्या-समाधान, और सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण के तरीकों को सूचित करता है।
2. *मनोविज्ञान:* मनोविज्ञान में, निर्माणवाद का उपयोग यह समझने के लिए किया जाता है कि व्यक्ति अपने संज्ञानात्मक ढांचे और अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं।

1.7.3. सामाजिक निर्माणवाद और निर्माणवाद का तुलना

हालांकि दोनों सिद्धांत ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ये अलग-अलग दृष्टिकोण पर जोर देते हैं:

1. *सामाजिक निर्माणवाद:* यह ध्यान केंद्रित करता है कि ज्ञान और वास्तविकता सामाजिक प्रक्रियाओं और सामूहिक सहमति के माध्यम से निर्मित होती हैं। यह समाज और सांस्कृतिक संदर्भ पर ध्यान देता है।
2. *निर्माणवाद:* यह ध्यान केंद्रित करता है कि व्यक्ति सक्रिय रूप से ज्ञान का निर्माण करते हैं अपने व्यक्तिगत अनुभवों और संज्ञानात्मक विकास के माध्यम से। यह सीखने की सक्रिय भूमिका पर बल देता है।

दोनों दृष्टिकोण शिक्षा, समाजशास्त्र, और मनोविज्ञान जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं, जहाँ मानव संज्ञान और सामाजिक इंटरएक्शन की जटिलताओं को समझना आवश्यक है। इन दृष्टिकोणों को एकीकृत करके, शिक्षक और शोधकर्ता मानव संज्ञान और सामाजिक इंटरएक्शन की जटिलताओं को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं।

1.8. हर्मेनेयूटिक्स

हर्मेनेयूटिक्स एक ज्ञान की शाखा है जो विशेष रूप से पाठों, भाषा और प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों की व्याख्या से संबंधित है। इसका उदय धार्मिक ग्रंथों की अध्ययन से हुआ और इसके बाद यह दार्शनिक, साहित्यिक और सामाजिक विज्ञानों में विस्तारित हो गया।

1. **उत्पत्ति और ऐतिहासिक विकास**
   हर्मेनेयूटिक्स की जड़ें प्राचीन ग्रीक दार्शनिकता और धर्मशास्त्र में हैं, विशेष रूप से पवित्र ग्रंथों की व्याख्या में। "हर्मेनेयूटिक्स" शब्द ग्रीक देवता हर्मेस से लिया गया है, जिसे देवताओं का संदेशवाहक और व्याख्याता माना जाता था।

ऐतिहासिक विकास:

- *प्राचीन ग्रीक काल:* प्रारंभिक विचार व्याख्या पर केंद्रित थे, विशेष रूप से धार्मिक संदेश और दार्शनिक पाठों की।
- *मध्यकालीन काल:* इस अवधि में पवित्र ग्रंथों, विशेष रूप से बाइबिल की व्याख्या पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें ऑगस्टीन ऑफ हिप्पो जैसे विद्वानों का महत्वपूर्ण योगदान था।
- *आधुनिक काल:* इस अवधारणा ने व्यापक व्याख्यात्मक प्रथाओं को शामिल किया, जिसमें फ्रेडरिक श्लेयरमाकर और विल्हेम डिल्थे जैसे दार्शनिकों का महत्वपूर्ण योगदान था। श्लेयरमाकर ने लेखक की मंशा को समझने का विचार पेश किया, जबकि डिल्थे ने व्याख्या के ऐतिहासिक संदर्भ पर जोर दिया।

2. **दार्शनिक आधार:**

हर्मेनेयूटिक्स की नींव समझ और व्याख्या के दर्शन में है। मुख्य दार्शनिक मुद्दे निम्नलिखित हैं:

- *हर्मेनेयूटिक सर्कल:* यह अवधारणा कि किसी पाठ को समझने में एक चक्रीय प्रक्रिया शामिल होती है जहां पूरे का अर्थ भागों के माध्यम से और इसके विपरीत समझा जाता है।
- *हर्मेनेयूटिक फेनोमेनोलॉजी:* हेइडेगर और गेडेमर से संबंधित, यह दृष्टिकोण व्याख्या के ऐतिहासिक और अस्तित्वगत संदर्भ पर जोर देता है। गेडेमर का काम, विशेष रूप से सत्य और विधि (1960), पाठ और व्याख्याता के बीच क्षितिजों के विलयन को उजागर करता है।

3. **हर्मेनेयूटिक्स के मुख्य अवधारणाएँ**

- *व्याख्या:* पाठों और प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों के अर्थ को संदर्भ, भाषा और इरादे को ध्यान में रखते हुए समझने की प्रक्रिया।
- *समझ:* पाठ के साथ सक्रिय जुड़ाव, जिसमें सहानुभूति और ऐतिहासिक जागरूकता शामिल होती है।
- *पूर्वाग्रह और क्षितिज:* गेडेमर ने "पूर्वाग्रह" (पूर्वनिर्धारित राय) और "क्षितिज" (संदर्भात्मक दृष्टिकोण) की अवधारणा को पेश किया जो व्याख्या को प्रभावित करते हैं।

4. **हर्मेनेयूटिक्स के अनुप्रयोग**

हर्मेनेयूटिक्स के विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग होते हैं:

- *साहित्यिक आलोचना:* पाठों का विश्लेषण करना ताकि गहरे अर्थ और लेखक की मंशा को उजागर किया जा सके।
- *धर्मशास्त्र:* धार्मिक ग्रंथों और सिद्धांतों की व्याख्या करना।
- *सामाजिक विज्ञान:* व्याख्यात्मक विधियों के माध्यम से सामाजिक घटनाओं को समझना।
- *दार्शनिकता:* समझने की प्रकृति और मानव ज्ञान की सीमाओं का अन्वेषण।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. गुणात्मक अनुसंधान का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

A. चर को मात्रात्मक बनाना
B. संदर्भ से घटनाओं को समझना
C. परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
D. कारणात्मक संबंध स्थापित करना

उत्तर: B. संदर्भ से घटनाओं को समझना

2. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय गुणात्मक अनुसंधान के प्रारंभिक विकास से पारंपरिक रूप से जुड़ा नहीं है?

A. नृविज्ञान (Anthropology)
B. समाजशास्त्र (Sociology)
C. भौतिकी (Physics)
D. मनोविज्ञान (Psychology)

उत्तर: C. भौतिकी (Physics)

3. ब्रोनिस्लाव मालिनोवस्की और फ्रांज बोआस किस अनुसंधान पद्धति से सबसे अधिक जुड़े हुए हैं?
A. प्रयोगात्मक अनुसंधान (Experimental research)
B. नृवंशविज्ञान विधियाँ (Ethnographic methods)
C. सर्वेक्षण अनुसंधान (Survey research)
D. मात्रात्मक विधियाँ (Quantitative methods)
उत्तर: B. नृवंशविज्ञान विधियाँ (Ethnographic methods)

4. किस समाजशास्त्र स्कूल ने गुणात्मक अनुसंधान विधियों, विशेष रूप से नृवंशविज्ञान और केस स्टडीज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?
A. हार्वर्ड स्कूल (Harvard School)
B. शिकागो स्कूल (Chicago School)
C. येल स्कूल (Yale School)
D. कोलंबिया स्कूल (Columbia School)
उत्तर: B. शिकागो स्कूल (Chicago School)

5. शिकागो स्कूल ऑफ सोशियोलॉजी से जुड़े शोधकर्ता कौन थे?
A. मैक्स वेबर और एमिल दुर्खाइम
B. ब्रोनिस्लाव मालिनोवस्की और फ्रांज बोआस
C. रॉबर्ट ई. पार्क और अर्नेस्ट बर्गेस
D. सिगमंड फ्रायड और कार्ल जुंग
उत्तर: C. रॉबर्ट ई. पार्क और अर्नेस्ट बर्गेस

6. प्रत्ययवाद (Phenomenology), जो गुणात्मक अनुसंधान को प्रभावित करने वाला एक दार्शनिक आंदोलन है, किसके द्वारा नेतृत्व किया गया था?
A. कार्ल मार्क्स
B. सिगमंड फ्रायड
C. एडमंड हसरल
D. जीन पियाजे
उत्तर: C. एडमंड हसरल

7. गुणात्मक अनुसंधान में जीवन्त अनुभवों और अर्थ की व्याख्या को समझने से जुड़ा कौन सा शब्द है?
A. संरचनावाद (Structuralism)
B. क्रियावाद (Functionalism)
C. प्रत्ययवाद (Phenomenology)
D. व्यवहारवाद (Behaviorism)
उत्तर: C. प्रत्ययवाद (Phenomenology)

8. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory) के विकासकर्ता कौन हैं?
A. मैक्स वेबर और कार्ल मार्क्स
B. बार्नी ग्लेजर और अन्सेल्म स्ट्रॉस
C. सिगमंड फ्रायड और कार्ल जुंग
D. रॉबर्ट ई. पार्क और अर्नेस्ट बर्गेस
उत्तर:B: बार्नी ग्लेजर और अन्सेल्म स्ट्रॉस

9. आधारभूत सिद्धांत का फोकस किस पर है?
A. मौजूदा सिद्धांतों से परिकल्पनाएँ विकसित करना
B. डेटा से सीधे सिद्धांत उत्पन्न करना
C. प्रयोगात्मक अनुसंधान के माध्यम से सिद्धांतों की पुष्टि करना
D. चर का मात्रात्मक मापन
उत्तर: B. डेटा से सीधे सिद्धांत उत्पन्न करना

10. कौन सा दार्शनिक दृष्टिकोण पाठों और अर्थ की व्याख्या पर जोर देता है, जो गुणात्मक अनुसंधान को प्रभावित करता है?
A. प्रत्यक्षवाद (Positivism)
B. हरमेन्युटिक्स (Hermeneutics)
C. व्यवहारवाद (Behaviorism)
D. क्रियावाद (Functionalism)
उत्तर: B. हरमेन्युटिक्स (Hermeneutics)

11. गुणात्मक अनुसंधान में उत्तर आधुनिकता और नारीवादी सिद्धांत मुख्य रूप से किसको चुनौती देते हैं?
A. सांख्यिकी के उपयोग को
B. वस्तुनिष्ठता और सत्य की धारणा को

C. सैम्पलिंग के महत्व को
D. साहित्य समीक्षा की भूमिका को
उत्तर: B. वस्तुनिष्ठता और सत्य की धारणा को

12. कौन सी गुणात्मक अनुसंधान विधि मुख्य रूप से कहानियों या व्यक्तिगत अनुभवों के विश्लेषण से जुड़ी है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. कथात्मक विश्लेषण (Narrative Analysis)
C. प्रवचन विश्लेषण (Discourse Analysis)
D. नृवंशविज्ञान (Ethnography)
उत्तर: B. कथात्मक विश्लेषण (Narrative Analysis)

13. गुणात्मक अनुसंधान में, नृवंशविज्ञान (Ethnography) का मुख्य फोकस किस पर है?
A. बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण
B. संस्कृतियों और समाजों का अध्ययन करना
C. प्रयोगात्मक जोड़-तोड़
D. सांख्यिकीय विश्लेषण
उत्तर: B. संस्कृतियों और समाजों का अध्ययन करना

14. निम्नलिखित में से कौन सी विधि सामान्यत: गुणात्मक अनुसंधान विधि नहीं मानी जाती?
A. प्रत्ययवाद (Phenomenology)
B. केस स्टडी (Case Study)
C. नृवंशविज्ञान (Ethnography)
D. यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (RCTs)
उत्तर: D. यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (RCTs)

15. कौन सी गुणात्मक अनुसंधान विधि 1960 के दशक में उभरी और पुनरावृत्त डेटा संग्रह और विश्लेषण पर जोर देती है?
A. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)
B. प्रवचन विश्लेषण (Discourse Analysis)
C. सामग्री विश्लेषण (Content Analysis)
D. नृवंशविज्ञान (Ethnography)
उत्तर: A. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)

16. हांस-जॉर्ज गैडमर किस गुणात्मक अनुसंधान दर्शन के लिए सबसे अधिक जाने जाते हैं?
A. व्यवहारवाद (Behaviorism)
B. हरमेन्युटिक्स (Hermeneutics)
C. मनोविश्लेषण (Psychoanalysis)
D. संरचनावाद (Structuralism)
उत्तर: B. हरमेन्युटिक्स (Hermeneutics)

17. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गुणात्मक अनुसंधान को आज के समय में सबसे अच्छी तरह वर्णित करता है?
A. यह एक कठोर कार्यप्रणाली है जिसमें सख्त दिशानिर्देश हैं।
B. यह विभिन्न विधियों को शामिल करने वाला एक विविध और गतिशील क्षेत्र है।
C. यह केवल केस स्टडीज पर केंद्रित है।
D. यह मुख्य रूप से प्रयोगात्मक डिज़ाइन का उपयोग करता है।
उत्तर: B. यह विभिन्न विधियों को शामिल करने वाला एक विविध और गतिशील क्षेत्र है।

18. गुणात्मक अनुसंधान निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में विशेष रूप से मूल्यवान है?
A. गणित
B. डिजिटल अनुसंधान, वैश्विक स्वास्थ्य, और सामाजिक न्याय
C. इंजीनियरिंग
D. रसायन विज्ञान
उत्तर: B डिजिटल अनुसंधान, वैश्विक स्वास्थ्य, और सामाजिक न्याय

19. निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धांत गुणात्मक अनुसंधान के अनुभवात्मक अनुभव पर जोर देने के साथ सबसे अधिक मेल खाता है?
A. प्रत्यक्षवाद (Positivism)
B. वस्तुनिष्ठता (Objectivity)
C. आत्म-चिंतनशीलता (Reflexivity)
D. नियतिवाद (Determinism)
उत्तर: C) आत्म-चिंतनशीलता (Reflexivity)

20. निम्नलिखित में से किस विद्वान ने *सेज हैंडबुक ऑफ क्वालिटेटिव रिसर्च* का संपादन किया?
A. एडमंड हसरल
B. बार्नी ग्लेजर
C. नॉर्मन के. डेनज़िन और योवन्ना एस. लिंकन
D. रॉबर्ट ई. पार्क
उत्तर: C. नॉर्मन के. डेनज़िन और योवन्ना एस. लिंकन

21. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणात्मक अनुसंधान की प्रमुख विशेषता है?
A. वस्तुनिष्ठ विश्लेषण
B. व्यक्तिपरक व्याख्या
C. मात्रात्मक मापन
D. यादृच्छिक सैम्पलिंग
उत्तर: B) व्यक्तिपरक व्याख्या

22. गुणात्मक अनुसंधान में आत्म-चिंतनशीलता का तात्पर्य है:
A. अनुसंधानकर्ता का अपने अनुसंधान पर प्रभाव पर व्यक्तिगत चिंतन
B. डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय समायोजन
C. प्रतिभागियों की अनुसंधान डिज़ाइन पर प्रतिक्रिया
D. परिणामों की पुष्टि के लिए अध्ययन को दोहराना
उत्तर: A. अनुसंधानकर्ता का अपने अनुसंधान पर प्रभाव पर व्यक्तिगत चिंतन

23. गुणात्मक अनुसंधान की कौन-सी थीम मानव अनुभवों की गहराई और जटिलता को कैद करने पर केंद्रित है?
A. संदर्भीकरण
B. समग्र समझ
C. निगमनात्मक तर्क
D. यादृच्छिक सैम्पलिंग
उत्तर:B) समग्र समझ

24. गुणात्मक अनुसंधान में अर्थ निर्माण का तात्पर्य है:
A. संख्यात्मक डेटा उत्पन्न करना
B. यह समझना कि प्रतिभागी अपने अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं
C. पूर्व-निर्धारित सिद्धांतों का परीक्षण करना
D. चर का वस्तुनिष्ठ मापन
उत्तर: B) यह समझना कि प्रतिभागी अपने अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं

25. गुणात्मक अनुसंधान में उभरती डिजाइन का सबसे अच्छा वर्णन कौन करता है?
A. एक स्थिर, पूर्वनिर्धारित अनुसंधान योजना
B. एक लचीला दृष्टिकोण जो अध्ययन के दौरान विकसित होता है
C. यादृच्छिक सैम्पलिंग पर आधारित डिज़ाइन
D. डेटा विश्लेषण के लिए मात्रात्मक दृष्टिकोण
उत्तर: B) एक लचीला दृष्टिकोण जो अध्ययन के दौरान विकसित होता है

26. गुणात्मक अनुसंधान की कौन-सी थीम अनुसंधान में सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को समझने के महत्व पर जोर देती है?
A. विषयगतता
B. संदर्भीकरण
C. संख्यात्मक विश्लेषण
D. वस्तुनिष्ठता
उत्तर: B) संदर्भीकरण

27. गुणात्मक अनुसंधान में घनीवर्णन (Thick Description) का तात्पर्य है:
A. डेटा का संक्षिप्त सारांश
B. घटनाओं का विस्तृत, संदर्भ-समृद्ध वर्णन
C. परिणामों की मात्रात्मक व्याख्या
D. प्रतिक्रियाओं का संख्यात्मक कोडिंग
उत्तर: B) घटनाओं का विस्तृत, संदर्भ-समृद्ध वर्णन

28. गुणात्मक अनुसंधान में आगमनात्मक दृष्टिकोण का अर्थ है:
A. एक परिकल्पना से शुरुआत करना और उसे परीक्षण करना
B. डेटा से सीधे सिद्धांत और अंतर्दृष्टियाँ उत्पन्न करना

C. निष्कर्षों की पुष्टि के लिए सांख्यिकी का उपयोग करना
D. डेटा पर पूर्व-निर्धारित सिद्धांत लागू करना
उत्तर: B. डेटा से सीधे सिद्धांत और अंतर्दृष्टियाँ उत्पन्न करना

29. कौन-सी थीम इस बात पर जोर देती है कि अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागी गुणात्मक अनुसंधान के दौरान अर्थ का सह-निर्माण करते हैं?
A. विषयगतता
B. आगमनात्मक तर्क
C. अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागी का आपसी संबंध
D. यादृच्छिक सैम्पलिंग
उत्तर: C) अनुसंधानकर्ता और प्रतिभागी का आपसी संबंध

30. गुणात्मक अनुसंधान में आत्म-चिंतनशीलता अनुसंधानकर्ताओं को किसमें सहायता करती है?
A. अध्ययन के दौरान वस्तुनिष्ठता बनाए रखना
B. अपने पूर्वाग्रहों और अनुसंधान प्रक्रिया पर अपने प्रभाव पर विचार करना
C. विश्लेषण के लिए डेटा का मात्रात्मकरण करना
D. प्रयोगात्मक विधियों से परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
उत्तर: B) अपने पूर्वाग्रहों और अनुसंधान प्रक्रिया पर अपने प्रभाव पर विचार करना

31. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणात्मक अनुसंधान से सामान्यत: जुड़ा नहीं है?
A. गहन साक्षात्कार
B. संदर्भीकरण
C. यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
D. प्रतिभागी अवलोकन
उत्तर: C) यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

32. गुणात्मक अनुसंधान में कौन-सी थीम यह खोजने से संबंधित है कि व्यक्ति अपने अनुभवों का क्या अर्थ निकालते हैं?
A. वस्तुनिष्ठता
B. अर्थ निर्माण
C. निगमनात्मक तर्क
D. सैम्पलिंग पूर्वाग्रह
उत्तर: B) अर्थ निर्माण

33. गुणात्मक अनुसंधान में समग्र समझ का उद्देश्य है:
A. अनुभवों को मापने योग्य इकाइयों में विभाजित करना
B. घटनाओं की संपूर्णता में जटिलता को पकड़ना
C. डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियों का उपयोग करना
D. संदर्भीय कारकों को अनदेखा करना
उत्तर: B) घटनाओं की संपूर्णता में जटिलता को पकड़ना

34. कौन-सी गुणात्मक थीम अध्ययन के दौरान अनुसंधान डिज़ाइन को बदलने की अनुमति देती है?
A. कठोर संरचना
B. निगमनात्मक विश्लेषण
C. उभरती डिजाइन
D. नियंत्रित प्रयोग
उत्तर: C) उभरती डिजाइन

35. "मोटे विवरण" "thick description" की अवधारणा किस गुणात्मक विषय से निकटता से जुड़ी हुई है?
A. सांख्यिकीय महत्व
B. विस्तृत संदर्भीकरण
C. परिकल्पना परीक्षण
D. यादृच्छिक नमूनाकरण
उत्तर: B) विस्तृत संदर्भीकरण

36. कौन सा सैद्धांतिक अभिविन्यास व्यक्तियों के जीवित अनुभवों को समझने पर केंद्रित होता है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. नृवंशविज्ञान
C. प्रत्ययवाद

D. केस स्टडी
उत्तर: C. प्रत्ययवाद

37. आधारभूत सिद्धांत मुख्य रूप से किन शोधकर्ताओं द्वारा विकसित की गई थी?
A. ग्लेसर और स्ट्रॉस
B. गूबा और लिंकन
C. क्लैंडिनिन और कॉनेली
D. क्रेसवेल और पोथ
उत्तर: A. ग्लेसर और स्ट्रॉस

38. गुणात्मक अनुसंधान में कौन सा दृष्टिकोण किसी संस्कृति में गहरे शामिल होकर उसके प्रथाओं और विश्वासों का अध्ययन करता है?
A. प्रत्ययवाद
B. नृवंशविज्ञान
C. केस स्टडी
D. आख्यान जांच
उत्तर: B. नृवंशविज्ञान

39. आख्यान जांच का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A. शक्ति संरचनाओं की आलोचना करना
B. जीवित अनुभवों का अन्वेषण करना
C. डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करना
D. उन कहानियों का अध्ययन करना जो व्यक्ति बताते हैं
उत्तर: D. उन कहानियों का अध्ययन करना जो व्यक्ति बताते हैं

40. कौन सा अभिविन्यास मुख्य रूप से शक्ति, लिंग, और असमानता के मुद्दों से संबंधित होता है?
A. आलोचनात्मक सिद्धांत
B. नारीवादी सिद्धांत
C. आधारभूत सिद्धांत
D. उत्तरआधुनिकता
उत्तर: B. नारीवादी सिद्धांत

41. गुणात्मक अनुसंधान में दीर्घकालिक फील्डवर्क और प्रतिभागी अवलोकन किस सैद्धांतिक अभिविन्यास की प्रमुख विधियाँ हैं?
A. नृवंशविज्ञान
B. आधारभूत सिद्धांत
C. केस स्टडी
D. प्रत्ययवाद
उत्तर: A. नृवंशविज्ञान

42. आलोचनात्मक सिद्धांत का मुख्य रूप से क्या उद्देश्य होता है?
A. अनुभवों का सार खोजना
B. आधारभूत सिद्धांत का विकास
C. शक्ति संरचनाओं और सामाजिक असमानताओं की आलोचना करना
D. आख्यानों का अध्ययन करना
उत्तर: C. शक्ति संरचनाओं और सामाजिक असमानताओं की आलोचना करना

43. गुणात्मक अनुसंधान में कौन सा दृष्टिकोण स्थिर अर्थ और स्थिर पहचान की धारणाओं को चुनौती देता है?
A. उत्तरसंरचनावाद
B. नृवंशविज्ञान
C. केस स्टडी
D. आधारभूत सिद्धांत
उत्तर: A. उत्तरसंरचनावाद

44. प्रत्ययवाद का मुख्य फोकस क्या है?
A. सांस्कृतिक प्रथाएं
B. सिद्धांत उत्पन्न करना
C. जीवित अनुभव
D. शक्ति संरचनाएँ
उत्तर: C. जीवित अनुभव

45. आधारभूत सिद्धांत में डेटा से सिद्धांत विकसित करने के लिए कौन सी विधि महत्वपूर्ण है?
A. ब्रैकेटिंग
B. प्रतिभागी अवलोकन
C. निरंतर तुलना
D. थीमैटिक विश्लेषण
उत्तर: C. निरंतर तुलना

46. कौन सा अभिविन्यास यह अध्ययन करने के लिए प्रवचन विश्लेषण का उपयोग करता है कि भाषा सामाजिक वास्तविकताओं का निर्माण कैसे करती है?
A. नृवंशविज्ञान
B. प्रत्ययवाद
C. उत्तरसंरचनावाद
D. आधारभूत सिद्धांत
उत्तर: C. उत्तरसंरचनावाद

47. नारीवादी सिद्धांत में अक्सर किस पर बल दिया जाता है?
A. सांस्कृतिक अनुष्ठान
B. उद्देश्यपूर्ण विश्लेषण
C. सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण
D. जीवित अनुभव
उत्तर: C. सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण

48. कौन सा सैद्धांतिक अभिविन्यास वास्तविक जीवन के संदर्भ में एकल केस के विस्तृत अध्ययन पर केंद्रित होता है?
A. आख्यान जांच
B. केस स्टडी
C. आधारभूत सिद्धांत
D. प्रत्ययवाद
उत्तर: B. केस स्टडी

49. आधारभूत सिद्धांत किस प्रकार के तर्क का उपयोग करती है ताकि डेटा से सिद्धांत उत्पन्न हो सके?
A. निगमनात्मक तर्क
B. आगमनात्मक तर्क
C. आलोचनात्मक तर्क
D. परिपत्र तर्क
उत्तर: B. आगमनात्मक तर्क

50. गुणात्मक अनुसंधान में कौन सा दृष्टिकोण एक सांस्कृतिक संदर्भ में गहरे भाग लेकर सांस्कृतिक अर्थों, प्रथाओं और रीतियों का पता लगाता है?
A. प्रत्ययवाद
B. आधारभूत सिद्धांत
C. नृवंशविज्ञान
D. आलोचनात्मक सिद्धांत
उत्तर: C. नृवंशविज्ञान

51. उत्तरआधुनिकता किस पर जोर देती है?
A. अर्थ की स्थिरता
B. प्रभुत्वशाली कथाओं का विघटन
C. उद्देश्यपूर्ण सत्य पर जोर
D. जीवित अनुभवों का अन्वेषण
उत्तर: B. प्रभुत्वशाली कथाओं का विघटन

52. कौन सा अभिविन्यास समाज में शक्ति गतिशीलता का अध्ययन करने और उत्पीड़ितों के लिए वकालत करने के लिए निकटता से जुड़ा है?
A. नारीवादी सिद्धांत
B. आलोचनात्मक सिद्धांत
C. आधारभूत सिद्धांत
D. नृवंशविज्ञान
उत्तर: B. आलोचनात्मक सिद्धांत

53. कौन सी शोध विधि एक विशिष्ट सामाजिक संदर्भ में साझा अर्थों, प्रथाओं और रीतियों को उजागर करने का प्रयास करती है?
A. प्रत्ययवाद
B. केस स्टडी
C. नृवंशविज्ञान
D. आख्यान जांच
उत्तर: C. नृवंशविज्ञान

54. आख्यान जांच में एक प्रमुख विधि क्या है?
A. प्रतिभागी अवलोकन
B. थीमैटिक कोडिंग
C. कहानियों का संग्रह और विश्लेषण
D. निरंतर तुलना
उत्तर: C. कहानियों का संग्रह और विश्लेषण

55. आधारभूत सिद्धांत मुख्य रूप से किस प्रकार के अनुसंधान में एक अंतर को संबोधित करने के लिए विकसित की गई थी?
A. नृवंशविज्ञान अनुसंधान
B. प्रत्ययवाद अनुसंधान
C. मात्रात्मक अनुसंधान
D. आख्यान अनुसंधान
उत्तर: C. मात्रात्मक अनुसंधान

56. कौन सा सैद्धांतिक अभिविन्यास प्रभुत्वशाली विचारधाराओं को चुनौती देता है और उद्देश्यपूर्ण वास्तविकताओं पर प्रश्न उठाता है?
A. आलोचनात्मक सिद्धांत
B. आधारभूत सिद्धांत
C. प्रत्ययवाद
D. उत्तरसंरचनावाद
उत्तर: D. उत्तरसंरचनावाद

57. नारीवादी शोधकर्ता अक्सर किस प्रकार की शोध विधियों का उपयोग करते हैं ताकि सहभागिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा सके?
A. मात्रात्मक सर्वेक्षण
B. गहन साक्षात्कार और फोकस समूह
C. प्रयोगात्मक विधियाँ
D. आख्यान विश्लेषण
उत्तर: B. गहन साक्षात्कार और फोकस समूह

58. कौन सा सैद्धांतिक अभिविन्यास दीर्घकालिक फील्डवर्क का उपयोग करता है ताकि समृद्ध, संदर्भित डेटा इकट्ठा किया जा सके?
A. प्रत्ययवाद
B. आधारभूत सिद्धांत
C. केस स्टडी
D. नृवंशविज्ञान
उत्तर: D. नृवंशविज्ञान

59. कौन सा शोध दृष्टिकोण पहले से मौजूद परिकल्पना का परीक्षण करने के बजाय डेटा से नए सिद्धांत उत्पन्न करने पर केंद्रित है?
A. प्रत्ययवाद
B. आधारभूत सिद्धांत
C. नृवंशविज्ञान
D. केस स्टडी
उत्तर: B. आधारभूत सिद्धांत

60. क्रिटिकल थ्योरी शोध में मुख्य चिंता क्या है?
A. जीवित अनुभवों की खोज करना
B. आधारभूत सिद्धांत तैयार करना
C. सत्ता और सामाजिक असमानताओं को चुनौती देना
D. आख्यान एकत्र करना
उत्तर: C. सत्ता और सामाजिक असमानताओं को चुनौती देना

61. पोस्टस्ट्रक्चरलिज़्म में, ध्यान इस पर है:
A. स्थिर पहचान विकसित करना
B. वस्तुनिष्ठ वास्तविकताओं का निर्माण करना
C. अर्थ की तरलता को समझना
D. सांस्कृतिक विसर्जन पर जोर देना
उत्तर: C. अर्थ की तरलता को समझना

62. अल्पसंख्यक छात्रों को नुकसान पहुँचाने वाली शैक्षिक नीतियों की आलोचना करने और उन्हें बदलने के लिए अक्सर किस अभिविन्यास का उपयोग किया जाता है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. क्रिटिकल थ्योरी
C. फेनोमेनोलॉजी
D. केस स्टडी
उत्तर: B. क्रिटिकल थ्योरी

63. शोध में नारीवादी सिद्धांत का प्राथमिक लक्ष्य क्या है?
A. व्यक्तिगत अनुभवों का पता लगाना
B. डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करना
C. हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना और लैंगिक असमानताओं को चुनौती देना
D. सांस्कृतिक अनुष्ठानों का अध्ययन करना

उत्तर: C. हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना और लैंगिक असमानताओं को चुनौती देना

64. गुणात्मक शोध में कौन सा अभिविन्यास अर्थों की अस्थिरता और वास्तविकता को आकार देने में भाषा की भूमिका पर जोर देता है?
A. घटना विज्ञान
B. नृवंशविज्ञान
C. उत्तरसंरचनावाद
D. आधारभूत सिद्धांत
उत्तर: C. उत्तरसंरचनावाद

65. कौन सी शोध पद्धति किसी व्यापक घटना को समझने के लिए किसी विशेष व्यक्ति या समूह की गहन खोज पर ध्यान केंद्रित करती है?
A. नृवंशविज्ञान
B. केस स्टडी
C. कथात्मक जांच
D. आधारभूत सिद्धांत
उत्तर: B. केस स्टडी

66. नृवंशविज्ञान की एक प्रमुख विशेषता क्या है?
A. पूर्वाग्रह से बचने के लिए ब्रैकेटिंग का उपयोग
B. डेटा से सिद्धांतों का निर्माण
C. सांस्कृतिक संदर्भ में गहन भागीदारी
D. आख्यानों का विखंडन
उत्तर: C. सांस्कृतिक संदर्भ में गहन भागीदारी

67. किस सैद्धांतिक अभिविन्यास में मुख्य रूप से प्रतिभागियों के व्यक्तिपरक अनुभवों के माध्यम से घटनाओं के सार का अध्ययन करना शामिल है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. घटना विज्ञान
C. केस स्टडी
D. कथात्मक जांच
उत्तर: B. घटना विज्ञान

68. कौन सा गुणात्मक शोध दृष्टिकोण समाज के भीतर सत्ता संरचनाओं की आलोचना और परिवर्तन से सबसे अधिक चिंतित है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. क्रिटिकल थ्योरी
C. केस स्टडी
D. नृवंशविज्ञान
उत्तर: B. क्रिटिकल थ्योरी

69. कौन सा अभिविन्यास प्रतिभागियों के साथ सहयोग पर जोर देता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शोध प्रक्रिया में उनकी आवाज़ सुनी जाए?
A. पोस्टस्ट्रक्चरलिज़्म
B. फेनोमेनोलॉजी
C. नारीवादी सिद्धांत
D. आधारभूत सिद्धांत
उत्तर: C. नारीवादी सिद्धांत

70. कौन सा सिद्धांत मानता है कि वास्तविकता सामाजिक बातचीत और सांस्कृतिक मानदंडों के माध्यम से बनाई जाती है?
A. निर्माणवाद
B. सामाजिक निर्माणवाद
C. कार्यात्मकता
D. प्रतीकात्मक संवादवाद
उत्तर: B. सामाजिक निर्माणवाद

71. सामाजिक निर्माणवाद के विकास में प्रमुख व्यक्ति कौन हैं?
A. पियाजे और विगोत्स्की
B. बर्गर और लुकमैन
C. फ्रायड और जंग
D. स्किनर और पावलोव
उत्तर: B. बर्गर और लुकमैन

72. सामाजिक निर्माणवाद के अनुसार, भाषा की भूमिका क्या है?
A. इसका कोई भूमिका नहीं है।

B. यह अर्थ और सामाजिक मानदंडों को बनाता और मजबूत करता है।
C. यह वास्तविकता को विकृत करता है।
D. यह पहले से स्थापित वास्तविकता को ही दर्शाता है।
उत्तर: B. यह अर्थ और सामाजिक मानदंडों को बनाता और मजबूत करता है।

73. सामाजिक निर्माणवाद मुख्यतः किस पर ध्यान केंद्रित करता है?
A. व्यक्तिगत संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ
B. वस्तुनिष्ठ वास्तविकता
C. कैसे ज्ञान सामाजिक प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाया और बनाए रखा जाता है
D. प्राकृतिक विज्ञान और अनुभवजन्य डेटा
उत्तर: C. कैसे ज्ञान सामाजिक प्रक्रियाओं के माध्यम से बनाया और बनाए रखा जाता है

74. सामाजिक निर्माणवाद के अनुसार, जो हम वास्तविकता के रूप में मानते हैं, वह:
A. सार्वभौमिक और अपरिवर्तनीय है।
B. वस्तुनिष्ठ और तथ्यात्मक है।
C. व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से बातचीत द्वारा निर्मित होता है।
D. सामाजिक इंटरएक्शन के लिए अप्रासंगिक है।
उत्तर: C. व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से बातचीत द्वारा निर्मित होता है।

75. सामाजिक निर्माणवाद में, ज्ञान का प्राथमिक स्रोत क्या माना जाता है?
A. वैज्ञानिक प्रयोग
B. सामाजिक इंटरएक्शन और संवाद
C. आनुवांशिक प्रवृत्तियाँ
D. अंतर्निहित तर्क क्षमताएँ
उत्तर: B. सामाजिक इंटरएक्शन और संवाद

76. सामाजिक निर्माणवाद में, ज्ञान निर्माण में शक्ति की भूमिका कैसे देखी जाती है?
A. शक्ति ज्ञान निर्माण में अप्रासंगिक होती है।
B. शक्ति यह प्रभावित करती है कि कौन से दृष्टिकोण प्रमुख और सत्य के रूप में स्वीकार किए जाते हैं।
C. शक्ति सभी सामाजिक समूहों के बीच समान रूप से वितरित होती है।
D. शक्ति केवल व्यक्तिगत संज्ञान को प्रभावित करती है।
उत्तर: B. शक्ति यह प्रभावित करती है कि कौन से दृष्टिकोण प्रमुख और सत्य के रूप में स्वीकार किए जाते हैं।

77. कौन सा सिद्धांत मानता है कि व्यक्ति अपने अनुभवों के आधार पर अपनी समझ का निर्माण करते हैं?
A. सामाजिक निर्माणवाद
B. व्यवहारवाद
C. निर्माणवाद
D. मनोविश्लेषण
उत्तर: C. निर्माणवाद

78. जीन पियाजे किस क्षेत्र में अपने निर्माणवादी कार्य के लिए जाने जाते हैं?
A. सामाजिक इंटरएक्शन और सांस्कृतिक संदर्भ
B. संज्ञानात्मक विकास के चरण
C. भाषा और संवाद
D. शक्ति संरचनाएँ और विचारधारा
उत्तर: B. संज्ञानात्मक विकास के चरण

79. लेव विगोत्स्की का निर्माणवाद में योगदान किस बात पर जोर देता है?
A. व्यक्तिगत संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ
B. सामाजिक इंटरएक्शन और सहयोगात्मक सीखना
C. व्यवहार संशोधन
D. आनुवांशिक कारक
उत्तर: B. सामाजिक इंटरएक्शन और सहयोगात्मक सीखना

80. निर्माणवाद के अनुसार, पूर्वज्ञान का क्या महत्व होता है?
A. इसका सीखने की प्रक्रिया पर कोई प्रभाव नहीं होता।
B. यह सीखने की प्रक्रिया में अप्रासंगिक होता है।
C. यह नए जानकारी को समझने और एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
D. यह केवल यांत्रिक याददाश्त के लिए उपयोगी होता है।
उत्तर: C. यह नए जानकारी को समझने और एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

81. निर्माणवाद में, शिक्षक की भूमिका क्या होती है?
A. सभी उत्तर और समाधान प्रदान करना
B. सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रियाओं को मार्गदर्शित और सुविधाजनक बनाना
C. कठोर नियम और मानकीकृत परीक्षण लागू करना
D. केवल व्याख्यान के माध्यम से सामग्री प्रदान करना
उत्तर: B. सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रियाओं को मार्गदर्शित और सुविधाजनक बनाना

82. निर्माणवादी दृष्टिकोण में 'स्कैफोल्डिंग' का क्या अर्थ है?
A. सीखने की गतिविधियों के दौरान भौतिक समर्थन प्रदान करना
B. छात्रों को उच्च स्तर की समझ प्राप्त करने में मदद करने के लिए शिक्षक द्वारा प्रदान किया गया समर्थन
C. छात्रों के लिए भौतिक संरचना बनाना
D. छात्रों के लिए कठोर सीखने के कार्यक्रम विकसित करना
उत्तर: B. छात्रों को उच्च स्तर की समझ प्राप्त करने में मदद करने के लिए शिक्षक द्वारा प्रदान किया गया समर्थन

83. निर्माणवाद में, प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक क्या है?
A. शिक्षार्थियों द्वारा तथ्यों और जानकारी को याद करना
B. शिक्षार्थियों का पूर्वज्ञान से संबंधित हाथों-हाथ, महत्वपूर्ण गतिविधियों में भाग लेना
C. शिक्षकों द्वारा व्याख्यान के माध्यम से जानकारी प्रदान करना
D. स्वतंत्र रूप से वर्कशीट पूरी करना
उत्तर: B. शिक्षार्थियों का पूर्वज्ञान से संबंधित हाथों-हाथ, महत्वपूर्ण गतिविधियों में भाग लेना

84. निर्माणवाद कौन से पारंपरिक शैक्षिक दृष्टिकोण को चुनौती देता है?
A. शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण
B. प्रश्न आधारित शिक्षण
C. शिक्षक-केंद्रित निर्देश
D. सहयोगात्मक सीखना
उत्तर: C. शिक्षक-केंद्रित निर्देश

85. निर्माणवाद में, 'सक्रिय शिक्षण' का क्या मतलब है?
A. जानकारी को केवल सुनना और पढ़ना
B. सक्रिय रूप से समस्याओं का समाधान और अनुभवों का विश्लेषण
C. केवल पाठ्यपुस्तक से पढ़ाई करना
D. पूर्व ज्ञान का उपयोग नहीं करना
उत्तर: B. सक्रिय रूप से समस्याओं का समाधान और अनुभवों का विश्लेषण

86. निर्माणवाद में, 'सामाजिक इंटरएक्शन' की भूमिका क्या है?
A. व्यक्तिगत विकास की कोई भूमिका नहीं होती
B. ज्ञान निर्माण में सहायक होती है और सहयोगात्मक सीखने को बढ़ावा देती है
C. केवल व्यक्तियों की व्यक्तिगत गतिविधियों को प्रभावित करती है
D. केवल बाहरी पर्यावरण के प्रति प्रतिक्रिया होती है
उत्तर: B. ज्ञान निर्माण में सहायक होती है और सहयोगात्मक सीखने को बढ़ावा देती है

87. निर्माणवाद के अनुसार, नया ज्ञान कैसे प्राप्त किया जाता है?
A. केवल उपदेश के माध्यम से
B. पूर्वज्ञान और अनुभव के आधार पर
C. केवल आंतरिक सोच के माध्यम से
D. बाहरी साक्षात्कार और माप के माध्यम से
उत्तर: B. पूर्वज्ञान और अनुभव के आधार पर

88. सामाजिक निर्माणवाद में, ज्ञान का निर्माण किस प्रकार की प्रक्रियाओं के माध्यम से होता है?
A. मात्रात्मक प्रयोग और आंकड़े
B. सामाजिक प्रक्रियाओं और बातचीत
C. संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं और वैज्ञानिक परीक्षण
D. व्यक्तिगत अनुभव और तर्क
उत्तर: B. सामाजिक प्रक्रियाओं और बातचीत

89. निर्माणवाद में, 'मनोवैज्ञानिक विकास' का कौन सा सिद्धांत प्रमुख है?
A. सजा और पुरस्कार
B. संज्ञानात्मक विकास के चरण
C. शास्त्रीय कंडीशनिंग
D. सामाजिक विकास
उत्तर: B. संज्ञानात्मक विकास के चरण

90. हर्मेनेयूटिक्स का मुख्य ध्यान किस पर होता है?
A. अनुभवजन्य अनुसंधान विधियाँ
B. पाठों और प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों की व्याख्या
C. सांख्यिकीय विश्लेषण
D. प्रयोगात्मक डिजाइन
उत्तर: B. पाठों और प्रतीकात्मक अभिव्यक्तियों की व्याख्या

91. "हर्मेनेयूटिक्स" शब्द किस ग्रीक देवता से लिया गया है?
A. ज़ीउस
B. अपोलो
C. हर्मेस
D. एथीना
उत्तर: C. हर्मेस

92. आधुनिक युग में हर्मेनेयूटिक्स के विकास में कौन प्रमुख व्यक्ति माने जाते हैं?
A. फ्रेडरिक नीत्शे
B. फ्रेडरिक श्लेयरमाकर
C. इमैनुएल कांट
D. कार्ल मार्क्स
उत्तर: B. फ्रेडरिक श्लेयरमाकर

93. हर्मेनेयूटिक सर्कल से क्या तात्पर्य है?
A. पाठों को विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करने की प्रक्रिया
B. पूरे पाठ को उसके भागों के माध्यम से और इसके विपरीत समझने की चक्रीय प्रक्रिया
C. पाठीय विश्लेषण में उपयोग किया जाने वाला भौतिक वृत्त
D. ऐतिहासिक अनुसंधान की अनुक्रमिक विधि
उत्तर: B. पूरे पाठ को उसके भागों के माध्यम से और इसके विपरीत समझने की चक्रीय प्रक्रिया

94. कौन से दार्शनिक ने व्याख्या के ऐतिहासिक और अस्तित्वगत संदर्भ पर जोर दिया?
A. लुडविग विट्गेन्स्टीन
B. मार्टिन हेइडेगर
C. जॉन स्टुअर्ट मिल
D. थॉमस हॉब्स
उत्तर: B. मार्टिन हेइडेगर

95. "क्षितिजों का विलयन" के विचार को किस काम में चर्चा की गई है?
A. होना और समय
B. सत्य और विधि
C. शुद्ध कारण की आलोचना
D. त्रासदी का जन्म
उत्तर: B. सत्य और विधि

96. गैडेमर के हर्मेनेयूटिक्स में "पूर्वाग्रह" की अवधारणा का क्या तात्पर्य है?
A. पूर्वाग्रह जो समझ को बाधित करते हैं
B. पूर्वाग्रह जो सांस्कृतिक मानदंड और ऐतिहासिक संदर्भ को प्रभावित करते हैं

C. पूर्वाग्रह जो वस्तुनिष्ठ तथ्य होते हैं
D. पूर्वाग्रह जो व्याख्यात्मक प्रक्रिया से अप्रासंगिक होते हैं
उत्तर: B. पूर्वाग्रह जो सांस्कृतिक मानदंड और ऐतिहासिक संदर्भ को प्रभावित करते हैं

97. विल्हेम डिल्थे का हर्मेनेयूटिक्स में कौन सा महत्वपूर्ण योगदान है?
A. हर्मेनेयूटिक सर्कल का विकास
B. समझ के ऐतिहासिक संदर्भ पर जोर देना
C. "विल टू पावर" का सिद्धांत
D. भाषाई मोड़ का सिद्धांत
उत्तर: B. समझ के ऐतिहासिक संदर्भ पर जोर देना

98. हर्मेनेयूटिक्स का निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में अनुप्रयोग होता है?
A. क्वांटम मेकैनिक्स
B. सांख्यिकीय मॉडलिंग
C. साहित्यिक आलोचना
D. खगोल भौतिकी
उत्तर: C. साहित्यिक आलोचना

99. हर्मेनेयूटिक्स में, व्याख्याता के ऐतिहासिक संदर्भ की भूमिका क्या होती है?
A. यह व्याख्या प्रक्रिया के लिए अप्रासंगिक होती है।
B. यह व्याख्या की सीमा को सीमित करती है।
C. यह पाठ की समझ को आकार देती और प्रभावित करती है।
D. यह केवल पाठ के अनुवाद को प्रभावित करती है।
उत्तर: C. यह पाठ की समझ को आकार देती और प्रभावित करती है।

100. "हर्मेनेयूटिक फेनोमेनोलॉजी" को निम्नलिखित में से कौन सा सबसे अच्छा वर्णन करता है?
A. मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण करने की विधि
B. जीवीत अनुभवों की व्याख्या पर ध्यान केंद्रित करने वाला दार्शनिक दृष्टिकोण
C. सांख्यिकीय विश्लेषण की तकनीक
D. भाषा अधिग्रहण का सिद्धांत
उत्तर: B. जीवीत अनुभवों की व्याख्या पर ध्यान केंद्रित करने वाला दार्शनिक दृष्टिकोण

****

इकाई: II

इकाई: II	गुणात्मक अनुसंधान डिजाइन: त्रिकोणीकरण और मिश्रित विधियां, सामान्य सिद्धांत: अनुसंधान प्रश्न: सही विधि का चयन करना।

2. शोध डिज़ाइन क्या है? (What is Research Design?)

शोध डिज़ाइन शोध प्रक्रिया का एक विस्तृत खाका या योजना है, जो यह निर्धारित करता है कि डेटा को कैसे एकत्रित किया जाएगा, मापा जाएगा और विश्लेषित किया जाएगा। यह शोध समस्या को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए एक संरचना प्रदान करता है। शोध डिज़ाइन यह सुनिश्चित करता है कि शोध व्यवस्थित और संगठित रूप से किया जाए, जिससे विश्वसनीय और मान्य निष्कर्ष प्राप्त किए जा सकें।

शोध डिज़ाइन के प्रमुख तत्व:

1. *शोध प्रश्न:* वे केंद्रीय प्रश्न जिनका उत्तर शोध द्वारा दिया जाना है।
2. *विधियाँ (Methods):* डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएँ और तकनीकें।
3. *सैंपलिंग:* प्रतिभागियों या डेटा स्रोतों का चयन कैसे किया जाएगा।
4. *डेटा संग्रह:* जानकारी एकत्र करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण और तरीके (जैसे, सर्वेक्षण, साक्षात्कार, प्रयोग)।
5. *डेटा विश्लेषण:* एकत्रित डेटा की व्याख्या और समझने के लिए अपनाया गया दृष्टिकोण।
6. *वैधता (Validity):* यह सुनिश्चित करना कि शोध उस चीज़ को माप रहा है जिसका इरादा है।
7. *नैतिकता (Ethics):* शोध प्रक्रिया में नैतिक विचारों को संबोधित करना।

2.1. गुणात्मक शोध डिज़ाइन क्या है? (What is Qualitative Research Design?)

गुणात्मक शोध डिज़ाइन का उद्देश्य गहराई से घटनाओं का अन्वेषण और समझ है, जो अक्सर प्रतिभागियों के दृष्टिकोण से किया जाता है। इसमें गैर-सांख्यिकीय डेटा एकत्र किया जाता है, जैसे शब्द, छवियाँ या अवलोकन, ताकि लोगों के अनुभवों, व्यवहारों और सामाजिक संदर्भों की जानकारी प्राप्त की जा सके।

गुणात्मक शोध डिज़ाइन की विशेषताएँ:

1. *अन्वेषणात्मक (Exploratory):* जटिल घटनाओं को समझने का प्रयास करता है बिना मात्रात्मक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित किए।
2. *डेटा संग्रह:* सामान्य विधियाँ हैं साक्षात्कार, फोकस ग्रुप्स, अवलोकन, और दस्तावेज़ों का विश्लेषण।
3. *विषयात्मकता (Subjectivity):* यह स्वीकार करता है कि शोधकर्ता का दृष्टिकोण शोध को प्रभावित करता है और अक्सर व्यक्तिपरक अनुभवों को समझने का प्रयास करता है।
4. *संदर्भीय (Contextual):* डेटा एकत्र करने के संदर्भ को ध्यान में रखता है, और वातावरण और सेटिंग पर जोर देता है।
5. *लचीला (Flexible):* यह अक्सर पुनरावृत्तिमूलक होता है, जहाँ शोध डिज़ाइन डेटा संग्रह के दौरान उभरने वाली नई जानकारी के साथ विकसित होता है।

सामान्य गुणात्मक शोध डिज़ाइन:

1. *केस स्टडी:* एकल मामले या कुछ मामलों का गहन अन्वेषण।
2. *एथ्नोग्राफी:* सांस्कृतिक और सामुदायिक अध्ययन, जिसमें प्रतिभागी अवलोकन और संलिप्तता शामिल होती है।
3. *फेनोमेनोलॉजी:* जीवन के अनुभवों और घटनाओं के सार की परीक्षा।
4. *आधारभूत सिद्धांत:* प्रतिभागियों से एकत्रित डेटा के आधार पर सिद्धांतों का विकास।

5. *नैरेटिव शोध:* व्यक्तियों की कहानियों और व्यक्तिगत अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करता है।

2.2. त्रिकोणिकी शोध (Triangulation Research)

विवरण: *त्रिकोणिकी (Triangulation)* गुणात्मक शोध में कई विधियों या डेटा स्रोतों का उपयोग करने की प्रक्रिया है ताकि किसी घटना की गहन समझ विकसित की जा सके। इसका उद्देश्य उन पूर्वाग्रहों और सीमाओं को दूर करना है जो एकल विधि, पर्यवेक्षक या डेटा स्रोत पर निर्भर रहने पर उत्पन्न हो सकते हैं। त्रिकोणिकी के माध्यम से विभिन्न कोणों से डेटा को पार-सत्यापित किया जाता है, जिससे शोध के निष्कर्षों की विश्वसनीयता और वैधता बढ़ जाती है।

त्रिकोणिकी के चार प्रमुख प्रकार होते हैं:

1. *विधि त्रिकोणिकी (Methodological Triangulation):* इसमें एक ही अध्ययन में डेटा एकत्र करने के लिए कई विधियों का उपयोग किया जाता है (जैसे, साक्षात्कार, अवलोकन, सर्वेक्षण)।
2. *डेटा त्रिकोणिकी (Data Triangulation):* इसमें विभिन्न स्रोतों या अलग-अलग समय पर डेटा का उपयोग किया जाता है (जैसे, विभिन्न स्थान, समय अवधि, समूह)।
3. *अन्वेषक त्रिकोणिकी (Investigator Triangulation):* इसमें डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने और उसकी व्याख्या करने के लिए कई शोधकर्ताओं का उपयोग किया जाता है, जिससे व्यक्तिगत पूर्वाग्रह कम होते हैं।
4. *सैद्धांतिक त्रिकोणिकी (Theoretical Triangulation):* इसमें डेटा की व्याख्या और घटना को समझने के लिए कई सैद्धांतिक दृष्टिकोणों का उपयोग किया जाता है।

आरेख

त्रिकोणिकी का एक सरल आरेख एक त्रिकोण के रूप में हो सकता है जिसमें निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं:

- विधियाँ/तकनीकें: साक्षात्कार, अवलोकन, दस्तावेज़
- स्रोत: विभिन्न स्थान, समय अवधि, प्रतिभागी समूह
- शोधकर्ता: डेटा का विश्लेषण करने वाले कई अन्वेषक

यह त्रिकोण त्रिकोणिकी के तीन मुख्य पहलुओं के आपसी संबंध को दर्शाता है।

2.3. मिश्रित विधि शोध (Mixed Methods Research)

विवरण: मिश्रित विधि (Mixed Methods) शोध में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों दृष्टिकोणों का एक साथ उपयोग किया जाता है ताकि शोध समस्याओं की पूर्ण समझ प्राप्त की जा सके। यह दृष्टिकोण दोनों विधियों की ताकतों को संयोजित करता है—गुणात्मक शोध की गहराई और संदर्भ को समझने की क्षमता, और मात्रात्मक शोध की सामान्यीकरण करने की क्षमता और पैटर्न की पहचान करने की शक्ति।

मिश्रित विधि शोध विभिन्न डिज़ाइन में हो सकता है, जिनमें शामिल हैं:

1. *समानांतर संमिलन डिज़ाइन (Convergent Parallel Design):* गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा एक साथ एकत्र किए जाते हैं और अलग-अलग विश्लेषण किए जाते हैं। इसके बाद परिणामों की तुलना और संयोजन किया जाता है ताकि एक समग्र समझ बन सके।
2. *व्याख्यात्मक क्रमिक डिज़ाइन (Explanatory Sequential Design):* मात्रात्मक डेटा संग्रह और विश्लेषण के बाद गुणात्मक डेटा संग्रह और विश्लेषण किया जाता है। गुणात्मक डेटा मात्रात्मक परिणामों को समझाने या विस्तारित करने में मदद करता है।
3. *अन्वेषणात्मक क्रमिक डिज़ाइन (Exploratory Sequential Design):* गुणात्मक डेटा संग्रह और विश्लेषण के बाद मात्रात्मक डेटा संग्रह किया जाता है। प्रारंभिक गुणात्मक निष्कर्ष अध्ययन के मात्रात्मक चरण को आकार देने में मदद करते हैं।
4. *समाहित डिज़ाइन (Embedded Design):* गुणात्मक या मात्रात्मक डेटा को एक बड़े डिज़ाइन में शामिल किया जाता है जो दूसरी विधि पर केंद्रित होता है।

मिश्रित विधि शोध शोधकर्ताओं को निष्कर्षों को पार-सत्यापित करने, शोध समस्या के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने और एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने की अनुमति देता है।
व्याख्यात्मक क्रमिक डिज़ाइन** का आरेख इस प्रकार हो सकता है:

यह आरेख क्रमिक चरणों को दर्शाता है, जिसमें गुणात्मक शोध मात्रात्मक शोध के निष्कर्षों को गहरा और विस्तारित करता है।

2.4. गुणात्मक शोध डिज़ाइन के सामान्य सिद्धांत

आरेख: गुणात्मक शोध डिज़ाइन के सामान्य सिद्धांत

नीचे एक अवधारणात्मक आरेख दिया गया है जो शोध प्रश्न तैयार करने और उपयुक्त विधि चुनने पर केंद्रित गुणात्मक शोध डिज़ाइन के सामान्य सिद्धांतों को दर्शाता है:

<u>आरेख</u>

यह आरेख दिखाता है कि प्रक्रिया एक लचीले, खुले शोध प्रश्न तैयार करने से शुरू होती है, जो उपयुक्त गुणात्मक विधि के चयन को प्रभावित करता है। डेटा संग्रह और विश्लेषण समृद्ध और गहन होते हैं, और यह प्रक्रिया पुनरावृत्त होती है, जिससे नई अंतर्दृष्टि के रूप में अनुकूलन की अनुमति मिलती है।

1. **शोध प्रश्न तैयार करना**

गुणात्मक शोध में शोध प्रश्न किसी अध्ययन की नींव होते हैं। ये सामान्यतया खुले होते हैं और अन्वेषणात्मक होते हैं, जिससे शोधकर्ता जटिल मुद्दों का गहराई से अध्ययन कर सकता है। शोध प्रश्न लचीले होने चाहिए और अध्ययन की प्रगति के साथ विकसित होते रहते हैं, जो गुणात्मक शोध की व्याख्यात्मक प्रकृति को दर्शाते हैं।

गुणात्मक शोध में शोध प्रश्न तैयार करने के मुख्य सिद्धांत:

- *अन्वेषणात्मक प्रकृति:* शोध प्रश्न का ध्यान अनुभवों, अर्थों, या प्रक्रियाओं को समझने पर होना चाहिए, न कि परिकल्पना का परीक्षण करने पर। उदाहरण के लिए, "क्या X Y का कारण बनता है?" पूछने के बजाय, गुणात्मक शोध प्रश्न होगा, "व्यक्ति X का अनुभव कैसे करते हैं?"
- *प्रसंग संबंधी समझ:* शोध प्रश्न का उद्देश्य प्राकृतिक सेटिंग्स में घटनाओं को समझना होना चाहिए। उदाहरण के लिए, "ग्रामीण स्कूलों में शिक्षक दूरस्थ शिक्षा की चुनौतियों को कैसे समझते हैं?"
- *लचीलापन:* गुणात्मक शोध प्रश्न लचीले होने चाहिए ताकि उभरते डेटा और अंतर्दृष्टियों को समायोजित किया जा सके। यह विशेष रूप से उन डिज़ाइनों में महत्वपूर्ण है जैसे कि आधारभूत सिद्धांत या एथ्नोग्राफी, जहां डेटा संग्रह प्रक्रिया के दौरान नए विषय उभर सकते हैं।
- *प्रतिभागी दृष्टिकोण:* शोध प्रश्न प्रतिभागियों के दृष्टिकोण और अनुभवों को प्राथमिकता देना चाहिए। उदाहरण के लिए, "पुरानी बीमारी से उबरने वाले व्यक्तियों के अनुभव क्या हैं?"

गुणात्मक शोध में शोध प्रश्न विकसित करने के लिए आवश्यक चरण

गुणात्मक शोध में एक स्पष्ट और केंद्रित शोध प्रश्न विकसित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पूरे अध्ययन की दिशा निर्धारित करता है। नीचे दिए गए चरण इस प्रक्रिया में मदद करते हैं:

1. *रुचि के व्यापक क्षेत्र की पहचान करें:* एक व्यापक विषय या रुचि का क्षेत्र चुनें। यह व्यक्तिगत रुचि, साहित्य में अंतर, या सामाजिक आवश्यकताओं के आधार पर हो सकता है।
2. *प्रारंभिक शोध करें:* मौजूदा साहित्य की समीक्षा करें ताकि यह समझा जा सके कि पहले से क्या अध्ययन किया गया है। ऐसे क्षेत्र, विवाद, और विचार खोजें जिन्हें और अधिक अन्वेषण की आवश्यकता हो।
3. *विषय को संकीर्ण करें:* प्रारंभिक शोध के आधार पर, व्यापक विषय को एक विशिष्ट क्षेत्र में संकीर्ण करें। उद्देश्य एक विशेष पहलू की गहराई से जांच करना है।
4. *अध्ययन का उद्देश्य तय करें:* अध्ययन का उद्देश्य निर्धारित करें। क्या आप किसी घटना का अन्वेषण करना चाहते हैं, अनुभव को समझना चाहते हैं, या किसी प्रक्रिया का वर्णन करना चाहते हैं? इससे शोध प्रश्न आकार लेगा।
5. *शोध समस्या को परिभाषित करें:* स्पष्ट रूप से उस शोध समस्या को परिभाषित करें जिसे अध्ययन संबोधित करना चाहता है। यह एक ऐसी समस्या होनी चाहिए जिसे मौजूदा साहित्य में पूरी तरह से समझाया नहीं गया हो।
6. *खुले प्रश्न विकसित करें:* गुणात्मक शोध का ध्यान अर्थ और अनुभवों की खोज पर होता है, इसलिए शोध प्रश्न खुले होने चाहिए। ये प्रश्न प्रतिभागियों को उनके विचारों, भावनाओं, और अनुभवों को उनके अपने शब्दों में साझा करने की अनुमति देते हैं।
7. व्यावहारिकता सुनिश्चित करें: शोध प्रश्न की व्यावहारिकता पर विचार करें। सुनिश्चित करें कि प्रश्न आपके संसाधनों, समय, और प्रतिभागियों तक पहुँच के दायरे में उत्तर दिया जा सकता है।
8. *प्रतिक्रिया प्राप्त करें:* अपने शोध प्रश्न को सहकर्मियों, मार्गदर्शकों, या क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ साझा करें। उनकी प्रतिक्रिया से आपके प्रश्न को परिष्कृत और बेहतर बनाया जा सकता है।
9. *संशोधन और परिष्कृत करें:* प्रतिक्रिया और आगे के विचारों के आधार पर, शोध प्रश्न को संशोधित करें ताकि यह स्पष्ट, संक्षिप्त और केंद्रित हो।
10. *विधि के साथ संरेखण करें:* सुनिश्चित करें कि आपका शोध प्रश्न आपके चुने गए गुणात्मक पद्धति (जैसे, नृविज्ञान, आधारभूत सिद्धांत, प्रपत्ति विज्ञान) के साथ मेल खाता है। प्रश्न की प्रकृति आपकी पूछताछ की विधि का मार्गदर्शन करेगी।

2. सही विधि चुनना

शोध प्रश्न तैयार करने के बाद, उपयुक्त गुणात्मक विधि का चयन करना महत्वपूर्ण होता है ताकि अध्ययन के उद्देश्यों और शोध प्रश्न की प्रकृति के अनुरूप हो सके। सामान्य गुणात्मक विधियों में केस स्टडी, एथ्नोग्राफी, फेनोमेनोलॉजी, आधारभूत सिद्धांत, और नैरेटिव इंक्वायरी शामिल हैं।

सही गुणात्मक विधि चुनने के सामान्य सिद्धांत:

- *शोध प्रश्न के साथ संरेखण:* चुनी गई विधि को सीधे शोध प्रश्न के साथ संरेखित होना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि उद्देश्य अनुभवों का अन्वेषण करना है, तो फेनोमेनोलॉजी उपयुक्त होगी, जबकि किसी समुदाय में सांस्कृतिक प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए एथ्नोग्राफी उपयुक्त होगी।
- समझ की गहराई: गुणात्मक विधियों का चयन व्यापकता की तुलना में गहराई प्रदान करने के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए, केस स्टडी एकल मामले की गहन परीक्षा की

अनुमति देती है, जबकि आधारभूत सिद्धांत डेटा के आधार पर एक सैद्धांतिक ढांचा विकसित करने में मदद करती है।

- लचीलापन और अनुकूलन: गुणात्मक विधियाँ अक्सर पुनरावृत्त होती हैं, जिससे शोधकर्ता को नई डेटा और अंतर्दृष्टि के अनुसार दृष्टिकोण को अनुकूलित और परिष्कृत करने की अनुमति मिलती है। यह लचीलापन गुणात्मक शोध में एक प्रमुख लाभ है।
- डेटा की समृद्धि: चुनी गई विधि को समृद्ध, विस्तृत डेटा एकत्र करने की अनुमति देनी चाहिए। इन-डेप्थ इंटरव्यू, प्रतिभागी अवलोकन, और दस्तावेज़ विश्लेषण जैसी विधियाँ गुणात्मक शोध में सामान्य हैं, जो अध्ययन के तहत घटना की समग्र दृष्टि प्रदान करती हैं।

गुणात्मक शोध में सही विधि चुनने के लिए आवश्यक चरण

गुणात्मक शोध में सही विधि (Method) चुनना शोध प्रक्रिया की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। सही विधि शोध प्रश्न का उत्तर देने और प्रभावी निष्कर्ष तक पहुंचने में मदद करती है। नीचे दिए गए चरणों के माध्यम से शोधकर्ता सही विधि का चयन कर सकते हैं:

1. *शोध प्रश्न को समझें:* सबसे पहले, शोध प्रश्न का स्वरूप और उद्देश्य समझें। यदि प्रश्न अन्वेषणात्मक या विवरणात्मक है, तो विधि भी उसी प्रकार की होनी चाहिए।
2. *अध्ययन का उद्देश्य निर्धारित करें:* अध्ययन का उद्देश्य निर्धारित करें। क्या आप किसी घटना को समझना चाहते हैं, अनुभव को व्याख्या करना चाहते हैं, या किसी प्रक्रिया का वर्णन करना चाहते हैं? उद्देश्य विधि के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
3. *गुणात्मक शोध विधियों की समीक्षा करें:* गुणात्मक शोध की विभिन्न विधियों को समझें, जैसे नृविज्ञान (Ethnography), आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory), केस स्टडी (Case Study), प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology), और वर्णनात्मक विश्लेषण (Narrative Analysis)। प्रत्येक विधि का उद्देश्य और प्रक्रिया अलग होती है।
4. *विधि और शोध प्रश्न का मेल:* शोध प्रश्न के आधार पर सही विधि का चयन करें। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी सांस्कृतिक घटना की जांच करना चाहते हैं, तो नृविज्ञान (Ethnography) उपयुक्त हो सकती है। यदि आप एक नया सिद्धांत विकसित करना चाहते हैं, तो आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory) का चयन करें।
5. *डेटा संग्रह तकनीकों पर विचार करें:* आपकी चुनी हुई विधि को उन डेटा संग्रह तकनीकों का समर्थन करना चाहिए जो आप उपयोग करना चाहते हैं। गुणात्मक शोध में सामान्यतः साक्षात्कार, फोकस समूह, अवलोकन, और दस्तावेज विश्लेषण जैसी तकनीकों का प्रयोग होता है।
6. *व्यावहारिकता का आकलन करें:* अपने अध्ययन के संसाधन, समय, और प्रतिभागियों तक पहुंच के अनुसार विधि की व्यावहारिकता का आकलन करें। यह सुनिश्चित करें कि चुनी हुई विधि आपके अध्ययन की सीमा के भीतर हो।
7. *नैतिक विचार:* विधि के नैतिक पहलुओं पर विचार करें। उदाहरण के लिए, कुछ विधियों के लिए संवेदनशील डेटा या प्रतिभागियों के साथ विशेष देखभाल की आवश्यकता हो सकती है।
8. *विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्राप्त करें:* अपने मार्गदर्शक, सहकर्मियों, या क्षेत्र के विशेषज्ञों से विधि के चयन के संबंध में परामर्श लें। यह आपकी विधि को परिष्कृत करने में मदद कर सकता है।

9. *पायलट परीक्षण:* पूरी विधि लागू करने से पहले पायलट परीक्षण करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि विधि आपके शोध प्रश्न का प्रभावी उत्तर देने में सक्षम है और व्यवहार में सफलतापूर्वक काम कर सकती है।
10. *संशोधन:* पायलट परीक्षण और प्रतिक्रिया के आधार पर, विधि में आवश्यकतानुसार संशोधन करें ताकि यह आपके अध्ययन के लिए सबसे उपयुक्त हो।

3. गुणात्मक शोध में डेटा संग्रह और विश्लेषण के तरीके

गुणात्मक (Qualitative) शोध उन घटनाओं को समझने पर केंद्रित होता है जिन्हें शोध के भागीदार अनुभव करते हैं। इस शोध में डेटा संग्रहण के लिए साक्षात्कार, फोकस समूह, अवलोकन और दस्तावेज़ समीक्षा जैसी विधियों का उपयोग किया जाता है। डेटा विश्लेषण में सामान्यतः थीमैटिक (thematic) विश्लेषण, आधारभूत सिद्धांत (grounded theory), नैरेटिव विश्लेषण या सामग्री विश्लेषण का प्रयोग होता है। यहाँ गुणात्मक शोध में डेटा संग्रहण और विश्लेषण के प्रमुख सिद्धांत और चरण दिए गए हैं।

3.1. डेटा संग्रहण के तरीके

- *साक्षात्कार (Interviews)*: अर्द्ध-संरचित या असंरचित साक्षात्कार के माध्यम से प्रतिभागी अपने अनुभव साझा करते हैं। खुले प्रश्नों का उपयोग उनके गहरे चिंतन को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाता है।
- फोकस समूह (Focus Groups): यह समूह चर्चा होती है जिसमें प्रतिभागी एक साथ अपने विचार साझा करते हैं। एक मध्यस्थ (moderator) द्वारा चर्चा को नियंत्रित किया जाता है।
- अवलोकन (Observations): शोधकर्ता अध्ययन के पर्यावरण में जाकर सहभागियों के व्यवहार, अंतःक्रियाओं, और संदर्भों का अवलोकन करते हैं।
- *दस्तावेज़ समीक्षा (Document Review)*: इसमें पूर्व उपलब्ध दस्तावेज़ों जैसे रिपोर्ट्स, डायरी, या अन्य सामग्री का अध्ययन किया जाता है जो शोध विषय से संबंधित होती हैं।

डेटा संग्रहण के प्रमुख सिद्धांत

- *प्राकृतिक सेटिंग्स (Natural Settings):* डेटा को प्रतिभागियों के प्राकृतिक वातावरण में एकत्र किया जाता है ताकि उनके वास्तविक अनुभवों को समझा जा सके (Creswell, 2013)।
- *प्रतिभागी का दृष्टिकोण (Participant Perspective):* शोध का केंद्र प्रतिभागी का दृष्टिकोण होता है, जिसमें शोधकर्ता केवल एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं (Denzin & Lincoln, 2011)।
- *प्रतिवर्तनशीलता (Reflexivity):* शोधकर्ताओं को अपने पूर्वाग्रहों और प्रभावों को समझना होता है, जो शोध प्रक्रिया और निष्कर्षों को प्रभावित कर सकते हैं (Merriam & Tisdell, 2016)।

डेटा संग्रहण के चरण

- *शोध प्रश्न की परिभाषा (Defining Research Questions)*: गुणात्मक शोध एक व्यापक प्रश्न के साथ शुरू होता है, जो किसी जटिल घटना को समझने के लिए होता है।
- *प्रतिभागियों का चयन (Selecting Participants):* शोधकर्ता उद्देश्यपूर्ण (purposive) सैम्पलिंग का उपयोग करते हैं, जहाँ उन व्यक्तियों या समूहों को चुना जाता है जो शोध विषय पर समृद्ध जानकारी प्रदान कर सकें।

- *डेटा संग्रहण (Data Gathering):* डेटा साक्षात्कार, अवलोकन, या अन्य तरीकों से एकत्र किया जाता है। फील्ड नोट्स, ट्रांसक्रिप्ट्स, और रिकॉर्डिंग का उपयोग करके डेटा को प्रलेखित किया जाता है।
- *नैतिक मानकों का पालन (Ensuring Ethical Standards)*: शोधकर्ता प्रतिभागियों से सूचित सहमति प्राप्त करते हैं, गोपनीयता बनाए रखते हैं और प्रतिभागियों के अधिकारों का सम्मान करते हैं (Miles, Huberman, & Saldaña, 2014)।

3.2. डेटा विश्लेषण के तरीके

- *थीमैटिक विश्लेषण (Thematic Analysis):* यह विधि डेटा में पैटर्न (थीम्स) की पहचान, विश्लेषण और रिपोर्टिंग करती है। थीम्स शोध प्रश्नों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी को दर्शाते हैं (Braun & Clarke, 2006)।
- *आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory):* यह विधि डेटा संग्रहण और विश्लेषण को साथ-साथ करती है और इस प्रक्रिया से सिद्धांत विकसित किए जाते हैं (Charmaz, 2014)।
- *सामग्री विश्लेषण (Content Analysis):* इसमें पाठ्य डेटा का व्यवस्थित कोडिंग और श्रेणीकरण किया जाता है ताकि पैटर्न और अर्थों का विश्लेषण किया जा सके (Krippendorff, 2018)।
- *नैरेटिव विश्लेषण (Narrative Analysis):* यह प्रतिभागियों द्वारा साझा की गई कहानियों और अनुभवों पर केंद्रित होता है, जिससे यह समझने की कोशिश की जाती है कि प्रतिभागी अपने अनुभवों का अर्थ कैसे बनाते हैं (Riessman, 2008)।

डेटा विश्लेषण के प्रमुख सिद्धांत

- *दोहराव प्रक्रिया (Iterative Process):* डेटा विश्लेषण दोहरावीय होता है, जिसमें शोधकर्ता डेटा संग्रहण और विश्लेषण के बीच बार-बार आते-जाते हैं, कोड्स और थीम्स को संशोधित करते हैं (Charmaz, 2014)।
- *प्रतिवर्तनशीलता (Researcher Reflexivity):* शोधकर्ता यह सुनिश्चित करते हैं कि डेटा की व्याख्या करते समय वे प्रतिभागियों के अर्थ को सही तरीके से प्रतिबिंबित कर रहे हैं (Merriam & Tisdell, 2016)।
- *गहन विवरण (Thick Description):* उद्देश्य यह होता है कि घटनाओं का गहन और विस्तृत विवरण प्रदान किया जाए ताकि संदर्भ और प्रतिभागियों के दृष्टिकोण की गहरी समझ हो सके (Geertz, 1973)।

डेटा विश्लेषण के चरण

- *डेटा से परिचित होना (Familiarization with Data):* शोधकर्ता डेटा में पूरी तरह से डूब जाते हैं, बार-बार ट्रांसक्रिप्ट्स, फील्ड नोट्स पढ़ते हैं या रिकॉर्डिंग सुनते हैं।
- *कोडिंग (Coding):* डेटा को प्रासंगिक जानकारी के आधार पर कोड्स के रूप में लेबल किया जाता है। कोड्स छोटे लेबल होते हैं जो डेटा के अंशों का सार प्रस्तुत करते हैं।
- *थीम्स का विकास (Developing Themes):* समान कोड्स को जोड़कर थीम्स या श्रेणियां बनाई जाती हैं, जो डेटा को व्यापक स्तर पर वर्णित करती हैं।
- *निष्कर्षों की व्याख्या (Interpreting Findings):* शोधकर्ता थीम्स और पैटर्न्स का विश्लेषण करते हैं और उन्हें शोध प्रश्नों और सैद्धांतिक ढांचे से जोड़ते हैं।
- *परिणामों की रिपोर्टिंग (Reporting Results):* निष्कर्षों को समृद्ध और विस्तृत विवरण के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है, जो शोध प्रक्रिया द्वारा प्राप्त गहन समझ को उजागर करते हैं।

4. पुनरावृत्त (Iterative) प्रक्रिया और प्रतिविम्बन (Reflexivity) प्रक्रिया

गुणात्मक अनुसंधान (Qualitative Research) में पुनरावृत्त (Iterative) प्रक्रिया और प्रतिविम्बन (Reflexivity) प्रक्रिया दो महत्वपूर्ण तत्व हैं जो शोधकर्ताओं को डेटा की बेहतर समझ बनाने और उनके शोध में उनकी भूमिका को समझने में मदद करते हैं।

4.1. पुनरावृत्त प्रक्रिया (Iterative Process)

पुनरावृत्त प्रक्रिया गुणात्मक अनुसंधान में डेटा संग्रहण, विश्लेषण, और चिंतन का एक चक्रीय (cyclical) तरीका है। इसमें डेटा संग्रहण और विश्लेषण के बीच बार-बार आना-जाना शामिल है, जब तक कि शोधकर्ता को डेटा से कोई नई जानकारी प्राप्त नहीं हो जाती। यह प्रक्रिया शोधकर्ताओं को अपने अनुसंधान प्रश्नों को परिष्कृत करने, तरीकों को समायोजित करने और नए डेटा की तुलना मौजूदा डेटा से करने का अवसर देती है।

पुनरावृत्त प्रक्रिया के सामान्य सिद्धांत/चरण:

1. *डेटा संग्रहण:* प्रारंभिक गुणात्मक डेटा जैसे साक्षात्कार, फोकस समूह, या अवलोकन के माध्यम से एकत्र करना।
2. *प्रारंभिक विश्लेषण:* डेटा का प्रारंभिक विश्लेषण करना और शुरुआती विषयों या पैटर्न की पहचान करना।
3. *अनुसंधान प्रश्नों का परिशोधन:* प्रारंभिक विश्लेषण के आधार पर अनुसंधान प्रश्नों या परिकल्पनाओं को संशोधित या परिष्कृत करना।
4. *अतिरिक्त डेटा संग्रहण:* उभरते हुए विषयों या पैटर्नों को ध्यान में रखते हुए डेटा एकत्र करना जारी रखना।
5. *आगे का विश्लेषण:* नए और मौजूदा डेटा का पुनः विश्लेषण करके पैटर्न और संबंधों को और स्पष्ट करना।
6. *तुलना:* नए डेटा की तुलना पुराने निष्कर्षों से करना ताकि यह देखा जा सके कि यह मौजूदा विषयों की पुष्टि करता है या उन्हें चुनौती देता है।
7. *सैद्धांतिक विकास (Theoretical Development):* संचित डेटा के आधार पर सैद्धांतिक व्याख्याएं बनाना या संशोधित करना।

यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक कि सैद्धांतिक संतृप्ति (theoretical saturation) नहीं प्राप्त हो जाती, अर्थात जब कोई नई जानकारी या विषय सामने नहीं आते।

4.2. प्रतिविम्बन (Reflexivity)

प्रतिविम्बन गुणात्मक अनुसंधान में शोधकर्ता की भूमिका, पूर्वाग्रहों, और उनके सांस्कृतिक और व्यक्तिगत पृष्ठभूमि का अनुसंधान प्रक्रिया पर प्रभाव को समझने की प्रक्रिया है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि शोधकर्ता यह ध्यान दें कि उनका व्यक्तिगत अनुभव या परिप्रेक्ष्य उनके निष्कर्षों को कैसे प्रभावित कर सकता है।

प्रतिविम्बन प्रक्रिया के सामान्य सिद्धांत/चरण:

1. *आत्म-चिंतन:* व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों, मान्यताओं, और धारणाओं को स्वीकार करना जो शोध को प्रभावित कर सकते हैं।
2. *भूमिका की जागरूकता:* शोधकर्ता और प्रतिभागियों के बीच शक्ति संबंधों को समझना और यह देखना कि ये संबंध डेटा संग्रहण प्रक्रिया को कैसे प्रभावित करते हैं।
3. *निरंतर चिंतन:* शोध प्रक्रिया के दौरान यह निरंतर विचार करना कि शोधकर्ता की पृष्ठभूमि और स्थिति डेटा की व्याख्या को कैसे प्रभावित करती है।

4. *प्रतिविम्बन का दस्तावेजीकरण:* शोध प्रक्रिया के दौरान चिंतन और विचारों को रिकॉर्ड करने के लिए रिफ्लेक्टिव जर्नल या मेमो रखना।

5. *आलोचनात्मक विश्लेषण:* यह सुनिश्चित करना कि डेटा की व्याख्या पर शोधकर्ता के पूर्वाग्रहों का एकमात्र प्रभाव न हो, इसके लिए आलोचनात्मक रूप से विश्लेषण करना।

6. *पारदर्शिता:* अंतिम लेखन में यह रिपोर्ट करना कि प्रतिविम्बन ने अनुसंधान प्रक्रिया को कैसे प्रभावित किया, जिससे पाठकों के लिए पारदर्शिता बनी रहे।

ये पुनरावृत्त और प्रतिविम्बन प्रक्रियाएँ अनुसंधान की सटीकता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हैं कि अनुसंधान निष्कर्ष डेटा पर आधारित हों, न कि शोधकर्ता की पूर्व धारणाओं पर

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. गुणात्मक शोध का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
A. बड़े नमूनों का विश्लेषण करना
B. अनुभवों की गहराई से समझ प्राप्त करना
C. आंकड़ों का संकलन करना
D. नियंत्रण समूह का परीक्षण करना
उत्तर: B. अनुभवों की गहराई से समझ प्राप्त करना

2. किस गुणात्मक शोध डिज़ाइन में समुदाय में शामिल होकर सांस्कृतिक अध्ययन किया जाता है?
A. फेनोमेनोलॉजी
B. एथ्नोग्राफी
C. आधारभूत सिद्धांत
D. नैरेटिव शोध
उत्तर: B. एथ्नोग्राफी

3. गुणात्मक शोध में डेटा आमतौर पर कैसे एकत्र किया जाता है?
A. मानकीकृत परीक्षणों के माध्यम से
B. बंद प्रश्नों वाले सर्वेक्षण के माध्यम से
C. साक्षात्कार, अवलोकन और दस्तावेज़ विश्लेषण के माध्यम से
D. सांख्यिकीय सॉफ़्टवेयर के माध्यम से
उत्तर: C. साक्षात्कार, अवलोकन और दस्तावेज़ विश्लेषण के माध्यम से

4. फेनोमेनोलॉजिकल शोध का सबसे अच्छा वर्णन क्या है?
A. किसी समूह के सांस्कृतिक व्यवहार का अध्ययन करना
B. व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों को समझना
C. डेटा से सिद्धांत विकसित करना
D. ऐतिहासिक दस्तावेज़ों का विश्लेषण करना
उत्तर: B. व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों को समझना

5. आधारभूत सिद्धांत का उद्देश्य क्या होता है?
A. परिकल्पना का परीक्षण करना
B. डेटा से सिद्धांत विकसित करना
C. दो या अधिक समूहों की तुलना करना
D. हस्तक्षेपों के प्रभाव का पता लगाना
उत्तर: B. डेटा से सिद्धांत विकसित करना

6. गुणात्मक शोध में सामान्यत: किस प्रकार के डेटा विश्लेषण का उपयोग किया जाता है?
A. रिग्रेशन विश्लेषण
B. कंटेंट विश्लेषण
C. काई-स्क्वायर टेस्ट
D. ANOVA
उत्तर: B. कंटेंट विश्लेषण

7. गुणात्मक शोध में डेटा संतृप्ति (Data Saturation) कब होती है?
A. जब डेटा से नए विषय या जानकारी उत्पन्न होना बंद हो जाए
B. जब नमूने का आकार दोगुना हो जाए
C. जब डेटा संग्रह के लिए समय समाप्त हो जाए

D. जब सभी प्रतिभागियों का साक्षात्कार हो जाए
उत्तर: A. जब डेटा से नए विषय या जानकारी उत्पन्न होना बंद हो जाए

8. किस गुणात्मक शोध डिज़ाइन में प्रतिभागियों से कहानियाँ या व्यक्तिगत अनुभव एकत्रित किए जाते हैं?
A. केस स्टडी
B. नैरेटिव शोध
C. आधारभूत सिद्धांत
D. फेनोमेनोलॉजी
उत्तर: B. नैरेटिव शोध

9. गुणात्मक शोध में "घनी वर्णन" (Thick Description) का क्या अर्थ है?
A. रिपोर्टों में जटिल भाषा का उपयोग करना
B. शोध निष्कर्षों का विस्तृत और संदर्भ-समृद्ध वर्णन प्रदान करना
C. बड़े पैमाने पर डेटा एकत्र करना
D. सांख्यिकीय निष्कर्षों का सटीक वर्णन करना
उत्तर: B. शोध निष्कर्षों का विस्तृत और संदर्भ-समृद्ध वर्णन प्रदान करना

10. गुणात्मक शोध का सामान्य उद्देश्य क्या नहीं होता है?
A. परिणामों का पूर्वानुमान लगाना
B. जटिल घटनाओं का अन्वेषण करना
C. व्यक्तिगत दृष्टिकोणों को समझना
D. परिकल्पना उत्पन्न करना
उत्तर: A. परिणामों का पूर्वानुमान लगान

11. गुणात्मक शोध के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?
A. इसमें हमेशा बड़े नमूनों का उपयोग किया जाता है।
B. यह बड़े पैमाने पर जनसंख्या पर सामान्यीकरण करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
C. इसमें अक्सर उभरता हुआ और लचीला शोध डिज़ाइन होता है।
D. यह मुख्य रूप से चर को मापने से संबंधित होता है।
उत्तर: C. इसमें अक्सर उभरता हुआ और लचीला शोध डिज़ाइन होता है।

12. गुणात्मक विधियों का उपयोग करने वाला शोधकर्ता डेटा संग्रह की किस तकनीक का सबसे अधिक उपयोग करेगा?
A. रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल्स
B. संरचित प्रश्नावली
C. प्रतिभागी अवलोकन
D. बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण
उत्तर: C. प्रतिभागी अवलोकन

13. किस गुणात्मक शोध विधि में एक या कुछ मामलों का गहन अध्ययन शामिल होता है?
A. केस स्टडी
B. एथ्नोग्राफी
C. नैरेटिव शोध
D. सर्वेक्षण शोध
उत्तर: A. केस स्टडी

14. गुणात्मक शोध में त्रिकोणीकरण (Triangulation) का क्या तात्पर्य है?
A. डेटा की जाँच के लिए कई डेटा स्रोतों, विधियों या सिद्धांतों का उपयोग करना
B. तीन अलग-अलग सेटिंग्स में डेटा एकत्र करना
C. डेटा विश्लेषण में तीन शोधकर्ताओं को शामिल करना
D. प्रत्येक प्रतिभागी के साथ तीन राउंड के साक्षात्कार करना
उत्तर: A. डेटा की जाँच के लिए कई डेटा स्रोतों, विधियों या सिद्धांतों का उपयोग करना

15. गुणात्मक शोध का मुख्य ध्यान क्या होता है?
A. चर को मापना
B. निष्कर्षों का सामान्यीकरण करना
C. अर्थ और समझ की खोज करना
D. परिकल्पना का परीक्षण करना
उत्तर: C. अर्थ और समझ की खोज करना

16. गुणात्मक शोध में रिफ्लेक्सिविटी (Reflexivity) का क्या मतलब है?
A. शोधकर्ता की उस जागरूकता से जो शोध प्रक्रिया को प्रभावित करती है
B. सटीकता के लिए शोध प्रक्रिया को दोहराना
C. लचीली डेटा संग्रह विधियों का उपयोग करना
D. परावर्तक साक्षात्कारों पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: A. शोधकर्ता की उस जागरूकता से जो शोध प्रक्रिया को प्रभावित करती है

17. किस गुणात्मक शोध विधि में प्रतिभागियों के दैनिक जीवन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होना शामिल होता है?
A. केस स्टडी
B. नैरेटिव शोध
C. एथ्नोग्राफी
D. फेनोमेनोलॉजी
उत्तर: C. एथ्नोग्राफी

18. वह शोध डिज़ाइन जो व्यवस्थित रूप से एकत्रित डेटा से सिद्धांत विकसित करता है, उसे क्या कहा जाता है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. केस स्टडी
C. प्रायोगिक शोध
D. फेनोमेनोलॉजिकल शोध
उत्तर: A. आधारभूत सिद्धांत

19. गुणात्मक शोध में कोडिंग का उपयोग किसके लिए किया जाता है?
A. डेटा की मात्रात्मकता के लिए
B. पाठ्य डेटा में थीम और पैटर्न की पहचान के लिए
C. सांख्यिकीय महत्व की गणना के लिए
D. विश्लेषण के लिए वेरिएबल्स बनाने के लिए
उत्तर: B. पाठ्य डेटा में थीम और पैटर्न की पहचान के लिए

20. गुणात्मक शोध की एक सीमा क्या है?
A. डेटा में गहराई की कमी
B. संदर्भ को समझने में कठिनाई
C. समय लेने वाली और श्रमसाध्य प्रक्रियाएँ
D. व्यक्तिपरक अनुभवों की खोज करने में असमर्थता
उत्तर: C. समय लेने वाली और श्रमसाध्य प्रक्रियाएँ

21. त्रिकोणिकी का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
A. डेटा को मानकीकृत करना
B. एकल स्रोत पर निर्भरता कम करना
C. परीक्षण परिणामों को सटीक करना
D. शोध के समय को कम करना
उत्तर: B. एकल स्रोत पर निर्भरता कम करना

22. त्रिकोणिकी में कितने प्रमुख प्रकार होते हैं?
A. 2
B. 3
C. 4
D. 5
उत्तर: C. 4

23. डेटा त्रिकोणिकी का उपयोग कब किया जाता है?
A. विभिन्न समय पर एकत्रित डेटा को सत्यापित करने के लिए
B. कई शोधकर्ताओं को डेटा में शामिल करने के लिए
C. विभिन्न सिद्धांतों का परीक्षण करने के लिए
D. कई सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करने के लिए
उत्तर: A. विभिन्न समय पर एकत्रित डेटा को सत्यापित करने के लिए

24. मिश्रित विधियों का उपयोग किस प्रकार की शोध समस्याओं के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. जहाँ केवल मात्रात्मक डेटा की आवश्यकता हो
B. जहाँ केवल गुणात्मक डेटा की आवश्यकता हो

C. जहाँ जटिल समस्याओं को समझने की आवश्यकता हो
D. जहाँ केवल सैद्धांतिक अनुसंधान की आवश्यकता हो
उत्तर: C. जहाँ जटिल समस्याओं को समझने की आवश्यकता हो

25. त्रिकोणिकी में कौन सी विधि का उपयोग कई शोधकर्ताओं के विचारों को शामिल करने के लिए किया जाता है?
A. सैद्धांतिक त्रिकोणिकी
B. डेटा त्रिकोणिकी
C. अन्वेषक त्रिकोणिकी
D. विधि त्रिकोणिकी
उत्तर: C. अन्वेषक त्रिकोणिकी

26. किस मिश्रित विधि डिज़ाइन में पहले मात्रात्मक डेटा संग्रह और विश्लेषण किया जाता है, फिर गुणात्मक डेटा संग्रह किया जाता है?
A. समानांतर डिज़ाइन
B. अन्वेषणात्मक क्रमिक डिज़ाइन
C. व्याख्यात्मक क्रमिक डिज़ाइन
D. समाहित डिज़ाइन
उत्तर: C. व्याख्यात्मक क्रमिक डिज़ाइन

27. किस प्रकार की त्रिकोणिकी में विभिन्न सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है?
A. डेटा त्रिकोणिकी
B. विधि त्रिकोणिकी
C. अन्वेषक त्रिकोणिकी
D. सैद्धांतिक त्रिकोणिकी
उत्तर: D. सैद्धांतिक त्रिकोणिकी

28. मिश्रित विधियों के लिए किस डिज़ाइन में गुणात्मक और मात्रात्मक डेटा एक साथ एकत्रित किए जाते हैं और फिर उनका विश्लेषण किया जाता है?
A. व्याख्यात्मक क्रमिक डिज़ाइन
B. समानांतर संमिलन डिज़ाइन
C. अन्वेषणात्मक क्रमिक डिज़ाइन
D. समाहित डिज़ाइन
उत्तर: B. समानांतर संमिलन डिज़ाइन

29. त्रिकोणिकी के किस प्रकार का उद्देश्य विभिन्न समय और सेटिंग्स से डेटा एकत्र करना है?
A. अन्वेषक त्रिकोणिकी
B. सैद्धांतिक त्रिकोणिकी
C. विधि त्रिकोणिकी
D. डेटा त्रिकोणिकी
उत्तर: D. डेटा त्रिकोणिकी

30. मिश्रित विधियों में "समाहित डिज़ाइन" का क्या मतलब है?
A. एक विधि को दूसरी विधि में शामिल करना
B. डेटा संग्रह के लिए समानांतर विधियों का उपयोग करना
C. डेटा विश्लेषण के लिए केवल गुणात्मक विधियों का उपयोग करना
D. केवल मात्रात्मक विधियों का उपयोग करना
उत्तर: A. एक विधि को दूसरी विधि में शामिल करना

31. मिश्रित विधियों का क्या प्रमुख लाभ है?
A. यह शोध प्रक्रिया को सरल बनाता है
B. यह डेटा संग्रह के लिए कम समय लेता है
C. यह शोध की गहनता और चौड़ाई दोनों को बढ़ाता है
D. यह केवल एक विधि पर ध्यान केंद्रित करता है
उत्तर: C. यह शोध की गहनता और चौड़ाई दोनों को बढ़ाता है

32. मिश्रित विधियों के लिए अन्वेषणात्मक क्रमिक डिज़ाइन का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
A. मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण करना
B. गुणात्मक निष्कर्षों को सत्यापित करना
C. गुणात्मक निष्कर्षों के आधार पर मात्रात्मक अध्ययन को आकार देना
D. परिणामों का सामान्यीकरण करना

उत्तर: C. गुणात्मक निष्कर्षों के आधार पर मात्रात्मक अध्ययन को आकार देना

33. त्रिकोणिकी के प्रयोग से प्राप्त निष्कर्षों की विश्वसनीयता कैसे बढ़ाई जाती है?
A. केवल सैद्धांतिक परीक्षणों द्वारा
B. केवल गुणात्मक डेटा द्वारा
C. विभिन्न स्रोतों और विधियों द्वारा प्राप्त निष्कर्षों का तुलना और सत्यापन करके
D. डेटा के मात्रात्मक विश्लेषण द्वारा
उत्तर: C. विभिन्न स्रोतों और विधियों द्वारा प्राप्त निष्कर्षों का तुलना और सत्यापन करके

34. मिश्रित विधियों में परिणामों का एकीकरण (Integration) किस चरण में होता है?
A. डेटा संग्रह के बाद
B. डेटा विश्लेषण के बाद
C. अध्ययन के प्रारंभिक चरण में
D. केवल गुणात्मक चरण में
उत्तर: B. डेटा विश्लेषण के बाद

35. त्रिकोणिकी में विभिन्न शोधकर्ताओं के विचारों को एकत्रित करने का क्या लाभ है?
A. डेटा संग्रह का समय कम हो जाता है
B. व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को कम किया जाता है
C. शोध प्रक्रिया अधिक सरल हो जाती है
D. शोध के लिए कम डेटा की आवश्यकता होती है
उत्तर: B. व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को कम किया जाता है

36. मिश्रित विधियों में "समानांतर संमिलन डिज़ाइन" का मुख्य लाभ क्या है?
A. यह शोध की गति को बढ़ाता है
B. यह एक ही समय में दोनों विधियों का संतुलन बनाता है
C. यह केवल गुणात्मक डेटा पर ध्यान केंद्रित करता है
D. यह मात्रात्मक निष्कर्षों का सामान्यीकरण करता है
उत्तर: B. यह एक ही समय में दोनों विधियों का संतुलन बनाता है

37. मिश्रित विधियों के लिए व्याख्यात्मक क्रमिक डिज़ाइन का सबसे अच्छा उदाहरण क्या हो सकता है?
A. सर्वेक्षण के बाद गहन साक्षात्कार करना
B. केवल मात्रात्मक डेटा एकत्र करना
C. पहले अवलोकन करना और फिर सर्वेक्षण करना
D. डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण करना
उत्तर: A. सर्वेक्षण के बाद गहन साक्षात्कार करना

38. त्रिकोणिकी के कौन से प्रकार में शोधकर्ता विभिन्न डेटा संग्रह विधियों का उपयोग करता है?
A. अन्वेषक त्रिकोणिकी
B. विधि त्रिकोणिकी
C. डेटा त्रिकोणिकी
D. सैद्धांतिक त्रिकोणिकी
उत्तर: B. विधि त्रिकोणिकी

39. मिश्रित विधियों में सबसे बड़ी चुनौती क्या हो सकती है?
A. डेटा संग्रह में त्रुटियाँ
B. मात्रात्मक निष्कर्षों का विश्लेषण
C. दोनों विधियों का एकीकरण और संतुलन बनाना
D. केवल गुणात्मक डेटा की विश्वसनीयता
उत्तर: C. दोनों विधियों का एकीकरण और संतुलन बनाना

40. मिश्रित विधियों का चयन कब किया जाना चाहिए?
A. जब केवल मात्रात्मक डेटा की आवश्यकता हो
B. जब केवल गुणात्मक डेटा की आवश्यकता हो
C. जब समस्या जटिल हो और एकल विधि पर्याप्त न हो
D. जब समय कम हो
उत्तर: C. जब समस्या जटिल हो और एकल विधि पर्याप्त न हो

41. गुणात्मक शोध के लिए सबसे उपयुक्त शोध प्रश्न किस प्रकार का होता है?
A. बंद-समाप्त (Closed-ended)
B. खुले-समाप्त (Open-ended)
C. बहुविकल्पीय (Multiple-choice)
D. परिकल्पना-आधारित (Hypothesis-driven)
उत्तर: B. खुले-समाप्त (Open-ended)

42. किस गुणात्मक विधि का उपयोग समुदाय में सांस्कृतिक प्रथाओं का अध्ययन करने के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)
B. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)
C. नृविज्ञान (Ethnography)
D. केस स्टडी (Case Study)
उत्तर: C. नृविज्ञान (Ethnography)

43. गुणात्मक शोध प्रश्नों की मुख्य विशेषता क्या होती है?
A. वे परिकल्पनाओं का परीक्षण करते हैं
B. वे संख्यात्मक डेटा उत्पन्न करते हैं
C. वे अर्थों और अनुभवों का अन्वेषण करते हैं
D. वे कठोर और अपरिवर्तनीय होते हैं
उत्तर: C. वे अर्थों और अनुभवों का अन्वेषण करते हैं

44. गुणात्मक शोध में डेटा संग्रह की कौन-सी सामान्य विधि है?
A. निश्चित उत्तरों वाली सर्वेक्षण (Surveys with fixed answers)
B. गहन साक्षात्कार (In-depth interviews)
C. प्रयोगशाला प्रयोग (Laboratory experiments)
D. सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical analysis)
उत्तर: B. गहन साक्षात्कार (In-depth interviews)

45. कौन-सी गुणात्मक विधि व्यक्तियों के जीते हुए अनुभवों को समझने के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. केस स्टडी (Case Study)
B. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)
C. नैरेटिव इंक्वायरी (Narrative Inquiry)
D. नृविज्ञान (Ethnography)
उत्तर: B. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)

46. कौन-सा शोध प्रश्न सबसे अच्छे तरीके से एक प्रपत्ति विज्ञान अध्ययन के साथ मेल खाता है?
A. व्यक्ति सर्जरी के बाद अपनी रिकवरी को कैसे अनुभव करते हैं?
B. कितने प्रतिशत मरीज पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं?
C. चिकित्सा उपचार रिकवरी प्रक्रिया को कैसे प्रभावित करता है?
D. सर्जिकल रिकवरी दरों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक क्या हैं?
उत्तर: A. व्यक्ति सर्जरी के बाद अपनी रिकवरी को कैसे अनुभव करते हैं?

47. गुणात्मक शोध का एक प्रमुख उद्देश्य क्या है?
A. निष्कर्षों का एक बड़े जनसंख्या पर सामान्यीकरण करना
B. जटिल सामाजिक घटनाओं का अन्वेषण और समझना
C. कारण-और-प्रभाव संबंधों का निर्धारण करना
D. पूर्व निर्धारित परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
उत्तर: B. जटिल सामाजिक घटनाओं का अन्वेषण और समझना

48. कौन-सी गुणात्मक शोध विधि सिद्धांत विकास के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)
B. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)
C. नैरेटिव इंक्वायरी (Narrative Inquiry)
D. नृविज्ञान (Ethnography)

उत्तर: B. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)

49. गुणात्मक शोध में खुले-समाप्त प्रश्नों का मुख्य लाभ क्या है?
A. वे सांख्यिकीय विश्लेषण की अनुमति देते हैं
B. वे उत्तरों की सीमा को सीमित करते हैं
C. वे प्रतिभागियों को विस्तृत और सूक्ष्म उत्तर साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं
D. वे मापने योग्य डेटा उत्पन्न करते हैं

उत्तर: C. वे प्रतिभागियों को विस्तृत और सूक्ष्म उत्तर साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं

50. जब शोधकर्ता एक एकल केस का गहराई से अध्ययन करना चाहते हैं, तो किस विधि का उपयोग किया जाता है?
A. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)
B. नृविज्ञान (Ethnography)
C. केस स्टडी (Case Study)
D. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)
उत्तर: C. केस स्टडी (Case Study)

51. गुणात्मक शोध में आधारभूत सिद्धांत का मुख्य फोकस क्या है?
A. सांस्कृतिक प्रथाओं का वर्णन करना
B. डेटा में आधारित एक सिद्धांत विकसित करना
C. सांख्यिकीय प्रवृत्तियों का विश्लेषण करना
D. व्यक्तियों के जीते हुए अनुभवों का अध्ययन करना
उत्तर: B. डेटा में आधारित एक सिद्धांत विकसित करना

52. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणात्मक शोध की सामान्य विशेषता नहीं है?
A. शोध डिज़ाइन में लचीलापन
B. संख्यात्मक डेटा का उपयोग
C. अर्थ और संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करना
D. खुले-समाप्त शोध प्रश्न
उत्तर: B. संख्यात्मक डेटा का उपयोग

53. गुणात्मक शोध में शोध प्रश्नों का लचीला होना क्यों महत्वपूर्ण है?
A. त्वरित डेटा संग्रह की अनुमति देने के लिए
B. उभरती अंतर्दृष्टियों और विषयों को समायोजित करने के लिए
C. सांख्यिकीय वैधता सुनिश्चित करने के लिए
D. प्रतिभागी पूर्वाग्रह से बचने के लिए
उत्तर: B. उभरती अंतर्दृष्टियों और विषयों को समायोजित करने के लिए

54. कौन-सी गुणात्मक विधि व्यक्तियों की कहानियों और व्यक्तिगत अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करती है?
A. नृविज्ञान (Ethnography)
B. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)
C. नैरेटिव इंक्वायरी (Narrative Inquiry)
D. केस स्टडी (Case Study)
उत्तर: C. नैरेटिव इंक्वायरी (Narrative Inquiry)

55. गुणात्मक शोध में शोधकर्ता की भूमिका को सबसे अच्छे तरीके से कैसे वर्णित किया जा सकता है?
A. निष्पक्ष पर्यवेक्षक
B. निष्क्रिय डेटा संग्रहकर्ता
C. सक्रिय प्रतिभागी और व्याख्याता
D. सांख्यिकीय विश्लेषक
उत्तर: C. सक्रिय प्रतिभागी और व्याख्याता

56. गुणात्मक शोध में केस स्टडी का उपयोग करने का एक मुख्य लाभ क्या है?
A. निष्कर्षों को सामान्यीकृत करने की क्षमता
B. एक विशिष्ट मामले की गहन समझ
C. सांख्यिकीय प्रवृत्तियों पर ध्यान केंद्रित करना
D. बड़े पैमाने पर डेटा का संग्रह
उत्तर: B. एक विशिष्ट मामले की गहन समझ

57. गुणात्मक शोध में शोधकर्ता को डेटा संग्रह के दृष्टिकोण को कैसे अपनाना चाहिए?
A. पूर्व निर्धारित अपेक्षाओं के साथ

B. खुले दिमाग से, डेटा को पूछताछ का मार्गदर्शन करने की अनुमति देकर
C. केवल संख्यात्मक डेटा पर ध्यान केंद्रित करके
D. अध्ययन के दायरे को पहले से परिभाषित चर तक सीमित करके
उत्तर: B. खुले दिमाग से, डेटा को पूछताछ का मार्गदर्शन करने की अनुमति देकर

58. कौन-सी गुणात्मक शोध विधि एक प्रक्रिया या सामाजिक अंतःक्रिया को समझने के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. केस स्टडी (Case Study)
B. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)
C. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)
D. नैरेटिव इंक्वायरी (Narrative Inquiry)
त्तर: B. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)

59. नृविज्ञान (Ethnography) शोध का मुख्य फोकस क्या है?
A. किसी समुदाय के भीतर सांस्कृतिक घटनाओं को समझना
B. सैद्धांतिक ढांचे का विकास करना
C. व्यक्तिगत अनुभवों का अन्वेषण करना
D. एकल मामलों का गहन अध्ययन करना
उत्तर: A. किसी समुदाय के भीतर सांस्कृतिक घटनाओं को समझना

60. निम्नलिखित में से कौन सी कथात्मक जांच में एक सामान्य डेटा संग्रह विधि है?
A. सांख्यिकीय सर्वेक्षण
B. संरचित साक्षात्कार
C. कथात्मक साक्षात्कार और कहानी सुनाना
D. प्रयोगशाला प्रयोग
उत्तर: C. कथात्मक साक्षात्कार और कहानी सुनाना

61. गुणात्मक शोध में रिफ्लेक्सिविटी क्यों महत्वपूर्ण है?
A. यह शोधकर्ता की निष्पक्षता बनाए रखने में मदद करता है
B. यह शोधकर्ताओं को अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को स्वीकार करने और शोध पर प्रभाव डालने की अनुमति देता है
C. यह सुनिश्चित करता है कि शोध सांख्यिकीय रूप से मान्य है
D. यह शोध प्रक्रिया को सरल बनाता है
उत्तर: B. यह शोधकर्ताओं को अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों को स्वीकार करने और शोध पर प्रभाव डालने की अनुमति देता है

62. लोगों के समूह के जीवित अनुभवों की खोज के लिए कौन सी गुणात्मक विधि आदर्श है?
A. घटना विज्ञान
B. ग्राउंडेड सिद्धांत
C. नृवंशविज्ञान
D. कथात्मक जांच
उत्तर: A. घटना विज्ञान

63. निम्नलिखित में से कौन सा गुणात्मक शोध डिजाइन का एक प्रमुख सिद्धांत है?
A. पूर्व निर्धारित परिकल्पनाएँ
B. बड़े नमूना आकार
C. समृद्ध, प्रासंगिक डेटा
D. संख्यात्मक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करें
उत्तर: C. समृद्ध, प्रासंगिक डेटा

64. गुणात्मक शोध विधियों का उपयोग करने के प्राथमिक कारणों में से एक क्या है?
A. विशिष्ट चर का परीक्षण करना
B. जटिल मुद्दों की गहन समझ हासिल करना
C. सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए संख्यात्मक डेटा उत्पन्न करना
D. मौजूदा सिद्धांतों की पुष्टि करना
उत्तर: B. जटिल मुद्दों की गहन समझ हासिल करना

65. किस प्रकार के गुणात्मक शोध में एकत्रित डेटा के आधार पर शोध निष्कर्ष जमीन से ऊपर तक बनाए जाते हैं?
A. घटना विज्ञान

B. ग्राउंडेड सिद्धांत
C. नृवंशविज्ञान
D. केस स्टडी
उत्तर: B. आधारभूत सिद्धांत

66. गुणात्मक शोध डिजाइन की चुनौतियों में से एक क्या है?
A. कठोरता सुनिश्चित करते हुए लचीलापन बनाए रखना
B. अध्ययन के दायरे को सीमित करना
C. संख्यात्मक डेटा एकत्र करना
D. सांख्यिकीय विश्लेषण करना
उत्तर: A. कठोरता सुनिश्चित करते हुए लचीलापन बनाए रखना

67. गुणात्मक शोध में डेटा विश्लेषण के लिए निम्न में से कौन सा एक सामान्य दृष्टिकोण है?
A. सांख्यिकीय प्रतिगमन
B. विषयगत विश्लेषण
C. मात्रात्मक कोडिंग
D. कारक विश्लेषण
उत्तर: B. विषयगत विश्लेषण

68. गुणात्मक शोध में शोध प्रश्न की भूमिका क्या है?
A. पूर्वनिर्धारित चरों पर ध्यान केंद्रित करना
B. जटिल सामाजिक घटनाओं की खोज का मार्गदर्शन करना
C. परिणामों के सांख्यिकीय महत्व को निर्धारित करना
D. परिकल्पनाओं की पुष्टि या अस्वीकृति करना
उत्तर: B. जटिल सामाजिक घटनाओं की खोज का मार्गदर्शन करना परिघटना

69. किसी एक मामले को बहुत विस्तार से जानने के लिए कौन सी गुणात्मक विधि सबसे उपयुक्त है?
A. परिघटना विज्ञान
B. ग्राउंडेड सिद्धांत
C. केस स्टडी
D. नृवंशविज्ञान
उत्तर: C. केस स्टडी

70. गुणात्मक शोध में शोध प्रश्न विकसित करने का पहला चरण क्या है?
A. डेटा विश्लेषण करना
B. विषय को संकीर्ण करना
C. रुचि के व्यापक क्षेत्र की पहचान करना
D. शोध रिपोर्ट लिखना
उत्तर: C. रुचि के व्यापक क्षेत्र की पहचान करना

71. कौन सा प्रकार का शोध प्रश्न गुणात्मक शोध के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. परिकल्पना-आधारित
B. बहुविकल्पीय
C. बंद-समाप्त
D. खुले-समाप्त
उत्तर: D. खुले-समाप्त

72. शोध प्रश्न को अंतिम रूप देने से पहले प्रारंभिक शोध करना क्यों महत्वपूर्ण है?
A. मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए
B. मौजूदा अध्ययनों की पुनरावृत्ति से बचने के लिए
C. प्रतिभागी जानकारी एकत्र करने के लिए
D. शोध डिज़ाइन को अंतिम रूप देने के लिए
उत्तर: B. मौजूदा अध्ययनों की पुनरावृत्ति से बचने के लिए

73. शोध प्रश्न विकसित करते समय विषय को संकीर्ण करने में क्या विचार करना चाहिए?
A. प्रतिभागियों की संख्या
B. मौजूदा साहित्य में अंतर
C. सांख्यिकीय विश्लेषण के तरीके
D. वित्त पोषण की उपलब्धता
उत्तर: B. मौजूदा साहित्य में अंतर

74. गुणात्मक शोध प्रश्नों को किस प्रकार संरचित किया जाना चाहिए?
A. विशिष्ट चर का परीक्षण करने के लिए

B. प्रतिभागियों के अर्थ और अनुभवों का अन्वेषण करने के लिए
C. कारण-और-प्रभाव संबंधों का निर्धारण करने के लिए
D. संख्यात्मक डेटा उत्पन्न करने के लिए
उत्तर: B. प्रतिभागियों के अर्थ और अनुभवों का अन्वेषण करने के लिए

75. निम्नलिखित में से कौन सा गुणात्मक शोध प्रश्न की एक प्रमुख विशेषता है?
A. इसे बंद-समाप्त होना चाहिए
B. इसे सांख्यिकीय प्रवृत्तियों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए
C. इसे लचीला और अन्वेषण के लिए खुला होना चाहिए
D. इसे सामान्यीकरण का लक्ष्य होना चाहिए
उत्तर: C. इसे लचीला और अन्वेषण के लिए खुला होना चाहिए

76. शोध प्रश्न विकसित करते समय सहकर्मियों या मार्गदर्शकों से प्रतिक्रिया क्यों महत्वपूर्ण है?
A. अधिक डेटा एकत्र करने में मदद करने के लिए
B. सांख्यिकीय वैधता सुनिश्चित करने के लिए
C. प्रश्न को परिष्कृत करने के लिए बाहरी दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए
D. साहित्य समीक्षा की आवश्यकता को कम करने के लिए
उत्तर: C. प्रश्न को परिष्कृत करने के लिए बाहरी दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए

77. गुणात्मक शोध में शोध प्रश्न को पद्धति के साथ संरेखित करना क्यों आवश्यक है?
A. सांख्यिकीय सटीकता सुनिश्चित करने के लिए
B. डेटा संग्रह विधियों का मार्गदर्शन करने के लिए
C. शोध के दायरे को सीमित करने के लिए
D. शोध को आसान बनाने के लिए
उत्तर: B. डेटा संग्रह विधियों का मार्गदर्शन करने के लिए

78. निम्नलिखित में से कौन सा एक खुले-समाप्त शोध प्रश्न का उदाहरण है?
A. कितने प्रतिशत लोग ऑनलाइन खरीदारी पसंद करते हैं?
B. लोग दूरस्थ कार्य में परिवर्तन का अनुभव कैसे करते हैं?
C. लोग सोशल मीडिया पर कितने घंटे बिताते हैं?
D. जलवायु परिवर्तन का कृषि उपज पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर: B. लोग दूरस्थ कार्य में परिवर्तन का अनुभव कैसे करते हैं?

79. गुणात्मक शोध में खुले प्रश्नों का मुख्य लाभ क्या है?
A. वे मापने योग्य परिणाम उत्पन्न करते हैं
B. वे प्रतिक्रियाओं की सीमा को सीमित करते हैं
C. वे विस्तृत और समृद्ध डेटा संग्रह को प्रोत्साहित करते हैं
D. वे डेटा विश्लेषण को सरल बनाते हैं
उत्तर: C. वे विस्तृत और समृद्ध डेटा संग्रह को प्रोत्साहित करते हैं

80. एक शोधकर्ता कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि उनका शोध प्रश्न व्यावहारिक है?
A. यह सुनिश्चित करके कि इसे उपलब्ध संसाधनों और समय के भीतर उत्तर दिया जा सकता है
B. इसे जटिल और उत्तर देने में कठिन बनाकर
C. एक व्यापक और सामान्य विषय पर ध्यान केंद्रित करके
D. किसी भी प्रारंभिक शोध से बचकर
उत्तर: A. यह सुनिश्चित करके कि इसे उपलब्ध संसाधनों और समय के भीतर उत्तर दिया जा सकता है

81. गुणात्मक शोध प्रश्नों का लचीला होना क्यों महत्वपूर्ण है?
A. त्वरित डेटा संग्रह की अनुमति देने के लिए
B. शोध प्रक्रिया के दौरान उभरते विषयों और निष्कर्षों के अनुकूल होने के लिए

C. यह सुनिश्चित करने के लिए कि शोध सांख्यिकीय रूप से मान्य है
D. डेटा विश्लेषण को आसान बनाने के लिए
उत्तर: B. शोध प्रक्रिया के दौरान उभरते विषयों और निष्कर्षों के अनुकूल होने के लिए

82. गुणात्मक शोध प्रश्न विकसित करने की प्रक्रिया में मौजूदा अध्ययनों की समीक्षा करने वाला चरण कौन सा है?
A. प्रतिक्रिया प्राप्त करना
B. विषय को संकीर्ण करना
C. प्रारंभिक शोध करना
D. डेटा संग्रह
उत्तर: C. प्रारंभिक शोध करना

83. शोध समस्या का गुणात्मक शोध प्रश्न को तैयार करने में क्या भूमिका है?
A. यह मापने के लिए चर को परिभाषित करता है
B. यह अध्ययन के लिए स्पष्ट फोकस प्रदान करता है
C. यह शोध के दायरे को सीमित करता है
D. यह उपयोग किए जाने वाले सांख्यिकीय तरीकों का निर्धारण करता है
उत्तर: B. यह अध्ययन के लिए एक स्पष्ट फ़ोकस प्रदान करता है

84. विकास प्रक्रिया के दौरान गुणात्मक शोध प्रश्न को कैसे संशोधित किया जाना चाहिए?
A. इसे और अधिक जटिल बनाकर
B. इसे सीमित करके और इसके फ़ोकस को स्पष्ट करके
C. अधिक चर जोड़कर
D. सहकर्मी प्रतिक्रिया को अनदेखा करके
उत्तर: B. इसे सीमित करके और इसके फ़ोकस को स्पष्ट करके

85. गुणात्मक शोध में सही विधि चुनने का पहला चरण क्या है?
A. डेटा संग्रह करना
B. शोध प्रश्न को समझना
C. साहित्य की समीक्षा करना
D. शोध रिपोर्ट लिखना
उत्तर: B. शोध प्रश्न को समझना

86. विधि को शोध प्रश्न के साथ मेल क्यों करना महत्वपूर्ण है?
A. सांख्यिकीय सटीकता सुनिश्चित करने के लिए
B. अध्ययन के उद्देश्यों और दृष्टिकोण को मेल करने के लिए
C. मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए
D. प्रतिभागियों की संख्या को कम करने के लिए
उत्तर: B. अध्ययन के उद्देश्यों और दृष्टिकोण को मेल करने के लिए

87. सांस्कृतिक घटना का अध्ययन करने के लिए कौन सी विधि सबसे उपयुक्त है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. केस स्टडी
C. नृविज्ञान (Ethnography)
D. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology)
उत्तर: C. नृविज्ञान (Ethnography)

88. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology) का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A. सामाजिक अंतःक्रियाओं की जांच करना
B. एक नया सिद्धांत विकसित करना
C. जीवन के अनुभवों को समझना
D. परिकल्पना का परीक्षण करना
उत्तर: C. जीवन के अनुभवों को समझना

89. गुणात्मक शोध में आधारभूत सिद्धांत का उपयोग कब किया जाता है?
A. जब एक नया सिद्धांत विकसित करना हो
B. जब एक मौजूदा सिद्धांत का परीक्षण करना हो
C. जब ऐतिहासिक घटनाओं का अध्ययन करना हो
D. जब व्यक्तिगत जीवन कहानियों का अध्ययन करना हो
उत्तर: A. जब एक नया सिद्धांत विकसित करना हो

90. नृविज्ञान (Ethnography) में आमतौर पर कौन सी डेटा संग्रह तकनीक का उपयोग किया जाता है?
A. सर्वेक्षण
B. प्रतिभागी अवलोकन (Participant Observation)
C. प्रयोगशाला प्रयोग
D. सामग्री विश्लेषण (Content Analysis)
उत्तर: B. प्रतिभागी अवलोकन (Participant Observation)

91. गुणात्मक शोध में पायलट परीक्षण का क्या उद्देश्य है?
A. शोध रिपोर्ट को अंतिम रूप देना
B. चुनी गई विधि की प्रभावशीलता का आकलन करना
C. प्रारंभिक डेटा संग्रह करना
D. प्रतिभागियों की भर्ती करना
उत्तर: B. चुनी गई विधि की प्रभावशीलता का आकलन करना

92. गुणात्मक शोध में एक प्रमुख नैतिक विचार क्या है?
A. सांख्यिकीय महत्व सुनिश्चित करना
B. प्रतिभागियों की गोपनीयता की रक्षा करना
C. नमूना आकार बढ़ाना
D. शोध की लागत कम करना
उत्तर: B. प्रतिभागियों की गोपनीयता की रक्षा करना

93. एक शोधकर्ता कैसे सुनिश्चित कर सकता है कि चुनी गई विधि व्यावहारिक है?
A. अध्ययन की जटिलता बढ़ाकर
B. उपलब्ध संसाधनों और समय के भीतर फिट होने वाली विधि का चयन करके
C. प्रतिभागियों की उपलब्धता को नजरअंदाज करके
D. केवल द्वितीयक डेटा पर ध्यान केंद्रित करके
उत्तर: B. उपलब्ध संसाधनों और समय के भीतर फिट होने वाली विधि का चयन करके

94. कौन सी गुणात्मक विधि एकल केस या कुछ मामलों की गहराई से समझ को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करती है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. केस स्टडी
C. वर्णनात्मक विश्लेषण (Narrative Analysis)
D. नृविज्ञान (Ethnography)
उत्तर: B. केस स्टडी

95. गुणात्मक शोध में डेटा संग्रह तकनीक का चयन करते समय प्राथमिक विचार क्या होना चाहिए?
A. शोधकर्ता की तकनीक से परिचितता
B. शोध प्रश्न का स्वरूप
C. सॉफ्टवेयर टूल्स की उपलब्धता
D. तकनीक की सांख्यिकीय वैधता
उत्तर: B. शोध प्रश्न का स्वरूप

96. कौन सी विधि व्यक्तियों की व्यक्तिगत कहानियों और अनुभवों को अन्वेषण करने के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. आधारभूत सिद्धांत
B. नृविज्ञान (Ethnography)
C. वर्णनात्मक विश्लेषण (Narrative Analysis)
D. केस स्टडी
उत्तर: C. वर्णनात्मक विश्लेषण (Narrative Analysis)

97. आधारभूत सिद्धांत शोध का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
A. सांस्कृतिक प्रथाओं का वर्णन करना
B. डेटा से नए सिद्धांत उत्पन्न करना
C. मौजूदा परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
D. ऐतिहासिक संदर्भों को समझना
उत्तर: B. डेटा से नए सिद्धांत उत्पन्न करना

98. प्रपत्ति विज्ञान (Phenomenology) में सामान्यतः किस डेटा संग्रह विधि का उपयोग किया जाता है?
A. सामग्री विश्लेषण (Content Analysis)
B. गहन साक्षात्कार (In-depth Interviews)
C. फोकस समूह (Focus Groups)
D. सर्वेक्षण
उत्तर: B. गहन साक्षात्कार (In-depth Interviews)

99. गुणात्मक शोध पद्धति के चयन में विशेषज्ञ मार्गदर्शन का उद्देश्य क्या है?
A. नमूना आकार बढ़ाना
B. यह सुनिश्चित करना कि पद्धति क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित है
C. शोध लागत कम करना
D. डेटा संग्रह में तेज़ी लाना
उत्तर: B. यह सुनिश्चित करना कि पद्धति क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ संरेखित है

100. गुणात्मक शोध में चुनी गई पद्धति के नैतिक निहितार्थों पर विचार करना क्यों आवश्यक है?
A. प्रकाशन आवश्यकताओं को पूरा करना
B. प्रतिभागियों की भलाई की रक्षा करना और शोध अखंडता बनाए रखना
C. डेटा विश्लेषण को सरल बनाना
D. शोध की सामान्यीकरण क्षमता को बढ़ाना
उत्तर: B. प्रतिभागियों की भलाई की रक्षा करना और शोध अखंडता बनाए रखना

****

इकाई: III

इकाई: III	गुणात्मक अनुसंधान के तरीके: व्याख्यात्मक घटनात्मक विश्लेषण और आधारभूत सिद्धांत: अवधारणा, मान्यताएं और प्रक्रिया।

3. गुणात्मक शोध विधियाँ

गुणात्मक शोध विधियाँ उन तरीकों पर आधारित हैं जो मानव अनुभवों, व्यवहारों और सामाजिक घटनाओं को गहराई से समझने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। कुछ प्रमुख विधियाँ इस प्रकार हैं:

1. **साक्षात्कार (Interviews):** गहन, खुले-अंत वाले वार्तालाप जिनमें प्रतिभागी अपनी राय और अनुभव व्यक्त करते हैं।
2. **फोकस समूह (Focus Groups):** समूह चर्चा जो किसी विशेष विषय पर विभिन्न दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए आयोजित की जाती है।
3. **प्रतिभागी अवलोकन (Participant Observation):** शोधकर्ता किसी समुदाय या स्थान में शामिल होकर उनके व्यवहार और बातचीत का अवलोकन करता है।
4. **अध्ययन-प्रकरण (Case Studies):** किसी एक मामले (व्यक्ति, समूह या घटना) का विस्तृत अध्ययन, अक्सर लंबे समय तक किया जाता है।
5. **नृवंशविज्ञान (Ethnography):** किसी समूह या समुदाय की संस्कृति और प्रथाओं का गहन अध्ययन, जिसमें अक्सर लंबे समय तक क्षेत्रकार्य शामिल होता है।
6. **सामग्री विश्लेषण (Content Analysis):** संचार सामग्री (जैसे, टेक्स्ट, मीडिया) की व्यवस्थित जांच ताकि पैटर्न, विषय और अर्थ समझे जा सकें।
7. **कथा विश्लेषण (Narrative Analysis):** कहानियों और व्यक्तिगत अनुभवों का विश्लेषण यह समझने के लिए कि व्यक्ति अपने अनुभवों को कैसे अर्थ देते हैं।

ये विधियाँ प्रतिभागियों के अनुभवों की गहरी समझ और उनकी विषयात्मकता पर जोर देती हैं।

3.1.व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (Interpretative Phenomenological Analysis, IPA)

व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण एक गुणात्मक (qualitative) शोध विधि है जो इस बात पर केंद्रित है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत और सामाजिक अनुभवों को कैसे समझते हैं। यहाँ इसके प्रमुख पहलुओं का हिंदी में विवरण दिया गया है:

1. संकल्पना (Concept):

व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण उस अनुभववादी दर्शन (phenomenology) पर आधारित है, जो व्यक्तियों के अनुभवों को उनकी दृष्टि से समझने का प्रयास करता है। यह इस बात पर जोर देता है कि व्यक्ति अपने अनुभवों को कैसे समझते हैं और उन अनुभवों को अपने व्यक्तिगत और सामाजिक संदर्भ में कैसे व्याख्यायित (interpret) करते हैं।

2. उद्देश्य (Purposes):

- व्यक्ति के गहरे व्यक्तिगत अनुभवों की खोज करना और उन्हें कैसे समझते हैं, इसका अध्ययन करना।
- उन मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं और धारणाओं को समझना जो इन अनुभवों में शामिल होती हैं।
- किसी विशेष घटना या अनुभव का विस्तृत और सूक्ष्म विवरण प्रस्तुत करना, जैसे बीमारियाँ, जीवन परिवर्तन, या आघात (trauma)।

3. धारणाएँ (Assumptions):

- *अनुभववादी धारणा (Phenomenological assumption):* वास्तविकता व्यक्तिपरक होती है, और व्यक्ति अपने अनुभवों के माध्यम से अर्थ का निर्माण करते हैं।

- *हरमेन्युटिक धारणा (Hermeneutic assumption):* व्याख्या (interpretation) एक केंद्रीय भूमिका निभाती है, जिसका अर्थ है कि शोधकर्ता प्रतिभागी के अपने अनुभव की व्याख्या कर रहा है।
- *इडियोग्राफिक धारणा (Idiographic assumption):* यह व्यक्ति के अनूठे अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करता है, न कि बड़े समूहों में सामान्यीकरण करने पर।

4. विधि (Method):

- व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण आमतौर पर अर्द्ध-संरचित साक्षात्कार (semi-structured interviews) या गहन वार्तालाप का उपयोग करता है।
- प्रतिभागियों का चयन उद्देश्यपूर्ण नमूने (purposive sampling) के माध्यम से किया जाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्होंने अध्ययन किए जा रहे घटना का अनुभव किया हो।
- डेटा मुख्य रूप से पाठ-आधारित (text-based) होता है, जिसमें साक्षात्कार प्रतिलेख या लिखित प्रतिबिंब शामिल होते हैं।

5. प्रक्रिया (Process):

व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण की प्रक्रिया कई चरणों में विभाजित होती है:

1. *डेटा संग्रहण:* आमतौर पर साक्षात्कारों के माध्यम से, जहाँ प्रतिभागी अपने अनुभवों का वर्णन करते हैं।
2. *अवलोकन:* शोधकर्ता डेटा को कई बार पढ़ते हैं ताकि उसकी गहरी समझ विकसित की जा सके।
3. *कोडिंग:* शोधकर्ता डेटा का गहराई से विश्लेषण करके थीम्स (themes) की पहचान करते हैं।
4. *व्याख्या:* शोधकर्ता वर्णनात्मक (descriptive) और व्याख्यात्मक (interpretive) स्तर पर काम करते हैं, यह समझते हुए कि प्रतिभागी क्या कहते हैं और उसके पीछे क्या अर्थ छिपा है।
5. *थीमैटाइजेशन (Thematization):* उन प्रमुख विषयों का विकास करना जो सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्षों का सार प्रस्तुत करते हैं।
6. *लेखन:* विस्तृत निष्कर्षों को प्रस्तुत करना, अक्सर प्रतिभागियों के प्रत्यक्ष उद्धरणों के साथ, ताकि उनके अनुभवों की गहराई संरक्षित रहे।

6. रणनीतियाँ (Strategies):

व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण एक गुणात्मक शोध विधि है, जो दार्शनिक एडमंड हसरल के कार्यों पर आधारित है। यह व्यक्तियों द्वारा जीए गए अनुभवों के सार को समझने पर केंद्रित है और इन अनुभवों का बिना किसी पूर्वाग्रह या व्याख्या के वर्णन करने का प्रयास करता है। इसमें चार प्रमुख रणनीतियाँ शामिल हैं:

1. अंतर्ज्ञान (Intuiting):

- इस चरण में, शोधकर्ता डेटा में डूबकर प्रतिभागियों के अनुभवों के सार को समझने का प्रयास करता है।
- शोधकर्ता प्रतिभागी की दृष्टि से अनुभवों को देखने का प्रयास करता है, ताकि उस अनुभव की वास्तविकता को महसूस कर सके।
- इस दौरान शोधकर्ता को खुला, निष्पक्ष और केंद्रित रहना होता है ताकि वह अनुभव का सही अर्थ "अंतर्ज्ञान" के माध्यम से समझ सके।

2. ब्रैकेटिंग (Bracketing):

- ब्रैकेटिंग वह प्रक्रिया है जिसमें शोधकर्ता अपने पूर्वाग्रहों, धारणाओं और व्यक्तिगत अनुभवों को अलग रखता है ताकि शोध के परिणाम में उनका प्रभाव न पड़े।

- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शोध केवल प्रतिभागियों के अनुभवों पर केंद्रित रहे, न कि शोधकर्ता के दृष्टिकोण पर।
- इसे एपोचे (Epoché) भी कहा जाता है, जहाँ शोधकर्ता अपने सभी पूर्वनिर्धारित विचारों को निलंबित करता है और निष्पक्षता बनाए रखता है।

3. विश्लेषण (Analysing):

- इस चरण में, शोधकर्ता डेटा को गहराई से विश्लेषित करता है ताकि उसमें छिपे सामान्य थीम्स (themes) और पैटर्न्स की पहचान की जा सके।
- इस प्रक्रिया में यह समझने का प्रयास किया जाता है कि प्रतिभागियों के अनुभवों के कौन से तत्व सबसे महत्वपूर्ण हैं और वे अनुभव की संपूर्ण संरचना से कैसे जुड़े हैं।
- यह चरण उन अनुभवों की विविधताओं को पहचानने के साथ-साथ उनके सामान्य सार को भी समझने पर केंद्रित होता है।

4. वर्णन (Describing):

- विश्लेषण के बाद, शोधकर्ता उन अनुभवों का एक विस्तृत और समृद्ध विवरण प्रस्तुत करता है।
- यह विवरण प्रतिभागियों के अनुभवों के सार को इस तरह से प्रस्तुत करता है कि दूसरों के लिए इसे समझना आसान हो।
- अंतिम वर्णन इस तरह से किया जाता है कि अनुभव की साझी गई अर्थवत्ता (shared meaning) और सार को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

इन चार रणनीतियों का उद्देश्य प्रतिभागियों के अनुभवों का वास्तविक और निष्पक्ष विवरण प्रस्तुत करना है, ताकि अनुभवों की गहरी समझ प्राप्त की जा सके।

व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA) के लाभ:

1. गहन समझ:
   - IPA व्यक्तिगत अनुभवों का विस्तृत और सूक्ष्म विश्लेषण प्रदान करता है, जिसमें व्यक्तिगत अर्थ और संदर्भ पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।
2. प्रतिभागी-केंद्रित दृष्टिकोण:
   - यह प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है और उनकी आवाज़ को विश्लेषण और व्याख्या में मार्गदर्शन करने की अनुमति देता है।
3. लचीलापन:
   - IPA विभिन्न विषयों, अनुशासनों और नमूनों के आकार के लिए लचीला और अनुकूलनीय है, जो इसे विविध गुणात्मक शोध अध्ययनों के लिए उपयुक्त बनाता है।
4. समृद्ध, संदर्भात्मक डेटा:
   - व्यक्तियों के अनुभवों को उनके विशिष्ट संदर्भों में अन्वेषण करके, IPA यह समझने में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि लोग अपने जीवन को कैसे समझते हैं।
5. व्यक्तिपरकता पर ध्यान केंद्रित:
   - यह व्यक्तिगत व्यक्तिपरकता के महत्व को मान्यता देता है और प्रतिभागी के अनुभवों को समझने का प्रयास करता है।
6. जटिल घटनाओं का अन्वेषण:
   - IPA जटिल, संवेदनशील, या कम समझी गई घटनाओं की जांच के लिए प्रभावी है क्योंकि यह खुला और अन्वेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाता है।
7. शोधकर्ता की चिंतनशीलता:

- IPA शोधकर्ता की चिंतनशील भूमिका पर जोर देता है, उन्हें व्याख्या प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।

व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA) की सीमाएँ:

1. समय-साध्य:
   - IPA का गहन स्वभाव डेटा संग्रह, ट्रांसक्रिप्शन, और विश्लेषण के लिए काफी समय की मांग करता है।

2. छोटा नमूना आकार:
   - IPA आमतौर पर छोटे नमूने आकार पर केंद्रित होता है, जो निष्कर्षों को बड़ी आबादी पर लागू करने की क्षमता को सीमित करता है।
3. व्याख्या में व्यक्तिपरकता:
   - शोधकर्ता की व्याख्या पूर्वाग्रह को जन्म दे सकती है, क्योंकि उनकी दृष्टि विश्लेषण को प्रभावित करती है।
4. जटिल डेटा विश्लेषण:
   - IPA की पुनरावृत्त प्रक्रिया चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिसके लिए पैटर्न और थीम की पहचान में सावधानीपूर्वक ध्यान और कौशल की आवश्यकता होती है।
5. सीमित सामान्यीकरण:
   - चूंकि IPA व्यक्तियों के अद्वितीय अनुभवों पर केंद्रित है, निष्कर्ष विभिन्न संदर्भों या समूहों में व्यापक रूप से लागू नहीं हो सकते हैं।
6. कुशल शोधकर्ताओं की आवश्यकता:
   - IPA का संचालन करने के लिए गुणात्मक शोध विधियों में उच्च स्तर की विशेषज्ञता और सूक्ष्म डेटा को समझने और व्याख्या करने की क्षमता की आवश्यकता होती है।
7. शोधकर्ता प्रभाव को अलग करना कठिन:
   - शोधकर्ता की दोहरी भूमिका - एक व्याख्याकार और विश्लेषक के रूप में - प्रतिभागी के दृष्टिकोण और शोधकर्ता की धारणाओं के बीच अंतर करना मुश्किल बना सकती है।
8. संसाधन-गहन:
   - IPA समय, प्रयास और सूक्ष्मता के मामले में व्यापक संसाधनों की मांग करता है, जो सीमित संसाधनों वाले शोधकर्ताओं के लिए चुनौती हो सकता है।

इन लाभों और सीमाओं का सावधानीपूर्वक आकलन करके, शोधकर्ता यह तय कर सकते हैं कि क्या IPA उनके अध्ययन के उद्देश्यों और संसाधनों के साथ मेल खाता है।

3.2. आधारभूत सिद्धांत (Grounded Theory)

आधारभूत सिद्धांत एक गुणात्मक शोध पद्धति है जो डेटा से सिद्धांत विकसित करने पर केंद्रित होती है। यह एक प्रेरक दृष्टिकोण (inductive approach) है, जिसमें शोधकर्ता डेटा इकट्ठा करते हैं और उसका विश्लेषण करते हैं ताकि एक सिद्धांत उत्पन्न हो, न कि किसी पूर्वनिर्धारित सिद्धांत को जांचा जाए। यह सामाजिक विज्ञानों में व्यापक रूप से उपयोग की जाती है और व्यवहार, प्रक्रियाओं, और अंतःक्रियाओं को समझने में सहायक है।

1. संकल्पना (Concept):

- आधारभूत सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य एक ऐसा सिद्धांत विकसित करना है जो पूरी तरह से डेटा में निहित हो।

- यह एक प्रेरक प्रक्रिया है, जिसका मतलब है कि सिद्धांत डेटा से विकसित होता है, न कि पहले से मौजूद परिकल्पना (hypothesis) या ढाँचे से।
- शोधकर्ता व्यवस्थित रूप से डेटा इकट्ठा और विश्लेषण करते हैं ताकि पैटर्न, अवधारणाएँ, और श्रेणियाँ स्वाभाविक रूप से उभर सकें।

2. उद्देश्य (Purposes):

- एक ऐसा सिद्धांत विकसित करना जो वास्तविक डेटा से जुड़ा हो।
- किसी विशेष सामाजिक प्रक्रिया, व्यवहार, या क्रिया को समझना और उसका स्पष्टीकरण देना।
- एक गतिशील और लचीला ढाँचा तैयार करना जो यह स्पष्ट कर सके कि लोग किस प्रकार विशिष्ट परिस्थितियों या चुनौतियों से निपटते हैं।
- नए या अल्प-अनुसंधान किए गए घटनाओं का गहन अध्ययन करना।

3. धारणाएँ (Assumptions):

- वास्तविकता सामाजिक रूप से निर्मित होती है: लोगों के अनुभव और क्रियाएँ उनके सामाजिक संदर्भ में उनकी बातचीत से आकार लेती हैं।
- सिद्धांत डेटा से उत्पन्न होता है: परंपरागत शोध के विपरीत, जिसमें सिद्धांत शोध का मार्गदर्शन करता है, आधारभूत सिद्धांत में यह माना जाता है कि सार्थक अंतर्दृष्टि और सैद्धांतिक अवधारणाएँ डेटा विश्लेषण के माध्यम से उभरेंगी।
- लगातार तुलना: डेटा की लगातार तुलना की जाती है ताकि सामान्य विषयों और पैटर्नों की पहचान की जा सके।
- शोधकर्ता प्रक्रिया का हिस्सा होता है: शोधकर्ता डेटा संग्रह और विश्लेषण प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, और डेटा संग्रह के दौरान निर्णय लेते हैं।

4. विधियाँ (Methods):

आधारभूत सिद्धांत में कई महत्वपूर्ण विधियाँ शामिल होती हैं:

- *डेटा संग्रहण:* आमतौर पर साक्षात्कार, फोकस समूह, अवलोकन, और दस्तावेज़ विश्लेषण जैसी विधियों का उपयोग किया जाता है। डेटा संग्रह प्रक्रिया खुली और पुनरावृत्तिमूलक होती है, यानी इसे तब तक जारी रखा जाता है जब तक नए विचार नहीं उभरते (सैद्धांतिक संतृप्ति)।
- *सैद्धांतिक नमूना (Theoretical Sampling):* इसमें विकसित हो रहे सिद्धांत के आधार पर नए डेटा का संग्रहण किया जाता है। शोधकर्ता उभरती हुई श्रेणियों को परिष्कृत या विस्तारित करने के लिए फिर से डेटा संग्रहण कर सकते हैं।
- *कोडिंग:* डेटा को व्यवस्थित करने और समझने के लिए कोडिंग की विभिन्न अवस्थाओं (ओपन, एक्सियल, और सिलेक्टिव) का उपयोग किया जाता है।

5. प्रक्रिया या कदम (Processes or Steps):

आधारभूत सिद्धांत की प्रक्रिया पुनरावृत्तिमूलक होती है और इसमें कई चरण होते हैं:

1. *प्रारंभिक डेटा संग्रहण:* साक्षात्कार या अवलोकन जैसी विधियों का उपयोग करके डेटा एकत्र करना।
2. *ओपन कोडिंग (Open Coding):* इस प्रारंभिक चरण में, डेटा को छोटे भागों में विभाजित किया जाता है, और उन पर कोड लगाए जाते हैं ताकि प्रमुख विषयों या अवधारणाओं की पहचान की जा सके। प्रत्येक डेटा का बारीकी से अध्ययन किया जाता है।
3. *अक्षीय कोडिंग (Axial Coding):* ओपन कोडिंग के बाद, शोधकर्ता कोडों के बीच संबंधों की पहचान करने और उन्हें श्रेणियों और उपश्रेणियों में व्यवस्थित करने का प्रयास करते हैं।

4. चयनात्मक *कोडिंग (Selective Coding):* इस अंतिम चरण में, शोधकर्ता मुख्य श्रेणी का चयन करते हैं जो शोध के केंद्रीय विचार या सिद्धांत को व्यक्त करती है। सिलेक्टिव कोडिंग के माध्यम से अन्य श्रेणियों को मुख्य श्रेणी से जोड़ा जाता है।

5. *मेमो लेखन:* प्रक्रिया के दौरान, शोधकर्ता विचारों, अंतर्दृष्टियों और परिकल्पनाओं को लिखते हैं ताकि सैद्धांतिक विकास में मदद मिल सके।

6. *सैद्धांतिक संतृप्ति (Theoretical Saturation):* यह तब होता है जब नए विचार या अवधारणाएँ उभरना बंद हो जाते हैं। इस बिंदु पर, शोधकर्ता के पास एक संपूर्ण सिद्धांत बनाने के लिए पर्याप्त डेटा होता है।

7. *सिद्धांत निर्माण (Theory Formation):* अंततः एक आधारभूत सिद्धांत विकसित होती है जो अध्ययन किए जा रहे सामाजिक प्रक्रिया या घटना को स्पष्ट करती है।

6. आधारभूत सिद्धांत में कोडिंग के प्रकार (Types of Coding in Grounded Theory):

1. ओपन कोडिंग (Open Coding):

- यह कोडिंग का प्रारंभिक चरण है, जहाँ शोधकर्ता डेटा को छोटे भागों में विभाजित करता है और उन पर कोड लगाता है।
- इसका उद्देश्य प्रमुख अवधारणाओं और विषयों की पहचान करना है, बिना किसी पूर्वनिर्धारित विचार के।

2. अक्षीय कोडिंग (Axial Coding):

- ओपन कोडिंग के बाद, शोधकर्ता विभिन्न कोडों को आपस में जोड़ते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि वे एक दूसरे से कैसे संबंधित हैं।
- इस चरण में उपश्रेणियाँ और मुख्य श्रेणियाँ बनती हैं, और पैटर्न को व्यवस्थित किया जाता है।

3. चयनात्मक कोडिंग (Selective Coding):

- इस चरण में, शोधकर्ता मुख्य अवधारणा या श्रेणी पर ध्यान केंद्रित करता है, जो शोध का केंद्रीय विचार होता है।
- चयनात्मक कोडिंग में श्रेणियों को जोड़कर एक एकीकृत सिद्धांत बनाने की प्रक्रिया शामिल होती है, जो अध्ययन की जा रही घटना को समझाता है।

आधारभूत सिद्धांत एक प्रेरक, डेटा-आधारित शोध पद्धति है जिसका उद्देश्य वास्तविक दुनिया के डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करना है। इसमें लगातार तुलना, सैद्धांतिक नमूना, और पुनरावृत्तिमूलक कोडिंग प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। ओपन, अक्षीय, और चयनात्मक कोडिंग मुख्य प्रकार की कोडिंग हैं, जो डेटा के संबंधों और पैटर्नों को व्यवस्थित करती हैं। अंतिम उद्देश्य एक सिद्धांत विकसित करना है जो डेटा द्वारा सूचित हो और अध्ययन की गई घटना या प्रक्रिया को स्पष्ट कर सके। आधारभूत सिद्धांत विशेष रूप से जटिल सामाजिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करने और ऐसे सिद्धांतों को विकसित करने में सहायक होती है जो वास्तविक दुनिया के व्यवहारों और क्रियाओं से जुड़े हों।

आधारभूत सिद्धांत के लाभ:

1. डेटा-आधारित दृष्टिकोण:
   - आधारभूत सिद्धांत डेटा से सीधे सिद्धांत बनाती है, जिससे निष्कर्ष पहले से तय धारणाओं के बजाय अनुभवजन्य साक्ष्य पर आधारित होते हैं।
2. लचीलापन:
   - यह दृष्टिकोण लचीला है और डेटा संग्रह और विश्लेषण के दौरान नए थीम और पैटर्न उभरने पर शोधकर्ताओं को अपने ध्यान को समायोजित करने की अनुमति देता है।
3. नए सिद्धांतों का विकास:

- यह ऐसी घटनाओं के लिए नए सिद्धांत विकसित करने में विशेष रूप से उपयोगी है, जो अभी तक अच्छी तरह से समझी नहीं गई हैं या जिन पर पहले अध्ययन नहीं हुआ है।

4. समृद्ध और विस्तृत डेटा:
   - आधारभूत सिद्धांत गुणात्मक डेटा का विश्लेषण करके विषय की गहन समझ प्रदान करती है।
5. पुनरावृत्त प्रक्रिया:
   - डेटा संग्रह और विश्लेषण के बीच निरंतर संपर्क निष्कर्षों को परिष्कृत करने और गहराई और सटीकता सुनिश्चित करने में मदद करता है।
6. प्रतिभागी-केंद्रित:
   - यह विधि प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को कैप्चर करती है, उनके अनुभवों, विचारों और भावनाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
7. विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग:
   - आधारभूत सिद्धांत समाजशास्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, और मनोविज्ञान जैसे विविध क्षेत्रों में व्यापक रूप से लागू की जाती है।
8. गतिशील प्रकृति:
   - यह विधि विकसित अवधारणाओं और संबंधों की खोज की अनुमति देती है, जिससे यह जटिल या बदलते वातावरण के अनुकूल बनती है।

आधारभूत सिद्धांत की सीमाएँ:

1. समय-साध्य:
   - डेटा संग्रह, कोडिंग और विश्लेषण की पुनरावृत्त प्रक्रिया लंबी और संसाधन-गहन हो सकती है।
2. जटिलता:
   - विश्लेषणात्मक प्रक्रिया, विशेष रूप से निरंतर तुलना और सैद्धांतिक कोडिंग, उच्च स्तर की विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है और नए शोधकर्ताओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है।
3. व्यक्तिपरकता:
   - शोधकर्ता की पूर्वाग्रह और व्याख्या सिद्धांत के विकास को प्रभावित कर सकती है, जिससे निष्कर्ष की वस्तुनिष्ठता प्रभावित हो सकती है।
4. सीमित सामान्यीकरण:
   - चूंकि आधारभूत सिद्धांत अक्सर छोटे नमूनों के गुणात्मक डेटा पर आधारित होती है, इसके निष्कर्ष बड़ी आबादी पर व्यापक रूप से लागू नहीं हो सकते।
5. संसाधन-गहन:
   - यह विधि डेटा संग्रह और गहन विश्लेषण के लिए व्यापक समय, प्रयास और संसाधनों की मांग करती है।
6. सैचुरेशन को परिभाषित करना कठिन:
   - यह निर्धारित करना कि डेटा सैचुरेशन कब हुआ है, व्यक्तिपरक और चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
7. दिशानिर्देशों में अस्पष्टता:
   - हालांकि ग्राउंडेड थ्योरी एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करती है, इसके दिशानिर्देश कभी-कभी अस्पष्ट या व्याख्या के लिए खुले हो सकते हैं, जिससे असंगतियां हो सकती हैं।
8. उभरते डेटा पर अधिक जोर:
   - उभरते डेटा पर ध्यान केंद्रित करने से मौजूदा सैद्धांतिक ढांचे या साहित्य की उपेक्षा हो सकती है, जो मूल्यवान संदर्भ या अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।

3.3. व्याख्यात्मक परिघटना विज्ञान विश्लेषण (IPA) और ग्राउंडेड थ्योरी के बीच अंतर

पहलू	व्याख्यात्मक परिघटना विज्ञान विश्लेषण (IPA)	आधारभूत सिद्धांत
उद्देश्य	यह पता लगाना और व्याख्या करना कि व्यक्ति अपने जीवन के अनुभवों को कैसे समझते हैं।	एकत्रित आंकड़ों के आधार पर नए सिद्धांत उत्पन्न करना।
दार्शनिक आधार	व्यक्तिपरक अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, घटना विज्ञान और हेर्मेनेयुटिक्स में निहित।	प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद पर आधारित, सामाजिक प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित करना।
केंद्र	व्यक्तिगत अर्थ-निर्माण और व्यक्तिगत अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करता है	पैटर्न की खोज करने और डेटा से सिद्धांत विकसित करने पर जोर देता है।
डेटा संग्रह	प्रतिभागियों के दृष्टिकोण का गहराई से पता लगाने के लिए छोटे, उद्देश्यपूर्ण नमूनों का उपयोग करता है।	डेटा का पुनरावृत्ति अन्वेषण करने के लिए सैद्धांतिक नमूनाकरण का उपयोग करता है।
विश्लेषण दृष्टिकोण	व्याख्यात्मक और मुहावरेदार, व्यक्तिगत आख्यानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए।	तुलनात्मक और पुनरावृत्ति लक्ष्य समानताएं ढूंढना और सिद्धांत का निर्माण करना है।
नतीजा	व्यक्तिगत अनुभवों में समृद्ध, विस्तृत अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।	सभी संदर्भों में लागू होने वाला एक सामान्यीकरण सिद्धांत तैयार करता है।
नमूने का आकार	आमतौर पर इसमें छोटे नमूना आकार शामिल होते हैं (उदाहरण के लिए, 5-10 प्रतिभागी)।	अनुसंधान उद्देश्यों के आधार पर बड़े नमूने शामिल हो सकते हैं।
प्रासंगिक प्रासंगिकता	प्रतिभागियों के अनुभवों के विशिष्ट संदर्भ और विशेषता पर ध्यान केंद्रित करता है।	प्रतिभागियों के बीच व्यापक प्रयोज्यता और सामान्य पैटर्न की तलाश करता है।
शोधकर्ता की भूमिका	शोधकर्ता प्रतिभागियों के व्यक्तिपरक खातों की व्याख्या करता है	शोधकर्ता डेटा के साथ निकटता से जुड़ा रहता है लेकिन निष्पक्षता चाहता है।
आवेदन	विशिष्ट घटनाओं को गहराई से समझने के लिए उपयुक्त।	सामाजिक प्रक्रियाओं और सिद्धांत विकास की खोज के लिए उपयुक्त।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA) का मुख्य उद्देश्य क्या है?

a) बड़े जनसंख्या समूहों में निष्कर्षों का सामान्यीकरण करना

b) व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों का गहनता से अन्वेषण करना
c) परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के लिए प्रायोगिक डिज़ाइन विकसित करना
d) चर के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित करना
उत्तर: b) व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों का गहनता से अन्वेषण करना

2. IPA के दार्शनिक आधार को सबसे अच्छा किस प्रकार वर्णित किया जा सकता है?
a) प्रत्यक्षवाद और वस्तुनिष्ठता
b) संरचनावाद और कथा विश्लेषण
c) प्रकटवाद (Phenomenology) और व्याख्या विज्ञान (Hermeneutics)
d) व्यवहारवाद और अनुभवजन्य अवलोकन
उत्तर: c) प्रकटवाद (Phenomenology) और व्याख्या विज्ञान (Hermeneutics)

3. IPA में विश्लेषण के दौरान शोधकर्ता की क्या भूमिका होती है?
a) एक निष्पक्ष पर्यवेक्षक जिसकी व्याख्या पर कोई प्रभाव नहीं होता
b) एक सह-भागी जो अपने अनुभव साझा करता है
c) एक व्याख्याकार जो प्रतिभागी के जीवन अनुभवों को समझने की कोशिश करता है
d) मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण करने वाला सांख्यिकीविद
उत्तर: c) एक व्याख्याकार जो प्रतिभागी के जीवन अनुभवों को समझने की कोशिश करता है

4. IPA अध्ययनों में कौन सा डेटा संग्रहण तरीका सबसे अधिक उपयोग किया जाता है?
a) सर्वेक्षण और प्रश्नावली
b) नियंत्रण समूहों के साथ प्रयोग
c) गहन, अर्ध-संरचित साक्षात्कार
d) फोकस ग्रुप चर्चा
उत्तर: c) गहन, अर्ध-संरचित साक्षात्कार

5. IPA में डेटा विश्लेषण की मुख्य विशेषता क्या है?
a) मानकीकृत कोडिंग ढाँचों का उपयोग
b) व्याख्या के बिना केवल विषयगत विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करना
c) विषयों की पहचान करने की पुनरावृत्त और आगमनात्मक प्रक्रिया
d) निष्कर्षों को मान्य करने के लिए सांख्यिकीय परीक्षणों का उपयोग
उत्तर: c) विषयों की पहचान करने की पुनरावृत्त और आगमनात्मक प्रक्रिया

6. कथन (A): IPA इस बात को समझने पर ध्यान केंद्रित करता है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत और सामाजिक संसार को कैसे समझते हैं।
कारण (R): IPA जीवन के अनुभवों की व्यक्तिपरक व्याख्या पर जोर देता है, जिसमें प्रकटवाद (Phenomenology) और व्याख्या विज्ञान (Hermeneutics) का संयोजन होता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

7. कथन (A): IPA मुख्य रूप से सामान्यीकरण के लिए सांख्यिकीय डेटा उत्पन्न करने में रुचि रखता है।
कारण (R): IPA व्यक्तिगत अनुभवों का गहराई से अन्वेषण करने के लिए अर्ध-संरचित साक्षात्कार जैसे गुणात्मक तरीकों का उपयोग करता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।

d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: d) A गलत है, लेकिन R सही है।

8. व्याख्यात्मक प्रकटात्मक विश्लेषण (IPA) का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
a) मात्रात्मक मॉडल के माध्यम से व्यवहार की भविष्यवाणी करना
b) यह समझना कि व्यक्ति अपने अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं
c) सार्वभौमिक मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों की पहचान करना
d) समूह व्यवहार पर परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
उत्तर: b) यह समझना कि व्यक्ति अपने अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं

9. IPA के मुख्य लक्ष्य को सबसे अच्छी तरह से कौन वर्णित करता है?
a) जनसंख्या में सामान्यीकरण पर ध्यान केंद्रित करना
b) अनुभवों की गहराई से व्यक्तिपरक खोज करना
c) मानकीकृत मनोवैज्ञानिक उपकरण बनाना
d) प्रायोगिक सिद्धांतों का परीक्षण करना
उत्तर: b) अनुभवों की गहराई से व्यक्तिपरक खोज करना

10. IPA किस प्रकार के ज्ञान को उत्पन्न करने का प्रयास करता है?
a) सामान्यीकृत और सांख्यिकीय ज्ञान
b) अनुभवों की संदर्भ-विशिष्ट और विस्तृत समझ
c) प्रायोगिक मनोविज्ञान के लिए सैद्धांतिक ढांचे
d) मानव व्यवहार के सार्वभौमिक सिद्धांत
उत्तर: b) अनुभवों की संदर्भ-विशिष्ट और विस्तृत समझ

11. IPA मानव व्यवहार को समझने में कैसे मदद करता है?
a) बड़े डेटा सेट में पैटर्न की पहचान करके
b) अनुभवों को दिए गए व्यक्तिगत अर्थों का विश्लेषण करके
c) कारण-और-प्रभाव संबंध स्थापित करके
d) मनोवैज्ञानिक भविष्यवाणी मॉडल विकसित करके
उत्तर: b) अनुभवों को दिए गए व्यक्तिगत अर्थों का विश्लेषण करके

12. IPA अध्ययन किस समूह के लोगों के लिए सबसे अधिक फायदेमंद हो सकता है?
a) बड़े पैमाने पर प्रयोग करने वाले वैज्ञानिक
b) सामाजिक मुद्दों को हल करने वाले नीति निर्माता
c) अद्वितीय या महत्वपूर्ण अनुभवों वाले व्यक्ति या समूह
d) बड़े डेटा का विश्लेषण करने वाले सांख्यिकीविद
उत्तर: c) अद्वितीय या महत्वपूर्ण अनुभवों वाले व्यक्ति या समूह

13. कथन (A): IPA का उद्देश्य यह पता लगाना है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत अनुभवों को कैसे समझते हैं।
कारण (R): IPA इस बात को समझने पर ध्यान केंद्रित करता है कि व्यक्ति अपने जीवन के अनुभवों को क्या अर्थ देते हैं।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

14. कथन (A): IPA का उद्देश्य ऐसे सार्वभौमिक सिद्धांत उत्पन्न करना है जो सभी व्यक्तियों पर लागू हों।

कारण (R): IPA अद्वितीय और संदर्भ-विशिष्ट अनुभवों की गहराई से खोज पर ध्यान केंद्रित करता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: d) A गलत है, लेकिन R सही है।
15. IPA का एक मुख्य आधार क्या है?
a) मानव अनुभव वस्तुनिष्ठ और सार्वभौमिक होते हैं।
b) व्यक्ति अपने अनुभवों को व्यक्तिपरक अर्थ प्रदान करते हैं।
c) शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों की कहानियों के साथ जुड़ने से बचना चाहिए।
d) IPA का मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर सामान्यीकरण करना है।
उत्तर: b) व्यक्ति अपने अनुभवों को व्यक्तिपरक अर्थ प्रदान करते हैं।

16. IPA के अनुसार अनुभवों को सबसे अच्छा कैसे समझा जाता है?
a) मात्रात्मक सर्वेक्षणों और प्रयोगों के माध्यम से।
b) संदर्भ-मुक्त और मानकीकृत उपायों के द्वारा।
c) व्यक्तिगत जीवन अनुभवों के खातों के माध्यम से।
d) बड़े पैमाने पर जनसंख्या में सांख्यिकीय पैटर्न के माध्यम से।
उत्तर: c) व्यक्तिगत जीवन अनुभवों के खातों के माध्यम से।

17. IPA के अनुसार शोधकर्ता की भूमिका क्या है?
a) प्रतिभागियों के डेटा की व्याख्या से बचना।
b) संदर्भ के बिना डेटा का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करना।
c) विश्लेषण के दौरान प्रतिभागियों के साथ अर्थ का सह-निर्माण करना।
d) केवल प्रेक्षणीय व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करना।
उत्तर: c) विश्लेषण के दौरान प्रतिभागियों के साथ अर्थ का सह-निर्माण करना।

18. IPA के अनुसार व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में कौन सा कथन सही है?
a) ये स्थिर होते हैं और संदर्भ से अप्रभावित रहते हैं।
b) ये व्यक्ति के सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश द्वारा आकारित होते हैं।
c) इन्हें बिना किसी व्याख्या के पूरी तरह से समझा जा सकता है।
d) ये हमेशा व्यापक जनसंख्या पर सामान्यीकरण योग्य होते हैं।
उत्तर: b) ये व्यक्ति के सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश द्वारा आकारित होते हैं।

19. IPA के आधार पर यह माना जाता है कि:
a) शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों के अनुभवों से अलग रहना चाहिए।
b) व्यक्तिपरक अनुभवों को समझने के लिए दोनों, व्याख्या और सहानुभूति की आवश्यकता होती है।
c) केवल मापनीय घटनाओं का प्रभावी ढंग से अध्ययन किया जा सकता है।
d) सभी व्यक्ति अनुभवों की व्याख्या समान तरीके से करते हैं।
उत्तर: b) व्यक्तिपरक अनुभवों को समझने के लिए दोनों, व्याख्या और सहानुभूति की आवश्यकता होती है।

20. कथन (A): IPA यह मानता है कि व्यक्ति आत्म-प्रतिबिंबित होते हैं और अपने अनुभवों को व्यक्त करने में सक्षम होते हैं।
कारण (R): IPA प्रतिभागियों द्वारा प्रदान किए गए विस्तृत खातों पर निर्भर करता है ताकि उनके जीवन के अनुभवों की खोज की जा सके।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

21. कथन (A): IPA यह मानता है कि शोधकर्ता अपनी व्याख्याओं से पूरी तरह से अलग हो सकते हैं।
कारण (R): IPA में शोधकर्ता की भूमिका प्रतिभागी डेटा का वस्तुनिष्ठ रूप से विश्लेषण करना है, बिना किसी व्यक्तिगत पक्षपाती के।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: d) A गलत है, लेकिन R सही है।

22. कथन (A): IPA इस आधार पर आधारित है कि व्यक्तिगत अनुभव उनके संदर्भ से प्रभावित होते हैं।
कारण (R): IPA व्यक्तिगत के सांस्कृतिक, सामाजिक, और व्यक्तिगत संदर्भ में अनुभवों को समझने पर जोर देता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

23. IPA में डेटा संग्रहण के लिए सामान्यत: कौन सा तरीका उपयोग किया जाता है?
a) संरचित प्रश्नावली
b) फोकस समूह चर्चा
c) अर्ध-संरचित साक्षात्कार
d) अवलोकन और क्षेत्रीय टिप्पणियाँ
उत्तर: c) अर्ध-संरचित साक्षात्कार

24. IPA डेटा विश्लेषण को कैसे करता है?
a) बड़े पैमाने पर सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके पैटर्न पहचानने से
b) व्यक्तिगत अनुभवों की विस्तृत और गहन परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करके
c) सामान्यीकरण के लिए बड़े नमूना आकारों के बीच डेटा की तुलना करके
d) डेटा वर्गीकरण के लिए पूर्वनिर्धारित कोडिंग योजनाओं का उपयोग करके
उत्तर: b) व्यक्तिगत अनुभवों की विस्तृत और गहन परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करके

25. IPA की व्याख्यात्मक प्रक्रिया की एक प्रमुख विशेषता कौन सी है?
a) शोधकर्ता बिना किसी व्याख्या के पूरी तरह से तटस्थ रहते हैं।
b) शोधकर्ता एक "डबल हर्मेनेयूटिक" प्रक्रिया में भाग लेते हैं, जहाँ वे प्रतिभागियों की व्याख्याओं की व्याख्या करते हैं।
c) शोधकर्ता निष्कर्ष निकालने के लिए मात्रात्मक उपायों का उपयोग करते हैं।
d) शोधकर्ता विश्लेषण के दौरान अपनी खुद की पक्षपाती से बचने की कोशिश करते हैं।
उत्तर: b) शोधकर्ता एक "डबल हर्मेनेयूटिक" प्रक्रिया में भाग लेते हैं, जहाँ वे प्रतिभागियों की व्याख्याओं की व्याख्या करते हैं।

26. IPA में शोधकर्ता की भूमिका को कैसे वर्णित किया जाता है?
a) शोधकर्ता को डेटा पर कोई प्रभाव डालने के बिना निष्क्रिय पर्यवेक्षक माना जाता है।
b) शोधकर्ता प्रतिभागियों के अर्थ और अनुभवों की व्याख्या करने में सक्रिय भूमिका निभाता है।
c) शोधकर्ता को डेटा संग्रहण के दौरान प्रतिभागियों के साथ संवाद करने से बचना चाहिए।

d) शोधकर्ता की व्यक्तिगत भावनाओं और विचारों को विश्लेषण से बाहर रखा जाता है।
उत्तर: b) शोधकर्ता प्रतिभागियों के अर्थ और अनुभवों की व्याख्या करने में सक्रिय भूमिका निभाता है।

27. IPA विश्लेषण में पुनरावृत्त प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) यह सुनिश्चित करना कि डेटा सभी प्रतिभागियों के बीच समान रूप से मानकीकरण हो।
b) विश्लेषण के पुनरावृत्त चक्रों के माध्यम से अनुभवों के अर्थ को परिष्कृत और गहरा समझना।
c) उन डेटा को बाहर करना जो सैद्धांतिक ढांचे में फिट नहीं होते।
d) एक बड़े संख्या में प्रतिभागियों के बीच सामान्य विषयों को जल्दी से पहचानना।
उत्तर: b) विश्लेषण के पुनरावृत्त चक्रों के माध्यम से अनुभवों के अर्थ को परिष्कृत और गहरा समझना।

28. कथन (A): IPA मुख्य रूप से डेटा संग्रहण विधि के रूप में अर्ध-संरचित साक्षात्कारों पर निर्भर करता है।
कारण (R): अर्ध-संरचित साक्षात्कार प्रतिभागियों को अपने अनुभवों को अपनी शब्दों में साझा करने का अवसर देते हैं, जिससे IPA विश्लेषण के लिए समृद्ध और विस्तृत डेटा मिलता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

29. कथन (A): IPA में शोधकर्ता की भूमिका पूरी तरह से तटस्थ रहने और डेटा पर किसी भी प्रभाव से बचने की होती है।
कारण (R): IPA प्रतिभागियों के अनुभवों को शोधकर्ता की व्याख्या के बिना समझने का महत्व देता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: d) A गलत है, लेकिन R सही है।

30. कथन (A): IPA में "डबल हर्मेनेयूटिक" प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है, जिसमें शोधकर्ता प्रतिभागियों के अनुभवों की व्याख्याओं की व्याख्या करते हैं।
कारण (R): यह प्रक्रिया शोधकर्ता को यह समझने में मदद करती है कि प्रतिभागी अपने जीवन के अनुभवों को किस प्रकार के अर्थ प्रदान करते हैं।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

31. IPA प्रक्रिया का पहला चरण क्या है?
a) अर्ध-संरचित साक्षात्कारों के माध्यम से डेटा संग्रहण
b) डेटा से परिचित होने के लिए प्रारंभिक पठन
c) बार-बार होने वाले विषयों की पहचान करना
d) अंतिम रिपोर्ट लेखन और प्रस्तुति
उत्तर: b) डेटा से परिचित होने के लिए प्रारंभिक पठन

32. IPA में डेटा के प्रारंभिक पठन के बाद, विश्लेषण प्रक्रिया में अगला कदम क्या होता है?
a) कोड और श्रेणियाँ विकसित करना

b) सांख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से पैटर्न की पहचान करना
c) विषयों की पहचान करने के लिए डेटा को फिर से पढ़ना
d) शोध रिपोर्ट के लिए सारांश तैयार करना
उत्तर: c) विषयों की पहचान करने के लिए डेटा को फिर से पढ़ना

33. IPA विश्लेषण के दौरान, शोधकर्ता किस प्रक्रिया में संलग्न होता है?
a) वस्तुनिष्ठ सांख्यिकीय विश्लेषण
b) व्यापक, सामान्यीकृत निष्कर्षों की पहचान करना
c) पुनरावृत्त व्याख्या, व्यक्तिगत और प्रतिभागी दृष्टिकोण दोनों की जांच करना
d) प्रतिभागियों से अतिरिक्त डेटा संग्रहण करना
उत्तर: c) पुनरावृत्त व्याख्या, व्यक्तिगत और प्रतिभागी दृष्टिकोण दोनों की जांच करना

34. IPA विश्लेषण के अंतिम चरणों में शोधकर्ता की भूमिका क्या होती है?
a) निष्क्रिय रहना और डेटा पर किसी प्रभाव से बचना
b) डेटा को पूर्वनिर्धारित विषयों में वर्गीकृत करना
c) डेटा की व्याख्या करना और प्रतिभागी के दृष्टिकोण में अंतर्दृष्टि प्रदान करना
d) अप्रासंगिक डेटा को बाहर करना
उत्तर: c) डेटा की व्याख्या करना और प्रतिभागी के दृष्टिकोण में अंतर्दृष्टि प्रदान करना

35. IPA विश्लेषण प्रक्रिया की एक प्रमुख विशेषता क्या है?
a) यह प्रक्रिया रैखिक होती है और एक निश्चित क्रम में कदम उठाए जाते हैं।
b) यह प्रक्रिया पुनरावृत्त (इंटरटेटिव) होती है, जिसमें डेटा को कई बार पढ़ा और पुनः देखा जाता है।
c) डेटा संग्रहण न्यूनतम होता है, केवल मात्रात्मक विधियों का उपयोग किया जाता है।
d) शोधकर्ता द्वारा विषयों को डेटा से बाहर थोपना होता है।
उत्तर: b) यह प्रक्रिया पुनरावृत्त (इंटरटेटिव) होती है, जिसमें डेटा को कई बार पढ़ा और पुनः देखा जाता है।

36. IPA प्रक्रिया का अंतिम चरण क्या है?
a) डेटा संग्रहण और विश्लेषण
b) एक लिखित रिपोर्ट तैयार करना जो प्रतिभागियों के अनुभवों के संदर्भ में विषयों की व्याख्या करती है
c) विषयों को सत्यापित करने के लिए सांख्यिकीय परीक्षण
d) और अधिक साक्षात्कार करने के बाद विषयों में संशोधन
उत्तर: b) एक लिखित रिपोर्ट तैयार करना जो प्रतिभागियों के अनुभवों के संदर्भ में विषयों की व्याख्या करती है

37. कथन (A): IPA प्रक्रिया डेटा से परिचित होने के लिए डेटा का प्रारंभिक पठन करने से शुरू होती है।
कारण (R): यह पहला चरण शोधकर्ता को डेटा को अधिक विस्तृत विश्लेषण में जाने से पहले उसका समग्र रूप से समझने में मदद करता है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

38. कथन (A): IPA डेटा विश्लेषण की एक पुनरावृत्त (iterative) प्रक्रिया है, जिसमें शोधकर्ता बार-बार डेटा का पुनः परीक्षण करता है।
कारण (R): डेटा को फिर से पढ़ने से शोधकर्ता को गहरे अर्थों की पहचान करने और प्रतिभागियों

के अनुभवों की समझ को परिष्कृत करने में मदद मिलती है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

39. कथन (A): IPA की अंतिम चरण में डेटा से विषयों की व्याख्या करने वाली एक लिखित रिपोर्ट तैयार करना शामिल है।
कारण (R): यह रिपोर्ट प्रतिभागियों के जीवन के अनुभवों के संदर्भ में निष्कर्षों को प्रस्तुत करनी चाहिए और उनके अर्थों में अंतर्दृष्टि प्रदान करनी चाहिए।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
40. कथन (A): डेटा के प्रारंभिक पठन के बाद, IPA में बार-बार होने वाले विषयों की पहचान और वर्गीकरण करना शामिल होता है।
कारण (R): यह कदम प्रतिभागियों के अनुभवों में समानताएँ और भिन्नताएँ समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
c) A सही है, लेकिन R गलत है।
d) A गलत है, लेकिन R सही है।
उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

41. IPA में निम्नलिखित में से कौन सी एक महत्वपूर्ण रणनीति है?
a) सामान्यीकरण के लिए बड़े सैंपल आकार का उपयोग करना
b) शोधकर्ता की पूर्वधारणाओं को अलग रखना ताकि पक्षपाती न हो
c) डेटा विश्लेषण के लिए केवल मात्रात्मक विधियों का उपयोग करना
d) प्रतिभागी चयन के लिए यादृच्छिक सैंपलिंग का उपयोग करना
उत्तर: b) शोधकर्ता की पूर्वधारणाओं को अलग रखना ताकि पक्षपाती न हो

42. IPA में अर्ध-संरचित साक्षात्कारों की भूमिका क्या है?
a) वे विस्तृत सांख्यिकीय डेटा प्रदान करते हैं
b) वे मानकीकृत डेटा संग्रहण की अनुमति देते हैं
c) वे प्रतिभागियों के व्यक्तिगत अनुभवों को गहरे से समझने में मदद करते हैं
d) वे डेटा विश्लेषण की आवश्यकता को समाप्त करते हैं
उत्तर: c) वे प्रतिभागियों के व्यक्तिगत अनुभवों को गहरे से समझने में मदद करते हैं

43. IPA में "डबल हर्मेन्यूटिक" दृष्टिकोण का उद्देश्य क्या है?
a) डेटा में सांख्यिकीय पैटर्न की पहचान करना
b) यह समझना कि प्रतिभागी अपने अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं
c) डेटा संग्रहण को संरचित तरीके से करना
d) उद्देश्यपूर्ण मापदंडों के माध्यम से परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
उत्तर: b) यह समझना कि प्रतिभागी अपने अनुभवों की व्याख्या कैसे करते हैं

44. IPA में छोटे सैंपल आकार का उपयोग क्यों किया जाता है?
a) बड़े जनसंख्या पर सामान्यीकरण सुनिश्चित करने के लिए

b) डेटा बिंदुओं की बड़ी संख्या इकट्ठा करने के लिए
c) प्रत्येक प्रतिभागी के अनुभव का गहरा और विस्तृत विश्लेषण करने के लिए
d) विश्लेषण के लिए समय और संसाधनों को कम करने के लिए
उत्तर: c) प्रत्येक प्रतिभागी के अनुभव का गहरा और विस्तृत विश्लेषण करने के लिए

45. IPA की रणनीति में प्रतिभागियों के जीवनानुभवों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य क्या है?
a) अनुभवों का विश्लेषण सैद्धांतिक ढांचों के संदर्भ में करना
b) सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए बड़े पैमाने पर डेटा एकत्र करना
c) अनुभवों को प्रतिभागियों के व्यक्तिगत, व्यक्तिपरक दृष्टिकोण से समझना
d) विविध दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए यादृच्छिक सैंपलिंग का उपयोग करना
उत्तर: c) अनुभवों को प्रतिभागियों के व्यक्तिगत, व्यक्तिपरक दृष्टिकोण से समझना

46. IPA में डेटा विश्लेषण कैसे किया जाता है?
a) पूर्वनिर्धारित कोडिंग सिस्टम का उपयोग करके
b) प्रतिक्रियाओं का सांख्यिकीय विश्लेषण करके
c) विषयों की पहचान करने के लिए पुनरावृत्त पढ़ाई और पुनः-पढ़ाई द्वारा
d) बिना शोधकर्ता की भागीदारी के उद्देश्यपूर्ण मापदंडों का उपयोग करके
उत्तर: c) विषयों की पहचान करने के लिए पुनरावृत्त पढ़ाई और पुनः-पढ़ाई द्वारा

47. IPA में "इंट्यूइटिंग" की रणनीति क्या है?
a) बड़े पैमाने पर मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण करने की प्रक्रिया
b) शोधकर्ता का अपने अंतर्निहित समझ का उपयोग करके प्रतिभागियों के अनुभवों की व्याख्या करने की क्षमता
c) शोधकर्ता की पूर्वधारणाओं को अलग रखने की प्रक्रिया
d) डेटा विश्लेषण में पूर्व-निर्धारित कोडों का उपयोग
उत्तर: b) शोधकर्ता का अपने अंतर्निहित समझ का उपयोग करके प्रतिभागियों के अनुभवों की व्याख्या करने की क्षमता

48. IPA में "ब्रैकिंग" का उद्देश्य क्या है?
a) विश्लेषण से प्रतिभागियों के अनुभवों को समाप्त करना
b) डेटा को पूर्वनिर्धारित विषयों के आधार पर श्रेणीबद्ध करना
c) विश्लेषण के दौरान शोधकर्ता की अपनी पूर्वधारणाओं और पक्षपात को अलग रखना
d) विभिन्न स्रोतों से बड़े पैमाने पर डेटा एकत्र करना
उत्तर: c) विश्लेषण के दौरान शोधकर्ता की अपनी पूर्वधारणाओं और पक्षपात को अलग रखना

49. "विश्लेषण" की रणनीति को IPA में कैसे परिभाषित किया जाता है?
a) एकत्र किए गए डेटा की मात्रा पर ध्यान केंद्रित करना
b) डेटा से विषयों या पैटर्न की पहचान और व्याख्या करना
c) अनुभवों को केवल वस्तुनिष्ठ तरीके से वर्णित करना
d) व्याख्या के लिए जटिल गणितीय उपकरणों का उपयोग करना
उत्तर: b) डेटा से विषयों या पैटर्न की पहचान और व्याख्या करना

50. IPA में "वर्णन" की रणनीति का क्या रोल है?
a) डेटा को केवल सांख्यिकीय प्रारूप में वर्णित करना
b) प्रतिभागियों के अनुभवों का उनके दृष्टिकोण से विस्तृत विवरण देना

c) डेटा को संख्याओं के एक साधारण सेट में संकुचित करना
d) व्यक्तिगत अनुभवों पर ध्यान दिए बिना एक सामान्य सारांश देना
उत्तर: b) प्रतिभागियों के अनुभवों का उनके दृष्टिकोण से विस्तृत विवरण देना

51. "ब्रैकिंग" की रणनीति IPA विश्लेषण को कैसे प्रभावित करती है?
a) यह विश्लेषण में शोधकर्ता की व्यक्तिगत राय को शामिल करता है
b) यह शोधकर्ता को पक्षपाती से बचने और केवल प्रतिभागियों के अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है
c) यह डेटा विश्लेषण प्रक्रिया को तेज करता है
d) यह डेटा को सीमित करने के कारण विश्लेषण की गहराई को घटाता है
उत्तर: b) यह शोधकर्ता को पक्षपाती से बचने और केवल प्रतिभागियों के अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है

52. IPA में "इंट्यूइटिंग" की रणनीति का मुख्य परिणाम क्या है?
a) बड़े सैंपल्स पर आधारित सामान्यीकृत निष्कर्ष तैयार करना
b) शोधकर्ता प्रतिभागियों के अर्थों और दृष्टिकोणों की गहरी समझ विकसित करता है
c) प्रतिभागियों के अनुभवों से केवल संख्यात्मक डेटा की पहचान करना
d) जटिल डेटा को सरल सांख्यिकी में संकुचित करना
उत्तर: b) शोधकर्ता प्रतिभागियों के अर्थों और दृष्टिकोणों की गहरी समझ विकसित करता है

53. आधारभूत सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) सांख्यिकीय डेटा का उपयोग करके मौजूदा सिद्धांतों का परीक्षण करना
b) गुणात्मक डेटा के आधार पर एक सिद्धांत उत्पन्न या विकसित करना
c) नियंत्रित प्रयोगों के माध्यम से परिकल्पनाओं की पुष्टि करना
d) ऐतिहासिक डेटा के आधार पर परिणामों की भविष्यवाणी करना
उत्तर: b) गुणात्मक डेटा के आधार पर एक सिद्धांत उत्पन्न या विकसित करना

54. आधारभूत सिद्धांत में डेटा संग्रहण की प्रक्रिया का सबसे अच्छा वर्णन कौन सा है?
a) सिद्धांत के विकास के बाद डेटा एकत्रित किया जाता है
b) डेटा संग्रहण और विश्लेषण एक साथ होते हैं
c) केवल संख्यात्मक डेटा एकत्रित किया जाता है
d) सिद्धांत विकास से पहले एक चरण में डेटा संग्रहित किया जाता है
उत्तर: b) डेटा संग्रहण और विश्लेषण एक साथ होते हैं

55. आधारभूत सिद्धांत में "ओपन कोडिंग" का क्या मतलब है?
a) डेटा को पूर्वनिर्धारित लेबल देना
b) प्रारंभिक चरण जिसमें डेटा को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित कर श्रेणीबद्ध किया जाता है
c) डेटा के खिलाफ परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
d) डेटा में सहसंबंधों और पैटर्नों का विश्लेषण करना
उत्तर: b) प्रारंभिक चरण जिसमें डेटा को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित कर श्रेणीबद्ध किया जाता है

56. आधारभूत सिद्धांत में "सैद्धांतिक सैंपलिंग" का क्या उद्देश्य है?
a) प्रतिभागियों का चयन सांख्यिकीय प्रासंगिकता के आधार पर किया जाता है
b) शोधकर्ताओं को उभरते हुए सैद्धांतिक अवधारणाओं के आधार पर प्रतिभागियों का चयन करने की अनुमति देता है
c) यह सिद्धांत के विकसित होने के बाद उसे पुष्टि करने के लिए उपयोग किया जाता है

d) इसमें बड़ी आबादी से यादृच्छिक रूप से प्रतिभागियों का चयन किया जाता है
उत्तर: b) शोधकर्ताओं को उभरते हुए सैद्धांतिक अवधारणाओं के आधार पर प्रतिभागियों का चयन करने की अनुमति देता है

57. आधारभूत सिद्धांत में "सैचुरेशन" का क्या मतलब है?
a) वह बिंदु जब शोधकर्ता डेटा का विश्लेषण करना बंद कर देता है
b) वह चरण जब डेटा से कोई नई अवधारणाएं या श्रेणियां उभर कर सामने नहीं आतीं
c) वह पल जब सिद्धांत की पुष्टि और अंतिम रूप दिया जाता है
d) वह बिंदु जब गुणात्मक डेटा पर संख्यात्मक डेटा हावी हो जाता है
उत्तर: b) वह चरण जब डेटा से कोई नई अवधारणाएं या श्रेणियां उभर कर सामने नहीं आतीं

58. कथन (A): आधारभूत सिद्धांत एक ऐसी पद्धति है जिसका उपयोग गुणात्मक डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।
कारण (R): आधारभूत सिद्धांत में डेटा संग्रहण और विश्लेषण की प्रक्रिया एक साथ होती है ताकि डेटा से उत्पन्न सिद्धांत विकसित किया जा सके।
a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।
b) दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
उत्तर: a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।

59. कथन (A): आधारभूत सिद्धांत में अनुसंधान प्रक्रिया को मार्गदर्शित करने के लिए पहले से निर्धारित परिकल्पनाओं का उपयोग किया जाता है।
कारण (R): आधारभूत सिद्धांत एक प्रेरक पद्धति है, जिसका मतलब है कि यह डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करता है, न कि पूर्व निर्धारित परिकल्पनाओं का परीक्षण करता है।
a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।
b) दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
उत्तर: d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

60. कथन (A): "सैद्धांतिक सैंपलिंग" का मतलब है प्रतिभागियों का चयन पूर्व-निर्धारित श्रेणियों के आधार पर करना।
कारण (R): सैद्धांतिक सैंपलिंग में प्रतिभागियों का चयन डेटा से उभरने वाले विषयों और अवधारणाओं के आधार पर किया जाता है।
a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।
b) दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
उत्तर: d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

61. आधारभूत सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) मौजूदा सिद्धांतों का परीक्षण करना
b) डेटा के आधार पर सिद्धांतों का अन्वेषण और विकास करना
c) सांख्यिकीय डेटा का विश्लेषण करना
d) पिछले शोध निष्कर्षों की नकल करना
उत्तर: b) डेटा के आधार पर सिद्धांतों का अन्वेषण और विकास करना

62. आधारभूत सिद्धांत में सिद्धांत विकास एक निरंतर प्रक्रिया क्यों होती है?
a) क्योंकि डेटा संग्रहण शोध प्रक्रिया के अंत में किया जाता है

b) क्योंकि सिद्धांत डेटा संग्रहण से पहले विकसित किया जाता है
c) क्योंकि सिद्धांत डेटा संग्रहण और विश्लेषण के बीच निरंतर इंटरएक्शन से विकसित होता है
d) क्योंकि डेटा संग्रहण को मार्गदर्शित करने के लिए पूर्व-निर्धारित सिद्धांतों का उपयोग किया जाता है
उत्तर: c) क्योंकि सिद्धांत डेटा संग्रहण और विश्लेषण के बीच निरंतर इंटरएक्शन से विकसित होता है

63. आधारभूत सिद्धांत में "सैद्धांतिक सैंपलिंग" का उद्देश्य क्या है?
a) यादृच्छिक रूप से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों का चयन करना
b) केवल क्षेत्र के विशेषज्ञों से डेटा एकत्र करना
c) उभरते हुए अवधारणाओं और सिद्धांतों के आधार पर प्रतिभागियों का चयन करना
d) प्रतिनिधिक नमूने के साथ मौजूदा सिद्धांतों की पुष्टि करना
उत्तर: c) उभरते हुए अवधारणाओं और सिद्धांतों के आधार पर प्रतिभागियों का चयन करना

64. गुणात्मक शोध में आधारभूत सिद्धांत का उपयोग करने का एक मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) बड़े डेटा सेटों के आधार पर परिणामों की भविष्यवाणी करना
b) डेटा से पैटर्नों का पता लगाना और नए सिद्धांतों को उत्पन्न करना
c) स्थापित सिद्धांतों को प्रमाणित या खंडित करना
d) नियंत्रित प्रयोग के आधार पर विशिष्ट परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
उत्तर: b) डेटा से पैटर्नों का पता लगाना और नए सिद्धांतों को उत्पन्न करना

65. आधारभूत सिद्धांत डेटा और सिद्धांत के बीच रिश्ते को कैसे समझती है?
a) यह डेटा को समझाने के लिए सिद्धांत का उपयोग करती है
b) यह सिद्धांत को उत्पन्न करने के लिए डेटा का उपयोग करती है, न कि मौजूदा सिद्धांतों की पुष्टि करने के लिए
c) यह डेटा संग्रहण को सिद्धांत विकास से अलग करती है
d) यह मुख्य रूप से संख्यात्मक डेटा का उपयोग करती है ताकि परिकल्पना की पुष्टि की जा सके
उत्तर: b) यह सिद्धांत को उत्पन्न करने के लिए डेटा का उपयोग करती है, न कि मौजूदा सिद्धांतों की पुष्टि करने के लिए

66. आधारभूत सिद्धांत में "सैचुरेशन" का क्या उद्देश्य है?
a) यह सुनिश्चित करता है कि डेटा से कोई नई अवधारणाएं या श्रेणियां नहीं उभर रही हैं, जो सिद्धांत विकास को पूरा करने में मदद करती हैं
b) यह सिद्धांत की वैधता सुनिश्चित करने के लिए बड़े और विविध नमूने से डेटा संग्रहण करता है
c) यह मौजूदा सिद्धांतों की पुष्टि करने के लिए उपयोग किया जाता है
d) यह डेटा संग्रहण को सिद्धांत विकास शुरू होने से पहले पूरा करने की आवश्यकता सुनिश्चित करता है
उत्तर: a) यह सुनिश्चित करता है कि डेटा से कोई नई अवधारणाएं या श्रेणियां नहीं उभर रही हैं, जो सिद्धांत विकास को पूरा करने में मदद करती हैं

67. आधारभूत सिद्धांत में सिद्धांत का विकास प्रेरक क्यों माना जाता है?
a) क्योंकि यह डेटा के खिलाफ पूर्व निर्धारित परिकल्पना का परीक्षण करती है
b) क्योंकि यह डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करती है, न कि परिकल्पना से शुरुआत करती है
c) क्योंकि यह सिद्धांत उत्पन्न करने के लिए संख्यात्मक डेटा का उपयोग करती है
d) क्योंकि यह केवल ऐतिहासिक डेटा का विश्लेषण करती है ताकि भविष्यवाणियां की जा सकें
उत्तर: b) क्योंकि यह डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करती है, न कि परिकल्पना से शुरुआत करती है

68. आधारभूत सिद्धांत में निरंतर तुलनात्मक विश्लेषण का क्या उद्देश्य है?
a) शोध निष्कर्षों की तुलना मौजूदा सिद्धांतों से करना
b) यह सुनिश्चित करना कि डेटा संग्रहण प्रक्रिया यादृच्छिक और पक्षपाती नहीं है
c) नई डेटा की लगातार तुलना पहले से एकत्रित डेटा से करना ताकि श्रेणियों और अवधारणाओं को परिष्कृत किया जा सके
d) यह सुनिश्चित करना कि सभी डेटा संग्रहण के बाद ही पैटर्नों की पहचान की जाए
उत्तर: c) नई डेटा की लगातार तुलना पहले से एकत्रित डेटा से करना ताकि श्रेणियों और अवधारणाओं को परिष्कृत किया जा सके

69. कथन (A): आधारभूत सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य गुणात्मक डेटा के आधार पर सिद्धांत उत्पन्न करना है।
कारण (R): आधारभूत सिद्धांत एक प्रेरक दृष्टिकोण अपनाती है, जिसमें डेटा संग्रहण और विश्लेषण एक साथ होते हैं ताकि सिद्धांत बनाया जा सके।
a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।
b) दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
उत्तर: a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।

70. कथन (A): आधारभूत सिद्धांत का उद्देश्य प्रचलित सिद्धांतों की पुष्टि करना है, इसके लिए प्रतिनिधिक नमूने से डेटा एकत्र किया जाता है।
कारण (R): आधारभूत सिद्धांत डेटा के आधार पर नए सिद्धांतों को विकसित करने पर केंद्रित है, न कि मौजूदा सिद्धांतों की पुष्टि करने पर।
a) दोनों A और R सत्य हैं, और R A का सही स्पष्टीकरण है।
b) दोनों A और R सत्य हैं, लेकिन R A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।
उत्तर: d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

71. आधारभूत सिद्धांत का कौन सा सिद्धांत है?
a) सिद्धांतों को मौजूदा साहित्य से विकसित किया जाना चाहिए।
b) डेटा संग्रहण और विश्लेषण एक साथ होते हैं।
c) शोधकर्ता को डेटा से पूरी तरह से अलग रहना चाहिए।
d) डेटा संग्रहण से पहले सैद्धांतिक ढांचे स्थापित किए जाने चाहिए।
उत्तर: b) डेटा संग्रहण और विश्लेषण एक साथ होते हैं।

72. आधारभूत सिद्धांत में डेटा विश्लेषण के बारे में कौन सा सिद्धांत है?
a) डेटा संग्रहण समाप्त होने के बाद ही डेटा विश्लेषण किया जाता है।
b) डेटा विश्लेषण तब शुरू होता है जब डेटा एकत्र किया जाता है, और यह शोध के दौरान लगातार चलता रहता है।
c) डेटा विश्लेषण और सिद्धांत विकास को अलग रखा जाता है।
d) आधारभूत सिद्धांत शोध में डेटा विश्लेषण की आवश्यकता नहीं होती।
उत्तर: b) डेटा विश्लेषण तब शुरू होता है जब डेटा एकत्र किया जाता है, और यह शोध के दौरान लगातार चलता रहता है।

73. आधारभूत सिद्धांत में सिद्धांत के बारे में कौन सा सिद्धांत है?
a) सिद्धांत डेटा संग्रहण से पहले पूर्वनिर्धारित किया जाता है।
b) सिद्धांत डेटा में निहित होता है और इसे प्रेरक तरीके से विकसित किया जाता है।
c) आधारभूत सिद्धांत शोध में सिद्धांत महत्वपूर्ण नहीं होता।

d) शोधकर्ता केवल मौजूदा सिद्धांतों को डेटा के माध्यम से प्रमाणित करते हैं।
उत्तर: b) सिद्धांत डेटा में निहित होता है और इसे प्रेरक तरीके से विकसित किया जाता है।

74. आधारभूत सिद्धांत में शोधकर्ताओं के बारे में कौन सा सिद्धांत है?
a) शोधकर्ताओं को अपने डेटा से पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ और अलग रहना चाहिए।
b) शोधकर्ता अपने व्यक्तिगत पक्षपात और दृष्टिकोण को शोध में लाते हैं।
c) शोधकर्ताओं की पूर्व धारणाएं विश्लेषण में महत्व नहीं रखतीं।
d) शोधकर्ताओं को शोध शुरू करने से पहले विषय का पूर्व ज्ञान होना चाहिए।
उत्तर: b) शोधकर्ता अपने व्यक्तिगत पक्षपात और दृष्टिकोण को शोध में लाते हैं।

75. आधारभूत सिद्धांत में सिद्धांत और डेटा के बीच संबंध के बारे में क्या माना जाता है?
a) डेटा मौजूदा सिद्धांतों और अवधारणाओं की पुष्टि करता है।
b) डेटा का उपयोग नए सिद्धांतों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है, जो प्रेरक तरीके से उभरते हैं।
c) सिद्धांतों का परीक्षण पूर्वनिर्धारित डेटा सेटों के खिलाफ किया जाता है।
d) सिद्धांत डेटा संग्रहण प्रक्रिया में अप्रासंगिक है।
उत्तर: b) डेटा का उपयोग नए सिद्धांतों को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है, जो प्रेरक तरीके से उभरते हैं।

76. आधारभूत सिद्धांत में डेटा संग्रहण के लिए मुख्य विधि कौन सी है?
a) संरचित सर्वेक्षण
b) अर्ध-संरचित साक्षात्कार
c) नियंत्रित प्रयोग
d) मात्रात्मक विश्लेषण
उत्तर: b) अर्ध-संरचित साक्षात्कार

77. आधारभूत सिद्धांत में कोडिंग की मुख्य भूमिका क्या है?
a) डेटा एकत्रित करना
b) मौजूदा सिद्धांतों को प्रमाणित करना
c) डेटा के भीतर पैटर्न और अवधारणाओं की पहचान करना
d) डेटा को पूर्वनिर्धारित श्रेणियों में व्यवस्थित करना
उत्तर: c) डेटा के भीतर पैटर्न और अवधारणाओं की पहचान करना

78. आधारभूत सिद्धांत में सिद्धांत विकास के लिए कौन सी महत्वपूर्ण विधि उपयोग की जाती है?
a) परिकल्पना परीक्षण
b) निरंतर तुलनात्मक विधि
c) यादृच्छिक सैंपलिंग
d) क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषण
उत्तर: b) निरंतर तुलनात्मक विधि

79. आधारभूत सिद्धांत में "सैद्धांतिक सैंपलिंग" क्या है?
a) प्रतिभागियों का चयन जनसांख्यिकीय मानदंडों के आधार पर
b) शोध प्रक्रिया के दौरान उभरते सिद्धांत के अनुसार प्रतिभागियों का चयन करना
c) विविधता सुनिश्चित करने के लिए यादृच्छिक रूप से प्रतिभागियों का चयन करना
d) अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागियों का बड़ा नमूना लेना
उत्तर: b) शोध प्रक्रिया के दौरान उभरते सिद्धांत के अनुसार प्रतिभागियों का चयन करना

80. आधारभूत सिद्धांत में निष्कर्षों की विश्वसनीयता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए कौन सी विधि उपयोग की जाती है?
a) प्रतिभागी अवलोकन
b) त्रैतीयक विश्लेषण (Triangulation)
c) नियंत्रण समूह
d) साहित्य समीक्षा
उत्तर: b) त्रैतीयक विश्लेषण (Triangulation)

81. आधारभूत सिद्धांत प्रक्रिया में निम्नलिखित में से कौन सा पहला चरण है?
a) डेटा विश्लेषण
b) डेटा संग्रह
c) साहित्य समीक्षा
d) सिद्धांत विकास
उत्तर: b) डेटा संग्रह

82. आधारभूत सिद्धांत में, विश्लेषण प्रक्रिया के दौरान डेटा की लगातार तुलना करने के लिए किस विधि का उपयोग किया जाता है?
a) निगमनात्मक तर्क
b) निरंतर तुलनात्मक विधि
c) सांख्यिकीय विश्लेषण
d) परिकल्पना परीक्षण
उत्तर: b) निरंतर तुलनात्मक विधि

83. आधारभूत सिद्धांत में "ओपन कोडिंग" का क्या अर्थ है?
a) मौजूदा साहित्य के आधार पर एक वैचारिक ढांचा विकसित करना
b) डेटा को छोटे भागों में तोड़ना और उन्हें लेबल करना
c) परिकल्पनाओं का परीक्षण करना
d) द्वितीयक डेटा की समीक्षा करना
उत्तर: b) डेटा को छोटे भागों में तोड़ना और उन्हें लेबल करना

84. आधारभूत सिद्धांत के "अक्षीय कोडिंग" चरण में निम्नलिखित में से कौन शामिल है? a) प्रतिभागियों के अनुभवों का विस्तृत विवरण विकसित करना
b) श्रेणियों के बीच संबंधों की पहचान करना
c) अंतिम रिपोर्ट लिखना
d) द्वितीयक डेटा एकत्र करना
उत्तर: b) श्रेणियों के बीच संबंधों की पहचान करना

85. आधारभूत सिद्धांत प्रक्रिया में "चयनात्मक कोडिंग" का उद्देश्य क्या है?
a) मुख्य विषय या मुख्य श्रेणी का चयन करना जो अन्य सभी श्रेणियों को एक साथ जोड़ता है
b) अधिक डेटा एकत्र करना
c) मौजूदा सिद्धांतों को मान्य करना
d) परिकल्पनाएँ बनाना
उत्तर: a) मुख्य विषय या मुख्य श्रेणी का चयन करना जो अन्य सभी श्रेणियों को एक साथ जोड़ता है

86. आधारभूत सिद्धांत में, "सैद्धांतिक नमूनाकरण" कब होता है?
a) डेटा विश्लेषण के शुरुआती चरणों के दौरान
b) सभी डेटा एकत्र किए जाने के बाद ही
c) संपूर्ण शोध प्रक्रिया के दौरान, उभरते सिद्धांत द्वारा निर्देशित
d) सिद्धांत विकास के अंतिम चरण में
उत्तर: c) संपूर्ण शोध प्रक्रिया के दौरान, उभरते सिद्धांत द्वारा निर्देशित

87. आधारभूत सिद्धांत प्रक्रिया में "मेमो लेखन" शोधकर्ताओं को क्या करने में मदद करता है? a) अपने व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों पर नज़र रखें
b) डेटा के बारे में विचार, विचार और व्याख्याएँ रिकॉर्ड करें
c) शोध प्रस्ताव लिखें
d) द्वितीयक डेटा स्रोतों का विश्लेषण करें
उत्तर: b) डेटा के बारे में विचार, विचार और व्याख्याएँ रिकॉर्ड करें

88. आधारभूत सिद्धांत में सिद्धांत विकास की प्रक्रिया का सबसे अच्छा वर्णन निम्नलिखित में से कौन करता है?
a) डेटा एकत्र किए जाने से पहले सिद्धांत विकसित किया जाता है।
b) निरंतर डेटा संग्रह और विश्लेषण के माध्यम से सिद्धांत को आगमनात्मक रूप से विकसित किया जाता है।
c) सिद्धांत पूरी तरह से मौजूदा साहित्य पर आधारित है।

d) शोध पूरा होने के बाद सिद्धांत का विकास होता है।
उत्तर: b) निरंतर डेटा संग्रह और विश्लेषण के माध्यम से सिद्धांत को आगमनात्मक रूप से विकसित किया जाता है।

89. आधारभूत सिद्धांत में "संतृप्ति" की मुख्य विशेषता क्या है? a) बड़े आकार का नमूना एकत्र करना
b) अलग-अलग डेटा का विश्लेषण करना
c) जब तक कोई नई अवधारणा सामने न आए तब तक डेटा संग्रह जारी रखना
d) केवल एक श्रेणी या विषय पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: c) जब तक कोई नई अवधारणा सामने न आए तब तक डेटा संग्रह जारी रखना

90. आधारभूत सिद्धांत में कौन सा चरण मुख्य श्रेणियों और समग्र सिद्धांत को अंतिम रूप देने से संबंधित है?
a) ओपन कोडिंग
b) अक्षीय कोडिंग
c) चयनात्मक कोडिंग
d) सिद्धांत एकीकरण
उत्तर: c) चयनात्मक कोडिंग

91. व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA) का मुख्य ध्यान किस पर होता है?
a) डेटा में आधारित एक सिद्धांत विकसित करना
b) व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों और उनकी व्याख्या का अध्ययन करना
c) बड़े पैमाने पर मात्रात्मक डेटा का अध्ययन करना
d) पहले से मौजूद सिद्धांतों का परीक्षण करना
उत्तर: b) व्यक्तियों के जीवन के अनुभवों और उनकी व्याख्या का अध्ययन करना

92. आधारभूत सिद्धांत का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) व्यक्तिगत अनुभवों का वर्णन करना
b) डेटा से एक सिद्धांत उत्पन्न करना
c) मौजूदा रूपरेखाओं को प्रमाणित करना
d) सांख्यिकीय रुझानों को संक्षेप में प्रस्तुत करना
उत्तर: b) डेटा से एक सिद्धांत उत्पन्न करना

93. कौन सी विधि डबल हर्मेनेयूटिक प्रक्रिया का उपयोग करती है, जहां शोधकर्ता प्रतिभागी की व्याख्या की व्याख्या करता है?
a) आधारभूत सिद्धांत
b) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)
c) नृवंशविज्ञान (Ethnography)
d) कथा विश्लेषण
उत्तर: b) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)

94. आधारभूत सिद्धांत में आमतौर पर किस प्रकार की सैंपलिंग का उपयोग किया जाता है?
a) उभरते सिद्धांत के आधार पर प्रयोजनात्मक सैंपलिंग
b) रैंडम सैंपलिंग
c) स्तरीकृत सैंपलिंग
d) सुविधा सैंपलिंग
उत्तर: a) उभरते सिद्धांत के आधार पर प्रयोजनात्मक सैंपलिंग

95. व्यक्तिगत, व्यक्तिगत अनुभवों को समझने के लिए कौन सी कार्यप्रणाली अधिक उपयुक्त है?
a) आधारभूत सिद्धांत
b) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)
c) केस स्टडी
d) प्रायोगिक शोध
उत्तर: b) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)

96. आधारभूत सिद्धांत में कौन सा चरण महत्वपूर्ण है?
a) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)
b) आधारभूत सिद्धांत
c) फेनोमेनोलॉजी
d) डिस्कोर्स एनालिसिस
उत्तर: b) आधारभूत सिद्धांत

97. निम्नलिखित में से कौन सा दृष्टिकोण आइडियोग्राफिक दृष्टिकोण पर जोर देता है, जो व्यक्तिगत मामलों की गहन जांच पर केंद्रित है?
a) आधारभूत सिद्धांत
b) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)
c) सर्वेक्षण अनुसंधान
d) मिश्रित विधि अनुसंधान
उत्तर: b) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)

98. आधारभूत सिद्धांत में प्राथमिक डेटा विश्लेषण तकनीक कौन सी है?
a) कोडिंग और निरंतर तुलना
b) थीमैटिक एनालिसिस
c) सांख्यिकीय मॉडलिंग
d) नैरेटिव पुनर्निर्माण
उत्तर: a) कोडिंग और निरंतर तुलना

99. कौन सी दो कार्यप्रणालियाँ शोधकर्ताओं से यह अपेक्षा करती हैं कि वे अपने पूर्वाग्रहों को अलग करने के लिए "ब्रैकेटिंग" का उपयोग करें?
a) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)
b) आधारभूत सिद्धांत
c) IPA और आधारभूत सिद्धांत दोनों
d) इनमें से कोई नहीं
उत्तर: a) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)

100. कौन सा दृष्टिकोण प्रेरक तर्क (इंडक्टिव रीजनिंग) के साथ अधिक मेल खाता है, जो विशिष्ट डेटा से व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं की ओर बढ़ता है?
a) व्याख्यात्मक परिघटनाविज्ञान विश्लेषण (IPA)
b) आधारभूत सिद्धांत
c) मात्रात्मक शोध
d) प्रायोगिक डिज़ाइन
उत्तर: b) आधारभूत सिद्धांत

****

इकाई: IV

इकाई: IV	गुणात्मक अनुसंधान के तरीके: प्रवचन विश्लेषण, कथात्मक विश्लेषण और फोकस समूह: अवधारणा, मान्यताएं और प्रक्रिया।

4.1. *प्रवचन* विश्लेषण (Discourse Analysis)

प्रवचन विश्लेषण (Discourse Analysis) एक गुणात्मक शोध विधि है जिसका उपयोग टेक्स्ट, बातचीत, या सामाजिक संदर्भ में भाषा के उपयोग का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। यह केवल भाषाई संरचना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी जांच करता है कि भाषा कैसे अर्थ बनाती है, शक्ति गतिकी को प्रतिबिंबित करती है, और सामाजिक वास्तविकताओं को आकार देती है। प्रवचन विश्लेषण (DA) एक भाषा के विश्लेषण का तरीका है जो:

1. ध्यान केंद्रित करता है उन शब्दों, वाक्यांशों, वाक्यों और वाक्य के स्तर से परे भाषा के ज्ञान पर, जो सफल संवाद के लिए आवश्यक होता है।
2. देखता है भाषा के पैटर्न को पाठों में और यह विचार करता है कि भाषा और सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों के बीच किस प्रकार का संबंध होता है, जिसमें इसका उपयोग किया जाता है।
3. सुनिश्चित करता है कि भाषा का उपयोग कैसे दुनिया के विभिन्न दृष्टिकोणों और विभिन्न समझों को प्रस्तुत करता है।
4. जांचता है कि भाषा का उपयोग प्रतिभागियों के बीच के रिश्तों से कैसे प्रभावित होता है, साथ ही यह सामाजिक पहचान और रिश्तों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है।
5. सुनिश्चित करता है कि दुनिया के दृष्टिकोण और पहचान किस तरह से विवेचनात्मक विश्लेषण के माध्यम से बनाए जाते हैं।
6. जांचता है मौखिक और लिखित दोनों पाठों को।

***प्रवचन* विश्लेषण का ऐतिहासिक संदर्भ और विकास:**

1952 में ज़ेलिग हैरिस द्वारा पहली बार प्रस्तुत किया गया था, जो जुड़ी हुई प्रवचन और लेखन का विश्लेषण करने का एक तरीका था।

हैरिस की दो मुख्य रुचियाँ थीं:

1. वाक्य के स्तर से परे भाषा: हैरिस ने देखा कि विशेष परिस्थितियों में भाषा का उपयोग विशिष्ट तरीकों से किया जाता है और ये विश्लेषण साझा अर्थ और विशिष्ट भाषाई विशेषताएँ साझा करते हैं।
2. भाषिक और गैर-भाषिक व्यवहार के बीच संबंध: उनका तर्क था कि लोग यह जान सकते हैं कि वे जिस स्थिति में हैं, उसमें किसी के कहने का क्या अर्थ है, यह भी उल्लेख करते हुए कि अभिव्यक्तियाँ विभिन्न संदर्भों में अलग-अलग अर्थ रख सकती हैं।

प्रगमैटिक्स के साथ संबंध:

- *प्रवचन* विश्लेषण प्रगमैटिक्स से निकटता से संबंधित है, क्योंकि दोनों क्षेत्र विशेष (प्रामाणिक) स्थितियों में मौखिक और लिखित भाषा के खंडों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- प्रगमैटिक्स इस बात से संबंधित है कि भाषा की व्याख्या वास्तविक दुनिया के ज्ञान पर निर्भर होती है और लोग जो कहते हैं उसका अर्थ (शब्दों के शाब्दिक अर्थ से परे) क्या होता है।

प्रवचन विश्लेषण भाषा और उस संदर्भ के बीच संबंध पर विचार करता है जिसमें इसका उपयोग किया जाता है। चिमोम्बो और रोज़बेरी (1998) के अनुसार, DA का मुख्य उद्देश्य पाठों की गहरी समझ और सराहना प्रदान करना है और यह समझाना है कि वे अपने उपयोगकर्ताओं के लिए कैसे सार्थक हो जाते हैं।

1. अवधारणा (Concept)

प्रवचन विश्लेषण भाषा को एक सामाजिक अभ्यास के रूप में अध्ययन करने पर केंद्रित है। यह जांच करता है कि टेक्स्ट, प्रवचन, और अन्य प्रकार के संवाद सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को कैसे प्रतिबिंबित और प्रभावित करते हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

- लिखित, मौखिक, या दृश्य भाषा का विश्लेषण।
- भाषा और सामाजिक संरचनाओं के बीच संबंधों की जांच।
- विशिष्ट संदर्भों में अर्थ कैसे बनाए और समझौता किए जाते हैं, इसका अध्ययन।

उदाहरण: राजनीतिक प्रवचनों का अध्ययन करना कि नेता जनता की राय को कैसे प्रभावित करते हैं।

2. उद्देश्य (Purpose)

- *प्रवचन विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य है:*
  - यह समझना कि वास्तविक दुनिया के संदर्भों में भाषा का उपयोग कैसे किया जाता है।
  - संवाद में छिपे हुए विचारधाराओं, शक्ति गतिकी और सांस्कृतिक मानदंडों को उजागर करना।
  - यह अध्ययन करना कि व्यक्ति या समूह भाषा का उपयोग करके पहचान और सामाजिक वास्तविकताएँ कैसे बनाते हैं।
  - यह विश्लेषण करना कि भाषा समाज में संरचनाओं को बनाए रखने, पुन: उत्पन्न करने, या चुनौती देने का काम कैसे करती है।
  - *उदाहरण:* मीडिया में लिंग भूमिकाओं का अध्ययन करना और उनमें अंतर्निहित रूढ़ियों को उजागर करना।

3. मान्यताएँ (Assumptions)

- *प्रवचन विश्लेषण कुछ मुख्य मान्यताओं पर आधारित है:*
  1. *भाषा सामाजिक:* भाषा का उपयोग स्वाभाविक रूप से सामाजिक है और व्यापक सामाजिक संदर्भों को दर्शाता है।
  2. *निर्मित वास्तविकताएँ:* भाषा केवल वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करती; यह इसे सक्रिय रूप से निर्मित और आकार देती है।
  3. *शक्ति और विचारधारा:* संवाद शक्ति संघर्षों और विचारधारात्मक अभिव्यक्तियों का स्थान है।
  4. *संदर्भ का महत्व:* भाषा का अर्थ इसके सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भ से आकार लेता है।

     उदाहरण: "स्वतंत्रता" शब्द का राजनीतिक संवाद में अलग-अलग सांस्कृतिक और विचारधारात्मक संदर्भों में भिन्न अर्थ हो सकता है।

4. विधि (Method)

- *प्रवचन विश्लेषण में भाषा के उपयोग की जांच के लिए विभिन्न विधियों का उपयोग किया जाता है:*
  1. *शाब्दिक विश्लेषण (Textual Analysis):* व्याकरण, शब्दावली, और भाषाई संरचनाओं का अध्ययन।
  2. *संदर्भ विश्लेषण:* संवाद जिन सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भों में होता है, उनकी जांच।
  3. *अंतर-पाठीय विश्लेषण (Intertextual Analysis):* यह देखना कि एक टेक्स्ट अन्य टेक्स्ट और विचारों से कैसे संबंधित है।

4. *आलोचनात्मक विचार विश्लेषण (Critical Discourse Analysis):* संवाद में शक्ति, असमानता, और विचारधारा पर ध्यान केंद्रित करता है।
   उदाहरण: विज्ञापन नारों का विश्लेषण करना और यह समझना कि वे उपभोक्ताओं की भावनाओं को कैसे प्रभावित करते हैं।

5. प्रक्रिया या चरण (Processes or Steps)

- *प्रवचन विश्लेषण में आम तौर पर निम्नलिखित चरण होते हैं:*
  1. *शोध प्रश्न परिभाषित करना:* विश्लेषण के फोकस की पहचान।
  2. *डेटा संग्रह:* प्रासंगिक टेक्स्ट, ट्रांसक्रिप्ट, या ऑडियो रिकॉर्डिंग इकट्ठा करना।
  3. *डेटा तैयारी:* बोली जाने वाली भाषा को ट्रांसक्राइब करना या लिखित सामग्री को डिजिटाइज़ करना।
  4. *कोडिंग और वर्गीकरण:* संवाद में विषय, पैटर्न, और पुनरावर्ती विचारों की पहचान।
  5. *व्याख्या (Interpretation):* यह विश्लेषण करना कि भाषा कैसे अर्थ बनाती है और सामाजिक मुद्दों को दर्शाती है।
  6. *संदर्भीकरण:* निष्कर्षों को व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, या राजनीतिक संदर्भों से जोड़ना।
  7. *परिणाम रिपोर्ट करना:* डेटा से उदाहरणों के साथ निष्कर्ष प्रस्तुत करना।
     उदाहरण: सोशल मीडिया पोस्ट का विश्लेषण करना और यह समझना कि जलवायु परिवर्तन नीतियों पर सार्वजनिक भावना कैसे बनती है।

6. रणनीतियाँ (Strategies)

- *प्रवचन विश्लेषण में निम्नलिखित रणनीतियाँ शामिल हैं:*
  1. *अंतर्ज्ञान (Intuiting):* डेटा में गहराई से प्रवेश करना और इसके छिपे हुए अर्थों को समझना।
  2. *ब्रैकेटिंग:* व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों को अलग रखना और केवल संवाद पर ध्यान केंद्रित करना।
  3. *विषयगत विश्लेषण (Thematic analysis):* संवाद में पुनरावर्ती विषयों या विषय-वस्तुओं की पहचान।
  4. *आलोचनात्मक मूल्यांकन:* संवाद में अंतर्निहित शक्ति गतिकी और विचारधाराओं की जांच।
  5. *पुनरावृत्त दृष्टिकोण (Iterative Approach):* व्याख्याओं को परिष्कृत करने के लिए डेटा को कई बार देखना।
     उदाहरण: विभिन्न समाचार आउटलेट्स के माध्यम से प्रवासन (Migration) के मुद्दों को कैसे फ्रेम किया जाता है, इसका अध्ययन।

प्रवचन विश्लेषण एक शक्तिशाली उपकरण है जो यह समझने में मदद करता है कि भाषा समाज की संरचनाओं को कैसे प्रभावित करती है और उनसे प्रभावित होती है। यह संवाद में छिपे हुए अर्थों, सामाजिक मानदंडों, और शक्ति गतिकी को उजागर करता है। संदर्भ, मान्यताओं, और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विचार विश्लेषण भाषा और समाज के बीच संबंधों में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

प्रवचन विश्लेषण (Discourse Analysis) के लाभ:

1. भाषा उपयोग की गहरी समझ:
   - प्रवचन विश्लेषण (DA) हमें यह समझने में मदद करता है कि भाषा वास्तविक संदर्भों में कैसे काम करती है, यह केवल व्याकरण या वाक्य रचनाओं से परे जाकर अर्थ, शक्ति संबंधों और सामाजिक इंटरएक्शंस पर ध्यान केंद्रित करता है।
2. संदर्भात्मक अंतर्दृष्टि:

- यह उस सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संदर्भों पर विचार करता है जिसमें भाषा का उपयोग किया जाता है, जिससे संवाद का एक समृद्ध और व्यापक समझ प्राप्त होता है।

3. शक्ति संबंधों को उजागर करता है:
   - DA छिपी हुई शक्ति संरचनाओं और विचारधाराओं को उजागर कर सकता है, यह दिखाते हुए कि कैसे भाषा का उपयोग समाजिक मानदंडों को मजबूती देने या चुनौती देने के लिए किया जा सकता है।
4. लचीला:
   - यह विभिन्न प्रकार के पाठों—मौखिक, लिखित, और दृश्य—का अध्ययन करने के लिए लचीला होता है, जिससे यह विभिन्न रूपों के संवाद के अध्ययन के लिए उपयुक्त बनता है।
5. समीक्षात्मक सोच को बढ़ावा देता है:
   - यह यह ध्यान केंद्रित करता है कि भाषा कैसे वास्तविकता का निर्माण करती है, जिससे यह समाज की धारणा, नीतियों और व्यक्तिगत विश्वासों पर प्रभाव डालने के तरीके पर आलोचनात्मक विचार करने को प्रेरित करता है।

प्रवचन विश्लेषण (Discourse Analysis) के नुकसान:

1. वैयक्तिकता:
   - DA अत्यधिक व्यक्तिपरक हो सकता है, क्योंकि भाषा उपयोग की व्याख्या शोधकर्ता के दृष्टिकोण या सैद्धांतिक ढांचे पर निर्भर कर सकती है।
2. समय-साध्य:
   - प्रवचन का विश्लेषण अक्सर एक विस्तृत और श्रमसाध्य प्रक्रिया होती है, जिसमें संदर्भ, शक्ति संबंधों और सामाजिक गतिशीलता पर सावधानीपूर्वक ध्यान देना पड़ता है, जिससे यह समय लेने वाली होती है।
3. जटिलता:
   - DA को करना कठिन हो सकता है, खासकर जब बड़े या जटिल पाठों का विश्लेषण किया जा रहा हो, क्योंकि इसमें भाषा, संदर्भ और संस्कृति के बारीकियों की गहरी समझ की आवश्यकता होती है।
4. स्पष्ट कार्यविधि का अभाव:
   - DA के लिए कोई सार्वभौमिक रूप से सहमति प्राप्त कार्यविधि नहीं है, जिससे शोध किए जाने और व्याख्यायित किए जाने में असंगतताएँ हो सकती हैं।
5. अत्यधिक व्याख्या का जोखिम:
   - यह अत्यधिक विश्लेषण या पाठों में बहुत अधिक अर्थ निकालने का खतरा उत्पन्न कर सकता है, जिससे ऐसे व्याख्याएँ हो सकती हैं जो प्रवचन के वास्तविक उद्देश्य या अर्थ से मेल नहीं खाती।

4.2. कथा विश्लेषण (Narrative Analysis)

कथा विश्लेषण (Narrative Analysis) एक गुणात्मक शोध विधि है, जो यह समझने और व्याख्या करने पर केंद्रित है कि लोग अपने जीवन, अनुभवों और घटनाओं के बारे में कैसे कहानियाँ सुनाते हैं। यह इस बात का अध्ययन करता है कि व्यक्ति कहानियों के माध्यम से कैसे अर्थ बनाते हैं और ये कथाएँ व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, और ऐतिहासिक संदर्भों को कैसे प्रतिबिंबित करती हैं।

1. अवधारणा (Concept)

कथा विश्लेषण कहानियों या कथाओं का अध्ययन करता है ताकि यह समझा जा सके कि व्यक्ति अपने अनुभवों को कैसे अर्थ देते हैं। "कथा" एक संरचित खाता है जिसमें आमतौर पर एक

शुरुआत, मध्य, और अंत होता है, जो एक संदेश या अर्थ संप्रेषित करता है। कथा विश्लेषण यह पहचानता है कि कथाएँ केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, बल्कि सामाजिक मानदंडों और विचारों से भी प्रभावित होती हैं।

मुख्य विशेषताएँ:

- कथाओं की सामग्री ("क्या") और संरचना ("कैसे") पर ध्यान केंद्रित करता है।
- कथाओं को व्यक्ति के जीवन को समझने के तरीके के रूप में देखता है।
- यह मानता है कि कथाएँ संदर्भ-निर्भर और गतिशील होती हैं।

उदाहरण: कैंसर से बचे लोगों की जीवन कहानियों का विश्लेषण करना ताकि उनकी सामना करने की रणनीतियों को समझा जा सके।

2. उद्देश्य (Purpose)

- *कथा विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य है:*
  - यह समझना कि व्यक्ति कहानियों के माध्यम से अपनी पहचान कैसे बनाते और व्यक्त करते हैं।
  - व्यक्तिगत और सामूहिक कथाओं में निहित अर्थ और भावनाओं की खोज करना।
  - यह जांचना कि कहानियाँ व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों को कैसे दर्शाती हैं।
  - व्यक्तियों और समूहों के अनुभवों में अंतर्दृष्टि प्रदान करना।

  उदाहरण: प्रवासियों की कहानियों का अध्ययन करना और विस्थापन और पहचान के उनके अनुभवों को समझना।

3. मान्यताएँ (Assumptions)

- कथा विश्लेषण निम्नलिखित मुख्य मान्यताओं पर आधारित है:
  1. *कहानियाँ वास्तविकता का निर्माण करती हैं:* कथाएँ केवल घटनाओं का विवरण नहीं देतीं; वे सक्रिय रूप से अर्थ और वास्तविकता का निर्माण करती हैं।
  2. *सांस्कृतिक अंतर्निहितता:* कथाएँ उन सांस्कृतिक, सामाजिक, और ऐतिहासिक संदर्भों से प्रभावित होती हैं जिनमें उन्हें बताया जाता है।
  3. *पक्षपातपूर्णता (Subjectivity):* कथाएँ स्वाभाविक रूप से पक्षपाती होती हैं और कथाकार के दृष्टिकोण और भावनाओं को दर्शाती हैं।
  4. *अनुक्रमिक प्रकृति:* कथाओं की एक समयरेखा होती है, जो अक्सर एक कालक्रमिक या विषयगत प्रगति का पालन करती है।

  उदाहरण: किसी व्यक्ति की एक आघातपूर्ण घटना की कथा इस बात पर जोर दे सकती है कि वह कैसे उबर पाया, जो सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शा सकती है।

4. विधि (Method)

- कथा विश्लेषण (Narrative Analysis) कहानियों को इकट्ठा करने और उनका विश्लेषण करने की प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से गहन अर्थों को समझा जा सकता है। विभिन्न विधाओं में *कथा* को अलग-अलग तरीके से परिभाषित किया जाता है, और यह परिभाषा इस बात को तय करती है कि उनके विश्लेषण की विधि क्या होगी। कथा विश्लेषण के कई तरीके हैं, जिनका उपयोग शोध परियोजना के उद्देश्यों और लक्ष्यों पर निर्भर करता है।
- *आम विधियाँ (Common Methods):*
  1. साक्षात्कार (Interviews):
     - प्रतिभागियों से खुले-आम साक्षात्कार के माध्यम से सीधे उनके नैरेटिव्स (कहानियों) को एकत्र करना।

2. कहानी सुनाना (Storytelling):
   - प्रतिभागियों को अपने अनुभवों को उनके अपने शब्दों में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।
3. प्रदर्शनात्मक विश्लेषण (Performative Analysis):
   - यह दृष्टिकोण बोले गए शब्दों से परे जाता है और कहानी सुनाने को एक प्रदर्शन के रूप में देखता है। इसमें भाषा और हाव-भाव के माध्यम से कहानीकार जो 'करता है', उसका अध्ययन किया जाता है। इसमें विभिन्न दृष्टिकोण हो सकते हैं, जैसे नाटक या सामाजिक क्रिया के रूप में नैरेटिव।
     शोधकर्ता निम्नलिखित विशेषताओं का विश्लेषण कर सकते हैं:
     - कहानी में पात्र और उनकी भूमिका।
     - प्रदर्शन की शर्तें और कहानी का वातावरण।
     - पात्रों के बीच संवाद।
     - दर्शकों और व्याख्याकार की प्रतिक्रिया।
     - यह दृष्टिकोण संचार प्रथाओं और पहचान निर्माण के अध्ययन में लागू होता है।
4. पाठ विश्लेषण (Textual Analysis):
   - लिखित या रिकॉर्ड की गई नैरेटिव्स (जैसे डायरी, ब्लॉग, या आत्मकथाएँ) का विश्लेषण करना।
5. थीमैटिक एनालिसिस (Thematic Analysis):
   - इसमें इस बात पर जोर दिया जाता है कि 'क्या' कहा गया है (सामग्री), बजाय इसके कि 'कैसे' कहा गया है। यहाँ भाषा के दर्शन का महत्व है, क्योंकि यह समझने में मदद करता है कि 'क्या' कहा गया है। इस विधि में नैरेटिव्स को विषयों में व्यवस्थित किया जाता है और उदाहरणों के माध्यम से समझाया जाता है।
     - यह दृष्टिकोण कई मामलों का विश्लेषण करने के लिए उपयोगी है।
     - हालांकि, इसमें उस संदर्भ को शामिल नहीं किया जाता, जिसमें नैरेटिव उत्पन्न हुआ।
6. संरचनात्मक विश्लेषण (Structural Analysis):
   - यहाँ ध्यान इस बात पर दिया जाता है कि कहानी को 'कैसे' बताया गया है। कहानीकार कुछ घटनाओं को चुनता है ताकि कहानी सजीव और सत्य प्रतीत हो। हालांकि, थीमैटिक सामग्री का भी विश्लेषण किया जाता है। यह बड़ी संख्या में डेटा के लिए उपयुक्त नहीं है लेकिन विस्तृत केस स्टडी और नैरेटिव अकाउंट्स की तुलना के लिए उपयोगी है। शोधकर्ताओं को इस विधि को बहुत कठोरता से लागू करने से बचना चाहिए क्योंकि यह ऐतिहासिक, संवादात्मक और संस्थागत कारकों को नजरअंदाज कर नैरेटिव्स को संदर्भहीन कर सकता है।
7. पारस्परिक विश्लेषण (Interactional Analysis):
   - यह कहानीकार और श्रोता के बीच संवाद की प्रक्रिया पर जोर देता है। यह उन रिश्तों के अध्ययन के लिए उपयोगी है जहाँ कहानीकार और श्रोता मिलकर अर्थ बनाते हैं, जैसे अदालतों, कक्षाओं, सामाजिक सेवाओं या चिकित्सा सेवाओं में। इस दृष्टिकोण में विषय सामग्री और नैरेटिव संरचना पर ध्यान बनाए रखते हुए कहानी कहने की प्रक्रिया को सह-निर्माण के रूप में देखा जाता है। यह प्रवचन की

जटिलताओं (जैसे ठहराव, रुकावट) का विश्लेषण करता है। हालांकि, गैर-मौखिक हाव-भाव और निगाहें ट्रांसक्रिप्शन में खो जाती हैं।

8. संदर्भात्मक विश्लेषण (Contextual Analysis):
   - यह नैरेटिव्स को एक सामाजिक घटना के रूप में देखता है जो संदर्भ से संदर्भ में भिन्न होती है। अलग-अलग संदर्भों से एकत्रित डेटा भी अलग होगा। यदि एक शोधकर्ता समान प्रकार के उत्तरदाताओं से एक विषय पर अलग-अलग सामाजिक संदर्भों में डेटा एकत्र करता है, तो विश्लेषण यह दिखाएगा कि वे चीजों को कैसे भिन्न रूप से समझते हैं। यह दृष्टिकोण यह भी दिखा सकता है कि समय के साथ लोगों की सोच और धारणा कैसे बदलती है।
9. दृश्य कथाएँ (Visual Narratives):
   - ऐसी छवियों, वीडियो, या अन्य दृश्य मीडिया का अध्ययन करना, जो एक कहानी कहते हैं।

     उदाहरण: शरणार्थियों की आत्मकथाओं का विश्लेषण करना ताकि उनके प्रवास की यात्रा को समझा जा सके।

5. प्रक्रिया या चरण (Processes or Steps)

- *कथा विश्लेषण में आमतौर पर निम्नलिखित चरण शामिल होते हैं:*

1. शोध प्रश्न परिभाषित करना: कथा जाँच के फोकस की पहचान।
   उदाहरण: नशे की लत से उबरने वाले व्यक्तियों की कहानियों में कौन-कौन से विषय सामने आते हैं?
2. कथाओं का संग्रह: साक्षात्कार, दस्तावेज़ों, या मीडिया के माध्यम से कहानियों को इकट्ठा करना।
   उदाहरण: प्रतिभागियों की जीवन कहानियों को रिकॉर्ड करना।
3. प्रतिलेखन और डेटा तैयारी: मौखिक कथाओं को लिखित रूप में ट्रांसक्राइब करना और लिखित डेटा को व्यवस्थित करना।
4. कोडिंग और थीमैटिक विश्लेषण: कथाओं में पुनरावर्ती विषयों, पैटर्न, और संरचनाओं की पहचान करना।
5. संदर्भीय विश्लेषण (Contextual Analysis): यह जांचना कि व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक, और ऐतिहासिक संदर्भ कथा को कैसे आकार देते हैं।
6. संरचना और रूप का विश्लेषण: कथा की संरचना (जैसे कथानक, पात्र, समाधान) और शैली का अध्ययन।
7. व्याख्या (Interpretation): कथा द्वारा व्यक्त किए गए अर्थों पर विचार करना और उन्हें शोध प्रश्न से जोड़ना।
8. परिणाम रिपोर्ट करना: निष्कर्ष प्रस्तुत करना और उन्हें कथाओं के उदाहरणों से समर्थन देना।

6. रणनीतियाँ (Strategies)

1. *अंतर्ज्ञान* (Intuiting): कथा में गहराई से प्रवेश करना और इसके गहरे अर्थों और भावनाओं को समझना।
2. ब्रैटिंग (Bracketing): अपने पूर्वाग्रहों को अलग रखना और प्रतिभागी के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करना।

3. कालक्रमिक मानचित्रण (Chronological Mapping): कथा में घटनाओं के अनुक्रम का विश्लेषण करना।
4. *विषयगत विश्लेषण* (Thematic Analysis): कथा में मुख्य विषयों और पैटर्न की पहचान करना।
5. पुनर्कथन (Restorying): कथा को पुनर्निर्मित करना ताकि महत्वपूर्ण तत्वों और उनके निहितार्थ को उजागर किया जा सके।
6. संदर्भीय मूल्यांकन (Contextual Evaluation): यह पता लगाना कि सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, और सामाजिक कारक कथा को कैसे प्रभावित करते हैं।
   उदाहरण: गरीबी से उबरने वाले व्यक्तियों की कहानियों में धैर्य और सहनशीलता के विषयों को पहचानने के लिए थीमैटिक विश्लेषण का उपयोग करना।

कथा विश्लेषण एक बहुमुखी और अंतर्दृष्टिपूर्ण शोध दृष्टिकोण है जो कहानियों की शक्ति को अर्थ और पहचान व्यक्त करने के तरीके के रूप में उजागर करता है। यह यह पता लगाने में मदद करता है कि व्यक्ति और समूह अपने अनुभवों को समझने और व्यक्त करने के लिए कथाओं का उपयोग कैसे करते हैं और इन कथाओं को व्यापक सामाजिक संदर्भों से कैसे जोड़ा जा सकता है। अवधारणा, उद्देश्य, मान्यताओं, विधियों, प्रक्रियाओं, और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, कथा विश्लेषण मानव कहानी कहने की जटिलताओं को समझने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करता है।

कथा विश्लेषण के लाभ (Advantages of Narrative Research):

1. कहानी सुनाने में आसानी:
   - लोगों को अपनी कहानी बताने के लिए प्रेरित करना आसान है, क्योंकि अधिकतर लोग अपनी कहानियों को साझा करने में खुशी महसूस करते हैं।
2. गहन डेटा प्राप्त करना:
   - कथा विश्लेषण में गहन डेटा (थिक डिस्क्रिप्शन) प्राप्त करना संभव है, क्योंकि प्रतिभागियों द्वारा बताई गई घटनाओं में यह स्वाभाविक रूप से उभरता है।
3. आत्म-प्रकटीकरण और प्रतिबिंब:
   - प्रतिभागी स्वयं को व्यक्त करने और अपनी कहानियों पर विचार करने के लिए तैयार रहते हैं।
4. सत्य का प्रकटीकरण:
   - कहानियां सुनाते समय व्यक्ति आमतौर पर सत्य छिपाने की कोशिश नहीं करते हैं, और यदि वे ऐसा करते भी हैं, तो यह डेटा की गहन व्याख्या में स्पष्ट हो जाता है।
5. प्रतिभागियों को आवाज़ प्रदान करना:
   - यह दृष्टिकोण प्रतिभागियों को यह महसूस कराता है कि उनकी कहानियां सुनी और महत्वपूर्ण हैं (Creswell, 2012; Newby, 2014).
6. संपन्न जानकारी तक पहुंच:
   - शोधकर्ता प्रतिभागियों के दृष्टिकोण की बारीकियों को बेहतर ढंग से समझने के लिए समृद्ध जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
7. विवरणात्मक ज्ञान:
   - कथा विश्लेषण से प्राप्त ज्ञान पाठकों को विषय का विस्तृत और गहन समझ प्रदान करता है और यह दिखाता है कि इन कहानियों को उनके संदर्भ में कैसे लागू किया जा सकता है (Savin-Baden और Niekerk, 2007)।
8. शोध और अभ्यास के बीच सेतु बनाना:
   - यह दृष्टिकोण शोध और वास्तविक जीवन के बीच अंतर को कम करने में सहायक है।

9. संबंधों का निर्माण:
   - शोधकर्ताओं और प्रतिभागियों के बीच घनिष्ठ संबंध बनते हैं, जिससे प्रतिभागियों को यह महसूस होता है कि उनकी कहानियां महत्वपूर्ण हैं (Creswell, 2012).

कथा विश्लेषण के नुकसान (Disadvantages of Narrative Research):

1. भूमिका तय करना कठिन:
   - शोधकर्ता की भूमिका तय करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि शोधकर्ता एक कहानीकार है न कि कहानी का विश्लेषक, तो उसका उद्देश्य विश्लेषणात्मक के बजाय चिकित्सीय हो सकता है (Ellis और Bochner, 2000)।
2. कहानियों को समझने में कठिनाई:
   - साक्षात्कार में कहानी कहने और डेटा प्रस्तुत करने में कहानी बनाने के बीच संबंध समझना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
3. विवरण और व्याख्या के बीच संबंध:
   - कथा विश्लेषण, उनकी व्याख्या, और पुनः कहे गए विवरण के बीच संबंध तय करना मुश्किल होता है।
4. डेटा व्याख्या और प्रस्तुति:
   - डेटा की व्याख्या और उसे प्रस्तुत करने में समस्याएँ हो सकती हैं।
5. कहानियों की सीमाएं तय करना:
   - कहानियों की सीमाएं तय करना कई पहलुओं में कठिन हो सकता है:
     - कहानी का लेखक कौन है: शोधकर्ता या प्रतिभागी।
     - कहानी की सीमा: पूरे जीवन की कहानी या किसी विशेष घटना का विवरण।
     - कहानी कौन प्रस्तुत कर रहा है।
     - अध्ययन को प्रभावित करने वाला वैचारिक ढांचा: उदाहरण के लिए, आलोचनात्मक या निर्माणवादी।
       - क्या इन सभी तत्वों को एक कथा में शामिल किया गया है या नहीं।

4.3. फोकस ग्रुप (Focus Group)

फोकस ग्रुप एक गुणात्मक शोध विधि है, जिसमें एक छोटे समूह के प्रतिभागियों के साथ मार्गदर्शित चर्चा की जाती है। इसका उद्देश्य किसी विशेष विषय या मुद्दे के बारे में उनकी राय, दृष्टिकोण, और धारणाओं को समझना है। यह सामाजिक विज्ञान, मार्केटिंग, स्वास्थ्य देखभाल, और नीति अनुसंधान में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

1. अवधारणा (Concept)

फोकस ग्रुप एक संरचित चर्चा है जिसमें 6-12 प्रतिभागी किसी विशिष्ट विषय पर अपने विचार और अनुभव साझा करते हैं। चर्चा को एक मॉडरेटर द्वारा संचालित किया जाता है, जो सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागी योगदान दें और सत्र विषय पर केंद्रित रहे।

मुख्य विशेषताएँ:

- समूह बातचीत के माध्यम से विविध विचार प्राप्त करना।
- सामूहिक दृष्टिकोण और सामाजिक गतिशीलता को समझना।
- जटिल विषयों की खोज के लिए उपयुक्त।
- उदाहरण: माता-पिता के एक फोकस ग्रुप का आयोजन, जिसमें वे काम और बच्चों की देखभाल के बीच संतुलन बनाने की चुनौतियों पर चर्चा करें।

2. उद्देश्य (Purpose)

- *फोकस ग्रुप का मुख्य उद्देश्य है:*
  - राय समझना: किसी विषय पर विभिन्न दृष्टिकोण एकत्र करना।
  - अनुभव खोजना: प्रतिभागियों के अनुभवों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना।
  - विचार उत्पन्न करना: समाधानों या नवाचारों पर मंथन करना।
  - विचारों का परीक्षण करना: उत्पादों, सेवाओं, नीतियों, या विचारों पर प्रतिक्रियाएँ जानना।
  - सामाजिक गतिशीलता समझना: यह अध्ययन करना कि समूह बातचीत राय को कैसे प्रभावित करती है।

    उदाहरण: किसी नए मोबाइल एप्लिकेशन पर ग्राहकों की संतुष्टि को समझना।

3. मान्यताएँ (Assumptions)

- फोकस ग्रुप निम्नलिखित मुख्य मान्यताओं पर आधारित है:
  1. समूह गतिशीलता मूल्यवान होती है: समूह की बातचीत व्यक्तिगत साक्षात्कारों से अधिक गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
  2. प्रतिभागी एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं: समूह चर्चा प्रतिभागियों को एक-दूसरे के विचारों को चुनौती देने, समर्थन करने, या विस्तारित करने की अनुमति देती है।
  3. मॉडरेटर की भूमिका महत्वपूर्ण है: एक कुशल संचालक यह सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागी चर्चा में शामिल हों।
  4. गुणात्मक दृष्टिकोण: यह विधि गहराई और विविधता का पता लगाने के लिए है, न कि सांख्यिकीय सामान्यीकरण के लिए।

     उदाहरण: सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान पर चर्चा यह दिखा सकती है कि समूह के विचार व्यक्तिगत दृष्टिकोण को कैसे आकार देते हैं।

4. विधि (Method)

फोकस ग्रुप विधि चर्चा को सुगम बनाने और डेटा एकत्र करने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण को अपनाती है।

- *चरण:*
  1. उद्देश्य परिभाषित करना: फोकस ग्रुप का लक्ष्य निर्धारित करना।
  2. प्रतिभागियों का चयन: प्रासंगिक और विविध समूह के व्यक्तियों को पहचानना।
  3. चर्चा गाइड विकसित करना: विषयों और प्रश्नों की एक अर्ध-संरचित रूपरेखा तैयार करना।
  4. फोकस ग्रुप का संचालन: चर्चा को सुगम बनाना और सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
  5. रिकॉर्डिंग और ट्रांसक्रिप्शन: सत्र को दस्तावेज़ करना।
  6. डेटा का विश्लेषण: विषयों, पैटर्न, और अंतर्दृष्टि की पहचान करना।

     उदाहरण: शिक्षकों के फोकस ग्रुप का संचालन यह समझने के लिए कि नई शैक्षिक तकनीक को अपनाने में क्या-क्या चुनौतियाँ हैं।

5. प्रक्रिया या चरण (Processes or Steps)

1. योजना बनाना:

- शोध लक्ष्यों और उद्देश्यों को परिभाषित करना।
- समूहों की संख्या और संरचना निर्धारित करना।

2. भर्ती (Recruitment):

- प्रतिभागियों की पहचान करना (जैसे जनसांख्यिकी, अनुभव)।

- विविधता सुनिश्चित करना ताकि विभिन्न दृष्टिकोण कैद किए जा सकें।

3. *तैयारी:*
   - स्थान, उपकरण, और सामग्री की व्यवस्था करना।
   - मॉडरेटर को चर्चा गाइड के साथ तैयार करना।
4. *फोकस ग्रुप का संचालन:*
   - परिचय के साथ शुरू करना और नियम निर्धारित करना।
   - खुले-आम सवालों का उपयोग करते हुए चर्चा को संचालित करना।
   - बातचीत को प्रासंगिक बनाए रखना और पूर्वाग्रह को कम करना।
5. *रिकॉर्डिंग:*
   - ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग या विस्तृत नोट्स लेना।
6. *डेटा का विश्लेषण:*
   - चर्चा को ट्रांसक्राइब करना और मुख्य विषयों की पहचान करना।
   - पैटर्न, विरोधाभासों, और अनोखी अंतर्दृष्टियों की खोज करना।
7. *रिपोर्टिंग:*
   - निष्कर्षों को प्रस्तुत करना और उन्हें उदाहरणों से समर्थन देना।

6. रणनीतियाँ (Strategies)

1. *प्रभावी मॉडरेशन:*
   - कुशल मॉडरेटर द्वारा चर्चा का संचालन।
   - शांत प्रतिभागियों को योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना।
2. *खुले-आम प्रश्न:*
   - व्यापक सवालों का उपयोग करना ताकि चर्चा उत्प्रेरित हो (जैसे, "आपके विचार क्या हैं...?")।
3. *गहराई के लिए पूछताछ (Probing):*
   - सतही उत्तरों को गहराई में समझने के लिए अनुवर्ती प्रश्न पूछना।
4. *तटस्थ वातावरण:*
   - एक ऐसा स्थान बनाना जहाँ प्रतिभागी ईमानदारी से अपने विचार साझा कर सकें।
5. *गतिशील समूह संरचना:*
   - विविध दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करने के लिए मिश्रित प्रतिभागियों का चयन।
   - विशिष्ट अंतर्दृष्टि के लिए एकसमान प्रतिभागियों का चयन।
6. *अवलोकन (Observation):*
   - प्रतिभागियों के गैर-मौखिक संकेतों, जैसे बॉडी लैंग्वेज या स्वर, पर ध्यान देना।
7. *विवाद समाधान (Conflict Resolution):*
   - असहमति को रचनात्मक तरीके से प्रबंधित करना ताकि किसी प्रतिभागी का वर्चस्व न हो।

फोकस ग्रुप एक शक्तिशाली गुणात्मक शोध उपकरण है जो सामूहिक अंतर्दृष्टि और समूह गतिशीलता को समझने में मदद करता है। छोटे, विविध समूहों के प्रतिभागियों के बीच चर्चाओं को सुगम बनाकर, शोधकर्ता बहुमूल्य दृष्टिकोण प्राप्त कर सकते हैं, विचारों का परीक्षण कर सकते हैं, और समाधान उत्पन्न कर सकते हैं। अवधारणा, उद्देश्य, मान्यताओं, विधियों, प्रक्रियाओं, और रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, फोकस ग्रुप गहन अन्वेषण के लिए एक व्यापक ढाँचा प्रदान करता है।

फोकस ग्रुप (Focus Group) के लाभ:

1. समृद्ध डेटा संग्रह:

- फोकस ग्रुप एक समृद्ध गुणात्मक डेटा स्रोत प्रदान करता है, जो एक विशिष्ट विषय पर प्रतिभागियों के दृष्टिकोण, विचार और धारणाओं के बारे में जानकारी देता है।

2. इंटरएक्शन और समूह गतिशीलता:
   - प्रतिभागियों के बीच इंटरएक्शन विचारों और दृष्टिकोणों की विविधता उत्पन्न कर सकता है, जो एक-एक साक्षात्कार में नहीं उभर सकते हैं।
3. लागत-कुशल:
   - व्यक्तिगत साक्षात्कार की तुलना में फोकस ग्रुप डेटा संग्रह के लिए एक अधिक लागत-कुशल विधि हो सकती है, क्योंकि इसमें एक साथ कई प्रतिभागी शामिल होते हैं।
4. लचीला और अनुकूलनीय:
   - फोकस ग्रुप को चर्चा की दिशा के आधार पर समायोजित किया जा सकता है, जिससे आयोजक विशिष्ट क्षेत्रों में अधिक गहराई से जांच कर सकते हैं।
5. जल्दी परिणाम प्राप्त करना:
   - फोकस ग्रुप तेज़ प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकते हैं, क्योंकि चर्चाएँ कम समय में पूरी हो सकती हैं, जबकि सर्वेक्षण या व्यक्तिगत साक्षात्कार अधिक समय ले सकते हैं।

फोकस ग्रुप (Focus Group) के नुकसान:

1. समूह विचार (Groupthink):
   - समूह विचार का जोखिम होता है, जिसमें प्रतिभागी बहुमत के विचार से सहमति बनाने या विरोधी विचारों को साझा करने से बचने के लिए समूह के साथ मेल खाने की कोशिश कर सकते हैं।
2. सीमित सामान्यीकरण:
   - फोकस ग्रुप से प्राप्त निष्कर्ष हमेशा बड़ी जनसंख्या पर सामान्यीकृत नहीं किए जा सकते, क्योंकि समूह का आकार छोटा होता है और प्रतिभागी व्यापक जनसांख्यिकीय का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते हैं।
3. आयोजक का प्रभाव:
   - आयोजक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, और अगर आयोजक पक्षपाती होते हैं या समूह गतिशीलता को प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं करते हैं, तो यह एकत्रित डेटा की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।
4. प्रमुख प्रतिभागियों का प्रभुत्व:
   - कुछ मामलों में, प्रमुख प्रतिभागी चुप रहने वाले प्रतिभागियों को overshadow कर सकते हैं, जिससे असमान भागीदारी होती है और परिणामों में भिन्नता उत्पन्न हो सकती है।
5. संवेदनशील विषयों के लिए उपयुक्त नहीं:
   - फोकस ग्रुप अत्यधिक व्यक्तिगत या संवेदनशील विषयों पर चर्चा करने के लिए आदर्श नहीं हो सकते हैं, क्योंकि प्रतिभागी समूह के बीच व्यक्तिगत अनुभव साझा करने में संकोच कर सकते हैं।

4.4. प्रवचन विश्लेषण, कथात्मक विश्लेषण और फोकस समूह के बीच अंतर

पहलू	प्रवचन विश्लेषण	कथात्मक विश्लेषण	फोकस समूह
उद्देश्य	यह जांच करता है कि भाषा कैसे सामाजिक वास्तविकताओं और शक्ति	यह पता लगाना है कि व्यक्ति व्यक्तिगत कहानियों के माध्यम से	समूह चर्चा के माध्यम से किसी विशिष्ट विषय पर विविध दृष्टिकोण एकत्र

	की गतिशीलता का निर्माण करती है।	कैसे अर्थ बनाते और संप्रेषित करते हैं।	करता है।
क्रियाविधि	भाषा के उपयोग को आकार देने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक और शक्ति संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए साक्षात्कार, भाषण, मीडिया लेख और वार्तालाप सहित बोली जाने वाली या लिखित भाषा का विश्लेषण करता है।	यह समझने के लिए कहानियों और आख्यानों का विश्लेषण करता है कि समूह कैसे निर्मित और संगठित होते हैं और लोग किस तरीके से सोचते हैं।	किसी विशेष विषय पर प्रतिभागियों के दृष्टिकोण, राय और धारणाओं का पता लगाने के लिए एक मॉडरेटर द्वारा निर्देशित समूह चर्चा आयोजित करता है।
डेटा स्रोत	बोली जाने वाली या लिखित भाषा, जिसमें साक्षात्कार, भाषण, मीडिया लेख और बातचीत शामिल हैं।	साक्षात्कार, केस अध्ययन और अन्य पाठ या दृश्य डेटा से कहानियां और आख्यान।	एक मॉडरेटर द्वारा समूह चर्चा की सुविधा प्रदान की गई।
केंद्र	भाषा और उसके सामाजिक संदर्भ के बीच संबंध.	व्यक्तिगत कहानियों की संरचना और सामग्री.	समूह की गतिशीलता और अंतःक्रिया।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. प्रवचन विश्लेषण का मुख्य फोकस क्या है?
a) संख्यात्मक डेटा रुझान
b) भाषा उपयोग का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ
c) आनुवंशिक कोडिंग पैटर्न
d) वित्तीय दस्तावेज़ों का मूल्यांकन
उत्तर: b) भाषा उपयोग का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ

2. प्रवचन विश्लेषण को सबसे अच्छी तरह परिभाषित किया जा सकता है:
a) भाषा का सामाजिक संदर्भ में अध्ययन
b) भाषा का गणितीय मॉडलिंग
c) पाठों का सांख्यिकीय विश्लेषण
d) संचार में व्याकरणिक त्रुटियों को संपादित करना
उत्तर: a) भाषा का सामाजिक संदर्भ में अध्ययन

3. प्रवचन विश्लेषण में मुख्य विश्लेषणात्मक इकाई क्या है?
a) व्यक्तिगत शब्द
b) वाक्य और बड़े भाषा संरचनाएं
c) बाइनरी अंकों
d) ध्वन्यात्मक लिपियां
उत्तर: b) वाक्य और बड़े भाषा संरचनाएं

4. प्रवचन विश्लेषण भाषा को कैसे देखता है?
a) व्याकरण की स्थिर प्रणाली के रूप में
b) सामाजिक संपर्क के लिए एक गतिशील उपकरण के रूप में
c) एक विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत गतिविधि के रूप में
d) संस्कृति से स्वतंत्र
उत्तर: b) सामाजिक संपर्क के लिए एक गतिशील उपकरण के रूप में

5. प्रवचन विश्लेषण में "प्रवचन" का अर्थ क्या है?
a) संदर्भ में लिखित और बोले गए संचार
b) केवल गणितीय प्रवचन
c) यादृच्छिक शब्द संयोजन

d) संख्याओं का दृश्य प्रतिनिधित्व
उत्तर: a) संदर्भ में लिखित और बोले गए संचार

6. प्रवचन विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य है:
a) भाषा और सामाजिक वास्तविकता के बीच संबंध को समझना
b) विशिष्ट शब्दों की आवृत्ति को मापना
c) पाठों में टाइपोग्राफिकल त्रुटियों की पहचान करना
d) भाषाई विश्लेषण के लिए सॉफ़्टवेयर का अनुकूलन
उत्तर: a) भाषा और सामाजिक वास्तविकता के बीच संबंध को समझना

7. गुणात्मक अनुसंधान में, प्रवचन विश्लेषण का उपयोग किस लिए किया जाता है?
a) संचार में अर्थ के निर्माण की जांच करने के लिए
b) प्रायोगिक परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए
c) संख्यात्मक डेटासेट विकसित करने के लिए
d) केवल व्याकरणिक त्रुटियों का अध्ययन करने के लिए
उत्तर: a) संचार में अर्थ के निर्माण की जांच करने के लिए

8. प्रवचन विश्लेषण का उद्देश्य है:
a) संचार में शक्ति गतिकी और विचारधारा का पता लगाना
b) वाक्य लंबाई में सांख्यिकीय प्रवृत्तियों की जांच करना
c) भाषा को प्रभावित करने वाले आनुवंशिक कारक
d) ध्वनि तरंगों में यादृच्छिक पैटर्न
उत्तर: a) संचार में शक्ति गतिकी और विचारधारा का पता लगाना

9. सामाजिक भाषाविज्ञान में प्रवचन विश्लेषण क्यों महत्वपूर्ण है?
a) यह जांच करता है कि भाषा सामाजिक पहचान और प्रथाओं को कैसे आकार देती है
b) यह सांस्कृतिक अध्ययन की आवश्यकता को समाप्त करता है
c) यह मात्रात्मक सांख्यिकीय रुझानों पर केंद्रित है
d) यह केवल लिखित ग्रंथों तक ही सीमित है
उत्तर: a) यह जांच करता है कि भाषा सामाजिक पहचान और प्रथाओं को कैसे आकार देती है

10. मीडिया अध्ययन में प्रवचन विश्लेषण का एक सामान्य लक्ष्य क्या है?
a) यह प्रकट करना कि मीडिया भाषा सामाजिक आख्यानों का निर्माण कैसे करती है
b) समाचार लेखों में औसत शब्द लंबाई की गणना करना
c) समाचार उत्पादन को स्वचालित करना
d) समाचार रिपोर्टों में व्याकरणिक त्रुटियों को संपादित करना
उत्तर: a) यह प्रकट करना कि मीडिया भाषा सामाजिक आख्यानों का निर्माण कैसे करती है

11. प्रवचन विश्लेषण की एक प्रमुख मान्यता क्या है?
a) भाषा सामाजिक वास्तविकताओं को आकार देती है और उनसे प्रभावित होती है
b) सभी पाठों का एक स्थिर, सार्वभौमिक अर्थ होता है
c) भाषा शक्ति संरचनाओं से स्वतंत्र है
d) आधुनिक भाषाविज्ञान में प्रवचन अप्रासंगिक है
उत्तर: a) भाषा सामाजिक वास्तविकताओं को आकार देती है और उनसे प्रभावित होती है
हिंदी अनुवाद

12. प्रवचन विश्लेषण का मुख्य फोकस क्या है?
a) संख्यात्मक डेटा रुझान
b) भाषा उपयोग का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ
c) आनुवंशिक कोडिंग पैटर्न
d) वित्तीय दस्तावेज़ों का मूल्यांकन

उत्तर: b) भाषा उपयोग का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ

13. प्रवचन विश्लेषण को सबसे अच्छी तरह परिभाषित किया जा सकता है:
a) भाषा का सामाजिक संदर्भ में अध्ययन
b) भाषा का गणितीय मॉडलिंग
c) पाठों का सांख्यिकीय विश्लेषण
d) संचार में व्याकरणिक त्रुटियों को संपादित करना
उत्तर: a) भाषा का सामाजिक संदर्भ में अध्ययन

14. प्रवचन विश्लेषण में मुख्य विश्लेषणात्मक इकाई क्या है?
a) व्यक्तिगत शब्द
b) वाक्य और बड़े भाषा संरचनाएं
c) बाइनरी अंकों
d) ध्वन्यात्मक लिपियां
उत्तर: b) वाक्य और बड़े भाषा संरचनाएं

15. प्रवचन विश्लेषण भाषा को कैसे देखता है?
a) व्याकरण की स्थिर प्रणाली के रूप में
b) सामाजिक संपर्क के लिए एक गतिशील उपकरण के रूप में
c) एक विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत गतिविधि के रूप में
d) संस्कृति से स्वतंत्र
उत्तर: b) सामाजिक संपर्क के लिए एक गतिशील उपकरण के रूप में

16. प्रवचन विश्लेषण में "प्रवचन" का अर्थ क्या है?
a) संदर्भ में लिखित और बोले गए संचार
b) केवल गणितीय प्रवचन
c) यादृच्छिक शब्द संयोजन
d) संख्याओं का दृश्य प्रतिनिधित्व
उत्तर: a) संदर्भ में लिखित और बोले गए संचार

17. प्रवचन विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य है:
a) भाषा और सामाजिक वास्तविकता के बीच संबंध को समझना
b) विशिष्ट शब्दों की आवृत्ति को मापना
c) पाठों में टाइपोग्राफिकल त्रुटियों की पहचान करना
d) भाषाई विश्लेषण के लिए सॉफ़्टवेयर का अनुकूलन
उत्तर: a) भाषा और सामाजिक वास्तविकता के बीच संबंध को समझना

18. गुणात्मक अनुसंधान में, प्रवचन विश्लेषण का उपयोग किस लिए किया जाता है?
a) संचार में अर्थ के निर्माण की जांच करने के लिए
b) प्रायोगिक परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए
c) संख्यात्मक डेटासेट विकसित करने के लिए
d) केवल व्याकरणिक त्रुटियों का अध्ययन करने के लिए
उत्तर: a) संचार में अर्थ के निर्माण की जांच करने के लिए

19. प्रवचन विश्लेषण का उद्देश्य है:
a) संचार में शक्ति गतिकी और विचारधारा का पता लगाना
b) वाक्य लंबाई में सांख्यिकीय प्रवृत्तियों की जांच करना
c) भाषा को प्रभावित करने वाले आनुवंशिक कारक
d) ध्वनि तरंगों में यादृच्छिक पैटर्न
उत्तर: a) संचार में शक्ति गतिकी और विचारधारा का पता लगाना

20. सामाजिक भाषाविज्ञान में प्रवचन विश्लेषण क्यों महत्वपूर्ण है?
a) यह जांच करता है कि भाषा सामाजिक पहचान और प्रथाओं को कैसे आकार देती है
b) यह सांस्कृतिक अध्ययन की आवश्यकता को समाप्त करता है

c) यह मात्रात्मक सांख्यिकीय रुझानों पर केंद्रित है
d) यह केवल लिखित ग्रंथों तक ही सीमित है
उत्तर: a) यह जांच करता है कि भाषा सामाजिक पहचान और प्रथाओं को कैसे आकार देती है

21. मीडिया अध्ययन में प्रवचन विश्लेषण का एक सामान्य लक्ष्य क्या है?
a) यह प्रकट करना कि मीडिया भाषा सामाजिक आख्यानों का निर्माण कैसे करती है
b) समाचार लेखों में औसत शब्द लंबाई की गणना करना
c) समाचार उत्पादन को स्वचालित करना
d) समाचार रिपोर्टों में व्याकरणिक त्रुटियों को संपादित करना
उत्तर: a) यह प्रकट करना कि मीडिया भाषा सामाजिक आख्यानों का निर्माण कैसे करती है

22. प्रवचन विश्लेषण की एक प्रमुख मान्यता क्या है?
a) भाषा सामाजिक वास्तविकताओं को आकार देती है और उनसे प्रभावित होती है
b) सभी पाठों का एक स्थिर, सार्वभौमिक अर्थ होता है
c) भाषा शक्ति संरचनाओं से स्वतंत्र है
d) आधुनिक भाषाविज्ञान में प्रवचन अप्रासंगिक है
उत्तर: a) भाषा सामाजिक वास्तविकताओं को आकार देती है और उनसे प्रभावित होती है

23. प्रवचन विश्लेषण में पैटर्न कैसे पहचाने जाते हैं?
a) व्यवस्थित कोडिंग और व्याख्या के माध्यम से
b) संदर्भ को अनदेखा करके
c) नियंत्रित प्रयोगों में परिकल्पनाओं का परीक्षण करके
d) केवल सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करके
उत्तर: a) व्यवस्थित कोडिंग और व्याख्या के माध्यम से

24. प्रभावी प्रवचन विश्लेषण के लिए एक रणनीति है:
a) मौखिक और गैर-मौखिक दोनों तत्वों पर ध्यान केंद्रित करना
b) प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को अनदेखा करना
c) विश्लेषण को केवल व्यक्तिगत शब्दों तक सीमित रखना
d) सैद्धांतिक ढांचों से बचना
उत्तर: a) मौखिक और गैर-मौखिक दोनों तत्वों पर ध्यान केंद्रित करना

25. प्रवचन विश्लेषण में आत्म-परावर्तन (Reflexivity) का उपयोग किसके लिए होता है?
a) व्याख्या पर शोधकर्ता के प्रभाव को पहचानना
b) डेटा संग्रह में शोधकर्ता की भूमिका को अनदेखा करना
c) सभी निष्कर्षों का मानकीकरण करना
d) प्रतिभागियों के पूर्वाग्रहों को समाप्त करना
उत्तर: a) व्याख्या पर शोधकर्ता के प्रभाव को पहचानना

26. आलोचनात्मक प्रवचन विश्लेषण (CDA) की रणनीतियां मुख्य रूप से क्या जोर देती हैं?
a) भाषा में वैचारिक प्रभावों की पहचान करना
b) केवल वाक्य संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित करना
c) शक्ति गतिकी पर चर्चा से बचना
d) ऐतिहासिक संदर्भों को छोड़ना
उत्तर: a) भाषा में वैचारिक प्रभावों की पहचान करना

27. प्रवचन विश्लेषण में पूर्वाग्रहों को कम करने के लिए शोधकर्ता क्या कर सकते हैं?
a) डेटा स्रोतों को त्रिकोणित करना (Triangulating)
b) सैद्धांतिक ढांचों से बचना
c) केवल संख्यात्मक डेटा पर निर्भर रहना
d) प्रतिभागियों के दृष्टिकोण को बाहर करना
उत्तर: a) डेटा स्रोतों को त्रिकोणित करना

28. प्रवचन विश्लेषण में थीम मैपिंग (Thematic Mapping) का उपयोग किस लिए होता है?
a) संचार में प्रमुख विचारों और संबंधों को चित्रित करना
b) शब्दों की आवृत्ति गिनना
c) मात्रात्मक परिणामों की भविष्यवाणी करना
d) डीएनए अनुक्रमों का विश्लेषण करना
उत्तर: a) संचार में प्रमुख विचारों और संबंधों को चित्रित करना

29. मल्टीमॉडल प्रवचन (Multimodal Discourse) का विश्लेषण करते समय एक प्रमुख रणनीति क्या है?
a) पाठ, छवियों और अन्य मीडिया के बीच अंतःक्रिया की जांच करना
b) गैर-मौखिक संचार की अनदेखी करना
c) विश्लेषण को केवल लिखित पाठ तक सीमित रखना
d) दृश्य तत्वों को बाहर करना
उत्तर: a) पाठ, छवियों और अन्य मीडिया के बीच अंतःक्रिया की जांच करना

30. राजनीतिक प्रवचन (Political Discourse) का विश्लेषण करते समय शोधकर्ता अक्सर किस पर ध्यान केंद्रित करते हैं?
a) तर्कों को फ्रेम करने और प्रेरक भाषा के उपयोग पर
b) राजनीतिक प्रवचनों में शब्दांशों की गिनती पर
c) प्रवचन प्रतिलेखों को संपादित करने पर
d) वित्तीय खुलासे का विश्लेषण करने पर
उत्तर: a) तर्कों को फ्रेम करने और प्रेरक भाषा के उपयोग पर

31. प्रवचन विश्लेषण को नैतिक रूप से सुनिश्चित करने के लिए शोधकर्ता क्या कर सकते हैं?
a) सूचित सहमति प्राप्त करके और गोपनीयता बनाए रखकर
b) प्रतिभागियों की पहचान प्रकाशित करके
c) सांस्कृतिक विचारों को अनदेखा करके
d) संवेदनशील विषयों को अनदेखा करके
उत्तर: a) सूचित सहमति प्राप्त करके और गोपनीयता बनाए रखकर

32. प्रवचन विश्लेषण में बड़े डेटा सेट को प्रबंधित करने की एक रणनीति क्या है?
a) गुणात्मक डेटा विश्लेषण सॉफ़्टवेयर (जैसे NVivo या ATLAS.ti) का उपयोग करके
b) डेटा में छोटे विवरणों की अनदेखी करके
c) गुणात्मक डेटा को संख्यात्मक प्रारूप में बदलकर
d) केवल मैनुअल प्रोसेसिंग पर निर्भर रहकर
उत्तर: a) गुणात्मक डेटा विश्लेषण सॉफ़्टवेयर (जैसे NVivo या ATLAS.ti) का उपयोग करके

33. प्रवचन विश्लेषण के दीर्घकालिक लाभों में शामिल हैं:
a) यह समझना कि भाषा समाज और संस्कृति को कैसे प्रभावित करती है
b) भाषाई पैटर्न को सरल बनाना
c) सामाजिक जटिलताओं को कम करना
d) गुणात्मक शोध विधियों को समाप्त करना
उत्तर: a) यह समझना कि भाषा समाज और संस्कृति को कैसे प्रभावित करती है

34. गुणात्मक अनुसंधान में *प्रवचन* विश्लेषण क्यों प्रासंगिक है?
a) यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा गोपनीय बना रहे
b) प्रतिभागियों के योगदान की गहराई और गुणवत्ता को समझने के लिए
c) नैतिक दिशानिर्देशों का उपयोग करने से बचने के लिए
d) वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करने के लिए
उत्तर: b) प्रतिभागियों के योगदान की गहराई और गुणवत्ता को समझने के लिए

35. कौन सा शोध क्षेत्र अक्सर *प्रवचन* विश्लेषण का उपयोग करता है?
a) प्रायोगिक भौतिकी
b) गुणात्मक सामाजिक विज्ञान

c) संगणनात्मक जीव विज्ञान
d) मात्रात्मक वित्त
उत्तर: b) गुणात्मक सामाजिक विज्ञान

36. कथा विश्लेषण का प्राथमिक फोकस क्या है?
a) संख्यात्मक डेटा प्रवृत्तियाँ
b) कहानियों और उनके अर्थ को समझना
c) जेनेटिक कोडिंग पैटर्न
d) वित्तीय दस्तावेज़ों का मूल्यांकन
उत्तर: b) कहानियों और उनके अर्थ को समझना

37. कथा विश्लेषण को सबसे अच्छा कैसे परिभाषित किया जाता है?
a) संवाद में व्याकरणिक संरचनाओं का अध्ययन
b) यह जांचना कि कहानियाँ मानव अनुभव को कैसे आकार देती हैं और दर्शाती हैं
c) संवाद में सांख्यिकीय डेटा का विश्लेषण
d) कथा असंगतियों को ठीक करना
उत्तर: b) यह जांचना कि कहानियाँ मानव अनुभव को कैसे आकार देती हैं और दर्शाती हैं

38. कथा विश्लेषण में मुख्य विश्लेषण इकाई क्या है?
a) व्यक्तिगत शब्द
b) पूर्ण कहानियाँ या कथाएँ
c) ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन
d) वाक्य संरचनाएँ
उत्तर: b) पूर्ण कहानियाँ या कथाएँ

39. कथा विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) कहानी के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक आयामों का अध्ययन करना
b) ग्रंथों में शब्द उपयोग को मापना
c) कहानियों में टाइपोग्राफिकल त्रुटियों को संपादित करना
d) भाषाई संरचनाओं को सरल बनाना
उत्तर: a) कहानी के माध्यम से सांस्कृतिक और सामाजिक आयामों का अध्ययन करना

40. कथा विश्लेषण कहानियों को किस रूप में देखता है?
a) यादृच्छिक घटनाएँ
b) अनुभवों का संरचित और अर्थपूर्ण खाता
c) केवल काल्पनिक तत्व
d) सांस्कृतिक प्रभावों से स्वतंत्र
उत्तर: b) अनुभवों का संरचित और अर्थपूर्ण खाता

41. कथा विश्लेषण की एक प्रमुख धारणा क्या है?
a) कहानियाँ सामाजिक संदर्भों द्वारा निर्मित और आकारित होती हैं
b) कथाएँ ऐतिहासिक घटनाओं से स्वतंत्र हैं
c) सभी कहानियों का एक सार्वभौमिक अर्थ है
d) कहानियाँ केवल कल्पना में प्रासंगिक हैं
उत्तर: a) कहानियाँ सामाजिक संदर्भों द्वारा निर्मित और आकारित होती हैं

42. कथा विश्लेषण मानता है कि कहानियों में अर्थ:
a) संदर्भ-निर्भर और व्यक्तिपरक होता है
b) स्थिर और सार्वभौमिक होता है
c) कहानी कहने वाले से स्वतंत्र होता है
d) यादृच्छिक रूप से उत्पन्न होता है
उत्तर: a) संदर्भ-निर्भर और व्यक्तिपरक होता है

43. कथा विश्लेषण के साथ अक्सर कौन सी गुणात्मक विधि जोड़ी जाती है?
a) नृवंशविज्ञान फील्डवर्क
b) सांख्यिकीय मॉडलिंग
c) कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान
d) यादृच्छिक नमूना
उत्तर: a) नृवंशविज्ञान फील्डवर्क

44. कथा विश्लेषण में "कहानी" आमतौर पर क्या शामिल करती है?
a) घटनाओं का संरचित क्रम और अर्थ
b) वाक्यांशों का यादृच्छिक संग्रह
c) केवल तथ्यात्मक कथन
d) डेटा के सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व
उत्तर: a) घटनाओं का संरचित क्रम और अर्थ

45. कथा विश्लेषण का अक्सर उपयोग किया जाता है:
a) सामाजिक विज्ञान और मानविकी में
b) शुद्ध गणित में
c) आणविक जीवविज्ञान में
d) खगोल भौतिकी में
उत्तर: a) सामाजिक विज्ञान और मानविकी में

46. कथा विश्लेषण करने का पहला चरण क्या है?
a) कहानियों या नैरेटिव डेटा का संग्रह
b) सांख्यिकीय मॉडल बनाना
c) ऐतिहासिक संदर्भ को नज़रअंदाज करना
d) व्याकरण संबंधी त्रुटियों को संपादित करना
उत्तर: a) कहानियों या नैरेटिव डेटा का संग्रह

47. कथा विश्लेषण का कौन सा पहलू ध्यान केंद्रित नहीं करता है?
a) कहानी कहने में शक्ति की गतिशीलता को समझना
b) घटनाओं के अनुक्रम की जांच करना
c) नैरेटिव में आवाज़ के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण
d) कहानियों में विषयों और संरचनाओं की पहचान करना
उत्तर: c) नैरेटिव में आवाज़ के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण

48. थीमैटिक कथा विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) नैरेटिव में विषयों और पैटर्न को पहचानना
b) शब्द उपयोग को मापना
c) कहानी के संदर्भ को नज़रअंदाज करना
d) व्याकरण संबंधी त्रुटियों को हाइलाइट करना
उत्तर: a) नैरेटिव में विषयों और पैटर्न को पहचानना

49. संरचनात्मक कथा विश्लेषण का उद्देश्य क्या है?
a) यह विश्लेषण करना कि कहानियों का निर्माण और संगठन कैसे किया जाता है
b) प्रत्येक वाक्य की लंबाई की गणना करना
c) व्याकरणिक नियमों की जांच करना
d) गैर-मौखिक संवाद पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: a) यह विश्लेषण करना कि कहानियों का निर्माण और संगठन कैसे किया जाता है

50. कथा विश्लेषण की कौन सी धारणा सबसे अधिक महत्वपूर्ण है?
a) कहानियाँ मानव अनुभवों के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं
b) नैरेटिव केवल तथ्यात्मक विवरण होते हैं
c) कहानी कहने में भाषा और संदर्भ अप्रासंगिक हैं
d) कहानियाँ सांस्कृतिक महत्व से रहित होती हैं
उत्तर: a) कहानियाँ मानव अनुभवों के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं

51. कथा विश्लेषण में एक सामान्य रणनीति क्या है?
a) शोधकर्ता के पूर्वाग्रह को समझने के लिए रिफ्लेक्सिविटी का उपयोग करना
b) सांस्कृतिक संदर्भों से बचना
c) प्रतिभागी दृष्टिकोणों को अनदेखा करना
d) केवल संख्यात्मक डेटा पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: a) शोधकर्ता के पूर्वाग्रह को समझने के लिए रिफ्लेक्सिविटी का उपयोग करना

52. कथा विश्लेषण अक्सर किसकी खोज करता है?
a) कहानियों में शक्ति की गतिशीलता और पहचान का निर्माण
b) वाक्य संरचनाओं में संख्यात्मक प्रवृत्तियाँ
c) ध्वनि तरंगों के रासायनिक गुण
d) कहानी कहने में व्याकरणिक शुद्धता
उत्तर: a) कहानियों में शक्ति की गतिशीलता और पहचान का निर्माण

53. नैरेटिव को संदर्भित करना किसे दर्शाता है?

a) कहानियों को उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ढांचे में समझना
b) कहानी कहने वाले की पृष्ठभूमि को अनदेखा करना
c) केवल प्लॉट संरचना पर ध्यान केंद्रित करना
d) व्यक्तिगत व्याख्याओं से बचना
उत्तर: a) कहानियों को उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक ढांचे में समझना

54. कथा विश्लेषण में रिफ्लेक्सिविटी क्यों महत्वपूर्ण है?
a) व्याख्या पर शोधकर्ता के प्रभाव को पहचानने के लिए
b) सभी व्यक्तिपरक तत्वों को हटाने के लिए
c) सभी अध्ययनों में निष्कर्षों को मानकीकृत करने के लिए
d) मात्रात्मक डेटा को प्राथमिकता देने के लिए
उत्तर: a) व्याख्या पर शोधकर्ता के प्रभाव को पहचानने के लिए

55. कथा विश्लेषण में कौन सा चरण सबसे महत्वपूर्ण है?
a) कहानी में मुख्य विषयों और संबंधों की पहचान करना
b) संदर्भ और संस्कृति को नज़रअंदाज करना
c) केवल सांख्यिकीय उपकरणों का उपयोग करना
d) अलग-अलग शब्दों का विश्लेषण करना
उत्तर: a) कहानी में मुख्य विषयों और संबंधों की पहचान करना

56. कथा विश्लेषण में कथा सुसंगतता क्या है?
a) कहानी में तार्किक संगति और सार्थक संरचना
b) इस्तेमाल किए गए शब्दों की सांख्यिकीय सटीकता
c) वाक्यों की व्याकरणिक शुद्धता
d) कथा में अप्रासंगिक विवरण
उत्तर: a) कहानी में तार्किक संगति और सार्थक संरचना

57. कथा निष्ठा से तात्पर्य है:
a) कहानी की सत्यता और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ प्रतिध्वनि
b) कहानी में तथ्यात्मक कथनों की संख्या
c) कथा की व्याकरणिक सटीकता
d) कहानी की भाषा की जटिलता
उत्तर: a) कहानी की सत्यता और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ प्रतिध्वनि

58. कथा विश्लेषण नैतिक विचारों को कैसे संबोधित करता है?
a) प्रतिभागी की गोपनीयता और सूचित सहमति बनाए रखकर
b) सांस्कृतिक संदर्भों से बचकर
c) संवेदनशील विषयों को छोड़कर
d) सभी निष्कर्षों को गुमनाम करके
उत्तर: a) प्रतिभागी की गोपनीयता और सूचित सहमति बनाए रखकर

59. कथात्मक विश्लेषण में बड़े डेटासेट को प्रबंधित करने के लिए एक सामान्य उपकरण क्या है?
a) NVivo या ATLAS.ti सॉफ़्टवेयर
b) स्प्रेडशीट अनुप्रयोग
c) भौतिक फाइलिंग सिस्टम
d) वीडियो संपादन सॉफ़्टवेयर
उत्तर: a) NVivo या ATLAS.ti सॉफ़्टवेयर

60. मल्टीमॉडल कथात्मक विश्लेषण क्या है?
a) ऐसी कहानियों की जाँच करना जिनमें पाठ, चित्र, ऑडियो और अन्य मीडिया शामिल हों
b) केवल मौखिक संचार पर ध्यान केंद्रित करना
c) कहानियों के गैर-मौखिक तत्वों को अनदेखा करना
d) विश्लेषण को पाठ-आधारित कथाओं तक सीमित करना
उत्तर: a) ऐसी कहानियों की जाँच करना जिनमें पाठ, चित्र, ऑडियो और अन्य मीडिया शामिल हों

61. कथात्मक विश्लेषण का अक्सर किस क्षेत्र में उपयोग किया जाता है?
a) रोगी के अनुभवों को समझने के लिए स्वास्थ्य सेवा
b) एयरोस्पेस इंजीनियरिंग
c) क्वांटम भौतिकी
d) वित्तीय लेखा परीक्षा
उत्तर: a) रोगी के अनुभवों को समझने के लिए स्वास्थ्य सेवा

62. कथात्मक विश्लेषण में त्रिभुजाकारीकरण की क्या भूमिका है?
a) कई डेटा स्रोतों या विधियों का उपयोग करके निष्कर्षों को मान्य करना
b) जटिल कथाओं को सरल बनाना
c) व्यक्तिपरक व्याख्या को खत्म करना
d) शोध प्रक्रिया में रिफ्लेक्सिविटी से बचना
उत्तर: a) कई डेटा स्रोतों या विधियों का उपयोग करके निष्कर्षों को मान्य करना

63. कथात्मक विश्लेषण में कौन सी रणनीति विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है?
a) प्रतिभागियों के साथ सदस्य जाँच
b) प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया को अनदेखा करना
c) सहकर्मी समीक्षा से बचना
d) सभी कथा डेटा को मानकीकृत करना
उत्तर: a) प्रतिभागियों के साथ सदस्य जाँच

64. कथा वैधता निम्न द्वारा स्थापित की जा सकती है:
a) यह सुनिश्चित करना कि व्याख्या प्रतिभागियों के अनुभवों के साथ संरेखित हो
b) विरोधाभासी साक्ष्य को अनदेखा करना
c) केवल मात्रात्मक डेटा का उपयोग करना
d) शोधकर्ता की सजगता को बाहर करना
उत्तर: a) यह सुनिश्चित करना कि व्याख्या प्रतिभागियों के अनुभवों के साथ संरेखित हो

65. लंबी कथाओं का विश्लेषण करने की एक रणनीति है:
a) विस्तृत विश्लेषण के लिए कहानी को प्रबंधनीय इकाइयों में विभाजित करना
b) कम महत्वपूर्ण अनुभागों को छोड़ना
c) केवल शुरुआती और समापन भागों पर ध्यान केंद्रित करना
d) भावनात्मक सामग्री का विश्लेषण करने से बचना
उत्तर: a) विस्तृत विश्लेषण के लिए कहानी को प्रबंधनीय इकाइयों में विभाजित करना

66. कथा विश्लेषण कहानियों में विरोधाभासों को कैसे संभालता है?
a) यह पता लगाकर कि विरोधाभास कथा के अर्थ में कैसे योगदान करते हैं
b) विरोधाभासी कथाओं को त्यागकर
c) विसंगतियों को दूर करने के लिए कहानी को संशोधित करके
d) विरोधाभासों पर सुसंगतता को प्राथमिकता देकर
उत्तर: a) यह पता लगाकर कि विरोधाभास कथा के अर्थ में कैसे योगदान करते हैं

67. कथा विश्लेषण में शोधकर्ता-प्रतिभागी संबंध क्यों महत्वपूर्ण है?
a) यह प्रभावित करता है कि कहानी कैसे बताई जाती है और उसकी व्याख्या कैसे की जाती है
b) यह निष्कर्षों में पूर्ण निष्पक्षता सुनिश्चित करता है
c) यह सांस्कृतिक पूर्वाग्रहों को समाप्त करता है
d) यह शोधकर्ता को कथा को नियंत्रित करने की अनुमति देता है
उत्तर: a) यह प्रभावित करता है कि कहानी कैसे बताई जाती है और उसकी व्याख्या कैसे की जाती है

68. कथा विश्लेषण का निम्नलिखित में से कौन सा लाभ है?
a) व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभवों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना
b) सांस्कृतिक जटिलताओं को सरल बनाना

c) कहानियों में सभी व्यक्तिपरक तत्वों को समाप्त करना
d) केवल तथ्यात्मक जानकारी पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: a) व्यक्तिगत और सामूहिक अनुभवों में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना

69. कथा विश्लेषण का दीर्घकालिक लक्ष्य क्या है?
a) यह समझना कि कहानियाँ किस तरह संस्कृति और समाज को आकार देती हैं और उनके द्वारा आकार लेती हैं
b) गुणात्मक डेटा को मात्रात्मक परिणामों में बदलना
c) सभी आख्यानों में सार्वभौमिक पैटर्न की पहचान करना
d) प्रतिभागियों के अनुभवों पर शोधकर्ता के दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना
उत्तर: a) यह समझना कि कहानियाँ किस तरह संस्कृति और समाज को आकार देती हैं और उनके द्वारा आकार लेती हैं

70. कथा विश्लेषण नीति-निर्माण में किस तरह योगदान दे सकता है?
a) नीतिगत निर्णयों को सूचित करने वाले जीवित अनुभवों में अंतर्दृष्टि प्रदान करके
b) केवल सांख्यिकीय रुझानों पर ध्यान केंद्रित करके
c) शोधकर्ता पूर्वाग्रहों पर जोर देकर
d) हाशिए के समूहों से आख्यानों को बाहर करके
उत्तर: a) नीतिगत निर्णयों को सूचित करने वाले जीवित अनुभवों में अंतर्दृष्टि प्रदान करके

71. फोकस ग्रुप क्या है?
a) एक-से-एक इंटरव्यू
b) एक मॉडरेटर द्वारा निर्देशित समूह चर्चा
c) एक सर्वेक्षण आधारित शोध विधि
d) सांख्यिकीय डेटा संग्रह विधि
उत्तर: b) एक मॉडरेटर द्वारा निर्देशित समूह चर्चा

72. फोकस ग्रुप की मुख्य विशेषता क्या है?
a) बड़ा नमूना आकार
b) गहन समूह बातचीत
c) मात्रात्मक डेटा संग्रह
d) व्यक्तिगत प्रतिभागी विश्लेषण
उत्तर: b) गहन समूह बातचीत

73. फोकस ग्रुप में आमतौर पर कितने प्रतिभागी होते हैं?
a) 2-3
b) 6-12
c) 20-30
d) 50 से अधिक
उत्तर: b) 6-12

74. फोकस ग्रुप किस शोध कार्यप्रणाली का हिस्सा है?
a) मात्रात्मक अनुसंधान
b) गुणात्मक अनुसंधान
c) मिश्रित-पद्धति अनुसंधान
d) प्रायोगिक अनुसंधान
उत्तर: b) गुणात्मक अनुसंधान

75. फोकस ग्रुप का प्राथमिक फोकस क्या है?
a) सांख्यिकीय डेटा संग्रह
b) प्रतिभागियों के दृष्टिकोण और अनुभवों को समझना
c) परिकल्पना को सत्यापित करना
d) बड़े पैमाने पर विश्लेषण करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों के दृष्टिकोण और अनुभवों को समझना

76. फोकस ग्रुप का मुख्य उद्देश्य है:
a) संख्यात्मक डेटा संग्रह
b) विस्तृत गुणात्मक अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना
c) प्रायोगिक अनुसंधान करना
d) मौजूदा डेटा को सत्यापित करना
उत्तर: b) विस्तृत गुणात्मक अंतर्दृष्टि उत्पन्न करना

77. निम्नलिखित में से कौन सा फोकस ग्रुप का उद्देश्य नहीं है?
a) उपभोक्ता व्यवहार को समझना
b) नए विचारों और अवधारणाओं का पता लगाना
c) सांख्यिकीय प्रवृत्तियाँ उत्पन्न करना
d) उत्पादों या सेवाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना
उत्तर: c) सांख्यिकीय प्रवृत्तियाँ उत्पन्न करना

78. फोकस ग्रुप का उपयोग अक्सर किया जाता है:
a) बाजार अनुसंधान और उत्पाद विकास में
b) खगोल भौतिकी के अध्ययन में
c) गणितीय मॉडलिंग में
d) आणविक जीवविज्ञान में
उत्तर: a) बाजार अनुसंधान और उत्पाद विकास में

79. फोकस ग्रुप विशेष रूप से उपयोगी है जब:
a) शोध को संख्यात्मक सत्यापन की आवश्यकता हो
b) दृष्टिकोणों और धारणाओं की गहन खोज आवश्यक हो
c) शोध नमूना व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए बहुत बड़ा हो
d) सांख्यिकीय तुलनाएँ मुख्य ध्यान हो
उत्तर: b) दृष्टिकोणों और धारणाओं की गहन खोज आवश्यक हो

80. फोकस ग्रुप का एक लाभ है:
a) बड़ी मात्रा में मात्रात्मक डेटा उत्पन्न करना
b) समूह सहभागिता और चर्चा उत्पन्न करना
c) न्यूनतम मॉडरेशन की आवश्यकता
d) प्रतिभागियों की पूरी गोपनीयता सुनिश्चित करना
उत्तर: b) समूह सहभागिता और चर्चा उत्पन्न करना

81. फोकस ग्रुप में एक प्रमुख धारणा क्या है?
a) प्रतिभागियों की बातचीत व्यक्तिगत साक्षात्कार की तुलना में अधिक समृद्ध डेटा प्रदान कर सकती है
b) फोकस ग्रुप पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ हैं
c) मात्रात्मक विधियाँ गुणात्मक विधियों से बेहतर हैं
d) प्रतिभागी व्यक्तिगत राय साझा करने से बचते हैं
उत्तर: a) प्रतिभागियों की बातचीत व्यक्तिगत साक्षात्कार की तुलना में अधिक समृद्ध डेटा प्रदान कर सकती है

82. फोकस ग्रुप यह मानता है कि:
a) सभी प्रतिभागियों के समान अनुभव होते हैं
b) समूह गतिकी प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करती है
c) मात्रात्मक डेटा प्राथमिक परिणाम है
d) मॉडरेटर चर्चा पर न्यूनतम प्रभाव डालता है
उत्तर: b) समूह गतिकी प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करती है

83. फोकस ग्रुप सबसे प्रभावी होते हैं जब:
a) प्रतिभागियों की समान रुचि या पृष्ठभूमि हो
b) प्रतिभागी बड़े जनसंख्या समूह से यादृच्छिक रूप से चुने गए हों
c) चर्चा केवल तथ्यात्मक प्रश्नों पर केंद्रित हो
d) नमूना आकार 20 व्यक्तियों से अधिक हो
उत्तर: a) प्रतिभागियों की समान रुचि या पृष्ठभूमि हो

84. प्रतिभागियों की बातचीत सामूहिक अंतर्दृष्टि तक पहुँचाने की धारणा को क्या कहा जाता है?
a) समूह सोच (Groupthink)
b) समन्वित सहभागिता (Synergistic Interaction)
c) सांख्यिकीय त्रिभुजकरण (Statistical Triangulation)
d) प्रायोगिक सत्यापन (Experimental Validation)

उत्तर: b) समन्वित सहभागिता (Synergistic Interaction)

85. फोकस ग्रुप को डिज़ाइन किया गया है:
a) समूह सहमति और राय की विविधता को कैप्चर करने के लिए
b) केवल सांख्यिकीय डेटा कैप्चर करने के लिए
c) व्यवहार संबंधी भविष्यवाणी पैटर्न के लिए
d) वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए
उत्तर: a) समूह सहमति और राय की विविधता को कैप्चर करने के लिए

86. फ़ोकस समूह आयोजित करने में पहला कदम क्या है?
a) प्रतिभागियों का चयन करना
b) शोध उद्देश्यों को परिभाषित करना
c) समूह चर्चा आयोजित करना
d) डेटा का विश्लेषण करना
उत्तर: b) शोध उद्देश्यों को परिभाषित करना

87. फ़ोकस समूह में मॉडरेटर की भूमिका है:
a) प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना
b) चर्चा को सुविधाजनक बनाना और बातचीत का मार्गदर्शन करना
c) प्रतिभागियों से संख्यात्मक डेटा एकत्र करना
d) प्रतिभागियों के साथ उलझने से बचना
उत्तर: b) चर्चा को सुविधाजनक बनाना और बातचीत का मार्गदर्शन करना

88. सफल फ़ोकस समूह चर्चा के लिए निम्नलिखित में से कौन सा महत्वपूर्ण है?
a) स्पष्ट और खुले-अंत वाले प्रश्न
b) बंद-अंत वाले और बाइनरी प्रश्न
c) बिना किसी लचीलेपन वाली सख्त स्क्रिप्ट
d) बड़े और विविध प्रतिभागी समूह
उत्तर: a) स्पष्ट और खुले-अंत वाले प्रश्न

89. फ़ोकस समूह चर्चाओं को आम तौर पर कैसे रिकॉर्ड किया जाता है?
a) वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग, प्रतिभागी की सहमति से
b) केवल हस्तलिखित नोट्स
c) सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर
d) स्वचालित सर्वेक्षणों के माध्यम से
उत्तर: a) वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग, प्रतिभागी की सहमति से

90. फ़ोकस समूह अनुसंधान में अंतिम चरण क्या है?
a) समूह चर्चा आयोजित करना
b) एकत्रित डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना
c) प्रतिभागियों का चयन करना
d) अनुवर्ती साक्षात्कार के लिए पूछना
उत्तर: b) एकत्रित डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करना

91. फ़ोकस समूहों में समूह जुड़ाव बनाए रखने के लिए एक सामान्य रणनीति क्या है?
a) खुली भागीदारी को प्रोत्साहित करना और सभी दृष्टिकोणों का सम्मान करना
b) केवल तथ्यात्मक प्रश्न पूछना
c) प्रतिभागियों की बातचीत से बचना
d) केवल मॉडरेटर इनपुट पर निर्भर रहना
उत्तर: a) खुली भागीदारी को प्रोत्साहित करना और सभी दृष्टिकोणों का सम्मान करना

92. कौन सी रणनीति फ़ोकस समूह की प्रभावशीलता सुनिश्चित करती है?
a) चर्चा के लिए सुरक्षित और आरामदायक माहौल स्थापित करना
b) आधिकारिक लगने के लिए तकनीकी शब्दावली का उपयोग करना
c) चर्चा को एक प्रतिभागी तक सीमित रखना
d) प्रतिभागियों के बीच किसी भी तरह की बातचीत से बचना
उत्तर: a) चर्चा के लिए सुरक्षित और आरामदायक माहौल स्थापित करना

93. डेटा त्रिकोणीकरण के लिए फ़ोकस समूहों को किस अन्य विधि के साथ जोड़ा जा सकता है?
a) सर्वेक्षण या गहन साक्षात्कार
b) यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
c) प्रायोगिक डिज़ाइन
d) मात्रात्मक प्रतिगमन
उत्तर: a) सर्वेक्षण या गहन साक्षात्कार

94. एक मॉडरेटर को प्रमुख प्रतिभागियों को कैसे संभालना चाहिए?
a) उन्हें चर्चा का नेतृत्व करने दें
b) विनम्रतापूर्वक बातचीत को अन्य प्रतिभागियों की ओर पुनर्निर्देशित करें
c) उनके इनपुट को अनदेखा करें
d) उन्हें भविष्य के फ़ोकस समूहों में शामिल करने से बचें
उत्तर: b) विनम्रतापूर्वक बातचीत को अन्य प्रतिभागियों की ओर पुनर्निर्देशित करें

95. फ़ोकस समूह संवेदनशील विषयों को कैसे संबोधित कर सकते हैं?
a) गुमनामी सुनिश्चित करना और सुरक्षित माहौल बनाना
b) प्रतिभागियों को व्यक्तिगत विवरण साझा करने के लिए मजबूर करना
c) विषय को पूरी तरह से टालना
d) केवल लिखित सर्वेक्षणों का उपयोग करना
उत्तर: a) गुमनामी सुनिश्चित करना और सुरक्षित माहौल बनाना

96. फ़ोकस समूहों का आमतौर पर उपयोग किया जाता है:
a) सामाजिक विज्ञान और बाज़ार अनुसंधान
b) उच्च-ऊर्जा भौतिकी प्रयोग
c) खगोलीय अवलोकन
d) शुद्ध गणित
उत्तर: a) सामाजिक विज्ञान और बाज़ार अनुसंधान

97. फ़ोकस समूह शोधकर्ताओं की मदद करते हैं:
a) प्रतिभागियों के अनुभवों और दृष्टिकोणों को समझना
b) संख्यात्मक परिशुद्धता के साथ भविष्य के बाज़ार के रुझानों की भविष्यवाणी करना
c) नियंत्रित प्रयोगशाला प्रयोगों को डिज़ाइन करना
d) समूह इंटरैक्शन से बचना
उत्तर: a) प्रतिभागियों के अनुभवों और दृष्टिकोणों को समझना

98. निम्नलिखित में से कौन फ़ोकस समूहों की सीमा है?
a) समूह-विचार या प्रमुख प्रतिभागियों की संभावना
b) कोई भी सार्थक डेटा एकत्र करने में असमर्थता
c) गुणात्मक अंतर्दृष्टि की कमी
d) सांख्यिकीय सटीकता पर अत्यधिक ध्यान
उत्तर: a) समूह-विचार या प्रमुख प्रतिभागियों की संभावना

99. फ़ोकस समूहों का एक प्रमुख लाभ है:
a) समृद्ध और विविध गुणात्मक डेटा प्रदान करना
b) बड़े नमूना आकारों की गारंटी देना
c) पूरी तरह से निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित करना
d) आगे के शोध की आवश्यकता को समाप्त करना
उत्तर: a) समृद्ध और विविध गुणात्मक डेटा प्रदान करना

100. गुणात्मक शोध में फ़ोकस समूहों को क्या विशिष्ट बनाता है?
a) समूह की गतिशीलता और इंटरैक्टिव चर्चाएँ
b) मानकीकृत डेटा संग्रह
c) कठोर रूप से संरचित साक्षात्कार
d) संख्यात्मक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: a) समूह की गतिशीलता और इंटरैक्टिव चर्चाएँ

****

इकाई: V

इकाई: V	*नैतिकता और गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान; सिद्धांत, मुद्दे, दिशानिर्देश और प्रश्न; गुणात्मक अनुसंधान की रिपोर्टिंग।*

5. गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान और नैतिकता: प्रमुख मुद्दे, दिशानिर्देश, और रिपोर्टिंग

गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान मानव अनुभवों, भावनाओं और व्यवहारों को गहराई से समझने के लिए एक समृद्ध दृष्टिकोण प्रदान करता है। इसमें साक्षात्कार, फोकस समूह और अवलोकन जैसी विधियों पर निर्भरता के कारण नैतिक विचार अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। शोधकर्ताओं को जटिल मुद्दों को संभालना होता है ताकि उनके काम की अखंडता और प्रतिभागियों की भलाई सुनिश्चित हो सके। यह निबंध गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता के विभिन्न पहलुओं का पता लगाता है, जिसमें प्रमुख मुद्दे, दिशानिर्देश और रिपोर्टिंग पद्धतियाँ शामिल हैं।

5.1. गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में प्रमुख नैतिक मुद्दे

1. सूचित सहमति (Informed Consent)
सूचित सहमति यह सुनिश्चित करती है कि प्रतिभागी शोध के उद्देश्य, प्रक्रिया, संभावित जोखिम और लाभों को पूरी तरह समझने के बाद स्वेच्छा से भाग लें। हालांकि, गुणात्मक अनुसंधान में अक्सर बदलती कार्यप्रणालियाँ शामिल होती हैं, जिससे सभी संभावित परिणामों का पूर्वानुमान लगाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

- **चुनौतियाँ**:
  - दीर्घकालिक अध्ययनों में प्रतिभागी यह अनुमान नहीं लगा पाते कि संवेदनशील जानकारी साझा करने के क्या परिणाम हो सकते हैं।
  - शोधकर्ताओं और प्रतिभागियों के बीच शक्ति असंतुलन सहमति को प्रभावित कर सकता है।
- **समाधान**:
  - सतत सहमति प्रक्रिया अपनाएँ और प्रतिभागियों से नियमित रूप से पुष्टि प्राप्त करें।
  - प्रतिभागियों की सांस्कृतिक और शैक्षणिक पृष्ठभूमि के अनुसार जानकारी को सरल और स्पष्ट रूप में प्रस्तुत करें।

2. गोपनीयता और गुमनामी (Confidentiality and Anonymity)
प्रतिभागियों की पहचान की सुरक्षा नैतिक शोध का आधार है। गुणात्मक डेटा में अक्सर विस्तृत जानकारी होती है, जिससे प्रतिभागियों की पहचान का जोखिम बढ़ जाता है।

- **चुनौतियाँ**:
  - छोटे या विशिष्ट समूहों में गुमनामी बनाए रखना कठिन हो सकता है।
  - संवेदनशील डेटा का डिजिटल संग्रहण साइबर सुरक्षा जोखिम बढ़ाता है।
- **समाधान**:
  - प्रतिलेखन के दौरान छद्म नाम (pseudonyms) का उपयोग करें और पहचान योग्य विवरण हटाएँ।

- सुरक्षित संग्रहण प्रणाली का उपयोग करें और डेटा तक पहुँच केवल अधिकृत व्यक्तियों तक सीमित रखें।

3. भावनात्मक जोखिम और संवेदनशीलता (Emotional Risk and Vulnerability)
व्यक्तिगत अनुभवों पर चर्चा करना प्रतिभागियों के लिए भावनात्मक संकट का कारण बन सकता है। विशेष रूप से आघात, मानसिक स्वास्थ्य, या भेदभाव जैसे संवेदनशील विषयों पर अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता होती है।

- चुनौतियाँ:
  - प्रतिभागी साक्षात्कार के दौरान दर्दनाक घटनाओं को दोबारा अनुभव कर सकते हैं।
  - शोधकर्ता गहन प्रश्न पूछकर अनजाने में संकट उत्पन्न कर सकते हैं।
- समाधान:
  - मनोवैज्ञानिक सहायता संसाधन उपलब्ध कराएँ।
  - शोधकर्ताओं को आघात-संवेदनशील साक्षात्कार तकनीकों में प्रशिक्षित करें।

4. शक्ति असंतुलन (Power Imbalances)
शोधकर्ताओं और प्रतिभागियों के बीच शक्ति असंतुलन प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है और डेटा की प्रामाणिकता पर असर डाल सकता है।

- चुनौतियाँ:
  - प्रतिभागी शोधकर्ताओं को खुश करने का दबाव महसूस कर सकते हैं।
  - सांस्कृतिक भिन्नताएँ शक्ति असमानताओं को बढ़ा सकती हैं।
- समाधान:
  - सहयोगी शोध वातावरण बनाएँ।
  - सहभागी विधियों (participatory methods) का उपयोग करें, जहाँ प्रतिभागी शोध प्रक्रिया को आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

5. अवलोकन में नैतिक दुविधाएँ (Ethical Dilemmas in Observation)
प्राकृतिक सेटिंग्स में अवलोकन करने से गोपनीयता और सहमति से जुड़े प्रश्न उत्पन्न होते हैं।

- चुनौतियाँ:
  - सार्वजनिक स्थानों में सभी व्यक्तियों से सहमति प्राप्त करना व्यावहारिक नहीं हो सकता।
  - अवलोकित व्यक्ति अपनी गोपनीयता भंग महसूस कर सकते हैं।
- समाधान:
  - अप्रत्याशित (unobtrusive) अवलोकन को प्राथमिकता दें।
  - स्पष्ट सहमति के बिना पहचान योग्य जानकारी एकत्र करने से बचें।

5.2. गुणात्मक शोध में नैतिक दिशानिर्देश

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (APA), ब्रिटिश साइकोलॉजिकल सोसायटी (BPS), और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) जैसे संगठनों ने गुणात्मक शोध के लिए नैतिक रूपरेखाएँ प्रदान की हैं। ये दिशानिर्देश सम्मान, कल्याण, और न्याय जैसे सिद्धांतों पर जोर देते हैं।

1. प्रतिभागियों का सम्मान (Respect for Participants)

- प्रतिभागियों को स्वायत्त व्यक्ति के रूप में देखें, जिनके पास अपने भागीदारी संबंधी निर्णय लेने का अधिकार है।
- सांस्कृतिक, सामाजिक, और व्यक्तिगत विविधता को स्वीकार करें।

2. कल्याण और अहित न करना (Beneficence and Nonmaleficence)

- लाभों को अधिकतम करें और नुकसान को न्यूनतम करें।
- संभावित जोखिमों का अनुमान लगाएँ और उन्हें सक्रिय रूप से संबोधित करें।

3. न्याय (Justice)

- प्रतिभागियों का निष्पक्ष चयन और उपचार सुनिश्चित करें।
- कमजोर आबादी का शोषण न करें।

4. पारदर्शिता और ईमानदारी (Transparency and Honesty)

- शोध के उद्देश्य, विधियों और सीमाओं को स्पष्ट रूप से संवाद करें।
- धोखे से बचें, जब तक कि यह पूरी तरह से आवश्यक और उचित न हो।

5. डेटा की अखंडता और सुरक्षा (Data Integrity and Security)

- डेटा उल्लंघनों को रोकने के लिए मजबूत संग्रहण और एन्क्रिप्शन विधियों का उपयोग करें।
- स्पष्ट डेटा-साझाकरण प्रोटोकॉल स्थापित करें।

5.3. गुणात्मक मनोवैज्ञानिक शोध में नैतिक प्रश्न

1. प्रतिभागियों की गोपनीयता कैसे बनाए रखी जाएगी?

→ शोधकर्ताओं को डेटा को गुमनाम और सुरक्षित रखने के तरीकों का विवरण देना चाहिए।

2. संभावित जोखिम क्या हैं, और उन्हें कैसे कम किया जाएगा?

→ भावनात्मक, सामाजिक, या शारीरिक जोखिमों की आशंका से प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

3. सांस्कृतिक और संदर्भगत कारकों को कैसे संबोधित किया जाएगा?

→ नैतिक शोध प्रतिभागियों के सांस्कृतिक मानदंडों और मूल्यों का सम्मान करता है।

4. प्रतिभागियों की स्वायत्तता का सम्मान कैसे किया जाएगा?

→ सूचित सहमति प्रक्रिया प्रतिभागियों को स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाती है।

5. नैतिक उल्लंघनों को संबोधित करने के लिए क्या तंत्र मौजूद हैं?

→ शोधकर्ताओं को नैतिक दुविधाओं को हल करने के लिए आकस्मिक योजनाएँ होनी चाहिए।

5.4. गुणात्मक अनुसंधान की रिपोर्टिंग

गुणात्मक अनुसंधान की रिपोर्टिंग में निष्कर्षों को पारदर्शी तरीके से प्रस्तुत करना शामिल है, जबकि नैतिक मानकों को बनाए रखना भी आवश्यक है। इसमें विधियों का विवरण देना, सीमाओं को स्वीकार करना और प्रतिभागियों की आवाज़ों का प्रामाणिक रूप से प्रतिनिधित्व करना शामिल है।

1. कार्यप्रणाली में पारदर्शिता (Transparency in Methodology)

नैतिक रिपोर्टिंग में अनुसंधान प्रक्रिया का विस्तृत विवरण शामिल है:

- डेटा संग्रह: यह बताना कि प्रतिभागियों को कैसे शामिल किया गया और डेटा कैसे एकत्र किया गया।
- विश्लेषण: उपयोग की गई विश्लेषणात्मक रूपरेखाओं और तकनीकों का विवरण।
- प्रतिवर्तनशीलता (Reflexivity): शोधकर्ता की भूमिका और संभावित पूर्वाग्रहों पर चिंतन।

2. प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व (Participant Representation)

नैतिक रिपोर्टिंग प्रतिभागियों के दृष्टिकोण के सटीक और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व पर जोर देती है।

- प्रत्यक्ष उद्धरण: प्रतिभागियों के शब्दों का उपयोग करके निष्कर्षों को चित्रित करें और गुमनामी सुनिश्चित करें।
- संदर्भीकरण: प्रतिभागियों के बयानों की गलत व्याख्या से बचने के लिए संदर्भ प्रदान करें।

3. सीमाओं को स्वीकार करना (Acknowledging Limitations)

कोई भी शोध त्रुटिहीन नहीं होता। पारदर्शी रिपोर्टिंग में शामिल हैं:

- कार्यप्रणालीगत बाधाएँ: छोटी नमूना आकार या शोधकर्ता पूर्वाग्रह जैसी सीमाओं को स्वीकार करें।
- स्थानांतरणीयता: यह बताना कि क्या निष्कर्ष व्यापक संदर्भों पर लागू हो सकते हैं।

4. नैतिक स्वीकृति (Ethical Acknowledgments)

शोधकर्ताओं को स्पष्ट रूप से यह संबोधित करना चाहिए कि अध्ययन के दौरान नैतिक सिद्धांतों का कैसे पालन किया गया।

- सहमति प्रक्रियाएँ: यह बताना कि सूचित सहमति कैसे प्राप्त और बनाए रखी गई।
- जोखिम न्यूनीकरण: नुकसान को कम करने के लिए उठाए गए कदमों का वर्णन।

5. निष्कर्षों का प्रसार (Dissemination of Findings)

नैतिक प्रसार में परिणामों को सुलभ और उपयुक्त प्रारूपों में साझा करना शामिल है:

- शैक्षणिक दर्शक: पद्धतिगत कठोरता के साथ सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें।
- समुदाय हितधारक: प्रतिभागियों और प्रासंगिक समुदायों के साथ निष्कर्ष साझा करें।

गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता प्रतिभागियों की भलाई और निष्कर्षों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। सूचित सहमति, गोपनीयता, और भावनात्मक जोखिम जैसे प्रमुख मुद्दों को संबोधित करके शोधकर्ता नैतिक मानकों का पालन करते हैं। एपीए जैसे संगठनों द्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देश एक मजबूत रूपरेखा प्रदान करते हैं, जबकि नैतिक रिपोर्टिंग प्रतिभागियों की आवाज़ों को ईमानदारी से प्रस्तुत करने को सुनिश्चित करती है। जैसे-जैसे गुणात्मक अनुसंधान विकसित होता है, इसकी जटिलताओं को जिम्मेदारी से नेविगेट करने के लिए सतर्कता आवश्यक है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?
a) सांख्यिकीय सटीकता में सुधार करना
b) प्रतिभागियों के कल्याण और अधिकार सुनिश्चित करना
c) शोधकर्ता पूर्वाग्रह को समाप्त करना
d) मात्रात्मक निष्कर्षों को मान्य करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों के कल्याण और अधिकार सुनिश्चित करना

2. गुणात्मक अनुसंधान में सूचित सहमति मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करती है कि:
a) प्रतिभागियों को वित्तीय रूप से मुआवजा दिया जाए
b) प्रतिभागी अध्ययन की पूरी जानकारी के साथ भाग लेने के लिए सहमत हों
c) शोधकर्ता प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करें
d) शोध परिणाम गोपनीय रहें
उत्तर: b) प्रतिभागी अध्ययन की पूरी जानकारी के साथ भाग लेने के लिए सहमत हों

3. मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में एक मौलिक नैतिक सिद्धांत क्या है?
a) न्याय
b) लाभप्रदता
c) विपणन
d) लागत में कमी
उत्तर: a) न्याय

4. गुणात्मक अनुसंधान में प्रतिभागी गोपनीयता क्यों महत्वपूर्ण है?
a) डेटा की मात्रा बढ़ाने के लिए
b) प्रतिभागियों की व्यक्तिगत जानकारी और पहचान की रक्षा करने के लिए
c) डेटा विश्लेषण को सरल बनाने के लिए
d) एकरूप प्रतिक्रियाएँ सुनिश्चित करने के लिए
उत्तर: b) प्रतिभागियों की व्यक्तिगत जानकारी और पहचान की रक्षा करने के लिए

5. कौन सा दस्तावेज मानव प्रतिभागियों को शामिल करने वाले अनुसंधान के लिए वैश्विक नैतिक दिशा-निर्देश प्रदान करता है?
a) हेलसिंकी घोषणा
b) गुटेनबर्ग संधि
c) पेरिस सम्मेलन
d) कैम्ब्रिज समझौता
उत्तर: a) हेलसिंकी घोषणा

6. गुणात्मक अनुसंधान में परावर्तन (Reflexivity) का क्या अर्थ है?
a) सांख्यिकीय त्रुटियों को कम करना
b) शोधकर्ताओं का अपने पूर्वाग्रह और प्रभाव का परीक्षण करना
c) उच्च संख्यात्मक सटीकता सुनिश्चित करना
d) अनुसंधान प्रश्नों का मानकीकरण करना
उत्तर: b) शोधकर्ताओं का अपने पूर्वाग्रह और प्रभाव का परीक्षण करना

7. नैतिक अनुसंधान में परोपकारिता (Beneficence) का क्या अर्थ है?
a) यह सुनिश्चित करना कि शोध लागत प्रभावी हो
b) प्रतिभागियों को लाभ अधिकतम करना और हानि न्यूनतम करना
c) शोधकर्ता की सुविधा को प्राथमिकता देना
d) नैतिक अनुमोदन से बचना
उत्तर: b) प्रतिभागियों को लाभ अधिकतम करना और हानि न्यूनतम करना

8. अनुसंधान नैतिकता में अहिंसा (Nonmaleficence) क्या बल देती है?
a) प्रतिभागियों को हानि से बचाना

b) वित्तीय लाभ सुनिश्चित करना
c) प्रतिभागी प्रतिक्रिया को बाहर करना
d) अनुसंधान प्रश्नों को सरल बनाना
उत्तर: a) प्रतिभागियों को हानि से बचाना

9. शोध नैतिकता में न्याय यह सुनिश्चित करता है:
a) सभी प्रतिभागियों के लिए समान उपचार और पहुंच
b) केवल विशेषाधिकार प्राप्त समूहों को शामिल करना
c) वित्तीय प्रोत्साहनों को प्राथमिकता देना
d) केवल सकारात्मक परिणाम प्रकाशित करना
उत्तर: a) सभी प्रतिभागियों के लिए समान उपचार और पहुंच

10. संवेदनशील विषयों से उत्पन्न भावनात्मक तनाव को संबोधित करने के लिए नैतिक दृष्टिकोण क्या है?
a) प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को अनदेखा करना
b) मानसिक स्वास्थ्य संसाधन और सहायता प्रदान करना
c) सभी संवेदनशील विषयों से बचना
d) प्रतिभागी प्रतिक्रियाओं को संपादित करना
उत्तर: b) मानसिक स्वास्थ्य संसाधन और सहायता प्रदान करना

11. गुणात्मक नैतिकता की एक धारणा है:
a) सभी कथाओं का समान मान होना चाहिए
b) प्रतिभागी स्वायत्त हैं और उन्हें वापस लेने का अधिकार है
c) सांख्यिकीय विश्लेषण नैतिक मानक निर्धारित करता है
d) सांस्कृतिक संदर्भ अप्रासंगिक है
उत्तर: b) प्रतिभागी स्वायत्त हैं और उन्हें वापस लेने का अधिकार है

12. अनुसंधान नैतिकता में सांस्कृतिक संवेदनशीलता का अर्थ है:
a) सांस्कृतिक मतभेदों को अनदेखा करना
b) प्रतिभागियों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का सम्मान करते हुए अनुसंधान पद्धतियों को अनुकूलित करना
c) एक संस्कृति को दूसरों पर प्राथमिकता देना
d) विश्लेषण से सांस्कृतिक संदर्भ को हटाना
उत्तर: b) प्रतिभागियों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का सम्मान करते हुए अनुसंधान पद्धतियों को अनुकूलित करना

13. गुणात्मक अनुसंधान में कौन सी नैतिक धारणा महत्वपूर्ण है?
a) डेटा विश्लेषण हमेशा मात्रात्मक होना चाहिए
b) शोधकर्ता का दृष्टिकोण हमेशा सही होता है
c) प्रतिभागियों के दृष्टिकोण उनके अनुभवों को समझने के लिए केंद्रीय हैं
d) डेटा को प्रकाशन के बाद गुमनाम किया जाना चाहिए
उत्तर: c) प्रतिभागियों के दृष्टिकोण उनके अनुभवों को समझने के लिए केंद्रीय हैं

14. सूचित सहमति में शोधकर्ताओं को क्या प्रदान करना चाहिए?
a) अन्य प्रतिभागियों के बारे में विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी
b) अध्ययन का उद्देश्य, जोखिम और लाभ के बारे में स्पष्ट जानकारी
c) सभी प्रतिभागियों के लिए वित्तीय मुआवजा
d) अध्ययन के त्वरित परिणाम
उत्तर: b) अध्ययन का उद्देश्य, जोखिम और लाभ के बारे में स्पष्ट जानकारी

15. नैतिक दिशा-निर्देश शोधकर्ताओं से क्या अपेक्षा करते हैं?
a) अपनी सुविधा को प्राथमिकता देना
b) प्रतिभागियों की स्वायत्तता और गोपनीयता का सम्मान करना
c) केवल अनुकूल निष्कर्ष प्रकाशित करना
d) केवल मात्रात्मक विधियों का उपयोग करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों की स्वायत्तता और गोपनीयता का सम्मान करना

16. शोधकर्ताओं को नैतिक अनुमोदन कब प्राप्त करना चाहिए?
a) केवल अल्पवयस्कों को शामिल करने वाले अध्ययनों के लिए
b) किसी भी अध्ययन को शुरू करने से पहले
c) केवल डेटा एकत्र करने के बाद
d) केवल मात्रात्मक अध्ययनों के लिए
उत्तर: b) किसी भी अध्ययन को शुरू करने से पहले

17. नैतिकता में "सहमति" का क्या अर्थ है?
a) प्रतिभागियों को बिना पूछे शोध में शामिल करना
b) प्रतिभागियों से स्पष्ट और सूचित अनुमति प्राप्त करना
c) प्रतिभागियों पर निर्णय थोपना
d) केवल नाबालिगों को शोध में शामिल करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों से स्पष्ट और सूचित अनुमति प्राप्त करना

18. अनुसंधान में प्रतिभागियों की गोपनीयता बनाए रखने का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करना
b) प्रतिभागियों की पहचान और जानकारी की सुरक्षा
c) डेटा को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना
d) अनावश्यक डेटा संग्रह से बचना
उत्तर: b) प्रतिभागियों की पहचान और जानकारी की सुरक्षा

19. कौन सा नैतिक सिद्धांत "कोई नुकसान न पहुंचाना" को संदर्भित करता है?
a) स्वायत्तता
b) न्याय
c) अहिंसा
d) जिम्मेदारी
उत्तर: c) अहिंसा

20. "न्याय" का नैतिक सिद्धांत शोध में किसका समर्थन करता है?
a) सभी प्रतिभागियों के साथ समान व्यवहार करना
b) केवल उच्च वर्ग के लोगों का चयन करना
c) शोध के परिणाम छिपाना
d) केवल पुरुषों पर शोध करना
उत्तर: a) सभी प्रतिभागियों के साथ समान व्यवहार करना

21. शोध में "पारदर्शिता" का क्या मतलब है?
a) शोध प्रक्रिया को गुप्त रखना
b) शोध के उद्देश्यों और विधियों के बारे में प्रतिभागियों को स्पष्ट जानकारी देना
c) शोध के दौरान डेटा छिपाना
d) प्रतिभागियों को झूठी जानकारी प्रदान करना
उत्तर: b) शोध के उद्देश्यों और विधियों के बारे में प्रतिभागियों को स्पष्ट जानकारी देना

22. गुणात्मक अनुसंधान में "सांस्कृतिक संवेदनशीलता" का महत्व क्या है?
a) स्थानीय सांस्कृतिक प्रथाओं को नजरअंदाज करना
b) प्रतिभागियों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का सम्मान करना
c) सभी प्रतिभागियों को एक जैसा मानना
d) केवल पश्चिमी मानकों का पालन करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का सम्मान करना

23. जब प्रतिभागी शोध के बीच में भाग लेना छोड़ना चाहते हैं, तो उन्हें क्या अधिकार है?
a) शोध में बने रहने की बाध्यता
b) बिना किसी दंड के शोध छोड़ने का अधिकार
c) अपने डेटा को सार्वजनिक करने का अनुरोध करना
d) शोधकर्ता पर मुकदमा करना
उत्तर: b) बिना किसी दंड के शोध छोड़ने का अधिकार

24. प्रतिभागियों से असत्य जानकारी प्रदान करके डेटा इकट्ठा करना किस नैतिक मुद्दे का उल्लंघन करता है?
a) गोपनीयता
b) सत्यनिष्ठा
c) न्याय
d) सांस्कृतिक संवेदनशीलता
उत्तर: b) सत्यनिष्ठा

25. जब प्रतिभागी कमजोर समूहों से आते हैं (जैसे बच्चे या विकलांग व्यक्ति), तो शोधकर्ताओं को क्या सुनिश्चित करना चाहिए?
a) उनकी सहमति को नजरअंदाज करना
b) उनके अधिकारों और सुरक्षा को प्राथमिकता देना
c) उनके परिवार को शामिल न करना
d) अधिक डेटा संग्रह करना
उत्तर: b) उनके अधिकारों और सुरक्षा को प्राथमिकता देना

26. अनुसंधान में डेटा गोपनीयता बनाए रखने के लिए सबसे अच्छा तरीका क्या है?
a) डेटा को पासवर्ड से सुरक्षित करना और अनाम बनाना
b) डेटा को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करना
c) डेटा को प्रतिभागियों के नाम के साथ संग्रहीत करना
d) डेटा को किसी को भी साझा करना
उत्तर: a) डेटा को पासवर्ड से सुरक्षित करना और अनाम बनाना

27. अनुसंधान में "सहमति फॉर्म" का उद्देश्य क्या है?
a) प्रतिभागियों को समझने में भ्रमित करना
b) प्रतिभागियों को उनके अधिकारों और शोध के उद्देश्य के बारे में सूचित करना
c) शोध प्रक्रिया को गुप्त रखना
d) शोध के परिणामों को नियंत्रित करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों को उनके अधिकारों और शोध के उद्देश्य के बारे में सूचित करना

28. शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों की प्रतिक्रियाओं को कैसे रिकॉर्ड करना चाहिए?
a) बिना सहमति के रिकॉर्डिंग करना
b) प्रतिभागियों की अनुमति और उनकी गोपनीयता बनाए रखते हुए
c) रिकॉर्डिंग के बिना अनुसंधान करना
d) केवल लिखित डेटा इकट्ठा करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों की अनुमति और उनकी गोपनीयता बनाए रखते हुए

29. अनुसंधान में "मूल्यांकन की निष्पक्षता" का क्या महत्व है?
a) शोधकर्ता की व्यक्तिगत राय को प्राथमिकता देना
b) निष्पक्ष रूप से डेटा का विश्लेषण करना
c) केवल सकारात्मक परिणामों को प्रकाशित करना
d) प्रतिभागियों के विचारों को अनदेखा करना
उत्तर: b) निष्पक्ष रूप से डेटा का विश्लेषण करना

30. अनुसंधान में "नैतिक समीक्षा बोर्ड" का कार्य क्या है?
a) शोध को रोकना
b) नैतिक मानकों के अनुपालन की निगरानी करना
c) शोध प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना
d) प्रतिभागियों को नियंत्रित करना
उत्तर: b) नैतिक मानकों के अनुपालन की निगरानी करना

31. शोधकर्ता को प्रतिभागियों से झूठ बोलने से बचने के लिए क्या करना चाहिए?
a) केवल झूठी जानकारी प्रदान करना
b) सत्य और पारदर्शी तरीके से अनुसंधान करना
c) प्रतिभागियों को गुमराह करना
d) शोध के परिणाम छिपाना
उत्तर: b) सत्य और पारदर्शी तरीके से अनुसंधान करना

32. यदि अनुसंधान के दौरान कोई अप्रत्याशित जोखिम सामने आता है, तो शोधकर्ता को क्या करना चाहिए?
a) इसे अनदेखा करना
b) तुरंत प्रतिभागियों को सूचित करना और उचित कदम उठाना
c) शोध जारी रखना
d) जोखिमों को छिपाना
उत्तर: b) तुरंत प्रतिभागियों को सूचित करना और उचित कदम उठाना

33. अनुसंधान में "डेटा भंडारण" के लिए कौन सा अभ्यास नैतिक है?
a) डेटा को अनधिकृत व्यक्तियों के साथ साझा करना
b) डेटा को सुरक्षित और गोपनीय स्थान पर संग्रहीत करना
c) डेटा को ऑनलाइन सार्वजनिक करना
d) डेटा को बिना एन्क्रिप्शन के संग्रहीत करना
उत्तर: b) डेटा को सुरक्षित और गोपनीय स्थान पर संग्रहीत करना

34. जब शोधकर्ता किसी समुदाय में काम कर रहे होते हैं, तो उन्हें क्या सुनिश्चित करना चाहिए?
a) समुदाय के सामाजिक मानदंडों का सम्मान करना
b) केवल अपने शोध उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करना
c) समुदाय की प्रतिक्रिया को नजरअंदाज करना
d) सांस्कृतिक विविधता की अनदेखी करना
उत्तर: a) समुदाय के सामाजिक मानदंडों का सम्मान करना

35. "सूचना साझा करने" के नैतिक मुद्दे का समाधान कैसे किया जा सकता है?
a) प्रतिभागियों को उनके डेटा पर नियंत्रण देना
b) शोध निष्कर्षों को गुप्त रखना
c) प्रतिभागियों से अनुमति के बिना जानकारी प्रकाशित करना
d) सभी डेटा सार्वजनिक करना
उत्तर: a) प्रतिभागियों को उनके डेटा पर नियंत्रण देना

36. शोधकर्ताओं को बच्चों के साथ अनुसंधान करते समय किस पर विशेष ध्यान देना चाहिए?
a) बच्चों की सहमति को नजरअंदाज करना
b) माता-पिता या अभिभावकों से सहमति प्राप्त करना
c) बच्चों को जोखिम में डालना
d) केवल वयस्क प्रतिभागियों को शामिल करना
उत्तर: b) माता-पिता या अभिभावकों से सहमति प्राप्त करना

37. गुणात्मक अनुसंधान में "अहिंसा" का क्या मतलब है?
a) प्रतिभागियों की भलाई सुनिश्चित करना और उन्हें किसी भी नुकसान से बचाना
b) केवल नैतिक मुद्दों को नजरअंदाज करना
c) सभी प्रकार के जोखिमों को लागू करना
d) प्रतिभागियों पर निर्णय थोपना
उत्तर: a) प्रतिभागियों की भलाई सुनिश्चित करना और उन्हें किसी भी नुकसान से बचाना

38. शोध में "डेटा की अखंडता" बनाए रखने का अर्थ क्या है?
a) डेटा को किसी भी रूप में संशोधित करना
b) डेटा को सटीक, संपूर्ण और प्रामाणिक रखना
c) केवल सकारात्मक डेटा रिपोर्ट करना
d) डेटा को केवल शोधकर्ताओं के लिए सुरक्षित रखना
उत्तर: b) डेटा को सटीक, संपूर्ण और प्रामाणिक रखना

39. शोध में "सहानुभूति" क्यों महत्वपूर्ण है?
a) प्रतिभागियों की भावनाओं और अनुभवों को समझने और उनका सम्मान करने के लिए
b) केवल शोधकर्ताओं की जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए
c) प्रतिभागियों को दबाव में रखने के लिए

d) शोध परिणामों को नियंत्रित करने के लिए
उत्तर: a) प्रतिभागियों की भावनाओं और अनुभवों को समझने और उनका सम्मान करने के लिए

40. नैतिक अनुसंधान में "पुन: सहमति" कब आवश्यक है?
a) जब शोध उद्देश्यों या प्रक्रियाओं में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होता है
b) शोध समाप्त होने के बाद
c) प्रतिभागियों के डेटा को सार्वजनिक करने से पहले
d) कभी भी आवश्यकता नहीं होती
उत्तर: a) जब शोध उद्देश्यों या प्रक्रियाओं में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होता है

41. शोधकर्ताओं को "प्रतिभागियों की सुरक्षा" सुनिश्चित करने के लिए क्या करना चाहिए?
a) संभावित जोखिमों का आकलन और प्रबंधन करना
b) जोखिमों को छिपाना
c) प्रतिभागियों को सभी जोखिमों का सामना करने के लिए मजबूर करना
d) केवल डेटा संग्रह पर ध्यान देना
उत्तर: a) संभावित जोखिमों का आकलन और प्रबंधन करना

42. नैतिक अनुसंधान में "पारदर्शिता और उत्तरदायित्व" का मतलब क्या है?
a) प्रतिभागियों के प्रति अपने कार्यों और निर्णयों के लिए जिम्मेदार होना
b) केवल डेटा गोपनीयता बनाए रखना
c) शोध प्रक्रिया को गुप्त रखना
d) प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया अनदेखा करना
उत्तर: a) प्रतिभागियों के प्रति अपने कार्यों और निर्णयों के लिए जिम्मेदार होना

43. शोधकर्ता को प्रतिभागियों के प्रति सम्मान कैसे दिखाना चाहिए?
a) उनकी सहमति के बिना उन्हें शामिल करके
b) उनके विचारों और अनुभवों का सम्मान करके
c) केवल उनके डेटा का उपयोग करके
d) उनकी संस्कृति को नजरअंदाज करके
उत्तर: b) उनके विचारों और अनुभवों का सम्मान करके

44. "शोध नैतिकता" में क्या शामिल है?
a) गोपनीयता, सहमति, और प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना
b) केवल डेटा संग्रह पर ध्यान देना
c) प्रतिभागियों को अनदेखा करना
d) सभी प्रतिभागियों को समान मानना
उत्तर: a) गोपनीयता, सहमति, और प्रतिभागियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना

45. गुणात्मक अनुसंधान में "फीडबैक" क्यों आवश्यक है?
a) प्रतिभागियों के विचारों और निष्कर्षों को सत्यापित करने के लिए
b) शोधकर्ताओं की मान्यताओं को मजबूत करने के लिए
c) डेटा संग्रह प्रक्रिया को तेज करने के लिए
d) फीडबैक अनावश्यक है
उत्तर: a) प्रतिभागियों के विचारों और निष्कर्षों को सत्यापित करने के लिए

46. नैतिक अनुसंधान की अंतिम प्राथमिकता क्या होनी चाहिए?
a) शोधकर्ताओं के उद्देश्यों को प्राथमिकता देना
b) प्रतिभागियों के कल्याण, अधिकारों और सम्मान को सुनिश्चित करना
c) केवल शोध के परिणाम प्राप्त करना
d) डेटा को सार्वजनिक करना
उत्तर: b) प्रतिभागियों के कल्याण, अधिकारों और सम्मान को सुनिश्चित करना

47. शोध में सांस्कृतिक संवेदनशीलता का क्या महत्व है?
a) विभिन्न सांस्कृतिक मूल्यों और विश्वासों का सम्मान करना

b) सभी सांस्कृतिक मतभेदों को नजरअंदाज करना
c) केवल शोधकर्ता की संस्कृति पर ध्यान केंद्रित करना
d) प्रतिभागियों को सांस्कृतिक जानकारी देने के लिए बाध्य करना
उत्तर: a) विभिन्न सांस्कृतिक मूल्यों और विश्वासों का सम्मान करना

48. गुणात्मक शोध में "प्रतिभागियों के अधिकार" क्या हैं?
a) गोपनीयता, स्वायत्तता, और सहमति का अधिकार
b) केवल शोध प्रक्रिया को नियंत्रित करने का अधिकार
c) डेटा संपादन का अधिकार
d) शोध रिपोर्ट को समाप्त करने का अधिकार
उत्तर: a) गोपनीयता, स्वायत्तता, और सहमति का अधिकार

49. शोध में शक्ति असंतुलन को कैसे संबोधित किया जा सकता है?
a) प्रतिभागियों के अनुभव और राय को प्राथमिकता देकर
b) शोधकर्ता की राय को प्राथमिकता देकर
c) प्रतिभागियों को निर्णय लेने से रोककर
d) केवल शोधकर्ता के निष्कर्ष पर ध्यान केंद्रित करके
उत्तर: a) प्रतिभागियों के अनुभव और राय को प्राथमिकता देकर

50. प्रतिभागियों की स्वायत्तता का क्या अर्थ है?
a) उन्हें स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की अनुमति देना
b) शोधकर्ता के निर्णय को प्राथमिकता देना
c) उन्हें अनुसंधान छोड़ने से रोकना
d) केवल शोधकर्ता के लाभ पर ध्यान केंद्रित करना
उत्तर: a) उन्हें स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की अनुमति देना

51. गुणात्मक शोध में डेटा संग्रह के दौरान पारदर्शिता क्यों महत्वपूर्ण है?
a) प्रतिभागियों का विश्वास और भरोसा बढ़ाने के लिए
b) केवल शोध प्रक्रिया को गति देने के लिए
c) सभी नैतिक दिशानिर्देशों को अनदेखा करने के लिए
d) सांख्यिकीय सटीकता सुनिश्चित करने के लिए
उत्तर: a) प्रतिभागियों का विश्वास और भरोसा बढ़ाने के लिए

52. प्रतिभागियों को अनुसंधान के जोखिमों के बारे में कब सूचित किया जाना चाहिए?
a) अनुसंधान शुरू करने से पहले
b) केवल डेटा संग्रह के दौरान
c) अनुसंधान समाप्त होने के बाद
d) प्रतिभागियों को सूचित करने की आवश्यकता नहीं है
उत्तर: a) अनुसंधान शुरू करने से पहले

53. गुणात्मक शोध में "सत्यापन" का उद्देश्य क्या है?
a) यह सुनिश्चित करना कि डेटा और निष्कर्ष सटीक और विश्वसनीय हैं
b) डेटा को संशोधित करना
c) केवल प्रतिभागियों की राय बदलना
d) अनुसंधान प्रक्रिया को छोटा करना
उत्तर: a) यह सुनिश्चित करना कि डेटा और निष्कर्ष सटीक और विश्वसनीय हैं

54. शोध में "बेनामीकरण" क्यों आवश्यक है?
a) प्रतिभागियों की पहचान की रक्षा करने के लिए
b) शोधकर्ता के नाम को छुपाने के लिए
c) निष्कर्षों को अस्पष्ट बनाने के लिए
d) डेटा के सार्वजनिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए
उत्तर: a) प्रतिभागियों की पहचान की रक्षा करने के लिए

55. "डिब्रीफिंग" का क्या उद्देश्य है?
a) प्रतिभागियों को अनुसंधान के उद्देश्यों और परिणामों के बारे में सूचित करना
b) शोधकर्ता को डेटा छुपाने की अनुमति देना
c) प्रतिभागियों को अध्ययन छोड़ने से रोकना
d) अनुसंधान के जोखिमों की अनदेखी करना
उत्तर: a) प्रतिभागियों को अनुसंधान के उद्देश्यों और परिणामों के बारे में सूचित करना

56. नैतिक शोध में "प्रतिवर्तीता" क्या दर्शाता है?
a) प्रतिभागियों को अनुसंधान के किसी भी चरण में छोड़ने की स्वतंत्रता
b) डेटा को केवल शोधकर्ता के लिए प्रतिबंधित करना
c) निष्कर्षों को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित करना
d) शोध प्रक्रिया को बदलने की अनुमति देना
उत्तर: a) प्रतिभागियों को अनुसंधान के किसी भी चरण में छोड़ने की स्वतंत्रता

57. नैतिक समीक्षाएं कौन करता है?
a) संस्थागत समीक्षा बोर्ड (IRB)
b) शोधकर्ता के सहकर्मी
c) सरकार के कर्मचारी
d) केवल प्रतिभागी
उत्तर: a) संस्थागत समीक्षा बोर्ड (IRB)

58. "न्यूनतम जोखिम" का क्या तात्पर्य है?
a) अनुसंधान से प्रतिभागियों को कोई गंभीर नुकसान न हो।
b) सभी जोखिमों की अनदेखी करना।
c) अनुसंधान केवल लाभकारी हो।
d) जोखिमों का विवरण छोड़ देना।
उत्तर: a) अनुसंधान से प्रतिभागियों को कोई गंभीर नुकसान न हो।

59. किस परिस्थिति में गुप्त अनुसंधान करना सही है?
a) जब सहमति प्राप्त करना असंभव हो।
b) जब शोधकर्ता के पास कानूनी अनुमति हो।
c) जब यह सामाजिक भलाई के लिए हो।
d) केवल जब गोपनीयता सुनिश्चित की जा सके।
उत्तर: d) केवल जब गोपनीयता सुनिश्चित की जा सके।

60. प्रतिभागियों को अनुसंधान से हटने की अनुमति कब दी जानी चाहिए?
a) अनुसंधान प्रक्रिया के किसी भी चरण में
b) केवल प्रारंभिक चरण में
c) जब शोधकर्ता सहमत हों
d) जब डेटा संग्रह समाप्त हो
उत्तर: a) अनुसंधान प्रक्रिया के किसी भी चरण में

61. **अभिकथन**: गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में प्रतिभागियों के अधिकारों की रक्षा के लिए नैतिक दिशा-निर्देश आवश्यक हैं।
कारण: नैतिक दिशा-निर्देश सूचित सहमति, गोपनीयता और प्रतिभागियों को होने वाले नुकसान की रोकथाम सुनिश्चित करते हैं।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण है।

62. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में प्रतिभागियों की गोपनीयता को प्राथमिकता देनी चाहिए।
कारण: गोपनीयता शोधकर्ताओं और प्रतिभागियों के बीच विश्वास का निर्माण करती है, अनुभवों के खुले और ईमानदार साझाकरण को प्रोत्साहित करती है।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।

d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

63. **अभिकथन**: गुणात्मक शोध में, शोधकर्ता के पूर्वाग्रहों को अध्ययन से हटा दिया जाना चाहिए।
कारण: शोधकर्ता के पूर्वाग्रहों के लिए गुणात्मक डेटा के विश्लेषण या व्याख्या को प्रभावित करना असंभव है।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।

64. **अभिकथन**: सूचित सहमति नैतिक गुणात्मक शोध में एक प्रमुख सिद्धांत है।
कारण: सूचित सहमति यह सुनिश्चित करती है कि प्रतिभागी भागीदारी से पहले अपने अधिकारों और अध्ययन के उद्देश्य के बारे में पूरी तरह से अवगत हों।
a) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।
b) कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

65. **अभिकथन**: गुणात्मक मनोवैज्ञानिक शोध के समापन पर डीब्रीफिंग आवश्यक है।
कारण: डीब्रीफिंग अध्ययन के प्रतिभागियों पर पड़ने वाले किसी भी संभावित मनोवैज्ञानिक प्रभाव को संबोधित करने में मदद करती है।
a) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।
b) कथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।

66. **अभिकथन**: गुणात्मक शोध नैतिकता में रिफ्लेक्सिविटी महत्वपूर्ण है।
कारण: रिफ्लेक्सिविटी शोधकर्ताओं को अपने स्वयं के पूर्वाग्रहों और दृष्टिकोणों को स्वीकार करने की अनुमति देती है, जिससे डेटा विश्लेषण में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

67. **अभिकथन**: गुणात्मक शोध अध्ययनों में नैतिक समीक्षा प्रक्रियाएँ अनिवार्य हैं।
कारण: यह सुनिश्चित करने के लिए नैतिक समीक्षा प्रक्रियाएँ आयोजित की जाती हैं कि अध्ययन नैतिक मानकों के अनुरूप है और प्रतिभागियों के कल्याण की रक्षा करता है।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

68. **अभिकथन**: गुणात्मक शोध सामान्यीकरण के बजाय व्यक्तिगत अनुभवों पर जोर देता है।

कारण: गुणात्मक शोध में, लक्ष्य विशिष्ट अनुभवों को समझना और व्याख्या करना है, न कि निष्कर्षों को बड़ी आबादी पर लागू करना।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

69. **अभिकथन**: गुणात्मक शोध की रिपोर्टिंग के लिए नैतिक दिशानिर्देश मात्रात्मक शोध की तुलना में कम कड़े हैं।
कारण: गुणात्मक शोध अक्सर व्यक्तिपरक अनुभवों से संबंधित होता है, और सांख्यिकीय वैधता की तुलना में अर्थ-निर्माण पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।

70. **अभिकथन**: गुणात्मक शोध में शोधकर्ता-प्रतिभागी संबंध यथासंभव तटस्थ होने चाहिए।
कारण: तटस्थता यह सुनिश्चित करती है कि शोधकर्ता की व्यक्तिगत राय और संबंध डेटा व्याख्या या विश्लेषण को प्रभावित न करें।
a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।
b) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) अभिकथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) अभिकथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या है।

71. **अभिकथन**: मनोविज्ञान में गुणात्मक शोध अक्सर गहन, व्यक्तिगत साक्षात्कारों को शामिल करता है।
कारण: व्यक्तिगत साक्षात्कार शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों के जीवन अनुभवों के समृद्ध, विस्तृत विवरण एकत्र करने की अनुमति देते हैं।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

72. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में प्रतिभागियों की गुमनामी बनाए रखना शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण है।
कारण: गुमनामी प्रतिभागियों को संभावित नुकसान से बचाती है और उनकी पहचान को छिपाकर उनकी गोपनीयता का सम्मान करती है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

73. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में शोधकर्ता के व्यक्तिपरक दृष्टिकोण को पूरी तरह से डेटा व्याख्या से हटा देना चाहिए।
कारण: निष्पक्षता सभी प्रकार के अनुसंधान में महत्वपूर्ण होती है ताकि डेटा का निष्पक्ष और पूर्वाग्रह रहित विश्लेषण सुनिश्चित किया जा सके।

a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

74. **अभिकथन**: गुणात्मक शोधकर्ताओं को अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान अपनी भूमिका पर चिंतन करने से बचना चाहिए।
कारण: आत्म-परावर्तन (रिफ्लेक्सिविटी) यह पहचानने की प्रक्रिया है कि शोधकर्ता की पृष्ठभूमि, दृष्टिकोण और पूर्वाग्रह शोध प्रक्रिया और व्याख्या को कैसे प्रभावित करते हैं।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

75. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान के लिए हमेशा नैतिक समीक्षा प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होती है।
कारण: नैतिक समीक्षा आमतौर पर केवल मात्रात्मक अध्ययनों के लिए आवश्यक होती है, जो बड़े नमूना आकारों से निपटते हैं।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

76. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को हमेशा प्रतिभागियों को अध्ययन के संभावित परिणामों के बारे में सूचित करना चाहिए।
कारण: प्रतिभागियों को पहले से सूचित करना उन्हें अपनी भागीदारी के बारे में एक सूचित निर्णय लेने की अनुमति देता है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

77. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान डेटा का विश्लेषण प्रेरक (इंडक्टिव) और निगमनात्मक (डिडक्टिव) दोनों प्रकार की तर्क पद्धतियों से किया जाना चाहिए।
कारण: प्रेरक तर्क डेटा से सिद्धांत उत्पन्न करने में मदद करता है, जबकि निगमनात्मक तर्क इन सिद्धांतों का परीक्षण करने की अनुमति देता है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

78. **अभिकथन**: गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की रिपोर्टिंग करते समय केवल सांख्यिकीय परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है।
कारण: गुणात्मक अनुसंधान संख्यात्मक डेटा के बजाय विस्तृत विवरण और व्यक्तिपरक समझ पर निर्भर करता है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।

d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

79. **अभिकथन**: गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में स्वैच्छिक भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है।
कारण: स्वैच्छिक भागीदारी का अर्थ है कि प्रतिभागी बिना किसी दबाव या हेरफेर के अध्ययन का हिस्सा बनने के लिए स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकते हैं।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

80. **अभिकथन**: गुणात्मक शोधकर्ताओं को अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों के बारे में व्यक्तिगत राय या निर्णय देने से बचना चाहिए।
कारण: व्यक्तिगत राय देने से डेटा में पूर्वाग्रह आ सकता है और प्रतिभागियों के अनुभवों की प्रामाणिकता प्रभावित हो सकती है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

81. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में सूचित सहमति (इन्फॉर्म्ड कंसेंट) एक महत्वपूर्ण नैतिक विचार है।
कारण: सूचित सहमति यह सुनिश्चित करती है कि प्रतिभागी अध्ययन की प्रकृति, उद्देश्य और संभावित जोखिमों से पूरी तरह अवगत हों।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

82. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रतिभागियों की पहचान हमेशा गोपनीय रखी जाए।
कारण: गोपनीयता आवश्यक है ताकि प्रतिभागियों को संभावित नुकसान से बचाया जा सके, विशेष रूप से संवेदनशील विषयों पर चर्चा करते समय।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

83. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में प्रतिभागियों को यह बताया जाना चाहिए कि वे किसी भी समय अध्ययन से हट सकते हैं।
कारण: प्रतिभागियों को अध्ययन के किसी भी चरण में बिना किसी परिणाम का सामना किए भागीदारी समाप्त करने का अधिकार है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

84. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में प्रतिभागियों पर अध्ययन के संभावित मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर विचार करने की आवश्यकता नहीं होती।
कारण: गुणात्मक अध्ययन मुख्य रूप से प्रतिभागियों के अनुभवों और अर्थों पर केंद्रित होते हैं, न कि उनकी मानसिक भलाई पर।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

85. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को गुणात्मक अनुसंधान करने से पहले नैतिक समीक्षा बोर्ड (एथिक्स रिव्यू बोर्ड) से अनुमोदन लेना आवश्यक है।
कारण: नैतिक समीक्षा बोर्ड अनुसंधान में शामिल जोखिमों का मूल्यांकन करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि अध्ययन नैतिक दिशानिर्देशों का पालन करता है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

86. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान निष्कर्षों को बाहरी वैधता (एक्सटर्नल वैलिडिटी) के लिए बड़ी आबादी पर सामान्यीकृत किया जाना चाहिए।
कारण: गुणात्मक अनुसंधान विशिष्ट संदर्भों की गहन खोज पर केंद्रित होता है और इसका उद्देश्य सामान्यीकरण (जनरलाइजेशन) नहीं होता।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

87. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में शोधकर्ता के पूर्वाग्रह (बायस) को पहचाना और अध्ययन के दौरान प्रबंधित किया जाना चाहिए।
कारण: पूर्वाग्रह डेटा संग्रह और व्याख्या को प्रभावित कर सकता है, और इसे पहचानने से अध्ययन की अखंडता और विश्वसनीयता बनाए रखने में मदद मिलती है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

88. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में आत्म-परावर्तन (रिफ्लेक्सिविटी) का अर्थ है शोधकर्ता की भूमिका और अध्ययन पर उसके प्रभाव को समझने की प्रक्रिया।
कारण: आत्म-परावर्तन पूर्वाग्रहों की पहचान और उन्हें कम करने के लिए आवश्यक है, जिससे अनुसंधान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होती है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

89. **अभिकथन**: प्रतिभागियों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए छद्म नामों (प्सीडोनिम्स) का उपयोग एक सामान्य प्रथा है।
कारण: छद्म नाम शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों की वास्तविक पहचान को प्रकट किए बिना डेटा का उपयोग करने की अनुमति देते हैं, जिससे गोपनीयता सुनिश्चित होती है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

90. **अभिकथन**: गुणात्मक शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों को यह सूचित करने की आवश्यकता नहीं होती कि उनका डेटा भविष्य के प्रकाशनों में उपयोग किया जा सकता है।
कारण: शोधकर्ताओं को केवल प्रतिभागियों को वर्तमान अध्ययन के बारे में सूचित करने की आवश्यकता होती है, न कि इसके भविष्य के अनुप्रयोगों के बारे में।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

91. **अभिकथन**: गुणात्मक शोधकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके निष्कर्ष प्रतिभागियों को कोई नुकसान न पहुँचाएँ।
कारण: गुणात्मक अनुसंधान में प्रतिभागियों के भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और शारीरिक कल्याण की सुरक्षा आवश्यक है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

92. **अभिकथन**: प्रतिभागियों के अनुभवों को स्पष्ट करने में मदद करने के लिए गुणात्मक अनुसंधान में डेटा में हेरफेर करना नैतिक रूप से स्वीकार्य है।
कारण: डेटा हेरफेर कथा को बेहतर बना सकता है और इसे अधिक समझने योग्य बना सकता है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

93. **अभिकथन**: यदि शोधकर्ता अपने मूल अनुसंधान से परे प्रतिभागियों के डेटा का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं, तो उन्हें प्रतिभागियों को सूचित करना चाहिए।
कारण: पारदर्शिता सुनिश्चित करने और प्रतिभागियों की स्वायत्तता का सम्मान करने के लिए यह आवश्यक है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

94. **अभिकथन**: गुणात्मक शोधकर्ता प्रतिभागियों की सहमति के बिना द्वितीयक विश्लेषण (सेकेंडरी एनालिसिस) के लिए उनके डेटा का उपयोग कर सकते हैं।
कारण: यदि डेटा को गुमनाम और पहचान-रहित (अननोनिमाइज़्ड और डी-आइडेंटिफाइड) कर दिया गया है, तो द्वितीयक विश्लेषण के लिए अतिरिक्त सहमति की आवश्यकता नहीं होती।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

95. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों की गोपनीयता बनाए रखनी चाहिए, भले ही शोध प्रकाशित हो जाए।
कारण: गोपनीयता प्रतिभागियों की निजता की रक्षा करने और शोधकर्ताओं व प्रतिभागियों के बीच विश्वास बनाए रखने में मदद करती है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

96. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को गुणात्मक अनुसंधान करते समय प्रतिभागियों के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक कल्याण पर विचार करने की आवश्यकता नहीं होती।
कारण: गुणात्मक अनुसंधान मुख्य रूप से प्रतिभागियों के अनुभवों को समझने पर केंद्रित होता है और इसमें भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक चिंताओं का कोई स्थान नहीं होता।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

97. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को अनुसंधान प्रक्रिया के दौरान और उसके बाद प्रतिभागियों की पहचान की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।
कारण: यह प्रतिभागियों को संभावित नुकसान, जैसे कि प्रतिष्ठा संबंधी नुकसान, से बचाने के लिए आवश्यक है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

98. **अभिकथन**: गुणात्मक अनुसंधान में नैतिक दिशानिर्देश लचीले नहीं होते और सभी मामलों में उनका कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए।
कारण: ये दिशानिर्देश प्रतिभागियों के अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं कि अनुसंधान जिम्मेदारी से किया जाए।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

99. **अभिकथन**: यदि कोई शोधकर्ता मानता है कि प्रतिभागियों की व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा वैज्ञानिक प्रगति में योगदान देगा, तो वह इसे प्रकट कर सकता है।
कारण: कल्याणकारी सिद्धांत (बेनिफिसेंस) समाज की भलाई को व्यक्तिगत गोपनीयता से अधिक प्राथमिकता देने की अनुमति देता है।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।

100. **अभिकथन**: शोधकर्ताओं को प्रतिभागियों को सभी संभावित जोखिमों, जिसमें भावनात्मक या मनोवैज्ञानिक जोखिम भी शामिल हैं, के बारे में अध्ययन में भाग लेने से पहले सूचित करना चाहिए।
कारण: सूचित सहमति (इन्फॉर्म्ड कंसेंट) की आवश्यकता होती है ताकि प्रतिभागी अध्ययन में शामिल सभी संभावित जोखिमों से अवगत हों।
a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
b) दोनों कथन और कारण सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
c) कथन सही है लेकिन कारण गलत है।
d) कथन गलत है लेकिन कारण सही है।
उत्तर: a) दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

मॉडल पेपर
एम.ए. (द्वितीय सेमेस्टर)
(एनईपी-2020), परीक्षा 2024-25
मनोविज्ञान
गुणात्मक शोध पद्धति-A090801T

---

1. निम्नलिखित में से कौन-सा गुणात्मक अनुसंधान की मुख्य विशेषता है?
A. संख्यात्मक आंकड़ों पर जोर
B. मानकीकृत परीक्षण
C. अनुभव और अर्थ की खोज
D. नियंत्रित प्रयोगशाला सेटिंग
उत्तर: C

2. निम्नलिखित में से कौन-से दार्शनिक का नाम हर्मेन्युटिक्स (व्याख्या सिद्धांत) से जुड़ा है?
A. कार्ल पॉपर
B. मैक्स वेबर
C. हान्स-जॉर्ज गैडेमर
D. अगस्ट कॉम्ट
उत्तर: C

3. "सामाजिक निर्माणवाद (Social constructionism)" शब्द का मुख्य अर्थ क्या है?
A. मानव मस्तिष्क की जन्मजात संरचना
B. समाज के वस्तुनिष्ठ नियम
C. लोगों द्वारा बातचीत के माध्यम से अर्थ बनाना
D. भौतिक वातावरण का सामाजिक जीवन पर प्रभाव
उत्तर: C

4. कौन-सा अनुसंधान प्रतिमान (paradigm) वास्तविकता को बहुल और सामाजिक रूप से निर्मित मानता है?
A. पॉज़िटिविज़्म
B. पोस्ट-पॉज़िटिविज़्म
C. कंस्ट्रक्टिविज़्म (Constructivism)
D. रियलिज़्म
उत्तर: C

5. गुणात्मक अनुसंधान में संदर्भात्मक समझ किस पर वरीयता पाती है?
A. बड़े सैंपल साइज़
B. सांख्यिकीय महत्व
C. यादृच्छिक आवंटन
D. उपरोक्त सभी
उत्तर: D

6. "हर्मेन्युटिक सर्किल" का सही अर्थ क्या है?
A. डाटा की व्याख्या की रैखिक प्रक्रिया
B. कोडिंग और डेटा मापन का चक्र
C. अंश और सम्पूर्ण के बीच आना-जाना ताकि गहन अर्थ समझा जा सके
D. एक प्रकार की नमूना तकनीक
उत्तर: C

7. कंस्ट्रक्टिविस्ट एपिस्टेमोलॉजी (Constructivist epistemology) का क्या दावा है?
A. ज्ञान सार्वभौमिक और पूर्ण है
B. वास्तविकता मानव अनुभव से स्वतंत्र है
C. ज्ञान बातचीत और व्याख्या के माध्यम से सह-निर्मित होता है
D. ज्ञान प्रयोगों से ही प्राप्त किया जा सकता है
उत्तर: C

8. किस विचारक ने कहा कि मानव व्यवहार को समझने में व्याख्या आवश्यक है?
A. बी.एफ. स्किनर
B. एमिल दुर्खीम
C. विल्हेम डिलथी
D. सिग्मंड फ्रायड
उत्तर: C

9. सामाजिक निर्माणवाद और संरचनावाद के बीच मुख्य अंतर क्या है?
A. संरचनावाद सामाजिक शक्ति पर केंद्रित होता है
B. संरचनावाद व्यक्तिगत अर्थ निर्माण पर और सामाजिक निर्माणवाद सामूहिक अर्थ पर केंद्रित होता है
C. सामाजिक निर्माणवाद केवल मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है
D. दोनों में कोई अंतर नहीं है
उत्तर: B

10. निम्नलिखित में से कौन-सी परंपरा व्याख्यात्मक गुणात्मक अनुसंधान के विकास में प्रभावशाली रही है?
A. बिहेवियरिज्म
B. स्ट्रक्चरलिज़्म
C. फेनोमेनोलॉजी
D. विकासवादी मनोविज्ञान
उत्तर: C

11. गुणात्मक अनुसंधान के इतिहास में शिकागो स्कूल (Chicago School) का क्या योगदान रहा?
A. प्रयोगात्मक डिज़ाइन का परिचय
B. समाजशास्त्र में क्षेत्रीय और नृवंशविज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा
C. IQ परीक्षणों का विकास
D. यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षणों का समर्थन
उत्तर: B

12. निम्न में से कौन-सा कंस्ट्रक्टिविस्ट गुणात्मक अनुसंधान की विशेषता नहीं है?
A. शोधकर्ता की तटस्थता
B. आत्म-चिंतनशीलता (Reflexivity)
C. अर्थ का सह-निर्माण
D. संदर्भ के प्रति संवेदनशीलता
उत्तर: A

13. हर्मेन्युटिक दृष्टिकोण का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A. व्यवहार की गणना और माप
B. ग्रंथों और मानवीय अभिव्यक्तियों की व्याख्या
C. भविष्यवाणी करना
D. व्यक्तिपरकता से बचना
उत्तर: B

14. किस विचारक ने कहा कि "ज्ञान विमर्श (discourse) के माध्यम से सामाजिक रूप से निर्मित होता है"?
A. जीन पियाजे
B. मिशेल फूको
C. जॉन वॉटसन
D. नोम चॉम्स्की
उत्तर: B

15. सामाजिक निर्माणवाद के अनुसार "सत्य" को कैसे देखा जाता है?
A. सार्वभौमिक और वस्तुनिष्ठ
B. तर्क पर आधारित
C. सामाजिक संदर्भों में निर्मित और सहमति आधारित
D. संस्कृतियों में अपरिवर्तनीय
उत्तर: C

16. अनुसंधान प्रक्रिया में शोधकर्ता की अपनी भूमिका और प्रभाव के प्रति जागरूकता को क्या कहते हैं?
A. वैधता
B. आत्म-चिंतनशीलता (Reflexivity)
C. वस्तुनिष्ठता
D. नमूना तकनीक
उत्तर: B

17. हर्मेन्युटिक्स की ऐतिहासिक जड़ें मुख्यतः किसके अध्ययन में रही हैं?
A. वैज्ञानिक प्रयोग
B. धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या
C. राजनीतिक सिद्धांत
D. दार्शनिक तर्क
उत्तर: B

18. सामाजिक निर्माणवादी सिद्धांत किस पर मुख्य आलोचना करता है?

A. सामाजिक भूमिकाएं
B. भौतिक निर्धारणवाद
C. ज्ञान और पहचान की अनिवार्य (essentialist) अवधारणाएं
D. संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत
उत्तर: C

19. "अर्थ की खोज नहीं होती, अर्थ का निर्माण होता है" – यह किस दृष्टिकोण से मेल खाता है?
A. पॉज़िटिविज़्म
B. कंस्ट्रक्टिविज़्म
C. अनुभववाद
D. कार्यात्मकतावाद
उत्तर: B

20. कंस्ट्रक्टिविस्ट परिप्रेक्ष्य में गुणात्मक शोधकर्ता की भूमिका क्या होती है?
A. तटस्थ प्रेक्षक
B. परिकल्पना परीक्षक
C. अर्थ निर्माण में सह-भागी
D. सांख्यिकीय विश्लेषक
उत्तर: C

21. त्रिकोणीकरण (Triangulation) का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
A. सैंपल साइज़ बढ़ाना
B. शोधकर्ता की निष्पक्षता साबित करना
C. विश्वसनीयता और वैधता को बढ़ाना
D. गणितीय मॉडल लागू करना
उत्तर: C

22. मिश्रित विधि अनुसंधान (Mixed Method Research) में क्या सम्मिलित होता है?
A. केवल गुणात्मक डेटा
B. केवल मात्रात्मक डेटा
C. गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों डेटा
D. केवल सांख्यिकीय विश्लेषण
उत्तर: C

23. कौन-सी स्थिति में त्रिकोणीकरण सबसे अधिक सहायक होती है?
A. डेटा की मात्रा कम हो
B. विरोधाभासी निष्कर्ष हों
C. शोधकर्ता अकेले कार्य कर रहा हो
D. निष्कर्ष पहले से तय हो
उत्तर: B

24. "Concurrent Triangulation Design" का अर्थ है:
A. अनुसंधान चरणों का अनुक्रम
B. पहले मात्रात्मक फिर गुणात्मक विधि
C. दोनों विधियाँ एक साथ एकत्रित और विश्लेषित होती हैं
D. केवल गुणात्मक विधि का उपयोग
उत्तर: C

25. मिश्रित विधियों का चयन कब उपयुक्त होता है?
A. जब शोध केवल सांख्यिकीय हो
B. जब एक विधि से उत्तर अधूरा लगता हो
C. जब शोधकर्ता को मात्रात्मक विधियाँ पसंद हों
D. जब केवल साक्षात्कार हो
उत्तर: B

26. शोध प्रश्न तय करते समय सबसे महत्वपूर्ण क्या होता है?
A. उसका लोकप्रिय होना
B. उसका आसान होना
C. उसका उद्देश्य और दिशा स्पष्ट होना
D. उसका विदेशी संदर्भ से लिया जाना
उत्तर: C

27. गुणात्मक अनुसंधान में उपयुक्त विधि का चयन किस पर निर्भर करता है?
A. संस्थान की नीति पर
B. शोधकर्ता की रुचि पर
C. शोध प्रश्न की प्रकृति पर
D. डेटा संग्रह के उपकरण पर
उत्तर: C

28. निम्नलिखित में से कौन-सी त्रिकोणीकरण की एक प्रकार नहीं है?
A. डेटा त्रिकोणीकरण
B. शोधकर्ता त्रिकोणीकरण

C. सांख्यिकीय त्रिकोणीकरण
D. सैद्धांतिक त्रिकोणीकरण
उत्तर: C

29. "Exploratory Sequential Mixed Method" में कौन-सा चरण पहले होता है?
A. मात्रात्मक डेटा संग्रह
B. विश्लेषण
C. गुणात्मक डेटा संग्रह
D. निष्कर्ष
उत्तर: C

30. "Explanatory Sequential Design" में अनुसंधान किस क्रम में चलता है?
A. गुणात्मक → मात्रात्मक
B. मात्रात्मक → गुणात्मक
C. समानांतर
D. अव्यवस्थित
उत्तर: B

31. गुणात्मक शोध प्रश्न प्रायः किस शब्द से शुरू होते हैं?
A. कितना
B. क्यों
C. कितना बार
D. प्रतिशत
उत्तर: B

32. गुणात्मक अनुसंधान में 'फिट' का अर्थ होता है:
A. विषय का आकार
B. विधि और प्रश्न में तालमेल
C. उपकरण की गुणवत्ता
D. सैंपल का प्रकार
उत्तर: B

33. यदि शोध का उद्देश्य अनुभवों की गहराई में जाना है, तो कौन-सी विधि उपयुक्त है?
A. प्रयोगात्मक
B. सर्वेक्षण
C. फेनोमेनोलॉजिकल
D. तुलनात्मक
उत्तर: C

34. गुणात्मक डिज़ाइन में 'थ्योरी-ड्रिवन' दृष्टिकोण का अर्थ है:
A. शोध पहले से मौजूद सिद्धांत पर आधारित हो
B. शोध केवल प्रयोगशाला में हो
C. शोध में कोई विश्लेषण न हो
D. शोध केवल केस स्टडी हो
उत्तर: A

35. "Methodological Triangulation" का अर्थ है:
A. एक ही विधि का बार-बार उपयोग
B. एक से अधिक विधियों का उपयोग
C. केवल मात्रात्मक विधि का उपयोग
D. केवल ग्राफ तैयार करना
उत्तर: B

36. मिश्रित विधियों में डेटा विश्लेषण की कठिनाई मुख्य रूप से होती है:
A. डेटा संग्रह में
B. उपकरण चयन में
C. दोनों प्रकार के डेटा को समन्वित करने में
D. रिपोर्ट लेखन में
उत्तर: C

37. यदि शोध में सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को समझना हो, तो कौन-सी विधि बेहतर है?
A. केस स्टडी
B. एथ्नोग्राफी
C. सर्वेक्षण
D. प्रयोग
उत्तर: B

38. "Data Triangulation" में मुख्यतः क्या किया जाता है?
A. एक ही डेटा को बार-बार देखना
B. विभिन्न स्रोतों से डेटा संग्रह करना
C. केवल एक साक्षात्कार लेना
D. केवल साहित्य समीक्षा करना
उत्तर: B

39. कौन-सा डिज़ाइन दोनों दृष्टिकोणों को समान महत्व देता है और समांतर रूप से उपयोग करता है?
A. एंबेडेड डिज़ाइन
B. कंकरेंट ट्रायएंगुलेशन
C. केस स्टडी
D. केवल गुणात्मक डिज़ाइन
उत्तर: B

40. शोध प्रश्न तैयार करने से पहले शोधकर्ता को क्या करना चाहिए?
A. प्रश्नों की सूची बनाना
B. शोध विषय की पृष्ठभूमि और साहित्य की समीक्षा
C. परिणामों का अनुमान
D. टूल्स खरीदना
उत्तर: B

41. इंटरप्रेटेटिव फिनोमेनोलॉजिकल एनालिसिस (IPA) मुख्य रूप से किस पर केंद्रित है?
A. सांख्यिकीय डेटा का विश्लेषण
B. व्यक्तिगत अनुभवों की गहन समझ
C. ऐतिहासिक घटनाओं का दस्तावेजीकरण
D. सैद्धांतिक मॉडल बनाना
उत्तर: B

42. IPA किस दार्शनिक दृष्टिकोण से प्रेरित है?
A. प्रत्यक्षवाद (Positivism)
B. निर्माणवाद (Constructivism)
C. फिनोमेनोलॉजी और हर्मेन्यूटिक्स
D. प्रायोगिकता (Pragmatism)
उत्तर: C

43. IPA में प्रतिभागियों का चयन आमतौर पर कैसे किया जाता है?
A. यादृच्छिक चयन
B. उद्देश्यपूर्ण नमूना (Purposive sampling)
C. स्तरीकृत नमूना
D. सुविधा नमूना
उत्तर: B

44. ग्राउंडेड थ्योरी का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A. मौजूदा सिद्धांत का परीक्षण करना
B. नया सिद्धांत विकसित करना
C. डेटा का सांख्यिकीय विश्लेषण करना
D. परिकल्पना को खारिज करना
उत्तर: B

45. ग्राउंडेड थ्योरी का विकास किसने किया था?
A. हुसर्ल और हाइडेगर
B. ग्लेज़र और स्ट्रॉस
C. स्मिथ और ओसबोर्न
D. लिंकन और गुबा
उत्तर: B

46. ग्राउंडेड थ्योरी में डेटा संग्रह और विश्लेषण कैसे होता है?
A. क्रमिक और अलग-अलग चरणों में
B. समानांतर और आवर्ती (Iterative) तरीके से
C. केवल अंत में विश्लेषण
D. पहले विश्लेषण, फिर संग्रह
उत्तर: B

47. IPA में 'डबल हर्मेन्यूटिक' का क्या अर्थ है?
A. शोधकर्ता प्रतिभागियों के अनुभव की व्याख्या करता है
B. प्रतिभागी शोधकर्ता की व्याख्या करते हैं
C. शोधकर्ता प्रतिभागियों के अनुभव को समझने की कोशिश करता है, जबकि प्रतिभागी अपने अनुभव को समझने की कोशिश करते हैं
D. दो बार डेटा संग्रह
उत्तर: C

48. ग्राउंडेड थ्योरी में 'ओपन कोडिंग' का उद्देश्य है—
A. डेटा का सांख्यिकीय सारांश
B. डेटा को प्रारंभिक श्रेणियों में विभाजित करना
C. रिपोर्ट लेखन
D. नमूना चुनना
उत्तर: B

49. IPA में आमतौर पर किस प्रकार का डेटा उपयोग होता है?

A. सर्वेक्षण प्रश्नावली
B. गहन साक्षात्कार
C. प्रयोगशाला माप
D. अवलोकन चेकलिस्ट
उत्तर: B

50. ग्राउंडेड थ्योरी में 'थियोरेटिकल सैम्पलिंग' का क्या अर्थ है?
A. सिद्धांत के आधार पर प्रतिभागियों का चयन
B. यादृच्छिक प्रतिभागी चयन
C. जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करना
D. सैद्धांतिक ढांचे की पुष्टि करना
उत्तर: A

51. IPA किस प्रकार के शोध प्रश्नों के लिए सबसे उपयुक्त है?
A. "कितना" या "कितनी बार"
B. "क्या कारण है"
C. "किस प्रकार का अनुभव" या "कैसा महसूस हुआ"
D. "कौन बेहतर है"
उत्तर: C

52. ग्राउंडेड थ्योरी में डेटा विश्लेषण का अंतिम चरण क्या कहलाता है?
A. सिलेक्टिव कोडिंग
B. ओपन कोडिंग
C. ऐक्सियल कोडिंग
D. कंटेंट एनालिसिस
उत्तर: A

53. IPA में प्रतिभागियों की संख्या आमतौर पर—
A. बहुत बड़ी होती है
B. 50 से अधिक होती है
C. छोटी, ताकि गहन विश्लेषण हो सके
D. केवल एक
उत्तर: C

54. ग्राउंडेड थ्योरी का एक मुख्य सिद्धांत है—
A. पूर्वनिर्धारित परिकल्पनाओं का परीक्षण
B. सिद्धांत का डेटा से 'ग्राउंडेड' होना
C. केवल मौजूदा सिद्धांतों का प्रयोग
D. डेटा संग्रह से पहले निष्कर्ष निकालना
उत्तर: B

55. IPA डेटा विश्लेषण में पहला कदम क्या होता है?
A. कोडिंग
B. ट्रांसक्रिप्ट पढ़ना और नोट बनाना
C. श्रेणीकरण
D. थीम बनाना
उत्तर: B

56. ग्राउंडेड थ्योरी में 'मेमो-राइटिंग' का उद्देश्य है—
A. डेटा का लिप्यंतरण
B. उभरते विचारों और संबंधों को दर्ज करना
C. रिपोर्ट का निष्कर्ष लिखना
D. संदर्भ सूची बनाना
उत्तर: B

57. IPA का उद्देश्य है—
A. समूहों के बीच तुलना
B. व्यक्तिगत अनुभव की समृद्ध व्याख्या
C. सिद्धांत का परीक्षण
D. नीति सुझाव देना
उत्तर: B

58. ग्राउंडेड थ्योरी में 'कॉन्स्टेंट कम्पेरिजन' तकनीक का अर्थ है—
A. डेटा का लगातार तुलना करना ताकि पैटर्न मिल सके
B. सांख्यिकीय डेटा की जांच
C. साक्षात्कार को दोहराना
D. प्रतिभागियों को बदलना
उत्तर: A

59. IPA में डेटा व्याख्या किस दृष्टिकोण से की जाती है?
A. शोधकर्ता का अनुभव
B. प्रतिभागियों का दृष्टिकोण

C. दोनों—प्रतिभागी और शोधकर्ता का दृष्टिकोण
D. केवल सिद्धांत का दृष्टिकोण
उत्तर: C

60. ग्राउंडेड थ्योरी किस प्रकार के शोध में विशेष रूप से उपयोगी है?
A. जब मौजूदा सिद्धांत पर्याप्त न हो
B. जब डेटा पहले से मौजूद हो
C. केवल मात्रात्मक शोध
D. ऐतिहासिक शोध
उत्तर: A

61. विमर्श विश्लेषण (Discourse Analysis) का मुख्य उद्देश्य क्या है?
a) सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण
b) भाषा के प्रयोग और सामाजिक संदर्भ का अध्ययन
c) प्रयोगशाला में प्रयोग करना
d) मापदंड निर्धारण करना
उत्तर: B

62. विमर्श विश्लेषण में किस पर ध्यान दिया जाता है?
a) केवल व्याकरण पर
b) केवल शब्दों की लंबाई पर
c) भाषा और शक्ति संबंधों पर
d) संख्यात्मक गणना पर
उत्तर: C

63. विमर्श विश्लेषण किस धारणा पर आधारित है?
a) भाषा केवल संचार का साधन है
b) भाषा सामाजिक वास्तविकता का निर्माण करती है
c) भाषा स्थिर और अपरिवर्तनीय है
d) भाषा केवल लिखित रूप में महत्वपूर्ण है
उत्तर: B

64. विमर्श विश्लेषण में "पाठ" किसे कहा जाता है?
a) केवल लिखित सामग्री
b) केवल मौखिक वार्तालाप
c) लिखित, मौखिक और दृश्य संचार सभी
d) केवल भाषण
उत्तर: C

65. विमर्श विश्लेषण की प्रक्रिया का पहला चरण क्या है?
a) थीम पहचानना
b) कोडिंग करना
c) डेटा संग्रह करना
d) सांख्यिकीय परीक्षण करना
उत्तर: A

66. नैरेटिव विश्लेषण (Narrative Analysis) का मुख्य केंद्र क्या है?
a) कहानी की संरचना और अर्थ
b) संख्याओं की गणना
c) भाषा की ध्वनियां
d) रासायनिक प्रतिक्रिया
उत्तर: A

67. नैरेटिव विश्लेषण में "कथा" क्या है?
a) केवल कल्पना पर आधारित कहानी
b) अनुभव का संरचित विवरण
c) कोई भी संवाद
d) गणितीय समस्या
उत्तर: B

68. नैरेटिव विश्लेषण में शोधकर्ता किस बात का अध्ययन करता है?
a) सांख्यिकीय प्रवृत्तियां
b) व्यक्तिगत कहानियों और अनुभवों का अर्थ
c) प्रयोगशाला में परिणाम
d) भाषा की शुद्धता
उत्तर: B

69. नैरेटिव विश्लेषण में डेटा संग्रह का सामान्य तरीका क्या है?
a) सर्वेक्षण प्रश्नावली
b) गहन साक्षात्कार
c) प्रयोग
d) सांख्यिकीय डेटाबेस
उत्तर: B

70. नैरेटिव विश्लेषण की धारणा है कि:
a) कहानियां केवल मनोरंजन के लिए होती हैं
b) कहानियां व्यक्तिगत और सांस्कृतिक पहचान को आकार देती हैं
c) कहानियां स्थिर होती हैं
d) कहानियों का कोई सामाजिक महत्व नहीं है
उत्तर: B

71. फोकस ग्रुप (Focus Group) क्या है?
a) एक व्यक्ति के साथ चर्चा
b) समान विषय पर लोगों के समूह में चर्चा
c) केवल शिक्षक की व्याख्यान पद्धति
d) प्रयोगशाला में परीक्षण
उत्तर: B

72. फोकस ग्रुप का उद्देश्य क्या है?
a) व्यक्तियों के दृष्टिकोण और अनुभवों को सामूहिक रूप से समझना
b) सांख्यिकीय डेटा बनाना
c) प्रयोगशाला में पदार्थ मिलाना
d) नियम बनाना
उत्तर: A

73. फोकस ग्रुप में प्रतिभागियों की संख्या सामान्यतः कितनी होती है?
a) 2–3
b) 6–12
c) 15–20
d) 1–2
उत्तर: B

74. फोकस ग्रुप चर्चा का संचालन कौन करता है?
a) पर्यवेक्षक
b) संचालक (Moderator)
c) शोध सहायक
d) रिकॉर्ड कीपर
उत्तर: B

75. फोकस ग्रुप में प्रश्नों का स्वरूप कैसा होता है?
a) खुले और लचीले
b) केवल बंद (Yes/No)
c) बहुविकल्पीय
d) सांख्यिकीय
उत्तर: A

76. फोकस ग्रुप का एक मुख्य लाभ क्या है?
a) व्यक्तिगत गहराई से विश्लेषण
b) समूह अंतःक्रिया से समृद्ध डेटा
c) अधिक नियंत्रण
d) समय की बचत हमेशा होती है
उत्तर: B

77. फोकस ग्रुप का एक मुख्य नुकसान क्या है?
a) व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने में संकोच
b) अधिक डेटा मिलना
c) सभी प्रतिभागी सक्रिय रहना
d) रिकॉर्डिंग करना आसान होना
उत्तर: A

78. फोकस ग्रुप में डेटा संग्रह के लिए सामान्यतः क्या प्रयोग किया जाता है?
a) वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग
b) केवल लिखित नोट्स
c) सांख्यिकीय फार्म
d) प्रयोगशाला उपकरण
उत्तर: A

79. विमर्श विश्लेषण, नैरेटिव विश्लेषण और फोकस ग्रुप का एक साझा पहलू क्या है?
a) सभी मात्रात्मक विधियां हैं
b) सभी गुणात्मक शोध विधियां हैं
c) सभी प्रयोगशाला आधारित हैं
d) सभी केवल सांख्यिकी पर आधारित हैं
उत्तर: B

80. इन तीनों विधियों का मुख्य लक्ष्य क्या है?
a) सामाजिक घटनाओं के अर्थ और व्याख्या को समझना
b) संख्याओं का विश्लेषण करना
c) नए रसायन बनाना
d) तकनीकी उपकरण डिजाइन करना
उत्तर: A

81. गुणात्मक मनोवैज्ञानिक अनुसंधान में नैतिकता का मुख्य उद्देश्य क्या है?
A) अनुसंधान को तेजी से पूरा करना
B) प्रतिभागियों के अधिकार और कल्याण की रक्षा करना
C) शोधकर्ता की प्रतिष्ठा बढ़ाना
D) डेटा का गोपनीय न रखना
उत्तर: B

82. अनुसंधान में प्रतिभागियों से सहमति प्राप्त करना किसका उदाहरण है?
A) डेटा विश्लेषण
B) सूचित सहमति
C) गोपनीयता उल्लंघन
D) पायलट अध्ययन
उत्तर: B

83. सूचित सहमति में शामिल होना चाहिए:
A) अध्ययन का उद्देश्य
B) प्रतिभागियों का वेतन
C) शोधकर्ता का निजी जीवन
D) अनावश्यक तकनीकी शब्दावली
उत्तर: A

84. गुणात्मक अनुसंधान में गुमनामी का अर्थ है:
A) प्रतिभागियों की पहचान गोपनीय रखना
B) प्रतिभागियों को नकली नाम देना
C) शोध के परिणाम न बताना
D) शोध को गुप्त रखना
उत्तर: A

85. निम्न में से कौन सा नैतिक मुद्दा नहीं है?
A) सहमति प्राप्त करना
B) गोपनीयता बनाए रखना
C) डेटा की जालसाजी
D) प्रतिभागियों की सुरक्षा
उत्तर: C

86. नैतिक दिशानिर्देश किसके द्वारा विकसित किए जाते हैं?
A) सरकारी एजेंसियां
B) पेशेवर संगठन
C) केवल शोधकर्ता
D) समाचार एजेंसियां
उत्तर: B

87. किस स्थिति में प्रतिभागियों को नुकसान का खतरा होता है?
A) संवेदनशील विषयों पर चर्चा
B) खुले-समाप्ति वाले प्रश्न पूछना
C) सार्वजनिक डेटा का विश्लेषण
D) सामान्य अवलोकन
उत्तर: A

88. गुणात्मक अनुसंधान रिपोर्टिंग में शामिल होना चाहिए:
A) शोध प्रश्न
B) प्रतिभागियों के नाम
C) शोधकर्ता की राय
D) केवल निष्कर्ष
उत्तर: A

89. अनुसंधान की पारदर्शिता बढ़ाने के लिए किसका उपयोग किया जाता है?
A) विस्तृत कार्यप्रणाली विवरण
B) केवल सारांश
C) छिपी हुई प्रक्रियाएं
D) परिणाम को बदलना
उत्तर: A

90. प्रतिभागियों की पहचान को छिपाने के लिए आमतौर पर किसका उपयोग किया जाता है?
A) उपनाम
B) असली नाम
C) कोड हटाना
D) खुलासा दस्तावेज
उत्तर: A

91. नैतिक समीक्षा बोर्ड (IRB) का कार्य क्या है?
A) अध्ययन प्रकाशित करना
B) अनुसंधान प्रस्तावों की नैतिक समीक्षा
C) डेटा विश्लेषण करना
D) फंड देना
उत्तर: B

92. अनुसंधान में विश्वास बनाने के लिए आवश्यक है:
A) ईमानदारी और पारदर्शिता
B) जटिल भाषा का प्रयोग
C) डेटा को छिपाना
D) पक्षपाती रिपोर्टिंग
उत्तर: A

93. प्रतिभागियों को शोध से बाहर निकलने की अनुमति देना किस नैतिक सिद्धांत का हिस्सा है?
A) स्वायत्तता
B) न्याय
C) परोपकार
D) गोपनीयता
उत्तर: A

94. परोपकार का अर्थ है:
A) प्रतिभागियों को लाभ पहुंचाना
B) शोधकर्ता को लाभ पहुंचाना
C) केवल नुकसान से बचाना
D) डेटा छिपाना
उत्तर: A

95. न्याय के सिद्धांत के अनुसार:
A) सभी प्रतिभागियों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए
B) केवल चुनिंदा लोगों को शामिल करना चाहिए
C) डेटा चयनित तरीके से साझा करना चाहिए
D) प्रतिभागियों को भुगतान करना चाहिए
उत्तर: A

96. गुणात्मक रिपोर्ट में उद्धरण (quotes) का उपयोग किसलिए किया जाता है?
A) प्रतिभागियों की आवाज़ को प्रस्तुत करने के लिए
B) शोधकर्ता की राय दिखाने के लिए
C) निष्कर्ष को छिपाने के लिए
D) अध्ययन को छोटा करने के लिए
उत्तर: A

97. नैतिक रूप से सही रिपोर्टिंग में क्या शामिल होना चाहिए?
A) सभी प्रासंगिक निष्कर्ष
B) केवल सकारात्मक परिणाम
C) शोधकर्ता की धारणा
D) अप्रासंगिक जानकारी
उत्तर: A

98. अनुसंधान में गोपनीयता का उल्लंघन कब हो सकता है?
A) पहचान योग्य जानकारी साझा करने पर
B) उपनाम के प्रयोग पर
C) डेटा को कोड करने पर
D) परिणामों को गुमनाम करने पर
उत्तर: A

99. प्रतिभागियों को शोध के बाद निष्कर्ष बताना क्या कहलाता है?
A) सहमति
B) डिब्रीफिंग
C) गुमनामी
D) पारदर्शिता
उत्तर: B

100. नैतिक अनुसंधान का अंतिम लक्ष्य क्या है?
A) ज्ञान का संवर्धन और प्रतिभागियों का कल्याण
B) शोधकर्ता की प्रसिद्धि
C) फंड प्राप्त करना
D) तेजी से प्रकाशन
उत्तर: A

****

References

1. Smith, J. A., Flowers, P., & Larkin, M. (2009). *Interpretative Phenomenological Analysis: Theory, method and research*. Sage.
2. Smith, J. A. (2011). Evaluating the contribution of interpretative phenomenological analysis. *Health Psychology Review, 5*(1), 9–27.
3. Smith, J. A., & Osborn, M. (2003). Interpretative phenomenological analysis. In J. A. Smith (Ed.), *Qualitative psychology: A practical guide to research methods* (pp. 51–80). Sage.
4. Brocki, J. J. M., & Wearden, A. J. (2006). A critical evaluation of the use of interpretative phenomenological analysis (IPA) in health psychology. *Psychology and Health, 21*(1), 87–108.
5. Palmer, M., Larkin, M., de Visser, R., & Fadden, G. (2010). Developing an interpretative phenomenological approach to focus group data. *Qualitative Research in Psychology, 7*(2), 99–121.
6. Glaser, B. G., & Strauss, A. L. (1967). *The discovery of grounded theory: Strategies for qualitative research*. Aldine.
7. Strauss, A. L. (1987). *Qualitative analysis for social scientists*. Cambridge University Press.
8. Strauss, A. L., & Corbin, J. M. (1990). *Basics of qualitative research: Grounded theory procedures and techniques* (2nd ed.). Sage.
9. Charmaz, K. (2006). *Constructing grounded theory*. Sage.
10. Bryant, A., & Charmaz, K. (Eds.). (2007). *The SAGE handbook of grounded theory*. Sage.
11. Birks, M., & Mills, J. (2015). *Grounded theory: A practical guide*. Sage.
12. Chun Tie, Y., Birks, M., & Francis, K. (2019). Grounded theory research: A design framework for novice researchers. *SAGE Open Medicine, 7*, 1–8.

13. Clarke, A. (2005). *Situational analysis: Grounded theory after the postmodern turn*. Sage.
14. Glaser, B. G. (1992). *Basics of grounded theory analysis*. Sociology Press.
15. Morse, J. M., Stern, P. N., Corbin, J., Bowers, B., Charmaz, K., & Clarke, A. E. (Eds.). (2009). *Developing grounded theory: The second generation*. Left Coast Press.
16. Gee, J. P. (2014). *An introduction to discourse analysis: Theory and method*. Routledge.
17. Wetherell, M., & Potter, J. (1988). Discourse analysis and the identification of interpretative repertoires. In C. Antaki (Ed.), *Analysing everyday explanation: A casebook of methods* (pp. 168–183). Sage.
18. Wodak, R. (2002). What CDA is about – A summary of its history, important concepts and its developments. In R. Wodak & M. Meyer (Eds.), *Methods of critical discourse analysis* (pp. 1–13). Sage.
19. Watson, R. (1997). Ethnomethodology and textual analysis. In D. Silverman (Ed.), *Qualitative Research: Theory, Method and Practice* (pp. 80–98). Sage.
20. Wertz, F. J., Charmaz, K., McMullen, L., Josselson, R., Anderson, R., & McSpadden, E. (2011). *Five ways of doing qualitative analysis: Phenomenological psychology, grounded theory, discourse analysis, narrative research, and intuitive inquiry*. Guilford Press.
21. Riessman, C. K. (2008). *Narrative methods for the human sciences*. Sage.
22. Josselson, R., & Hammack, P. L. (n.d.). *Essentials of narrative analysis*. American Psychological Association.
23. Clandinin, D. J. (2013). *Engaging in narrative inquiry*. Left Coast Press.
24. Lofland, J., & Lofland, L. H. (1995). *Analyzing social settings: A guide to qualitative observation and analysis* (3rd ed.). Wadsworth.
25. Spradley, J. P. (1979). *The ethnographic interview*. Holt, Rinehart & Winston.
26. Krueger, R. A., & Casey, M. A. (2014). *Focus groups: A practical guide for applied research* (5th ed.). Sage.
27. Morgan, D. L. (1997). *Focus groups as qualitative research* (2nd ed.). Sage.
28. Kitzinger, J. (1995). Qualitative research: Introducing focus groups. *BMJ, 311*(7000), 299–302.
29. Palmer, M., Larkin, M., de Visser, R., & Fadden, G. (2010). (Already listed under IPA adaptation.)
30. Fontana, A., & Frey, J. H. (2003). The interview: From structured questions to negotiated text. In N. K. Denzin & Y. S. Lincoln (Eds.), *Collecting and interpreting qualitative materials* (2nd ed., pp. 61–106). Sage.
31. Creswell, J. W., & Creswell, J. D. (2017). *Research design: Qualitative, quantitative, and mixed methods approaches* (5th ed.). Sage.
32. Creswell, J. W., & Poth, C. N. (2018). *Qualitative inquiry & research design: Choosing among five approaches* (4th ed.). Sage.

33. Todd, Z., Nerlich, B., McKeown, S., & Clarke, D. D. (Eds.). (2004). *Mixing methods in psychology: The integration of qualitative and quantitative methods in theory and practice*. Psychology Press.
34. Johnson, R. B., & Onwuegbuzie, A. J. (2004). Mixed methods research: A research paradigm whose time has come. *Educational Researcher, 33*(7), 14–26.
35. Hays, D. G., & Singh, A. A. (2012). *Qualitative inquiry in clinical and educational settings*. Guilford Press.
36. Miles, M. B., & Huberman, A. M. (1994). *Qualitative data analysis: An expanded sourcebook* (2nd ed.). Sage.
37. Patton, M. Q. (2014). *Qualitative research & evaluation methods: Integrating theory and practice* (4th ed.). Sage.
38. Haneef, I., & Agrawal, M. (2024). Ethical issues in educational research. *Asian Research Journal of Arts & Social Sciences, 22*(5), 29–38.
39. Guba, E. G., & Lincoln, Y. S. (1981). *Effective evaluation*. Jossey-Bass.
40. Guba, E. G. (1981). Criteria for assessing the trustworthiness of naturalistic inquiries. *Educational Communication and Technology Journal, 29*(2), 75–91.
41. Elliott, R., & Timulak, L. (n.d.). *Essentials of descriptive-interpretive qualitative research*. American Psychological Association.
42. Levitt, H. M. (n.d.). *Essentials of critical-constructivist grounded theory research*. American Psychological Association.
43. Terry, G., & Hayfield, N. (n.d.). *Essentials of thematic analysis*. American Psychological Association.
44. Kumarapeli, P., & de Lusignan, S. (2013). Using the computer in the clinical consultation: A qualitative study. *Journal of the American Medical Informatics Association, 20*(e1), e67–e75.
45. Fontana, A., & Frey, J. H. (2003). (Already listed under mixed methods/interviews.)
46. Reinharz, S. (1992). *Feminist methods in social research*. Sage.
47. Wolcott, H. F. (1990). *Writing up qualitative research*. Sage.
48. Silverman, D. (1993). *Interpreting qualitative data*. Sage.
49. Denzin, N. K., & Lincoln, Y. S. (Eds.). (2005). *The Sage handbook of qualitative research* (3rd ed.). Sage.
50. Berger, P., & Luckmann, T. (1967). *The social construction of reality: A treatise in the sociology of knowledge*. Penguin.
51. Bogdan, R. C., & Taylor, S. J. (1975). *Introduction to qualitative research methods: A phenomenological approach to the social sciences*. Allyn & Bacon.